THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 105 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) आषाढ शु.2 2083 गुरुवार, 16 जुलाई-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद ✻ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

पुरी रथयात्रा आज से, 6 महीने पहले से होटल बुकिंग

पुरी, 15 जुलाई (एजेंसियां)। ओडिशा के पुरी में भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा 16 जुलाई, गुरुवार से शुरू होगी। यह भव्य उत्सव 24 जुलाई तक चलेगा, जिसमें 10 लाख से अधिक श्रद्धालुओं के शामिल होने की उम्मीद है। रथयात्रा को लेकर पुरी के होटल और लॉज पूरी तरह फुल हो चुके हैं। जिला प्रशासन के मुताबिक, इस साल फरवरी से ही बुकिंग शुरू हो गई थी। मंदिर और रथयात्रा मार्ग के आसपास के होटल-लॉज की सबसे ज्यादा मांग है। खासकर जिन होटलों की बालकनी या खिड़की रथयात्रा मार्ग की ओर खुलती है, उनके लिए सबसे ज्यादा मारामारी है। पिछले साल के मुकाबले होटल और लॉज का किराया 10 गुना तक बढ़ गया है।

भारत पर 100% टैरिफ लगा सकता है अमेरिका

✻ रूसी तेल खरीदने वाले देशों पर कार्रवाई की तैयारी ✻ संसद में बिल पेश ✻ 5 देश निशाने पर

वॉशिंगटन, 15 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका ने रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर शिकंजा कसने की तैयारी शुरू कर दी है। अमेरिकी सीनेट में रूस पर प्रतिबंधों से जुड़ा एक संशोधित बिल पेश किया गया है। इसमें रूस से तेल और गैस खरीदने वाले देशों पर 100% तक टैरिफ लगाने का प्रस्ताव रखा गया है।

बिल के मुताबिक भारत, चीन, स्लोवाकिया, हंगरी और अजरबैजान पर 100% टैरिफ लगाया जा सकता है। यह बिल रिपब्लिकन और डेमोक्रेट दोनों पार्टियों के समर्थन से लाया जा रहा है। इसका मकसद रूस की तेल से होने वाली कमाई को कम करना है, ताकि उसकी युद्ध लड़ने की क्षमता कमजोर हो सके। इसके तहत रूस के अधिकारियों, शैडो टैंकर बेड़े, केंद्रीय बैंक और सरकारी ऊर्जा परियोजनाओं पर भी प्रतिबंध लगाने का प्रस्ताव है।

पहले बिल के शुरुआती मसौदे में 500% टैरिफ लगाने का प्रस्ताव था, लेकिन बाद में इसे घटाकर 100% कर दिया गया। अगर यह बिल पास हो जाता है, तो अमेरिका पहली बार किसी देश पर सिर्फ इसलिए टैरिफ लगाएगा, क्योंकि वह रूस से तेल खरीदकर उसकी कमाई बढ़ा रहा है।

भारत ने पिछले महीने आधे से ज्यादा तेल रूस से खरीदा

भारत ने जून 2026 में रूस से रिकॉर्ड 26.1 लाख बैरल प्रतिदिन कच्चा तेल खरीदा, जो देश के कुल तेल आयात का 52.47 था। यानी पिछले महीने भारत में आयात होने वाले हर दो बैरल तेल में एक से ज्यादा बैरल रूस से आया। रूस लगातार भारत का सबसे बड़ा तेल सप्लायर बना हुआ है। मई के मुकाबले जून में रूस से तेल आयात में करीब 39% की बढ़ोतरी दर्ज की गई।

यूरोपीय देशों को टैरिफ में राहत देगा अमेरिका

रूस से प्राकृतिक गैस खरीदने वाले चीन, फ्रांस, जापान, हंगरी और बेल्जियम को भी इसके दायरे में रखा गया है। हालांकि, जो देश रूस की कुल गैस निर्यात का 15% से कम आयात करते हैं और अपनी निर्भरता घटाने की दिशा में कदम उठा रहे हैं, उन्हें छूट मिल सकती है। सीनेट में पेश बिल के तहत 15 यूरोपीय देशों को प्रस्तावित 100% टैरिफ से छूट दी गई है। इन देशों को राहत इसलिए दी गई है, क्योंकि ये रूस से 15% से कम प्राकृतिक गैस खरीदते हैं और धीरे-धीरे उस पर अपनी निर्भरता भी कम कर रहे हैं। डेमोक्रेट सीनेटर रिचर्ड ब्लूमेंथल ने कहा कि यह बिल यूरोपीय सहयोगियों के खिलाफ नहीं है। इसका निशाना सिर्फ वे देश हैं, जो अब भी रूस के तेल कारोबार को सबसे ज्यादा आर्थिक सहारा दे रहे हैं। बिल में रूस के ऊर्जा उद्योग, वित्तीय संस्थानों, रक्षा औद्योगिक ढांचे, कारोबारियों और राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन तक पर प्रतिबंध लगाने का प्रस्ताव है।

अमेरिकी सेना ने दिन के उजाले में शुरू किए हवाई हमले

दुबई, 15 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिकी सेना ने कहा कि उसने ईरान को निशाना बनाकर हवाई हमलों का नया दौर शुरू कर दिया है। सेना ने बुधवार को दिन के उजाले में इन हमलों की शुरुआत की। यह हमलों की बढ़ती रफ्तार का ही एक हिस्सा है। अमेरिकी सेना की मध्य कमान (सेंटकॉम) ने ऑनलाइन जारी एक बयान में इस बात की पुष्टि की कि हमले शुरू कर दिए गए हैं। पिछले कुछ दिनों से किए जा रहे हमलों में अमेरिका ने ईरान को केवल रात के समय निशाना बनाया था।

सेंटकॉम ने कहा, 'इन हमलों का मकसद ईरानी सेना की उन सैन्य क्षमताओं को और कमजोर करना है, जिनका इस्तेमाल वह होर्मुज जलडमरूमध्य में वाणिज्यिक जहाजों पर हमला करने के लिए कर रही हैं।' ये हमले ऐसे समय में किए गए हैं, जब ईरान और अमेरिका के बीच हुआ अंतरिम समझौता पूरी तरह से टूट चुका है। एपी की रिपोर्ट के मुताबिक, सेंटकॉम ने कहा कि उसने ईरान के रक्षा और मिसाइल ठिकानों को निशाना बनाते हुए ग्रेटर टुनब द्वीप पर हमला किया है।

भारत की मदद से फिलिस्तीन में बनेंगे अस्पताल और प्रशिक्षण केंद्र

दूतावास ने जताया आभार

नई दिल्ली, 15 जुलाई (एजेंसियां)। भारत की ओर से फिलिस्तीनी जनता के लिए तीन प्रमुख विकास परियोजनाएं स्थापित करने की घोषणा का फिलिस्तीन ने स्वागत किया है। भारत स्थित फिलिस्तीनी दूतावास ने विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर की घोषणा के हवाले से कहा कि यह पहल दोनों देशों के बीच सहयोग और मानवीय साझेदारी को मजबूत करने वाला कदम है। फिलिस्तीनी दूतावास के बयान के अनुसार, भारत फिलिस्तीन में एक विशेषज्ञ अस्पताल, एक कृत्रिम अंग प्रत्यारोपण एवं फिटमेंट केंद्र और एक व्यावसायिक प्रशिक्षण संस्थान स्थापित करेगा। यह घोषणा भारत की ओर से संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (2028-2029) में अस्थायी सदस्यता के लिए अभियान शुरू किए जाने के दौरान की गई। दूतावास ने बताया कि यह प्रतिबद्धता ब्रसेल्स में आयोजित फिलिस्तीन डोनर ग्रुप की बैठक के दौरान भारत द्वारा जताई गई थी। दूतावास ने कहा कि यह सहायता ऐसे समय में महत्वपूर्ण है, जब गाजा पट्टी में गंभीर मानवीय संकट जारी है। बयान में दावा किया गया कि गाजा की स्वास्थ्य व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हुई है, कई अस्पताल और चिकित्सा सुविधाएं नष्ट हो गई हैं या काम करने की स्थिति में नहीं हैं। इसके अलावा, बड़ी संख्या में लोग चिकित्सा सुविधाओं, दवाओं और आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं की कमी का सामना कर रहे हैं।

'भारत और ब्रिटेन के आर्थिक संबंधों को नई ऊंचाई पर ले जाएगा सीईटीए'

नई दिल्ली/अबू धाबी, 15 जुलाई (एजेंसियां)। भारत और यूनाइटेड किंगडम (यूके) के आर्थिक संबंधों के लिहाज से बुधवार का दिन एक ऐतिहासिक मील का पत्थर है। दोनों लोकतांत्रिक देशों के बीच महत्वाकांक्षी व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौता (सीईटीए) और सामाजिक सुरक्षा समझौता आधिकारिक तौर पर लागू हो गए हैं।

इस ऐतिहासिक कदम के तहत अब भारत से ब्रिटेन जाने वाले लगभग 99 प्रतिशत निर्यातों को जीरो-ड्यूटी (शून्य-शुल्क) के साथ बाजार पहुंच हासिल होगी, जो कुल व्यापार मूल्य का लगभग 100 प्रतिशत कवर करता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे दोनों देशों की साझेदारी में एक महत्वपूर्ण क्षण बताया है जो द्विपक्षीय संबंधों को एक नई ऊंचाई प्रदान करेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस समझौते का स्वागत करते हुए कहा कि यह साझा महत्वाकांक्षाओं को हमारे लोगों के लिए वास्तविक और ठोस अवसरों में बदलने का काम करेगा। उन्होंने रेखांकित किया कि यह क्षण दोनों लोकतांत्रिक देशों के बीच गहरे आपसी विश्वास और व्यापार, प्रौद्योगिकी, निवेश एवं नवाचार द्वारा संचालित एक मजबूत और भविष्योन्मुखी साझेदारी बनाने के संकल्प को प्रदर्शित करता है। पीएम ने कहा, 'भारत-यूनाइटेड किंगडम साझेदारी में यह एक महत्वपूर्ण क्षण है! व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौते (सीईटीए) और सामाजिक सुरक्षा समझौते के लागू होने से हमारे आर्थिक संबंध और भी गहरे होने वाले हैं।

ये समझौते मिलकर हमारी साझा महत्वाकांक्षा को हमारे लोगों के लिए ठोस अवसरों में तब्दील करते हैं।" मोदी ने यह भी कहा कि सीईटीए किसानों, उद्यमियों और एमएसएमई को नई गति प्रदान करेगा, इसके अलावा कई जीवंत क्षेत्रों को यूके के बाजार तक मजबूत पहुंच प्राप्त होगी। पीएम मोदी के अनुसार, सीईटीए हमारे किसानों, उद्यमियों और लघु व मध्यम उद्यमों को नई गति प्रदान करेगा। कई जीवंत क्षेत्रों को यूके के बाजार में बेहतर पहुंच प्राप्त होगी।

> भारत और ब्रिटेन के बीच व्यापार समझौता साझा महत्वाकांक्षाओं को हमारे लोगों के लिए वास्तविक और ठोस अवसरों में बदलने का काम करेगा। यह क्षण दोनों लोकतांत्रिक देशों के बीच गहरे आपसी विश्वास और व्यापार, प्रौद्योगिकी, निवेश व नवाचार से संचालित एक मजबूत और भविष्योन्मुखी साझेदारी के संकल्प का प्रतीक है।
>
> *नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री*

सुप्रीम कोर्ट बोला-सीबीएसई के डिजिटल मार्किंग सिस्टम से छात्र निराश

> बोर्ड से पूछा सुधार के लिए अब तक क्या किया; केंद्र से मदद मांगी

नई दिल्ली, 15 जुलाई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को सीबीएसई के ऑन स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) सिस्टम को लेकर छात्रों की नाराजगी पर चिंता जताई। सुनवाई के दौरान सीजेआई सूर्यकांत ने कहा, 'देखिए, छोटे-छोटे बच्चों में कितनी निराशा है।'

कोर्ट ने कहा कि सरकार से किसी टकराव की मंशा नहीं है, लेकिन व्यवस्था में कुछ समस्याएं हैं। कोर्ट ने सीबीएसई की ओर से उठाए जा रहे कदमों की जानकारी मांगी है। साथ ही केंद्र से सहयोग करने की बात कही है। सीबीएसई का ओएसएम यानी ऑन-स्क्रीन मार्किंग सिस्टम ऐसी व्यवस्था है, जिसमें ऑन्सर शीट की स्कैन कॉपी कंप्यूटर पर जांची जाती है। शिक्षक कागज की कॉपी देखने के बजाय डिजिटल स्क्रीन पर मूल्यांकन करते हैं।

कोर्ट में सरकार के 3 तर्क

केंद्र की तरफ से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत को बताया कि जिन स्टूडेंट्स की मार्कशीट में गड़बड़ी थी। उनमें से अधिकांश मामलों का समाधान कर दिया गया है। सरकार इस व्यवस्था से जुड़े मुद्दों को गंभीरता से ले रही है। उन्होंने कोर्ट को बताया कि एस राधा चौहान की अध्यक्षता में एक सदस्यीय आयोग बनाया गया है। यह आयोग मूल्यांकन प्रणाली की समीक्षा करेगा और जरूरी सुधारों की सिफारिश करेगा। हम इस मामले को विरोध के तौर पर नहीं देख रहे हैं। समिति पहले से शिकायतों की जांच कर रही है।

याचिका में स्पष्ट नियमावली की मांग

यह जनहित याचिका राकेश बिंजोला ने वकील लक्ष्मीकांत मटादन शुक्ला के माध्यम से दायर की है। याचिका में केंद्र सरकार और सीबीएसई को निर्देश देने की मांग की गई है कि बोर्ड परीक्षाओं के लिए ओएसएम मूल्यांकन प्रणाली से जुड़ी स्पष्ट नियमावली बनाई जाए। इस व्यवस्था की निगरानी और सुधार लागू करने के लिए एक हाई पावर कमेटी गठित की जाए।

जिन स्टूडेंट्स को पहले ही प्रोविजनल एडमिशन मिल चुका है या जिन्होंने प्रवेश परीक्षाएं पास कर ली हैं, उन्हें मिनिमम क्वॉलिफाइंग मार्क्स में राहत दी जाए।

राहुल गांधी को राहत, कोर्ट ने खारिज की निगरानी याचिका

मजिस्ट्रेट के आदेश में हस्तक्षेप से किया इनकार

सुल्तानपुर, 15 जुलाई (एजेंसियां)। गृहमंत्री अमित शाह पर कथित विवादित टिप्पणी से जुड़े मानहानि के मामले में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को एमपी-एमएलए कोर्ट से राहत मिली है। स्पेशल जज राकेश यादव की अदालत ने भाजपा नेता विजय मिश्र की निगरानी याचिका खारिज कर दी। अदालत ने मजिस्ट्रेट कोर्ट के आदेश में हस्तक्षेप से इनकार किया। इस फैसले से स्पेशल मजिस्ट्रेट की अदालत में लंबित मानहानि मुकदमे की सुनवाई का रास्ता साफ हो गया है।

अब मामले में 18 जुलाई को सुनवाई होगी। स्पेशल जज ने अपने आदेश में कहा कि मजिस्ट्रेट कोर्ट में लंबित अंतिम बहस की कार्यवाही को रोकना उचित नहीं था। अदालत ने माना कि परिवादी की ओर से दायर निगरानी याचिका स्वीकार करने योग्य नहीं है। यह मामला भाजपा नेता विजय मिश्र ने वर्ष 2018 में दायर किया था। आरोप है कि राहुल गांधी ने अमित शाह के संबंध में विवादित टिप्पणी की थी। मुकदमे की सुनवाई के दौरान विजय मिश्र ने 12 मार्च को राहुल गांधी की आवाज का नमूना जांच कराने की मांग की थी। स्पेशल मजिस्ट्रेट शुभम वर्मा की अदालत ने 2 मई को यह अर्जी खारिज कर दी थी।

उन्होंने जमानतनामा प्रस्तुत करने और अंतिम बहस आगे बढ़ाने का आदेश दिया था। विजय मिश्र ने इस आदेश को एमपी-एमएलए सेशन कोर्ट में चुनौती दी थी। बुधवार को स्पेशल जज ने उनकी याचिका खारिज कर दी। राहुल गांधी की आवाज के नमूने की जांच कराने की मांग पहले स्पेशल मजिस्ट्रेट कोर्ट ने खारिज की थी। अब उसी आदेश के खिलाफ दाखिल निगरानी याचिका भी एमपी-एमएलए सेशन कोर्ट ने निरस्त कर दी।

'सिर्फ अपना कमरा बदला है, घर नहीं'

> टीएमसी के बागी गुट में शामिल हुए ममता के करीबी मदन मित्रा

कोलकाता, 15 जुलाई (एजेंसियां)। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के विधायक मदन मित्रा पार्टी के बागी गुट में शामिल हो गए हैं। इस बागी गुट का नेतृत्व राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता ऋतब्रत बनर्जी कर रहे हैं। इस कदम से पार्टी के अंदर जारी विवाद और गहरा हो गया है। मदन मित्रा को टीएमसी की सुप्रीमो और पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का करीबी माना जाता है। कमरहाटी से विधायक मदन मित्रा ने घोषणा की कि उन्होंने ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली टीएमसी के तहत काम करने वाली सभी राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय समितियों से इस्तीफा दे दिया है।

विधायक ने यह भी कहा कि उन्होंने पार्टी के मुख्य सचेतक (चीफ व्हिप) के पद से भी तत्काल प्रभाव से इस्तीफा दे दिया है। ऋतब्रत बनर्जी से मुलाकात करने के बाद मदन मित्रा ने पत्रकारों से कहा, मैंने सिर्फ अपना कमरा बदला है, घर नहीं। मैं अभी भी टीएमसी में ही हूं। यह ममता बनर्जी के नेतृत्व वाले टीएमसी गुट के लिए एक और बड़ा झटका माना जा रहा है। पिछले कुछ महीनों से पार्टी के अंदर बड़े स्तर पर बगावत चल रही है, जिससे नेतृत्व को लगातार मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है।

मतदाता सूची में हैरान करने वाली गड़बड़ियां

दो लाख के माता-पिता नाबालिग, 92 हजार के दादा जवान

देहरादून, 15 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तराखंड में दो लाख मतदाता ऐसे हैं जिनके माता-पिता नाबालिग हैं। वहीं, 92 हजार मतदाताओं के दादा जवान हैं। ये हम नहीं कह रहे, चुनाव आयोग के एसआईआर के पहले चरण के बाद जो 19.04 लाख मतदाताओं की विसंगतियां पकड़ी गईं, उनमें अजब-गजब तथ्य सामने आए हैं। ऊधमसिंह नगर जिले में रुद्रपुर ऐसी विधानसभा है, जहां 89 प्रतिशत मतदाताओं की विसंगतियां हैं। 42,808 मतदाता ऐसे हैं, जिनका कुछ पता नहीं चल पाया।

1,99,121 मतदाताओं के माता-पिता नाबालिग

एसआईआर में 1,99,121 ऐसे पकड़ में आए हैं, जिनके और माता-पिता की आयु के बीच महज 15 साल या इससे कम का अंतर है। अल्मोड़ा की सल्ट विधानसभा में 14,001 में से 3,938 मामले (28 प्रतिशत) ऐसे हैं। देहरादून की चकराता विधानसभा में 4,062 मतदाता, हरिद्वार की खानपुर विधानसभा में 5,359 मतदाता ऐसे चिह्नित हुए हैं। जिलावार देखें तो उत्तरकाशी में 4272, चमोली में 4625, रुद्रप्रयाग में 5505, टिहरी में 12,688, देहरादून में 28,367, हरिद्वार में 43,418, पौड़ी में 10,609, पिथौरागढ़ में 7659, बागेश्वर में 4741, अल्मोड़ा में 11,496, चंपावत में 4273, नैनीताल में 22,650, ऊधमसिंह नगर में 38,818 ऐसे मतदाता चिह्नित हुए हैं। वहीं, 1,09,547 मतदाता ऐसे भी हैं, जो अपने माता-पिता से 50 साल से भी ज्यादा छोटे हैं। 92,114 मतदाताओं के दादा हैं जवानये ऐसे मतदाता हैं, जिनके और उनके दादा-दादी या नाना-नानी की उम्र के बीच 40 वर्ष से भी कम का अंतर है। इसमें बागेश्वर जिले की बागेश्वर, कपकोट, अल्मोड़ा की द्वाराहाट विधानसभा में सर्वाधिक 11-11 प्रतिशत मतदाता ऐसे हैं। जिलावार देखें तो उत्तरकाशी में 2608, चमोली में 2405, रुद्रप्रयाग में 1765, टिहरी में 3688, देहरादून में 13,527, हरिद्वार में 14,071, पौड़ी में 5185, पिथौरागढ़ में 4115, बागेश्वर में 4507, अल्मोड़ा में 5144, चंपावत में 2188, नैनीताल में 11,875 और ऊधमसिंह नगर में 21,036 मतदाताओं के दादा जवान हैं।

ये चौंकाने वाले तथ्य भी आए सामने

2,39,566 ऐसे मतदाता, जिनमें दो बच्चों के बीच नौ माह से कम का अंतर है। इनमें सर्वाधिक हरिद्वार ग्रामीण में 6,187, खानपुर में 6,457, विकासनगर में 3,236 मतदाता हैं। एक ही मुखिया के नाम से दर्ज छह या अधिक मतदाताओं की बड़ी संख्या है। इनमें हरिद्वार की पिरान कलियर विधानसभा में 8,087, लक्सर में 4,799, मंगलौर में 6,964 मतदाता शामिल हैं।

तमाम मतदाता ऐसे हैं, जिनके अपने नाम या रिश्तेदारों के नाम की स्पेलिंग या पहचान गलत है। इसमें सबसे ज्यादा देहरादून, हरिद्वार के हैं। देहरादून की रायपुर विधानसभा में 23,555 वोटर(50 प्रतिशत) के खुद के नाम में, 17,676 मामलों में रिश्तेदारों के नामों में गड़बड़ी है। डोईवाला में 20,805(477), धर्मपुर 23,048, हरिद्वार की भेल रानीपुर में 15,379 मतदाताओं की ये विसंगति है।

भारत के सबसे बड़े न्यूक्लियर पावर प्लांट का डेटा लीक

दावा-हैकर्स ने कंट्रोल रूम का लेआउट, सप्लायर्स की लिस्ट डार्क वेब पर डाली

चेन्नई, 15 जुलाई (एजेंसियां)। भारत के सबसे बड़े न्यूक्लियर पावर प्लांट कुडनकुलम से जुड़े हजारों दस्तावेज लीक हो गए हैं। हैकर्स ग्रुप 'वर्ल्ड लीक्स' ने डार्क वेब पर इन दस्तावेजों को अपलोड करने का दावा किया है। इनमें पॉवर प्लांट के कुछ हिस्सों के ब्लूप्रिंट, सप्लायर्स की लिस्ट, कंट्रोल रूम और अन्य रिकॉर्ड सार्वजनिक किए गए। सर्वर मई में हैक हुआ था, जून में दस्तावेज लीक का दावा किया गया। इसकी जानकारी अब सामने आई है।

तमिलनाडु के कुडनकुलम प्रोजेक्ट पर काम कर रहे अनिल अंबानी के रिलायंस ग्रुप ने माना है कि थर्ड-पार्टी डेटा सेंटर कंपनी योट्टा का सर्वर हैक किया गया। इसकी जानकारी सरकार को दे दी गई है। कंपनी ने यह नहीं बताया कि कौन सा डेटा लीक हुआ। न्यूक्लियर पॉवर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनपीसीआईएल) रिलायंस के साथ मिलकर मामले की समीक्षा कर रहा है। भारतीय कंप्यूटर इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीम भी इस डेटा लीक की जांच कर रही है। रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर कुडनकुलम न्यूक्लियर पावर प्लांट की यूनिट-3 और यूनिट-4 प्रोजेक्ट का ठेकेदार है। कंपनी का कुछ डेटा थर्ड-पार्टी डेटा सेंटर कंपनी योट्टा के सर्वर पर मौजूद था। योट्टा ने सर्वर पर 29 मई 2026 को संदिग्ध गतिविधि देखी। दावा किया कि साइबर अटैक रोक दिया। जून के अंत में रिलायंस ने योट्टा को बताया कि वर्ल्ड लीक्स नामक हैकर समूह डेटा चोरी का दावा कर रहा है। डार्क वेब पर करीब 8.58 लाख फाइलों में से लगभग 19 हजार संवेदनशील दस्तावेज अपलोड करने का दावा किया गया। लीक दस्तावेजों में कथित तौर पर ब्लूप्रिंट, सप्लायरों की जानकारी, निरीक्षण रिकॉर्ड, बैठकों के दस्तावेज की फाइलें शामिल हैं।

डेटा लीक कितना खतरनाक

परमाणु सुरक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि डार्क वेब पर मौजूद ये दस्तावेज अगर असली हैं, तो इनके जरिए कोई हमलावर न्यूक्लियर पावर प्लांट के सपोर्ट सिस्टम, सप्लाई चेन और सुरक्षा व्यवस्था को बेहतर ढंग से समझ सकता है, जिससे सुरक्षा जोखिम बढ़ सकता है। डार्क वेब इंटरनेट का वह हिस्सा है, जिसे सामान्य ब्राउजर (जैसे- क्रोम, एज या सफारी) से नहीं खोला जा सकता। इसे एक्सेस करने के लिए टोर ब्राउजर जैसे विशेष ब्राउजर की जरूरत होती है। यह इंटरनेट का छिपा हुआ हिस्सा है।

यौन अपराधः सुप्रीम कोर्ट ने पटना हाईकोर्ट के फैसले पर जताई नाराजगी

न्यायिक संवेदनशीलता पर कही बड़ी बात

नई दिल्ली, 15 जुलाई (एजेंसियां)। देश की सर्वोच्च अदालत ने यौन अपराधों के मामलों में संवेदनशीलता को लेकर एक बेहद महत्वपूर्ण नीतिगत और प्रशासनिक निर्देश जारी किया है। सुप्रीम कोर्ट ने पटना हाईकोर्ट के उस हालिया आदेश पर गहरी नाराजगी जताई है जिसमें महिला के साथ जबरदस्ती करने के कृत्य को 'दुष्कर्म के प्रयास' की श्रेणी में मानने से इनकार कर दिया गया था। इस मामले को बेहद गंभीरता से लेते हुए देश के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने स्पष्ट किया है कि अदालतों और पुलिस प्रशासन को यौन अपराधों से जुड़े मामलों को दर्ज करने और सुनवाई करने के लिए तय संवेदनशीलता मार्गदर्शिका (हैंडबुक) का सख्ती से पालन करना होगा।

पटना हाईकोर्ट ने हाल ही में अपने एक फैसले में कहा था कि महिला के वस्त्र उतारना और उसकी छाती पर हाथ रखना 'दुष्कर्म की कोशिश' को साबित करने के लिए पर्याप्त नहीं है। हाईकोर्ट के जस्टिस पूर्णेन्दु सिंह ने आरोपी की सजा को दुष्कर्म के प्रयास की गंभीर धारा से घटाकर केवल महिला की मर्यादा भंग करने (आईपीसी की धारा 354) के तहत कर दिया था, जिसमें काफी कम सजा का प्रावधान है।

जब वरिष्ठ वकील शोभा गुप्ता ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि ऐसी विसंगतियां लगातार सामने आ रही हैं, तो इस पर सुप्रीम कोर्ट ने सख्त रवैया अख्तियार किया। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने इस बात पर चिंता व्यक्त की कि जजों का भी यह कर्तव्य है कि वे कानून और पूर्व के फैसलों पर खुद शोध करें। उन्होंने तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा कि इस मामले में न्यायिक स्टाफ कुछ नहीं कर रहा है।

यह पूरा मामला क्या था और हाई कोर्ट ने क्या दलील दी थी?

यह पूरा विवाद साल 2008 की एक घटना से जुड़ा हुआ है। अमरपुर में एक महिला अपने पिता के साथ एक फोटो स्टूडियो में गई थी। आरोप के अनुसार, स्टूडियो मालिक ने उसके पिता को बाहर रुकने के बहाने दरवाजा बंद कर लिया और अंदर महिला के साथ यौन उत्पीड़न का प्रयास किया। निचली अदालत ने आरोपी को दुष्कर्म के प्रयास और गलत तरीके से बंधक बनाने का दोषी पाया था, जिसे उसने हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। हाईकोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि चूंकि रिकॉर्ड पर प्रवेश (पेनेट्रेशन) का कोई सबूत या मेडिकल साक्ष्य नहीं मिला है, इसलिए दुष्कर्म के प्रयास की धाराएं लागू नहीं होतीं। अदालत ने माना था कि यह मामला केवल आईपीसी की धारा 354 के तहत महिला की मर्यादा को ठेस पहुंचाने का बनता है क्योंकि आरोपी ने आपराधिक बल का प्रयोग किया था। इस विसंगति को दूर करने और भविष्य में ऐसे फैसलों को रोकने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने देश के संपूर्ण न्यायिक और प्रशासनिक तंत्र के लिए कड़े निर्देश जारी किए हैं:

हैंडबुक का पालन अनिवार्यः सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया है कि देश की सभी अदालतें यौन अपराधों से संबंधित मामलों में तय हैंडबुक में दी गई शब्दावली और निर्देशों का अनिवार्य रूप से पालन करेंगी।

पुलिस स्टेशनों को निर्देशः सभी राज्यों को आदेश दिया गया है कि वे अपने पुलिस थानों को निर्देश जारी करें कि एफआईआर दर्ज करते समय और चार्जशीट दाखिल करते समय इस हैंडबुक के नियमों का कड़ाई से पालन किया जाए।

नेशनल ज्यूडिशियल एकेडमी की रिपोर्टः सर्वोच्च न्यायालय ने 'नेशनल ज्यूडिशियल एकेडमी' (एनजेए) की न्यायिक संवेदनशीलता पर तैयार की गई रिपोर्ट को सुप्रीम कोर्ट और सभी राज्यों के हाईकोर्ट की वेबसाइटों पर ऑनलाइन अपलोड करने का निर्देश दिया है ताकि न्यायिक अधिकारियों को जागरूक किया जा सके। यह रिपोर्ट पूर्व में इलाहाबाद हाईकोर्ट द्वारा 2025 में दिए गए ऐसे ही एक आदेश के बाद स्वतः संज्ञान लेते हुए तैयार की गई थी।

क्या है इस फैसले का निष्कर्ष?

सुप्रीम कोर्ट की इस सख्त कार्रवाई ने यह साफ कर दिया है कि यौन अपराधों के मामलों में न्यायिक और पुलिस संवेदनशीलता को लेकर किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यह दिशा-निर्देश देश भर की अदालतों में महिलाओं से जुड़े संवेदनशील मामलों की सुनवाई और पुलिस जांच के तौर-तरीकों में बड़ा सुधार लाने की दिशा में एक मील का पत्थर साबित होंगे।

30 लाख की फिरौती मांगने वाला मुख्य आरोपी गिरफ्तार

अमृतसर, 15 जुलाई (एजेंसियां)। पंजाब की अमृतसर देहात पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 30 लाख रुपये की फिरौती मांगने और गांव पंडोरी वरैच में हुए पेट्रोल बम हमले के मामले के मुख्य आरोपी गुरलाल सिंह को पुलिस मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, गुप्त सूचना के आधार पर गांव पंडोरी वरैच के पास नाकाबंदी कर आरोपी को पकड़ने के लिए अभियान चलाया गया। जैसे ही पुलिस टीम ने आरोपी को घेरने की कोशिश की, उसने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। आत्मरक्षा में पुलिस द्वारा की गई जवाबी कार्रवाई के दौरान गांव बल्ल खुर्द निवासी आरोपी गुरलाल सिंह के पैर में गोली लगी, जिसके बाद उसे मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से एक अवैध पिस्तौल भी बरामद की गई। घायल आरोपी को तुरंत उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस पूरे मामले की गहन जांच कर रही है। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि आरोपी के किसी अन्य आपराधिक गिरोह या संगठित अपराध नेटवर्क से संबंध हैं या नहीं। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच जारी है और आरोपी से पूछताछ के आधार पर आगे और भी महत्वपूर्ण खुलासे होने की संभावना है।

जूनियर एनटीआर के ऑफिस ने राजनीति में आने की अफ़वाहों को नकारा

तिरुपति, 15 जुलाई (एजेंसियां)। तिरुपति में होने वाले एक प्रस्तावित कार्यक्रम से पहले तेलुगु राज्यों में जूनियर एनटीआर के सक्रिय राजनीति में आने की अटकलें तेज हो गईं, जिसके बाद अभिनेता के ऑफिस ने तुरंत और साफ़ तौर पर इन अफ़वाहों का खंडन किया। मंदिर वाले शहर में 18 जुलाई को होने वाले आरएडब्ल्यू एनटीआर ओरू वाडा कार्यक्रम की घोषणा के बाद सोशल मीडिया पर ये अफ़वाहें फैल गईं। इस कैंपेन ने इन चर्चाओं को हवा दी कि इस सोशल सर्विस प्लेटफ़ॉर्म का इस्तेमाल अभिनेता के फ़ैन बेस को इकट्ठा करने के लिए किया जा रहा है, ताकि भविष्य में राजनीति में उनकी एंट्री के लिए आधार तैयार किया जा सके। इसकी तुलना दक्षिण भारतीय सिनेमा में हाल ही में फ़िल्मों से राजनीति में आए सितारों से की जाने लगी।

इस विवाद से अभिनेता को पूरी तरह अलग करते हुए, जूनियर एनटीआर के ऑफ़िस ने एक आधिकारिक बयान जारी कर साफ़ किया कि उनका आरएडब्ल्यू एनटीआर संगठन या उसके आगामी कार्यक्रम से कोई संबंध, जुड़ाव या भागीदारी नहीं है। बयान में कहा गया, हमारे ध्यान में आया है कि आरएडब्ल्यू एनटीआर नाम से काम कर रहा एक संगठन ऐसी गतिविधियां कर रहा है जिनसे ऐसा लग सकता है कि वे एनटीआर से जुड़े हैं। यह संगठन न तो एनटीआर का प्रतिनिधित्व करने के लिए अधिकृत है और न ही किसी भी तरह से उनकी ओर से बातचीत करने के लिए।

जगन ने लापता मछुआरों के परिवारों को 7 लाख रुपये की सहायता दी

विशाखापत्तनम, 15 जुलाई (एजेंसियां)। वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने उन छह मछुआरों के परिवारों को 7 लाख रुपये की वित्तीय सहायता की घोषणा की, जो 4 जुलाई को विशाखापत्तनम तट पर मछली पकड़ने वाली नाव पलटने के बाद से लापता हैं। पार्टी ने दुर्घटना में जीवित बचे एकमात्र व्यक्ति कारी चिन्ना को 7 लाख रुपये की सहायता देने की भी घोषणा की। जगन ने विशाखापत्तनम में प्रभावित परिवारों का दौरा किया और आरोप लगाया कि राज्य सरकार की देरी से प्रतिक्रिया के कारण लापता मछुआरों को बचाने की संभावना कम हो गई है। उन्होंने दावा किया कि घटना की जानकारी उपलब्ध होने के बावजूद जिला प्रशासन, पुलिस और अन्य विभागों के बीच समन्वय की कमी थी। जगन मोहन रेड्डी ने सरकार द्वारा गठित तीन सदस्यीय जांच समिति के निष्कर्षों पर भी सवाल उठाया, आरोप लगाया कि इसकी रिपोर्ट में पीड़ितों के परिवारों को दुर्घटना के बारे में कब सूचित किया गया था,

इसके बारे में गलत जानकारी थी। उन्होंने सरकार पर प्रशासनिक खामियों को छुपाने का प्रयास करने का आरोप लगाया। पूर्व मुख्यमंत्री ने घटना से निपटने के राज्य सरकार के तरीके की आलोचना की और आरोप लगाया कि दुर्घटना के बाद किसी भी मंत्री ने परिवारों से मुलाकात नहीं की। उन्होंने मांग की कि सरकार प्रत्येक प्रभावित परिवार को 1 करोड़ रुपये का मुआवजा दे, यह तर्क देते हुए कि यह त्रासदी प्रशासनिक विफलता के कारण हुई।

मंत्री गडकरी ने आंध्र प्रदेश से आए उर्स यात्रियों के लिए मुफ्त सेवाओं की तारीफ़ की

नागपुर, 15 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी को आंध्र प्रदेश के जाने-माने सूफ़ी आध्यात्मिक गुरु हज़रत अता निज़ामुद्दीन ताज कादरी बाबा ने बताया कि नागपुर में सालाना हज़रत ताजुद्दीन बाबा उर्स में शामिल होने वाले आंध्र प्रदेश के श्रद्धालुओं को मुफ्त परिवहन और सामुदायिक भोजन की सुविधा दी जा रही है। उर्स में केंद्रीय मंत्री का सम्मान करने वाले हज़रत अता निज़ामुद्दीन ताज कादरी बाबा ने कहा कि आंध्र प्रदेश से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए हर साल मुफ्त यात्रा का इंतज़ाम किया जाता है।

उन्होंने यह भी बताया कि त्योहार के दौरान ताज बाबा दरगाह पर एक विशेष कैंप लगाया जाता है, जहाँ यात्रियों को मुफ्त लंगर (सामुदायिक भोजन) परोसा जाता है। इन पहलों की सराहना करते हुए, गडकरी ने हज़रत अता निज़ामुद्दीन ताज कादरी बाबा

द्वारा की जा रही मानवीय और आध्यात्मिक सेवाओं की तारीफ़ की। उन्होंने समाज की भलाई के लिए की जाने वाली ऐसी निस्वार्थ सेवा को मिसाल के तौर पर पेश किया और कहा कि और लोगों को इन प्रयासों से प्रेरणा लेनी चाहिए और हज़रत ताजुद्दीन बाबा का आशीर्वाद लेते हुए इसी तरह के परोपकारी कार्यों में भाग लेना चाहिए।

राजस्थान-एमपी में मानसून थमा, यूपी-बिहार में भारी बारिश

बंगाल की खाड़ी से आने वाली नम हवाओं का असर; ओडिशा में रेड अलर्ट

नई दिल्ली/भोपाल/जयपुर, 15 जुलाई (एजेंसियां)। मानसून देशभर में एक जैसा काम नहीं कर रहा है। राजस्थान, मध्य प्रदेश, दिल्ली, हरियाणा और पंजाब में मानसून थम गया है। जबकि बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल और पूर्वी उत्तर प्रदेश के कई इलाकों में तेज बारिश हो रही है। मौसम विभाग ने बताया कि मानसून ट्रफ, अरब सागर और बंगाल की खाड़ी से आने वाली नम हवाएं पूर्वी भारत में आकर रुक गई हैं। इससे पश्चिम-उत्तर भारत तक पर्याप्त मात्रा में नम हवाएं नहीं पहुंच पा रही हैं, इसलिए बारिश कम हो रही है। मौसम विभाग के मुताबिक, कुछ दिनों बाद नया लो-प्रेशर सिस्टम बनने या मानसून ट्रफ के पश्चिम की ओर बढ़ने पर इन राज्यों में भी अच्छी बारिश शुरू हो सकती है।

ओडिशा में बारिश का रेड अलर्ट है। सैटेलाइट इमेज में बारिश का पूरा फोकस पूर्वी और पूर्वोत्तर भारत पर है। बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा के ऊपर घने बादल हैं। वहीं राजस्थान, गुजरात, पश्चिमी मध्य प्रदेश, हरियाणा, पंजाब और पश्चिमी महाराष्ट्र में बादल गायब हैं। अरुणाचल प्रदेश में पिछले 24 घंटों में बाढ़, लैंडस्लाइड और भारी बारिश से चार जिलों में नुकसान हुआ। राज्य में 1.02 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हैं, अब तक 7 लोगों की मौत और 29 घायल हुए हैं। वहीं, असम के 6 जिलों के 99 गांव बाढ़ की चपेट में हैं, जहां 37,032 लोग प्रभावित हैं।

सबसे ज्यादा असर लखीमपुर जिले में है। मौसम विभाग ने ओडिशा के कई इलाकों में रथ यात्रा के दौरान भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। इनमें पुरी भी शामिल है। यह चेतावनी बंगाल की खाड़ी में बनने वाले कम दबाव के क्षेत्र के कारण जारी की गई है। अगले 24 घंटों के दौरान बंगाल की खाड़ी और उससे सटे पश्चिमी बांग्लादेश के तटों पर कम दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना है। मौसम में हो रहे इस बदलाव के कारण बुधवार से शुक्रवार सुबह तक पुरी में बारिश से बहुत भारी बारिश होने की आशंका है।

सीएम नायडू ने रियल-टाइम डेवलपमेंट के लिए डेटा-बेस्ड गवर्नेंस पर ज़ोर दिया

अमरावती, 15 जुलाई (एजेंसियां)। डिजिटल एडमिनिस्ट्रेशन की ओर एक बड़े बदलाव की रूपरेखा बताते हुए, मुख्यमंत्री एन। चंद्रबाबू नायडू ने कैबिनेट मंत्रियों और शीर्ष नौकरशाहों को निर्देश दिया कि वे रियल-टाइम डेवलपमेंट के नतीजे पाने के लिए डेटा-बेस्ड गवर्नेंस का इस्तेमाल करें। राज्य सचिवालय में मंत्रियों और विभागों के प्रमुखों (एचओडी) के चौथे सम्मेलन को संबोधित करते हुए, नायडू ने घोषणा की कि आंध्र प्रदेश देश का पहला राज्य बन गया है जिसने आर्थिक विकास की व्यवस्थित रूप से निगरानी करने, राजस्व संग्रह का अनुमान लगाने और सरकारी विभागों और कर्मचारियों के प्रदर्शन का मूल्यांकन करने के लिए मासिक आर्थिक रिपोर्ट (एमईआर) लागू की है।

इस सम्मेलन में कैबिनेट मंत्री, मुख्य सचिव साई प्रसाद, डीजीपी हरीश कुमार गुप्ता, विभागों के सचिव और विभागों के प्रमुख (एचओडी) शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने राज्य की आर्थिक प्रगति पर भरोसा जताया और कहा कि इस साल विभिन्न विभागों में

राजस्व संग्रह में 24% की ज़बरदस्त वृद्धि दर्ज की गई है। इसके अलावा, पिछले साल सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) में 2017 के स्तर की तुलना में लगभग 20% की वृद्धि हुई। नायडू ने कहा कि कुशल शासन के साथ, राज्य वास्तव में 15% की समग्र विकास दर का लक्ष्य रख सकता है। नायडू ने कहा, 2019 और 2024 के बीच, राज्य में संस्थागत प्रणालियों को भारी नुकसान पहुँचा था। पिछले दो वर्षों से, हमारा प्रशासन विकास, कल्याण और सुशासन को बहाल करने के लिए मिलकर काम कर रहा है।

मणिपुर के सेनापति में असम राइफल्स कैंप पर भीड़ का हमला, कई वाहन क्षतिग्रस्त

इंफाल, 15 जुलाई (एजेंसियां)। मणिपुर के सेनापति शहर में उग्र भीड़ ने असम राइफल्स के कैंप पर हमला कर दिया। अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि भीड़ ने पत्थरबाजी, आगजनी और तोड़फोड़ की। माना जा रहा है कि यह हमला सशस्त्र उग्रवादियों के खिलाफ चलाए जा रहे सुरक्षा अभियान को बाधित करने के उद्देश्य से किया गया। हिंसा के दौरान भीड़ ने असम राइफल्स के कई वाहनों में तोड़फोड़ की और उन्हें क्षतिग्रस्त कर दिया। एक हल्के वाहन को आग के हवाले कर दिया गया, जबकि दो ट्रकों को पलटकर गंभीर रूप से नुकसान पहुंचाया गया। घटना में एक नागरिक की कार को भी कथित तौर पर आग लगा दी गई।

रक्षा प्रवक्ता ने बताया कि मकुइलोंगडी क्षेत्र में, जो ओकलोंग स्थित नामित एनएससीएन (आईएम) कैंप से लगभग दो किलोमीटर पश्चिम में है, सशस्त्र कैडरों की मौजूदगी संबंधी विश्वसनीय खुफिया जानकारी मिलने के बाद असम राइफल्स ने क्षेत्र प्रभुत्व गश्त और तलाशी अभियान शुरू किया। उन्होंने कहा कि खुफिया रिपोर्टों और सोशल मीडिया पोस्टों से संकेत मिले थे कि सशस्त्र कैडर निर्धारित कैंपों से बाहर हथियारों और वर्दी के साथ घूम रहे थे, जो स्थापित युद्धविराम (सीजफायर) के नियमों का स्पष्ट उल्लंघन है। साथ ही, सीजफायर मॉनिटरिंग ग्रुप (सीएफएमजी) को इन कथित उल्लंघनों की औपचारिक जानकारी भी दी गई और इससे जुड़े सुरक्षा संबंधी मुद्दों से अवगत कराया गया। प्रवक्ता के अनुसार, अभियान के दौरान मकुइलोंगडी और ओकलोंग गांवों की ओर बढ़ रही असम राइफल्स की टुकड़ियों को बड़ी संख्या में लोगों ने रोक लिया, जिनमें महिलाएं भी शामिल थीं। असम राइफल्स के जवानों ने अत्यधिक संयम बरतते हुए स्थानीय प्रतिनिधियों से बातचीत की और उन्हें भरोसा दिलाया कि अभियान का उद्देश्य केवल सुरक्षा सुनिश्चित करना और क्षेत्र में शांति बनाए रखना है। साथ ही, यह भी आश्वासन दिया गया कि संबंधित अधिकारियों की अनुमति के बिना कोई भी टुकड़ी किसी गांव में प्रवेश नहीं करेगी।

परिसीमन बिल पर बीजेपी को मिली बड़ी राहत! सुप्रिया सुले के बयान से मिले ये संकेत

मुंबई, 15 जुलाई (एजेंसियां)। परिसीमन विधेयक को लेकर भारतीय जनता पार्टी को बड़ी राहत मिल सकती है। माना जा रहा है कि सरकार आगामी मानसून सत्र में यह विधेयक एक बार फिर पेश कर सकती है। इससे पहले नेश्नलिस्ट कांग्रेस पार्टी (शरद पवार) की कार्यकारी अध्यक्ष और लोकसभा सांसद सुप्रिया सुले के बयान से संकेत मिले हैं कि अगर कुछ बातें मानी जाएं तो उनकी पार्टी समर्थन के लिए तैयार हो सकती है।

एनसीपी नेता और लोकसभा सांसद सुप्रिया सुले ने कहा है कि डिलिमिटेशन का बिल हमारे पास नहीं आया है जब बिल आयेगा उसका अध्ययन करके निर्णय लिया जाएगा। लोकसंख्या के आधार पर अगर डिलिमिटेशन किया जाएगा तो इसका असर दक्षिण भारत पर होगा। उनके ऊपर यह अन्याय होगा। उन्होंने कहा कि अगर पचास प्रतिशत सीट राज्य के मौजूदा सीट के हिसाब से किया गया तो उसपर आपत्ति नहीं होनी चाहिए। सुले ने कहा कि जब तक बिल देख नहीं लेते हैं तब तक समर्थन नहीं करेंगे। सुप्रिया सुले ने कहा कि अगर निर्वाचन क्षेत्र पुनर्गठन विधेयक में पूरे देश में लोकसभा सीटों में 50 प्रतिशत की बढ़ोतरी का प्रावधान होगा,तो वे उस प्रस्ताव का समर्थन करने है की नहीं वो हम इंडिया गठबंधन के लोगों से बात कर अपना विचार रखेंगे। उन्होंने बताया कि गृहमंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में हुई सर्वदलीय बैठक में इस विकल्प पर चर्चा हुई थी। उनके अनुसार,इस मुद्दे पर सिर्फ राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) ही नहीं बल्कि उद्धव ठाकरे की शिवसेना और कुछ अन्य विपक्षी दलों ने भी सकारात्मक रुख दिखाया था।

हालांकि,उन्होंने कहा कि विधेयक का अंतिम मसौदा सामने आने के बाद ही आधिकारिक रुख तय किया जाएगा। बता दें इस साल अप्रैल में संसद के विशेष सत्र के दौरान केंद्र सरकार ने परिसीमन विधेयक, 2026, संविधान (131वां संशोधन) विधेयक, 2026 और केंद्र शासित प्रदेश कानून (संशोधन) विधेयक, 2026 पेश किया था। इस दौरान लोकसभा में एक चर्चा के दौरान गृह मंत्री अमित शाह ने कहा था कि किसी भी राज्य के साथ, विशेष रूप से दक्षिण भारत के राज्यों के साथ कोई अन्याय नहीं किया जाएगा।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं का हंगामा

राहुल गांधी की रैली को इजाजत न मिलने पर भड़के, क्या हल निकला

देहरादून, 15 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में कांग्रेस कार्यकर्ताओं का हंगामा देखने को मिला। उनकी पुलिस के साथ झड़प भी हुई। जानकारी के अनुसार, कांग्रेस नेता 17 जुलाई को प्रस्तावित राहुल गांधी की रैली की इजाजत देने की मांग को लेकर धरने पर बैठे हैं। सामने आई जानकारी के अनुसार, राहुल गांधी की देहरादून के परेड ग्राउंड में रैली होनी थी लेकिन प्रशासन की तरफ से कार्यक्रम की परमिशन नहीं मिली। इसके बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने हंगामा खड़ा कर दिया। उत्तराखंड में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले जमकर राजनीति हो रही है।

देहरादून में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के दौरे से पहले जबरदस्त बवाल मचा हुआ है। मंगलवार की देर रात कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच भिड़ंत हो गई और बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता सड़क जाम कर धरने पर बैठे गए। दरअसल 17 जुलाई को राहुल गांधी की देहरादून के परेड ग्राउंड में रैली होनी थी लेकिन प्रशासन की तरफ से कार्यक्रम की परमिशन नहीं मिली जिस बात से गुस्साए कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल के नेतृत्व में हंगामा शुरु कर दिया।

आरोप लगाए कि सरकार राहुल गांधी से डर रही है, इसलिए कार्यक्रम की अनुमति नहीं दे रही। देर रात कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष प्रीतम सिंह, वरिष्ठ नेता हरक सिंह रावत, सह प्रभारी मनोज यादव समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता कांग्रेस मुख्यालय से पैदल नारेबाजी करते हुए परेड ग्राउंड पहुंचे। जब पुलिस ने कार्यकर्ताओं को समझाने की कोशिश की तो पुलिस के साथ उनकी धक्का मुक्की हो गई। देहरादून प्रशासन के मुताबिक परेड ग्राउंड खाली नहीं है। वहां पहले से एक कार्यक्रम हो रहा है जिसकी समय सीमा बढ़ा दी गई है। ऐसे में सुरक्षा कारणों को देखते हुए प्रशासन ने राहुल गांधी की रैली बन्नू स्कूल के मैदान में करने की अपील की है। देहरादून में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के 17 जुलाई को प्रस्तावित 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम को लेकर चल रहा विवाद आखिरकार नए मोड़ पर पहुंच गया।

प्यार के लिए अपना देश छोड़कर आई वियतनाम की युवती

इंटरनेट पर हुई थी दोस्ती; कांगड़ा के युवक के साथ रचाई शादी

कांगड़ा, 15 जुलाई (एजेंसियां)। जिला कांगड़ा के उपमंडल जवाली की पंचायत अमलेला के युवक रजत की प्रेम कहानी अब विवाह के खूबसूरत रिश्ते में बदल गई है। वियतनाम की युवती एनजिमवाया को अमलेला का युवक इतना पसंद आया कि वह सात समंदर पार से फतेहपुर पहुंच गई और दोनों ने हिंदू रीति रिवाज के साथ विवाह के पवित्र बंधन में बंधकर नई जिंदगी की शुरुआत की। श्री नृसिंह मंदिर ठाकरां फतेहपुर में हुई इस अनोखी शादी को देखने के लिए लोगों में खासा उत्साह रहा। रजत भारत में एक निजी कंपनी में काम करते हैं और एनजिमवाया भी वियतनाम में एक निजी कंपनी में कार्यरत है। रजत ने बताया कि उसकी मुलाकात इंटरनेट मीडिया के माध्यम से एनजिमवाया से हुई थी। धीरे-धीरे यह दोस्ती प्यार में बदल गई और दोनों ने शादी करने का फैसला लिया।

रजत ने कहा कि वह जीवनसंगिनी को लेने दिल्ली गए थे, जहां से वह उन्हें लेकर फतेहपुर पहुंचे। उन्होंने बताया कि यह विवाह दोनों परिवारों की सहमति और आशीर्वाद से हुआ है। दोनों एक-दूसरे की भाषा और संस्कृति को समझने का प्रयास करेंगे। नवविवाहिता एनजिमवाया ने हिंदू रीति रिवाज से हुई शादी को काफी पसंद किया। भारतीय परंपराओं और विवाह की रस्मों को लेकर वह काफी उत्साहित नजर आईं। रजत के पिता सरताज सिंह ने इस विवाह पर खुशी जाहिर करते हुए नवविवाहित जोड़े को सुखद और खुशहाल वैवाहिक जीवन की शुभकामनाएं दीं। पंडित योगराज शर्मा ने विधिविधानपूर्वक मंत्रोच्चारण के साथ हिंदू रीति रिवाज से विवाह की सभी रस्में संपन्न करवाईं। इंटरनेट मीडिया से शुरू हुई यह दोस्ती अब दो अलग-अलग देशों की संस्कृतियों को जोड़ने वाले रिश्ते में बदल गई है। यह विवाह न केवल व्यक्तिगत प्रेम कहानी है, बल्कि यह वैश्विक एकता और सांस्कृतिक समन्वय का प्रतीक भी है।

सुविचार
प्रार्थना ऐसे करो जैसे सबकुछ ईश्वर पर निर्भर करता है और प्रयास ऐसे करो जैसे सब कुछ आप पर निर्भर करता है

शिक्षण संस्थानों में नशे के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' नीति लागू होगी : डीजीपी

तेलंगाना एंटी नारकोटिक्स ब्यूरो के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक

हैदराबाद, 15 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता) । तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक सी. वी. आनंद ने कहा है कि राज्य सरकार सभी शिक्षण संस्थानों को पूरी तरह नशा मुक्त बनाने और विद्यार्थियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ठोस कदम उठा रही है।

इसी उद्देश्य से उन्होंने बुधवार को तेलंगाना एंटी नारकोटिक्स ब्यूरो (ईगल) के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। बैठक में डीजीपी ने कहा कि विद्यालय, महाविद्यालय और अन्य शिक्षण संस्थान देश के भविष्य का निर्माण करते हैं, इसलिए इन परिसरों में नशीले पदार्थों के लिए किसी भी प्रकार की जगह नहीं होनी चाहिए। उन्होंने शिक्षण संस्थानों में 'जीरो टॉलरेंस' नीति लागू करने पर जोर देते हुए छात्रों को नशे के खतरे से बचाने के लिए प्रभावी सुरक्षा तंत्र विकसित करने के निर्देश दिए। डीजीपी ने बताया कि राज्य के सभी स्कूलों, कॉलेजों और अन्य शिक्षण संस्थानों में एंटी ड्रग एवं सुरक्षा समितियों का गठन किया जाएगा। साथ ही प्रत्येक संस्थान में कैंपस सेफ्टी कोऑर्डिनेटर नियुक्त किया जाएगा, जो विद्यार्थियों की सुरक्षा, नशा विरोधी जागरूकता कार्यक्रम, परामर्श सेवाओं तथा अभिभावकों एवं पुलिस के साथ समन्वय की जिम्मेदारी संभालेगा। बैठक में ईगल अधिकारियों ने प्रस्तावित व्यवस्था, समितियों की जिम्मेदारियों, कार्यान्वयन प्रक्रिया, निगरानी प्रणाली और संचालन संबंधी दिशा-निर्देशों पर विस्तृत प्रस्तुति दी।

डीजीपी ने इसमें कई महत्वपूर्ण सुझाव देते हुए अधिकारियों को व्यापक दिशानिर्देश तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अंतिम मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) और नियमावली तैयार करते समय शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग, विशेषज्ञों और अन्य संबंधित विभागों के सुझावों को भी शामिल किया जाए। अंतिम प्रस्ताव सरकार को भेजने से पहले एक और समीक्षा बैठक आयोजित की जाएगी।डीजीपी ने स्पष्ट किया कि यदि कोई शिक्षण संस्थान नशीले पदार्थों से जुड़ी गतिविधियों को बढ़ावा देता है या उन्हें नजरअंदाज करता पाया गया तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। आवश्यकता पड़ने पर ऐसे संस्थानों की मान्यता रद्द करने की भी सिफारिश की जाएगी।बैठक में छात्र प्रवेश के समय अनिवार्य नशा विरोधी जागरूकता कार्यक्रम, मनोवैज्ञानिकों और काउंसलरों की नियुक्ति, विद्यार्थियों के लिए परामर्श सुविधा, अभिभावकों की सक्रिय भागीदारी, गैर-सरकारी संगठनों के सहयोग तथा युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए निरंतर जनजागरूकता अभियान चलाने जैसे विषयों पर भी चर्चा हुई।

डीजीपी ने पुलिस, शिक्षा, स्वास्थ्य तथा अन्य संबंधित विभागों को समन्वय के साथ प्रभावी नशा विरोधी रणनीति लागू करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा, "हमारा लक्ष्य तेलंगाना के प्रत्येक विद्यार्थी के लिए सुरक्षित, स्वस्थ और नशामुक्त शिक्षण वातावरण उपलब्ध कराना है।" बैठक में ईगल के निदेशक संदीप शांडिल्य, आईजी पद्मजा रेड्डी, एसपी गिरिधर तथा ईगल फोर्स के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

अंतिम दिन का इंतजार किए बिना मतदाता गणना प्रपत्र जमा करें : जीएचएमसी आयुक्त

हैदराबाद, 15 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम आयुक्त आर.वी. कर्णन ने मतदाताओं से विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत गणना प्रपत्र (एन्यूमरेशन फॉर्म) समय पर जमा करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि 24 जुलाई फॉर्म जमा करने की अंतिम तिथि है, इसलिए मतदाता अंतिम दिन तक प्रतीक्षा न करें। बुधवार को आयोजित प्रेस वार्ता में हैदराबाद जिला कलेक्टर डॉ. प्रियंका आला तथा जीएचएमसी के अतिरिक्त आयुक्त (निर्वाचन) बी. संतोष भी उपस्थित थे। आयुक्त ने बताया कि हैदराबाद जिले में गणना प्रपत्रों का वितरण लगभग 100 प्रतिशत पूरा हो चुका है, जबकि प्राप्त प्रपत्रों में से लगभग 26 प्रतिशत का डिजिटलीकरण किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि जिले के लगभग 24 प्रतिशत मतदाता अनुपस्थित, स्थानांतरित अथवा मृत (एएसडी) श्रेणी में हैं। उन्होंने बताया कि जीएचएमसी द्वारा मतदाताओं को जागरूक करने के लिए व्यापक अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत बूथ स्तर अधिकारियों (बीएलओ) द्वारा घर-घर जाकर संपर्क किया जा रहा है, ऑटो रिक्शा के माध्यम से जनघोषणाएं की जा रही हैं, समाचार पत्रों, टेलीविजन और सोशल मीडिया पर प्रचार किया जा रहा है। इसके अलावा प्रमुख स्थानों पर बैनर, पोस्टर और होर्डिंग लगाए गए हैं। राजनीतिक दलों, बूथ लेवल एजेंटों (बीएलए), रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशनों के साथ बैठकें आयोजित की जा रही हैं तथा जीएचएमसी के संपत्ति करदाताओं को समय-समय पर एसएमएस भी भेजे जा रहे हैं। मीडिया के सवालों के जवाब में आयुक्त ने कहा कि जिन मतदाताओं को अभी तक गणना प्रपत्र प्राप्त नहीं हुआ है, वे तुरंत संबंधित बीएलओ, बीएलओ पर्यवेक्षक से संपर्क करें या टोल-फ्री हेल्पलाइन 1950 पर कॉल कर फॉर्म प्राप्त करें और 24 जुलाई से पहले उसे जमा करना सुनिश्चित करें।

मतदाता समय पर फॉर्म जमा करें

मुख्य निर्वाचन अधिकारी की अपील

हैदराबाद, 15 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुख्य निर्वाचन अधिकारी सी. सुदर्शन रेड्डी ने मतदाताओं से अपील की है कि वे मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के तहत दिए गए गणना प्रपत्रों को जल्द से जल्द भरकर अपने संबंधित बूथ स्तरीय अधिकारी (बीएलओ) के पास जमा करें, ताकि उनका नाम मतदाता सूची में सुरक्षित बना रहे।

उन्होंने कहा कि फॉर्म भरते समय सभी जानकारियां सावधानीपूर्वक दर्ज करें, पासपोर्ट आकार का फोटो चिपकाएं तथा फॉर्म पर अपने हस्ताक्षर और तारीख अवश्य लिखें। साथ ही यह भी सुनिश्चित करें कि बीएलओ के हस्ताक्षर भी फॉर्म पर हों।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि प्रत्येक मतदाता को गणना प्रपत्र की दो प्रतियां दी गई हैं। इनमें से एक प्रति बीएलओ को जमा करनी है, जबकि दूसरी प्रति भविष्य के उपयोग के लिए अपने पास सुरक्षित रखनी चाहिए।

उन्होंने स्पष्ट किया कि भरा हुआ गणना प्रपत्र जमा करने के बाद ही मतदाता का नाम मतदाता सूची में शामिल किया जाएगा। जिन मतदाताओं का विवरण वर्ष 2002 की सूची में उपलब्ध है, वे उसी के आधार पर फॉर्म भरें। यदि विवरण उपलब्ध नहीं है तो वर्तमान जानकारी के साथ फॉर्म भरकर संबंधित बीएलओ को जमा करें।

आधे मतदाताओं ने नहीं लौटाए फॉर्म

मतदाता सूची संशोधन पर बढ़ी चिंता

हैदराबाद, 15 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में मतदाता सूची के विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) अभियान के तहत घर-घर जाकर जनगणना का कार्य पूरा होने में अब केवल नौ दिन शेष हैं, लेकिन अभी तक करीब आधे मतदाताओं ने अपने गणना प्रपत्र बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) को जमा नहीं किए हैं। इससे निर्धारित समय पर प्रक्रिया पूरी होने को लेकर चिंता बढ़ गई है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी के अनुसार राज्य में 99.99 प्रतिशत मतदाताओं तक गणना प्रपत्र पहुंचाए जा चुके हैं, लेकिन मंगलवार तक केवल 49.28 प्रतिशत प्रपत्र ही वापस मिले और उनका डिजिटलीकरण हो सका है।

आंकड़ों के अनुसार, मेडचल-मलकागिरी जिले में सबसे कम 18.73 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने फॉर्म जमा किए हैं। वहीं, हैदराबाद में सभी 47.36 लाख मतदाताओं को फॉर्म वितरित किए गए, लेकिन केवल 22.22 प्रतिशत मतदाताओं ने ही उन्हें भरकर लौटाया। रंगारेड्डी जिले में यह आंकड़ा 33.43 प्रतिशत रहा।

दूसरी ओर, यादद्री भोंगिरी जिले में सबसे अधिक 79.86 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने फॉर्म जमा किए हैं, जबकि नालगोंडा 73.11 प्रतिशत के साथ दूसरे स्थान पर है।

निर्वाचन आयोग के कार्यक्रम के अनुसार, घर-घर गणना का कार्य 24 जुलाई तक पूरा होगा और 31 जुलाई को मतदाता सूची का प्रारूप प्रकाशित किया जाएगा। इसके बाद 31 जुलाई से 30 अगस्त तक दावे और आपत्तियां स्वीकार की जाएंगी। सभी सुनवाई और सत्यापन के बाद अंतिम मतदाता सूची 1 अक्टूबर को प्रकाशित की जाएगी।

सिंचाई परियोजनाओं पर सियासत तेज

बीआरएस ने सरकार को घेरा

हैदराबाद, 15 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पालमुरु-रंगारेड्डी लिफ्ट सिंचाई योजना के तहत नरलापुर पंप हाउस में पानी की आपूर्ति दोबारा शुरू होने के बाद तेलंगाना में सिंचाई परियोजनाओं को लेकर राजनीतिक बहस तेज हो गई है। बीआरएस ने आरोप लगाया है कि कांग्रेस सरकार अब उन्हीं परियोजनाओं का उपयोग कर रही है, जिनकी वह पहले आलोचना करती रही है।

बीआरएस का कहना है कि नरलापुर पंप हाउस का जल परीक्षण पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने सितंबर 2023 में शुरू कराया था और परियोजना का अधिकांश काम उनकी सरकार के दौरान पूरा हुआ था। पार्टी का दावा है कि कांग्रेस ने लंबे समय तक शेष कार्य पूरे करने की मांगों को नजरअंदाज किया, लेकिन अब उसी परियोजना को आगे बढ़ा रही है।

बीआरएस ने यह भी कहा कि सरकार ने हाल में देवदुला लिफ्ट सिंचाई योजना के सभी पंप चालू रखने और उससे जुड़े कार्यों के लिए धन स्वीकृत किया है। पार्टी का दावा है कि इस परियोजना का अधिकांश विकास भी उसके शासनकाल में हुआ था और वर्तमान में सूखे की स्थिति में यही परियोजनाएं जलापूर्ति का प्रमुख आधार बन रही हैं।

वहीं, सरकार का कहना है कि कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई योजना के कन्नेपल्ली पंप तकनीकी कारणों और मेडिगड्डा बैराज से जुड़े मुद्दों के समाधान तक बंद रखे गए हैं। बीआरएस का आरोप है कि सरकार राजनीतिक कारणों से कुछ परियोजनाओं की आलोचना कर रही है, जबकि जरूरत पड़ने पर उन्हीं सिंचाई ढांचों का उपयोग भी कर रही है।

CLASSIFIEDS
CHANGE OF NAME

I, No 15331804F Hav SRIDHAR RUTTALA, R/o. 1-23, Vill - Ajjaram PO- Peravali, Tehsil-Tanuku, Dist-West Godavari, Andhra-PIN-534331, have changed my wife name from R RAMALAKSHMI to RUTTALA RAMA LAKSHMI, father name & DOB is changed from VENKATESWARLU, DOB:01-07-1964 to RUTTALA VENKATESWARLU, DOB:01-01-1966 and mother name & DOB is changed from GANGAMA, DOB:01-01-1967 to RUTTALA GANGAMMA, DOB:01-01-1969 vide Affidavit dt:15-7-2026 before G.Shobha, Advocate and Notary, Begumpet, Hyderabad.

I, Service No 15413269Y, Rank- HAV, G R KRISHNA YADAV, residing at Vill - Chinna Nallakalva, Po - Yerrabalem, Tehsil- Cumbum, Dist- Prakasam, Andhra Pradesh, PIN-523336. I have changed my name from: G R KRISHNA YADAV to GUMMA RAMAKRISHNA YADAV For all purpose vide affidavit dated: 15-07-2026.

I, No. 14654468P, Hav, E Gobinath, R/o, Dist, Theni, Tamil Nadu, changed my Mother's name from E Indra to Indira Elango, vide Affidavit No. 467663 dt. 15.07.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

सावधान
पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

मीरपेट के प्लास्टिक गोदाम में भीषण आग

तीन दमकल गाड़ियों ने घंटों की मशक्कत

हैदराबाद, 15 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मीरपेट के नंदनवनम क्षेत्र में मंगलवार आधी रात प्लास्टिक सामग्री के एक गोदाम में भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और पास के एक अन्य गोदाम के साथ आसपास की इमारतों तक फैल गई। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई और स्थानीय लोगों ने तुरंत अग्निशमन विभाग तथा पुलिस को सूचना दी।

सूचना मिलते ही तीन दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। दमकलकर्मियों ने कई घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया और उसे आगे फैलने से रोक दिया। अधिकारियों के अनुसार घटना में किसी के हताहत होने या घायल होने की सूचना नहीं है।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार गोदाम में बड़ी मात्रा में प्लास्टिक सामग्री रखी होने के कारण आग तेजी से फैली। आग से दोनों गोदामों में भारी संपत्ति नुकसान होने की आशंका है, हालांकि नुकसान का सही आकलन अभी किया जा रहा है। मीरपेट पुलिस ने आग लगने के कारणों की जांच शुरू कर दी है। वहीं, अग्निशमन विभाग के अधिकारी भी घटनास्थल का निरीक्षण कर आग लगने की वजह का पता लगाने में जुटे हैं।

केबीआर पार्क के आसपास वन-वे ट्रैफिक व्यवस्था लागू करने की तैयारी तेज

वरिष्ठ अधिकारियों ने किया संयुक्त निरीक्षण

हैदराबाद, 15 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता) । केबीआर पार्क के आसपास यातायात जाम की समस्या को कम करने और वाहनों की सुचारु आवाजाही सुनिश्चित करने के उद्देश्य से बुधवार सुबह ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) और हैदराबाद सिटी पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने संयुक्त रूप से क्षेत्र का निरीक्षण किया।

निरीक्षण में जीएचएमसी आयुक्त आर. वी. कर्णन, हैदराबाद पुलिस आयुक्त वी. सी. सज्जनार, संयुक्त पुलिस आयुक्त (यातायात) डी. जोएल डेविस, निर्माण एजेंसियों के प्रतिनिधि तथा पुलिस और जीएचएमसी के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। सुबह 7 बजे से 9 बजे तक अधिकारियों ने केबीआर पार्क के चारों ओर लगभग पांच किलोमीटर पैदल भ्रमण कर प्रमुख सड़कों और चौराहों का निरीक्षण किया।

इस दौरान अग्रसेन जंक्शन, फिल्म नगर, जर्नलिस्ट कॉलोनी, जुबली हिल्स रोड नंबर-45, जुबली हिल्स चेक पोस्ट तथा केबीआर पार्क के मुख्य प्रवेश द्वार सहित विभिन्न स्थानों पर यातायात की स्थिति का जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान हाल ही में 'एच-सिटी' परियोजना के तहत किए गए वन-वे ट्रायल के अनुभवों की समीक्षा की गई। अधिकारियों ने पाया कि कुछ स्थानों पर सड़क की कम चौड़ाई के कारण व्यस्त समय में यातायात बाधित हो रहा है। इस पर जीएचएमसी अधिकारियों को ऐसे स्थानों पर तत्काल सड़क चौड़ीकरण का कार्य शुरू करने के निर्देश दिए गए। पुलिस आयुक्त वी. सी. सज्जनार ने कहा कि वन-वे व्यवस्था को सफलतापूर्वक लागू करने के लिए विभिन्न विभागों द्वारा किए जाने वाले कार्यों की समीक्षा की गई है। उन्होंने संबंधित एजेंसियों को छोटे-मोटे सिविल कार्य शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए ताकि आम लोगों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने पैदल यात्रियों की सुरक्षा के लिए स्पष्ट लेन मार्किंग और पेलिकन सिग्नल लगाने तथा पार्क विकास से जुड़े कार्यों में तेजी लाने के भी निर्देश दिए। जीएचएमसी आयुक्त आर. वी. कर्णन ने कहा कि केबीआर पार्क के आसपास यातायात जाम को कम करने के लिए प्रस्तावित वन-वे व्यवस्था प्रभावी ढंग से लागू की जाएगी। उन्होंने बताया कि हैदराबाद सिटी पुलिस द्वारा सुझाए गए सभी कार्य शीघ्र पूरे किए जाएंगे और नागरिकों से सहयोग की अपील की। संयुक्त निरीक्षण में खैरताबाद जोनल आयुक्त संतोष, पुलिस उपायुक्त (यातायात) काजल तथा जीएचएमसी और पुलिस विभाग के कई अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

वैशालीनगर रेलवे अंडरपास 20 दिनों के लिए बंद

आज से ट्रैफिक डायवर्जन लागू

हैदराबाद, 15 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद पुलिस आयुक्तालय क्षेत्र के वैशालीनगर रेलवे अंडरपास पर सड़क चौड़ीकरण और स्टॉर्म वाटर ड्रेन निर्माण कार्य के कारण 16 जुलाई से अगले 20 दिनों तक अंडरपास पूरी तरह बंद रहेगा। यह जानकारी संयुक्त पुलिस आयुक्त (यातायात) सनप्रीत सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि वैशालीनगर रेलवे अंडरपास संकरा होने के साथ ही भारी बारिश के दौरान यहां जलभराव की समस्या रहती है, जिससे वाहन चालकों को काफी परेशानी होती है। इस समस्या के स्थायी समाधान के लिए सड़क चौड़ीकरण और आधुनिक जल निकासी व्यवस्था का निर्माण किया जा रहा है। निर्माण कार्य के दौरान अंडरपास को अस्थायी रूप से बंद कर यातायात को वैकल्पिक मार्गों से संचालित किया जाएगा।माय होम मंगला से वैशालीनगर अंडरपास होते हुए हफीजपेट जाने वाले वाहन माय होम मंगला टी-जंक्शन से यू-टर्न लेकर राघवेंद्र नगर कॉलोनी जंक्शन, हाई टेंशन रोड, आरटीए कार्यालय, कोंडापुर और हफीजपेट आरओबी मार्ग से जाएं।तेलंगाना कॉन्ट्रैक्टर्स कल्चरल क्लब की ओर से आने वाले वाहन माय होम मंगला टी-जंक्शन, राघवेंद्र नगर कॉलोनी, हाई टेंशन रोड, आरटीए कार्यालय, कोंडापुर और हफीजपेट आरओबी/फ्लाईओवर के रास्ते हफीजपेट व अल्विन जंक्शन पहुंचें। हफीजपेट, आरटीसी कॉलोनी और माय होम ज्वेल क्षेत्र से माय होम मंगला जाने वाले वाहन पाइपलाइन रोड, हफीजपेट आरओबी/फ्लाईओवर, जेनपैक्ट के पास बाएं मुड़कर कोंडापुर—अल्विन रोड, सरकारी स्कूल यू-टर्न और हफीजपेट आरओबी मार्ग का उपयोग करें। वासवी लेक सिटी और हफीजपेट लेक क्षेत्र से माय होम मंगला व राघवेंद्र नगर जाने वाले वाहन स्पायर वन अपार्टमेंट्स यू-टर्न, हफीजपेट आरओबी, जेनपैक्ट, कोंडापुर—अल्विन रोड, सरकारी स्कूल यू-टर्न और हफीजपेट आरओबी मार्ग से यात्रा करें। गोपालनगर और कैलवरी टेंपल क्षेत्र से माय होम मंगला जाने वाले वाहन हफीजपेट अंडरपास/आरओबी से दाईं ओर मुड़कर कोंडापुर—अल्विन रोड, सरकारी स्कूल यू-टर्न और हफीजपेट आरओबी के रास्ते कोंडापुर व राघवेंद्र नगर की ओर जाएं। साइबराबाद ट्रैफिक पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे 20 दिनों तक लागू रहने वाले ट्रैफिक डायवर्जन को ध्यान में रखते हुए अपनी यात्रा की अग्रिम योजना बनाएं और वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करें। पुलिस ने यातायात व्यवस्था बनाए रखने में जनता से सहयोग की भी अपील की है तथा निर्माण कार्य के दौरान होने वाली अस्थायी असुविधा के लिए खेद व्यक्त किया है।

तेलंगाना में गर्मी और उमस बरकरार

कई जिलों में तेज हवाओं की संभावना

हैदराबाद, 15 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अगले 24 घंटे तक तेलंगाना में गर्म और उमस भरा मौसम बने रहने का अनुमान जताया है। मौसम विभाग के अनुसार, कई जिलों में तेज हवाएं भी चल सकती हैं।

पूर्वानुमान के मुताबिक, भद्राद्री कोठागुडेम, खम्मम, नालगोंडा, सूर्यापेट, महबूबनगर और नागरकुर्नूल जिलों के कुछ हिस्सों में गर्मी और उमस अधिक रहने की संभावना है। वहीं, राज्य के विभिन्न जिलों में 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं।

तेलंगाना राज्य विकास सोसायटी (टीएसडीपीएस) के अनुसार, नालगोंडा जिले के तिरुमलागिरी सागर में बुधवार को सबसे अधिक 38.6 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। ग्रेटर हैदराबाद क्षेत्र में कुथबुल्लापुर में अधिकतम तापमान 37 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

आईएमडी के अनुसार, मंगलवार सुबह 8:30 बजे से बुधवार सुबह 8:30 बजे के बीच हयातनगर में 37.2 डिग्री सेल्सियस, बेगमपेट में 36.7 डिग्री, हकीमपेट में 36.5 डिग्री और पाटनचेरु में 36 डिग्री सेल्सियस अधिकतम तापमान दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने लोगों को गर्मी और उमस से बचाव के लिए आवश्यक सावधानी बरतने की सलाह दी है।

विद्यार्थियों की सबसे बड़ी आवश्यकता गुणवत्तापूर्ण शिक्षा : सांसद चामला

'स्कूल ट्रांसफॉर्मेशन' और 'आई-स्पार्क' परियोजनाओं का शुभारंभ

हैदराबाद, 15 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता) । भुवनगिरि लोकसभा सांसद चामला किरण कुमार रेड्डी और जिला कलेक्टर अनुराग जयंती ने यदाद्रि-भुवनगिरि जिले के भुवनगिरि नगर स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (केजीबीवी) में कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) निधि से 3.65 करोड़ रुपये की लागत से विकसित 'स्कूल ट्रांसफॉर्मेशन' और 'आई-स्पार्क' परियोजनाओं का संयुक्त रूप से शुभारंभ किया। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी भिक्षम भी उपस्थित रहे। इस पहल के तहत जिले के 20 सरकारी एवं केजीबीवी विद्यालयों में छात्राओं की सुरक्षा और सुविधाओं के लिए सोलर फेंसिंग, मेश डोर, मेश खिड़कियां तथा बंकर बेड जैसी सुविधाएं विकसित की गई हैं। इसके अलावा रोबोटिक्स और विज्ञान प्रयोगशालाएं भी स्थापित की गई हैं, जिनका लाभ 4,673 विद्यार्थियों को मिलेगा। सांसद चामला किरण कुमार रेड्डी ने कहा कि विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए सबसे बड़ी आवश्यकता धन नहीं, बल्कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा है। उन्होंने छात्रों से अभी से जीवन का स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित कर पूरी लगन और एकाग्रता के साथ उसे प्राप्त करने का प्रयास करने का आह्वान किया। उन्होंने शिक्षकों से भी आग्रह किया कि वे विद्यार्थियों को भयमुक्त और मित्रवत वातावरण में शिक्षा दें तथा प्रत्येक छात्र की रुचि और क्षमता को पहचानकर उसके सर्वांगीण विकास के लिए विशेष प्रयास करें। सांसद ने कहा कि राज्य सरकार प्रत्येक जिले में अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त इंटीग्रेटेड रेजिडेंशियल स्कूल स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि विद्यार्थियों को विश्वस्तरीय निःशुल्क शिक्षा उपलब्ध कराई जा सके।

ANDHRA PRADESH MAHESH CO-OPERATIVE URBAN BANK LTD.
(Multi-State Scheduled Bank)
H.O. : 8-2-680/1 & 2, Road No.12, Banjara Hills, Hyderabad - 500 034 (Telangana State)
Phones : 24615296, 24615299, 23437100-103 & 23437105
Website: www.apmahesh.bank.in E-mail: info@apmahesh.bank.in

NOTICE

Notice is hereby given that the 50th Annual General Meeting of the Bank will be held on Thursday, the 6th August, 2026 at 11:15 A.M. at Bank's Head Office, 8-2-680/1 & 2, Road No. 12, Banjara Hills, Hyderabad – 500 034, Telangana State. The Notice of the Annual General Meeting along with the Annual Report for the year 2025-26 is being dispatched to all the members.

BY ORDER OF THE BOARD OF DIRECTORS
Sd/-
G. SRINIVASA RAO
MANAGING DIRECTOR & CEO (I/C)

Place : Hyderabad
Date : 29-06-2026

NOTE:
1. The Notice containing the Agenda is displayed at Head Office and at all the Branches
2. The Notice is also available on our Website

कातिल ननद का कबूलनामा चाकू से की थी भाभी की हत्या शक बना कत्ल की वजह पुलिस पूछताछ में उगला सच

मेरठ, 15 जुलाई (एजेंसियां)। मेरठ के लिसाड़ी गेट थाना क्षेत्र के अहमद नगर में महिला निदा की मौत के मामले में पुलिस ने हत्या का खुलासा करते हुए उसकी ननद रिमषा को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार आरोपी को शक था कि उसकी भाभी उसके पति से बात करती है। इसी शक के चलते हुए विवाद में उसने चाकू से हमला कर हत्या कर दी। वारदात के बाद घटना को हादसा बताकर पुलिस को गुमराह करने का प्रयास किया गया। अहमद नगर गली नंबर-दो निवासी शावेज की शादी करीब सात वर्ष पहले लिसाड़ी गेट निवासी निदा से हुई थी।

महिला के मायके पक्ष को उसकी मौत की सूचना दी गई। मौके पर पहुंचे परिजनों ने देखा कि शव फर्श पर पड़ा था और आसपास खून फैला हुआ था। गले और हाथ पर चोट के निशान देखकर उन्होंने हत्या की आशंका जताते हुए पुलिस को सूचना दी।

'2021 से पहले फ्रोजन भ्रूण वाले दंपतियों के लिए सरोगेसी पर आयु सीमा नहीं'

इलाहाबाद हाई कोर्ट का अहम फैसला

लखनऊ, 15 जुलाई (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने सरोगेसी से जुड़े एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि जिन दंपतियों ने सरोगेसी (विनियमन) अधिनियम, 2021 लागू होने से पहले ही कृत्रिम गर्भाधान (आइवीएफ) प्रक्रिया शुरू कर दी थी और जिनके भ्रूण (फ्रोजन एंब्रियो) सुरक्षित रखे गए हैं, उन पर नए कानून में तय अधिकतम आयु सीमा को यांत्रिक ढंग से लागू नहीं किया जा सकता। अदालत ने कहा कि ऐसे मामलों में केवल आयु सीमा के आधार पर सरोगेसी की अनुमति से इन्कार करना संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत मिले व्यक्तिगत स्वतंत्रता और प्रजनन संबंधी स्वायत्तता के अधिकार का उल्लंघन होगा।

न्यायमूर्ति शेखर बी। सराफ और न्यायमूर्ति एके चौधरी की खंडपीठ ने यह आदेश एक दंपती की ओर से दाखिल रिट याचिका का निस्तारण

करते हुए दिया। अदालत ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ), लखनऊ को निर्देश दिया कि वह याचिकाकर्ता दंपती के आवेदन पर नए सिरे से विचार करें और केवल आयु सीमा को आधार बनाकर सरोगेसी की अनुमति देने से इन्कार न करें। याचिकाकर्ता दंपती ने अदालत को बताया कि उन्होंने वर्ष 2021 से पहले ही आइवीएफ उपचार शुरू कर दिया था। कई प्रयासों के बावजूद गर्भधारण सफल नहीं हुआ, लेकिन उनके भ्रूण सुरक्षित रखे गए थे। बाद में चिकित्सकों ने स्वास्थ्य कारणों से सरोगेसी अपनाने की सलाह दी। इसी बीच 25 जनवरी 2022 से सरोगेसी (विनियमन) अधिनियम लागू हो गया। कानून के अनुसार, पुरुष की आयु 26 से 55 वर्ष और महिला की आयु 23 से 50 वर्ष के बीच होना आवश्यक है। आयु सीमा पार हो जाने के कारण उनकी सरोगेसी प्रक्रिया रुक गई। सुनवाई के दौरान अदालत ने माना कि दंपती ने नया कानून लागू होने से पहले वैध रूप से प्रजनन प्रक्रिया शुरू कर दी थी।

इसलिए बाद में लागू हुए कानून की आयु सीमा को पूर्व प्रभाव से लागू करना न्यायसंगत नहीं होगा। अदालत ने कहा कि संतान प्राप्त करने का अधिकार व्यक्ति की गरिमा, निजता और प्रजनन संबंधी स्वतंत्रता से जुड़ा है। ऐसे मामलों में प्रत्येक प्रकरण के तथ्यों और परिस्थितियों को ध्यान में रखकर निर्णय लिया जाना चाहिए, न कि केवल तकनीकी आधार पर आवेदन खारिज किया जाए।

हॉस्टल की थाली में मिली छिपकली! मधेपुरा के अंबेडकर स्कूल में खाना खाने से 30 छात्राओं की बिगड़ी तबीयत

मधेपुरा, 15 जुलाई (एजेंसियां)। मुरलीगंज प्रखंड कार्यालय परिसर के समीप स्थित डा। भीमराव अंबेडकर आवासीय विद्यालय में करीब 9:30 बजे भोजन करने के बाद अचानक लगभग 30 छात्राओं की तबीयत बिगड़ गई। सभी बीमार छात्राएं छह से 17 साल की हैं। किसी को सिर दर्द, पेट दर्द तो किसी को उल्टी की शिकायत होने लगी। एक साथ बड़ी संख्या में बच्चियों के बीमार होने से विद्यालय परिसर में अफरातफरी मच गई। आनन-फानन में सभी छात्राओं को एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मुरलीगंज लाया गया। चिकित्सकों ने सभी उपचार किया।

दबी जुबान से छात्राओं ने कहा कि रात के भोजन में रोटी, कद्दू की सब्जी, दाल और खीर दिया गया था। दाल में छिपकली जैसा कुछ दिखा था। भोजन करने के कुछ देर बाद ही कई बच्चियों को पेट दर्द, उल्टी और घबराहट की शिकायत होने लगी। इसके बाद सभी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

श्रीराम वन गमन मार्ग विवाद

हाई कोर्ट ने याचिकाकर्ता को लोक निर्माण विभाग के समक्ष प्रत्यावेदन देने का दिया निर्देश

लखनऊ, 15 जुलाई (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने भगवान श्रीराम के वनवास काल से जुड़े श्रीराम वन गमन मार्ग के निर्माण को लेकर दाखिल जनहित याचिका का निस्तारण करते हुए याचिकाकर्ता को लोक निर्माण विभाग के समक्ष प्रत्यावेदन देने का निर्देश दिया है। अदालत ने कहा कि संबंधित अधिकारी कानून के दायरे में मामले पर विचार कर उचित निर्णय लें।न्यायमूर्ति राजन राय और न्यायमूर्ति मंजीव शुक्ला की खंडपीठ ने यह आदेश अरविंद कुमार सिंह की जनहित याचिका पर दिया। याचिका में मांग की गई थी कि राज्य सरकार को वाल्मीकि रामायण, रामचरितमानस, लोक कथाओं और अन्य धार्मिक मान्यताओं में वर्णित मार्ग के अनुसार वास्तविक श्रीराम वन गमन मार्ग का निर्माण कराने का निर्देश दिया जाए।

साथ ही रामायण सर्किट के लिए उपलब्ध धनराशि का उपयोग इसी मार्ग के निर्माण में करने की भी मांग की गई थी। याचिकाकर्ता ने राष्ट्रीय राजमार्ग-731ए को श्रीराम वन गमन मार्ग घोषित किए जाने पर भी आपत्ति जताई। उनका कहना था कि भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा विकसित किया जा रहा यह राजमार्ग भगवान श्रीराम के वन गमन के वास्तविक मार्ग से मेल नहीं खाता और धार्मिक ग्रंथों में वर्णित पथ से अलग है।

अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ता अपनी मांगों से संबंधित विस्तृत प्रत्यावेदन लोक निर्माण विभाग के मुख्य अभियंता या राष्ट्रीय राजमार्ग प्रभाग के प्रभारी अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत करें। इसके बाद संबंधित अधिकारी सभी तथ्यों और कानून के अनुरूप मामले की जांच कर उचित निर्णय लें।

जानू यादव को जबरन बनाया गया किन्नर?

18 साल का युवक बोला- हिना ने ऑपरेशन कराया कलमा पढ़वाया और प्रतिबंधित मांस खिलाया

शाहजहांपुर, 15 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर में एक युवक द्वारा लगाए गए गंभीर आरोपों ने सनसनी फैला दी है। कानपुर देहात के रहने वाले 18 साल के जानू यादव उर्फ सिमरन ने खुटार क्षेत्र की रहने वाली हिना किन्नर और उसके साथियों पर जबरन ऑपरेशन कराकर किन्नर बनाने, धर्म परिवर्तन के लिए दबाव डालने और प्रतिबंधित मांस खिलाने का आरोप लगाया है। वहीं, दूसरे पक्ष ने भी युवक पर चोरी और शादी में बाधा डालने का आरोप लगाते हुए पुलिस को शिकायत दी है। फिलहाल पुलिस दोनों पक्षों के आरोपों की जांच कर रही है और जांच पूरी होने के बाद आगे की कार्रवाई की बात कह रही है। पीड़ित जानू यादव का कहना है कि उसकी पहचान शाहजहांपुर के खुटार क्षेत्र की रहने वाली हिना किन्नर से हुई थी। आरोप है कि हिना ने उसे अपने घर मेहमान बनाकर बुलाया, जहां वह करीब दो से तीन महीने तक रहा। इसी दौरान उसके नाक और कान छिदवाए गए। बाद में वह कानपुर लौट गया, लेकिन दोबारा बुलाकर उसे दिल्ली ले जाया गया। युवक का आरोप है कि वहां उसकी इच्छा के विरुद्ध ऑपरेशन कराया गया और उसे किन्नर बना दिया गया। उसने यह भी दावा किया कि उस पर जबरन कलमा पढ़ने का दबाव बनाया गया और धर्म परिवर्तन कराने की कोशिश की गई।

साथ ही प्रतिबंधित मांस खिलाने का भी आरोप लगाया गया है। जानू यादव ने अपनी शिकायत में यह भी कहा है कि ऑपरेशन के बाद उसे दिल्ली में बेचने की कोशिश की गई। उसका दावा है कि किसी तरह मौका मिलने पर वह वहां से निकलने में सफल रहा। इसके बाद उसने पूरे मामले की शिकायत पुलिस से की। युवक के आरोपों के बाद यह मामला स्थानीय स्तर पर चर्चा का विषय बन गया है। हालांकि पुलिस का कहना है कि सभी आरोपों की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी और फिलहाल किसी निष्कर्ष पर पहुंचना जल्दबाजी होगी।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी

दो आरोपियों को रिमांड पर लेकर जेल से निकली पुलिस, पूछताछ में खुल सकते हैं कई राज

अयोध्या, 15 जुलाई (एजेंसियां)। अयोध्या में राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में पुलिस बुधवार सुबह जिला जेल से आरोपी रमाशंकर मिश्रा और सुभाष श्रीवास्तव को 14 घंटे की कस्टडी रिमांड के लिए लेकर निकली। सुबह करीब 8:10 बजे पुलिस टीम जिला जेल पहुंची। आवश्यक औपचारिकताएं पूरी करने के बाद दोनों आरोपियों को अपने साथ ले गई। इसके बाद उन्हें पुलिस लाइन स्थित अस्पताल में मेडिकल परीक्षण के लिए ले जाया गया। मेडिकल परीक्षण के बाद पुलिस लाइन परिसर में दोनों आरोपियों से गहन पूछताछ होगी। पूछताछ के आधार पर उनकी निशानदेही पर संभावित ठिकानों पर छापेमारी भी की जाएगी। इस दौरान पुलिस लाइन के प्रवेश द्वार पर सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस बल तैनात रहा। पुलिस अब तक चार आरोपियों से कस्टडी रिमांड पर पूछताछ कर चुकी है और उनकी निशानदेही पर नगदी, आभूषण तथा दो चार पहिया वाहन बरामद कर चुकी है। रमाशंकर मिश्रा के पास से पहले करीब सात लाख रुपये बरामद हुए थे, जबकि गणना प्रभारी रहे सुभाष श्रीवास्तव के पास से अब तक कोई नकदी बरामद नहीं हुई है।

राम मंदिर के भक्तों का यूपी विधानसभा स्पीकर ने उड़ाया मजाक?

बोले- 'जिन्होंने श्रद्धा से दान नहीं दिया उनका पैसा चोरी'

अयोध्या, 15 जुलाई (एजेंसियां)। अयोध्या के राम मंदिर में हुए चंदा चोरी के बीच यूपी विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने बड़ा बयान दे दिया है। इसको लेकर अब विवाद शुरू होने की आशंका है। उन्होंने कहा, जिन लोगों का पैसा चोरी हुआ है उन्होंने शायद सच्ची श्रद्धा से भगवान के मंदिर में अर्पित नहीं किया होगा इसलिए चोरी हुआ। उन्होंने आगे कहा, हमारा पैसा चोरी नहीं हुआ। हमारा पैसा मंदिर में लगा है और मंदिर का भव्य स्वरूप इस बात का प्रमाण है। बता दें कि राम मंदिर चढ़ावा चोरी विवाद पर सियासी घमासान लगातार जारी है और यह थमने का नाम नहीं ले रहा है। उत्तर प्रदेश के अयोध्या की एक विशेष अदालत ने राम मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी के मामले में दो आरोपियों की 14 घंटे की पुलिस रिमांड मंजूर कर ली। सूत्रों ने यह जानकारी दी।सूत्रों ने बताया कि अदालत ने जांच अधिकारी के सात दिन की पुलिस हिरासत के अनुरोध को खारिज कर दिया। मामले के जांच अधिकारी आशुतोष तिवारी ने दोनों आरोपियों से पूछताछ के लिए सात दिन की पुलिस रिमांड का अनुरोध किया था लेकिन अदालत ने 14 घंटे की हिरासत की अनुमति दी।

सूत्रों ने बताया कि पुलिस दोनों आरोपियों को पूछताछ के लिए बुधवार सुबह करीब 7 बजे हिरासत में ले सकती है। आरोपियों से पूछताछ के दौरान नकदी, सोना, निवेश संबंधी दस्तावेज और कथित रूप से चोरी की गयी रकम से खरीदे गए दो चारपहिया वाहन बरामद किए गए। सूत्रों ने दावा किया कि जांच में यह भी सामने आया कि कथित चोरी की गई राशि का एक हिस्सा ब्याज पर ऋण देने और शेयर बाजार में निवेश किया गया था। बता दें कि राम मंदिर में करोड़ों रुपये की कथित चोरी का खुलासा हुआ है।

इस बीच राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और अनिल मिश्रा ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। फिलहाल इस मामले में एसआईटी द्वारा जांच की जा रही है।

'2027 में होगा बीजेपी का सफाया

यह तो ठगों की पार्टी है', अखिलेश यादव का बड़ा हमला राम मंदिर चोरी मामले पर भी घेरा

लखनऊ, 15 जुलाई (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला करते हुए उसे ठगों की पार्टी करार दिया और दावा किया कि वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में प्रदेश की जनता भाजपा का सफाया कर देगी। पार्टी की ओर से जारी बयान में यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में महंगाई, भ्रष्टाचार, अपराध, अन्याय और लूट चरम पर है। उन्होंने अयोध्या स्थित श्रीराम मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी और आभूषणों के गबन के मामले का उल्लेख करते हुए कहा कि यह आस्था के साथ छल है और इस पर भाजपा नेतृत्व को शर्म आनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा शासन में देश की अर्थव्यवस्था कमजोर हुई है, विदेशी कर्ज बढ़ रहा है और भ्रष्टाचार हर स्तर पर व्याप्त है। उन्होंने कहा कि किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य नहीं मिल रहा है तथा खाद, बीज, बिजली और डीजल जैसी आवश्यक सुविधाओं के लिए भी उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। यादव ने प्रदेश की कानून-व्यवस्था पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि फर्जी मुठभेड़ की घटनाएं हो रही हैं और पुलिस हिरासत में मौत के मामलों में उत्तर प्रदेश शीर्ष पर है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार का 'जीरो टॉलरेंस' का दावा पूरी तरह विफल साबित हुआ है। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में नौकरी दिलाने के नाम पर कथित ठगी के मामले का जिक्र करते हुए उन्होंने भाजपा पर अपराधियों को संरक्षण देने का आरोप लगाया। सपा अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा धर्म के नाम पर समाज को बांटने का काम करती है।

उन्होंने आरोप लगाया कि सनातन की बात करने वाली भाजपा ज्योतिष्पीठाधीश्वर स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती का भी अपमान कर रही है, जिससे साधु-संतों में नाराजगी है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार में शिक्षा, स्वास्थ्य और जनकल्याण की योजनाएं बदहाल हैं तथा छात्र, किसान, व्यापारी, मजदूर और युवा सभी परेशान हैं। यादव ने कहा कि संविधान, लोकतंत्र और आरक्षण खतरे में हैं तथा वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में जनता भाजपा को सत्ता से हटाकर इन्हें बचाने का काम करेगी।

डॉक्यूमेंट की कमी नहीं

बस एक चूक ने वीणा मानवी की उम्मीदवारी रद्द करवा दी, निर्वाचन आयोग ने बताई वजह

पटना, 15 जुलाई (एजेंसियां)। बांकीपुर उपचुनाव के लिए चुनाव आयोग की स्क्रूटनी की प्रक्रिया में कुल 13 उम्मीदवारों के नामांकन पत्र अलग-अलग तकनीकी कमियों के कारण खारिज कर दिए गए। इस कड़ी में जनशक्ति जनता दल यानी जेजेडी के प्रमुख तेज प्रताप यादव को तब बड़ा झटका लगा जब, उनकी प्रत्याशी वीणा मानवी का नामांकन पत्र रद्द कर दिया गया है। बताया जा रहा है कि चुनाव आयोग ने स्क्रूटनी (छंटनी) के दौरान पाया कि नामांकन पत्र पर 10 प्रस्तावकों की जगह केवल 9 के हस्ताक्षर थे, जिसके चलते निर्वाचन अधिकारियों ने उनका पर्चा निरस्त कर दिया।

ऐसे में अब बांकीपुर उपचुनाव में कुल 14 उम्मीदवारों के नामांकन पत्र निरस्त किए गए। इनमें छह निर्दलीय उम्मीदवार शामिल हैं, जबकि बाकी उम्मीदवार विभिन्न छोटे राजनीतिक दलों से चुनाव लड़ रहे थे। निर्वाचन अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार, बांकीपुर उपचुनाव में वीणा मानवी के नामांकन पत्र की बारीकी से जांच की गई थी। चुनाव आयोग के वर्तमान नियमों के अनुसार, किसी भी मान्यता प्राप्त दल से अलग या क्षेत्रीय पार्टी के प्रत्याशी के नामांकन पत्र पर कम से कम 10 प्रस्तावकों के हस्ताक्षर होना अनिवार्य होता है। लेकिन जब वीणा मानवी के पर्चे की जांच हुई, तो उसमें केवल 9 प्रस्तावकों के ही सिग्नेचर पाए गए।

सिर्फ एक हस्ताक्षर कम होने की इस मामूली लेकिन गंभीर तकनीकी चूक के कारण चुनाव आयोग ने उनके आवेदन को त्रुटिपूर्ण माना और उनका नॉमिनेशन फॉर्म तुरंत निरस्त कर दिया। निर्वाचन कार्य से जुड़े एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि नामांकन पत्र रद्द होने के पीछे कई प्रमुख वजहें होती हैं। इनमें हलफनामे में गलत जानकारी देना, महत्वपूर्ण वित्तीय या आपराधिक तथ्यों को छिपाना, आवेदन पत्र का अधूरा या त्रुटिपूर्ण होना और चुनाव आयोग द्वारा निर्धारित अन्य कड़े मानकों पर खरा नहीं उतरना शामिल है।

पति की कमाई का कितना हिस्सा गुजारा-भत्ता ले सकती है पत्नी? इलाहाबाद हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

प्रयागराज, 15 जुलाई (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने पत्नी के भरण-पोषण राशि को लेकर बड़ी टिप्पणी की है। कोर्ट ने कहा कि पत्नी को पति की कमाई का 25 प्रतिशत तक गुजारा भत्ता राशि के तौर पर निर्धारित करना केवल एक व्यापक दिशानिर्देश है, न कि कोई अनिवार्य नियम। यह टिप्पणी करते हुए न्यायमूर्ति अचल सचदेव ने कहा कि प्रत्येक मामले के तथ्यों और परिस्थितियों के आधार पर अधीनस्थ अदालत को अधिक या कम गुजारा भत्ता निर्धारित करने का विवेकाधिकार प्राप्त है। कोर्ट ने कहा कि गुजारा भत्ते की गणना के लिए शुद्ध आय से आशय आवश्यक कटौतियों और करों के बाद बची आय से है, न कि सकल आय से। अदालत दो आपराधिक पुनरीक्षण याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए ये टिप्पणी की। इनमें से एक याचिका पत्नी पिंकी उर्फ प्रीति ने कानपुर देहात की परिवार अदालत द्वारा निर्धारित 12,000 रुपये मासिक गुजारा भत्ता बढ़ाने की मांग करते हुए दायर की थी।

वहीं, दूसरी याचिका पति जय प्रकाश ने दायर की थी, जिसमें उन्होंने परिवार अदालत के गुजारा भत्ता संबंधी आदेश को चुनौती दी थी।मामले के तथ्यों के अनुसार, पति ने पत्नी के खिलाफ तलाक की याचिका दायर की थी, जिस पर उसके पक्ष में फैसला सुनाया गया था। अदालत ने दोहराया कि केवल तलाक की डिक्री पारित हो जाने से विधिक रूप से विवाहित पत्नी गुजारा भत्ते के अधिकार से वंचित नहीं हो जाती, बशर्ते वह स्वयं अपना भरण-पोषण करने में असमर्थ हो, उसने पुनर्विवाह न किया हो और वह व्यभिचार में लिप्त न हो। अदालत ने कहा, 'गुजारा भत्ते का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि पत्नी सम्मानपूर्वक अपना जीवन-यापन कर सके।' अदालत ने पाया कि पत्नी के पास आय का कोई पर्याप्त स्रोत नहीं है और वह अपना भरण-पोषण करने में सक्षम नहीं है, जबकि पति के पास पर्याप्त आय है। इसलिए पत्नी गुजारा भत्ता पाने की हकदार है। उच्च न्यायालय ने कहा कि यद्यपि पुनरीक्षण न्यायालय का अधिकार क्षेत्र पर्यवेक्षण का होता है, अपीलीय नहीं, लेकिन यदि अधीनस्थ अदालत का आदेश त्रुटिपूर्ण या विकृत हो तो उसमें हस्तक्षेप किया जा सकता है। अदालत ने पाया कि पति की शुद्ध मासिक आय 67,043 रुपये है और अधीनस्थ अदालत ने पर्याप्त विचार किए बिना गुजारा भत्ता निर्धारित किया था। इसलिए उच्च न्यायालय ने 10 जुलाई को दिए अपने निर्णय में गुजारा भत्ता बढ़ाकर 20,000 रुपये प्रतिमाह कर दिया।

विश्व युवा कौशल दिवसः योगी बोले-पहले यूपी में नौकरी नहीं थी, निकलती भी तो चाचा-भतीजे की जोड़ी वसूली पर लग जाती

लखनऊ, 15 जुलाई (एजेंसियां)। विश्व युवा कौशल दिवस-2026 पर बुधवार को व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता विभाग द्वारा राजधानी लखनऊ स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में राज्य स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसका उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने कौशल सारथी और कौशल सेतु मॉड्यूल भी लॉन्च और कौशलम पुस्तिका का विमोचन किया। विभिन्न प्रतिष्ठित औद्योगिक संस्थानों के साथ एमओयू भी हुए। इस मौके पर मुख्यमंत्री उच्च वेतन पर नियुक्ति पाने वाले व उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 21 युवा आइकॉन को सम्मानित भी किया। साथ ही श्रेष्ठ कार्य करने वाले राजकीय आईटीआई, प्रशिक्षण प्रदाताओं और प्रोजेक्ट इम्प्लीमेंटेशन एजेंसियों के प्रतिनिधियों को भी सम्मानित किया।

इस मौके पर मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि पूरी दुनिया के लिए यूपी और सीएम का काम मॉडल है। यूपी में निवेश बढ़ा है, इंफ्रास्ट्रक्चर बढ़ा है। यहां प्रशिक्षण पाने वाले युवाओं का आज सम्मान होगा। अन्य युवाओं को भी प्रेरणा

मिलेगी। स्वालंबन प्राप्त करें। पीएम मोदी ऊर्जा और आतंकवाद के विरोध की बात करते हैं। साथ ही युवाओं को स्वावलंबन देने की बात जरूर करते हैं। यह आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास का माध्यम है। उन्होंने कहा कि स्किल इंडिया, मेक इन इंडिया के तहत इंडस्ट्री की मांग के अनुरूप स्किल मैन पावर दे रहे हैं। 20 हजार युवाओं को प्रशिक्षण दिया गया है। 10 हजार को जॉब दिलाई। सीएम योगी ने स्किल के लिए 3300 करोड़ का बजट किया है। टाटा ग्रुप के साथ एमओयू हुआ है। नई तकनीकी के साथ युवाओं को प्रशिक्षण दे रहे हैं। इस मौके पर सीएम योगी ने कहा कि देश की सबसे बड़ी आबादी वाला राज्य होने के नाते इस बात की खुशी होती है कि सबसे ज्यादा युवा फोर्स हमारे पास है। इस स्केल को स्किलिंग से जोड़कर हम यूपी को आगे बढ़ा रहे हैं। आज जो युवा हैं वो 2017 से पहले आप सब बच्चे थे। उस समय माता-पिता अपने बच्चों को किसी भी अपशकुन से बचाते हैं। लेकिन, उस समय की सरकार की सबसे बड़ी अपशकुन थी। न स्किल थी, न स्कूली शिक्षा। सब नदारत थे। सीएम ने आगे कहा कि 2017 से पहले न बेटी सुरक्षित थी, न व्यापारी सुरक्षित था।

जेल में ही रहेगा एचआर मैनेजर हत्याकांड का आरोपित विनय सिंह, प्रेमिका का सिर धड़ से काटकर किया था कत्ल

आगरा, 15 जुलाई (एजेंसियां)। ट्रांस यमुना थाना क्षेत्र में छह महीने पहले युवती के सिर धारदार हथियार से काटकर धड़ से अलग करने के चर्चित मामले में आरोपित विनय सिंह को न्यायालय ने राहत नहीं दी। आरोपित की ओर से प्रस्तुत जमानत प्रार्थना पत्र को जिला जज संजय कुमार मलिक ने निरस्त करने के आदेश दिए घटना इस वर्ष 23 जनवरी की है। ट्रांस यमुना फेस एक निवासी मिंकी शर्मा घर से कार्यालय के लिए निकली थीं। वह एक कंपनी में एचआर मैनेजर थीं। घर नहीं लौटने पर भाई दीपक शर्मा ने 24 जनवरी को गुमशुदगी दर्ज कराई। 25 जनवरी को यमुना से सिर विहीन शव बरामद हुआ, जिसकी पहचान मिंकी शर्मा के रूप में स्वजन ने की थी। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर मिंकी शर्मा के साथ कूरियर कंपनी में काम करने वाले विनय सिंह को गिरफ्तार किया था। पूछताछ में आरोपित विनय ने संजय प्लेस के मारूति प्लाजा स्थित अपने कार्यालय में मिंकी शर्मा का धारदार हथियार से गला काटकर धड़ से अलग कर दिया था। शव को बोरे में बंद करके यमुना नदी में फेंक दिया था।

पालमपुर में महिला बैंक कर्मचारी जांच के घेरे में, पति और सास के खातों से उड़ा ली धनराशि

पालमपुर (कांगड़ा), 15 जुलाई (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले के पालमपुर में एक महिला बैंक कर्मचारी पर वित्तीय अनियमितता के गंभीर आरोप लगे हैं। पुलिस के अनुसार, उस पर अपने पति और सास के बैंक खातों से धनराशि अपने खाते में स्थानांतरित करने का आरोप है। साथ ही, दोनों खातों को उनकी सहमति के बिना दूसरी शाखा में स्थानांतरित करने का भी आरोप है। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी गई शिकायत में आरोप है कि संबंधित महिला पहले मारंडा स्थित बैंक शाखा में कार्यरत थी, जहां उसके पति और सास के खाते संचालित थे। बाद में उसका तबादला नगरोटा बगवां शाखा में हो गया। आरोप है कि इसी दौरान दोनों खातों से धनराशि निकालकर अपने खाते में स्थानांतरित की गई और खातों को भी दूसरी शाखा में स्थानांतरित कर दिया गया। शिकायतकर्ता का कहना है कि उन्हें इस पूरी प्रक्रिया की जानकारी बाद में मिली।

'हिम्मत है तो गलती मान लो'

कांग्रेस ने ममता बनर्जी को दी खुली चुनौती, पार्टी छोड़ने की बात क्यों दिलाई याद?

नई दिल्ली, 15 जुलाई (एजेंसियां)। कांग्रेस ने तृणमूल कांग्रेस की मुखिया ममता बनर्जी को 21 जुलाई को प्रस्तावित पार्टी के एक कार्यक्रम के लिए आमंत्रित किया है। बंगाल कांग्रेस ने इसके साथ ही कहा कि ममता को यह बात मान लेनी चाहिए कि लगभग तीन दशक पहले कांग्रेस छोड़ने का उनका फैसला एक गलती थी। कांग्रेस की बंगाल इकाई के अध्यक्ष शुभांकर सरकार ममता को यह मैसेज दिया।

रिपोर्ट के मुताबिक शहीद मीनार पर 'शहीद दिवस' कार्यक्रम से जुड़ी तैयारियों का जायजा लेने के बाद सरकार ने कहा कि ममता को 21 जुलाई 1993 के आंदोलन के ऐतिहासिक महत्व को मान्यता देनी चाहिए, न कि उसकी विरासत को फिर से लिखने की कोशिश करनी चाहिए। उन्होंने कहा, 'अगर ममता

बनर्जी में सच में हिम्मत है, तो उन्हें इतिहास को तोड़-मरोड़कर पेश नहीं करना चाहिए। तृणमूल सुप्रीमो को स्वीकार करना चाहिए कि उन्होंने अतीत में एक गलत राजनीतिक फैसला लिया था। शहीद मीनार पर हमारे कार्यक्रम में आकर शहीदों को श्रद्धांजलि देने के लिए उनका स्वागत है।' शुभांकर सरकार ने कहा कि 21 जुलाई 1993 का आंदोलन युवा कांग्रेस के बैनर तले आयोजित किया गया था और कांग्रेस के साथ उसके जुड़ाव को इतिहास से मिटाया नहीं जा सकता। उन्होंने कहा, 'यह आंदोलन इतिहास का हिस्सा है और इससे इनकार करने की कोई गुंजाइश नहीं है। जो नेता अपने राजनीतिक अतीत का सम्मान करता है, उसे लोगों का अधिक सम्मान मिलता है।' सरकार ने कहा कि अगर ममता इस साल 21 जुलाई के कार्यक्रम में शामिल होती हैं और यह स्वीकार करती हैं कि कांग्रेस छोड़ने का उनका फैसला एक सियासी गलती थी, तो यह एक अहम कदम होगा।

कांग्रेस क्यों मनाती है शहीद दिवस

बता दें कि 21 जुलाई 1993 को ममता के नेतृत्व में युवा कांग्रेस की रैली पर पुलिस की गोलीबारी में 13 लोगों की मौत हो गई थी। दिसंबर 1997 में कांग्रेस छोड़ तृणमूल कांग्रेस का गठन करने वाली ममता हर साल विशाल रैलियों के आयोजन के जरिए शहीद दिवस मनाती आई हैं।

तरनतारन की किरनदीप कौर की इंग्लैंड में हत्याः घर में घुसे आरोपियों ने चाकू से गोदा जमीन बेचकर पढ़ने भेजा था

खडूर साहिब, 15 जुलाई (एजेंसियां)। तरनतारन के गांव पिद्दी निवासी 24 वर्षीय किरनदीप कौर की इंग्लैंड के हेज शहर में अज्ञात लोगों ने चाकू मारकर हत्या कर दी। यह घटना शाम की बताई जा रही है। खबर मिलते ही गांव में शोक का माहौल छा गया। किरनदीप कौर करीब दो वर्ष पहले पढ़ाई के लिए इंग्लैंड गई थी। उसके पिता सुखदेव सिंह ने बेटी को भेजने के लिए अपनी आधी एकड़ जमीन बेची थी। पढ़ाई पूरी होने के बाद किरनदीप को हेज स्थित एक मॉल में नौकरी मिल गई थी। किरनदीप कौर ड्यूटी के बाद घर लौटी और रसोई में काम कर रही थी। इसी दौरान अज्ञात लोग घर में घुस आए और उस पर चाकू से हमला कर दिया। गंभीर हालत में उसे अस्पताल ले जाया गया, लेकिन अधिक रक्तस्राव के कारण उसकी जान नहीं बच सकी। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर हत्यारों की तलाश शुरू कर दी है।

सोनम वांगचुक का अनशन जबरन तुड़वाने के लिए हाई कोर्ट में याचिका, भूख हड़ताल का आज 18वां दिन

नई दिल्ली, 15 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली के जंतर-मंतर पर शिक्षाविद् सोनम वांगचुक भूख हड़ताल पर हैं। आज इस हड़ताल का 18वां दिन है। इस मामले में दिल्ली हाई कोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की गई है। इसमें मांग की गई है कि एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक को तुरंत मेडिकल मदद दी जाए। वांगचुक शिक्षा व्यवस्था में हुई गड़बड़ियों के लिए ये विरोध कर रहे हैं। ये पीआईएल एक्टिविस्ट और वकील राकेश कुमार सैनी ने दायर की है। पीआईएल में मांग की गई है कि कोर्ट केंद्र और दिल्ली सरकार को निर्देश दे कि वे वांगचुक को हॉस्पिटल ले जाएं और उन्हें जबरन खाना खिलाएं। याचिका के अनुसार, वांगचुक की सेहत तेजी से बिगड़ी है। उनका वजन 8.5 किलो कम हो गया है और अगर वे भूख हड़ताल जारी रखते हैं, तो दो दिनों में उनकी जान जा सकती है। याचिका में कहा गया है कि अगर उनकी मौत हो जाती है, तो ये देश और दुनिया के लिए बहुत शर्म की बात होगी।

पीआईएल में आरोप लगाया गया है कि सरकार वांगचुक के साथ एक हार्डकोर क्रिमिनल, आतंकवादी या देश के गद्दार जैसा बर्ताव कर रही है और उसे उसकी बिल्कुल भी चिंता नहीं है। पिटीशन में कहा गया है कि सरकार कम से कम इतना तो कर ही सकती है कि उसकी जान बचाने के लिए उसे सही मेडिकल मदद दे, भले ही जबरदस्ती ही क्यों न करनी पड़े। पिटीशन के मुताबिक, "आसान काम ये है कि उन्हे सरकारी हॉस्पिटल ले जाया जाए और उन्हें लिक्विड डाइट के ज़रिए जरूरी न्यूट्रिएंट्स, विटामिन्स और मिनरल्स जबरदस्ती खिलाए जाएं जो इंसान के शरीर के ज़िंदा रहने के लिए जरूरी हैं।" पिटीशनर ने कहा है कि जहां लोग यह आरोप लगाने लगे हैं कि देश की अंतरात्मा मर चुकी है, वहीं "पिटीशनर को यकीन है कि कोर्ट की अंतरात्मा नहीं मरी है"।

ड्रग के नशे में धुत होकर शादीशुदा महिला से गैंगरेप

दरिंदों ने अश्लील वीडियो बनाए और धमकाकर बार-बार किया यौन शोषण

नागपुर, 15 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में नागपुर के खापरखेड़ा में दोस्ती का भरोसा जीतकर दो युवकों ने एक विवाहित महिला को पहले एमडी की लत लगाई और बाद में नशे की हालत में उसके साथ कथित रूप से गैंगरेप किया। इतना ही नहीं आरोपियों ने पीड़िता के अश्लील फोटो और वीडियो भी बनाए और महिला को उसे वायरल करने की धमकी दी। आपत्तिजनक वीडियो का डर दिखाकर दोनों ने लंबे समय तक महिला का यौन शोषण किया। पीड़िता ने यह भी आरोप लगाया है कि आरोपियों की तरफ से पति को नींद की गोलियां खिलाकर मिलने का दबाव बनाया जाता था। फिर, महिला की तरफ से विरोध करने पर उसके पति की हत्या की धमकी दी गई। अब इस मामले में एक्शन लेते हुए खापरखेड़ा पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ बीएनएस की सुसंगत धाराओं में मामला दर्ज करके उनकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, सावनेर थाने में दर्ज जीरो एफआईआर के आधार पर मामला, खापरखेड़ा पुलिस को स्थानांतरित किया गया, जिसके बाद अपराध दर्ज किया गया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, पीड़िता की शिकायत पर आरोपी अनुराग कटारिया और आशीष शास्त्री के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज किया गया है। नवंबर, 2024 में कंप्यूटर क्लास के दौरान ही उनकी पहचान अनुराग से हुई। दोस्ती बढ़ने के बाद, अनुराग ने महिला को एमडी नामक नशीले पदार्थ का सेवन करने के लिए उकसाया। फिर, धीरे-धीरे महिला को इस नशे की लत लग गई।

इसके बाद, अनुराग ने महिला की मुलाकात अपने दोस्त आशीष से कराई। पीड़िता का आरोप है कि दोनों आरोपी उसे अपने कमरे पर ले गए और एमडी का भारी नशा देखकर उसके साथ गैंगरेप किया। इस दौरान, आरोपियों ने महिला के अश्लील वीडियो बना लिए। और बाद में इन वीडियो को वायरल करने की धमकी देकर बार-बार महिला का यौन शोषण किया।

एसआईटी जांच में खुलासेः सरकारी स्कूलों में कैसे पहुंचीं अलगाववादी किताबें?

जम्मू, 15 जुलाई (एजेंसियां)। सरकारी स्कूलों की लाइब्रेरी में विवादित किताबों के मामले में एसआईटी के हाथ लगे साक्ष्य और आरोपी प्रकाशकों से पूछताछ में जो पता चला है उसके अनुसार अलगाववादी किताबों को राजनीतिक संरक्षण में लिखा गया है। इसके पीछे व्यापक साजिश की आशंका है। सूत्रों के अनुसार इन किताबों के बहाने जम्मू-कश्मीर का माहौल एक बार फिर खराब करने की तैयारी थी लेकिन ताबड़तोड़ कार्रवाई से योजना सफल नहीं हो सकी। इस मामले में अब तक की कार्रवाई निचले स्तर के अधिकारियों और कर्मचारियों तक ही सीमित रही है। आठ अधिकारियों को निलंबित किया जा चुका है और एक संविदा कर्मचारी की सेवा समाप्त कर दी गई है लेकिन पूरी खरीद प्रक्रिया और निगरानी से जुड़े वरिष्ठ अधिकारियों के खिलाफ अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। विभागीय सूत्रों के अनुसार किताबों के चयन, खरीद, वितरण और स्कूलों तक पहुंचाने की प्रक्रिया कई स्तरों पर होती है। इसके बावजूद कार्रवाई सिर्फ उन अधिकारियों और कर्मचारियों पर हुई, जो निचले स्तर पर जिम्मेदारी निभा रहे थे। ऐसे में विभाग के भीतर यह सवाल उठ रहा है कि पूरी प्रक्रिया की निगरानी करने वाले वरिष्ठ अधिकारियों की भूमिका की जांच कब होगी। समग्र शिक्षा की लाइब्रेरी व्यवस्था में किताबों के चयन और खरीद के साथ-साथ उनके वितरण और स्कूलों में पहुंचने के बाद निगरानी की जिम्मेदारी भी तय है।

मुख्य शिक्षा अधिकारी और अन्य संबंधित अधिकारी समय-समय पर निरीक्षण कर पुस्तक सामग्री का सत्यापन करते हैं। ऐसे में यदि यह व्यवस्था ठीक से लागू होती तो विवादित किताबें स्कूलों की लाइब्रेरी में नहीं पहुंचतीं। ऐसे मामले में केवल निचले स्तर के कर्मचारियों पर कार्रवाई कर देने से पूरी जिम्मेदारी तय नहीं मानी जा सकती।

सुबह 4:30 बजे सेंट्रल जेल से भाग गए 3 कैदी जेल के आठ अधिकारियों पर गिरी गाज

कलबुर्गी, 15 जुलाई (एजेंसियां)। कर्नाटक के कलबुर्गी सेंट्रल जेल में बंद तीन कैदी तड़के 4:30 बजे जेल से भाग गए। इसके बाद, ड्यूटी में लापरवाही बरतने के आरोप में जांच पूरी होने तक जेल के आठ अधिकारियों को सस्पेंड कर दिया गया। भागने वाले कैदियों में बसवकल्याण तालुक के इस्लामपुर गांव का मस्तान, औराद तालुक के संतपुर गांव का संतोष बसप्पा और बीदर तालुक के बकचौडी गांव का सागर भीमराया शामिल हैं। वे अलग-अलग अपराधों के लिए उम्रकैद की सजा काट रहे थे। मस्तान और संतोष को पॉक्सो एक्ट के तहत अलग-अलग मामलों में दोषी ठहराया गया था, और सागर को हत्या के मामले में दोषी ठहराया गया था।

इनमें से संतोष नाम के सजायाफ्ता कैदी को आज सुबह बीदर जिले के हुमनाबाद के पास एनकाउंटर के बाद अरेस्ट कर लिया गया। बीदर जिला पुलिस को सूचना मिली थी कि संतोष हुमनाबाद के पास कहीं छिपा हुआ है पुलिस की टीम वहां उसे अरेस्ट करने पहुंची तो उसने अचानक पुलिस पार्टी पर हमला कर दिया जिसके बाद उसके घुटने के नीचे गोली मारकर पुलिस ने उसे अरेस्ट कर लिया। खबरों के मुताबिक, जेल से भागने के बाद तीन में से दो कैदी पब्लिक ट्रांसपोर्ट बस से कलबुर्गी से हुमनाबाद गए। पुलिस ने हुमनाबाद के बाहरी इलाके में एक चेकपॉइंट बनाया था और गाड़ियों की जांच कर रही थी, जब कैदियों ने पुलिस को देखा, तो उन्होंने कथित तौर पर इंडस्ट्रियल एरिया की तरफ भागने की कोशिश की जिसके बाद एनकाउंटर हुआ और एक कैदी को अरेस्ट कर लिया गया। भारत के कई राज्यों से जेल से कैदियों के फरार होने की खबरें आती रहती हैं।

हालांकि, जो तस्वीरें कलबुर्गी जेल से आईं है उसे देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि इन तीनों ने जेल से एस्केप होने के लिए काफी तगड़ी प्लानिंग की थी। बैरक के बाथरूम की खिड़की में लगे लोहे के सरिए को काटकर उसे मोड़ दिया गया और उस गैप से निकलकर जेल की दीवार फांद कर फरार तीनों फरार हो गए। अधिकारियों ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है और पुलिस ने भागने वालों का पता लगाने के लिए कई स्पेशल टीमें बनाई हैं। जांचकर्ताओं ने कहा कि वे कैदियों की गतिविधियों का पता लगाने के लिए सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रहे हैं।

मुंबई-गोवा हाईवे पर कार ने खड़े डंपर को मारी टक्कर, दो महिलाओं समेत तीन की मौत

रत्नागिरी, 15 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के रत्नागिरी जिले में एक कार की डंपर के साथ भिड़ंत होने से दो महिलाओं समेत तीन लोगों की मौत हो गई। दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए और उन्हें लांजा ग्रामीण अस्पताल में भर्ती कराया गया है। शुरुआती जानकारी के अनुसार, हादसा रत्नागिरी जिले के लांजा क्षेत्र में मुंबई-गोवा हाईवे पर हुआ। बताया गया कि मुंबई के अग्रीपाड़ा का रहने वाले एक परिवार के कुछ सदस्य गोवा गए थे। लौटते समय लांजा रेस्ट हाउस के पास एक खड़े डंपर ने उनकी गाड़ी को पीछे से टक्कर मार दी, जिससे भयानक हादसा हो गया।

यह टक्कर इतनी जोरदार थी कि क्रेटा कार के परखच्चे उड़ गए। इस हादसे के बाद घटनास्थल पर चीख पुकार मच गई। स्थानीय लोगों और राहगीरों की भीड़ भी जुट गई, जिन्होंने जल्दी घायलों को बाहर निकालने की कोशिश की। इसी बीच, घटना की सूचना पुलिस को भी दी गई। बाद में घटनास्थल पर पहुंची पुलिस टीम ने घायलों को अस्पताल भेजा, जबकि शवों को अपने कब्जे में लिया। इस घटना में दो महिलाओं और एक युवक की मौत हो गई, जबकि कार सवार दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हुए।

'कुलपति जेल में दिखें तो हैरान न हों', शिक्षा व्यवस्था में भ्रष्टाचार पर मंत्री ने ऐसा क्यों कहा?

कोलकाता, 15 जुलाई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में भाजपा सरकार ने उच्च शिक्षा क्षेत्र में कथित भ्रष्टाचार को लेकर पूर्व टीएमसी सरकार पर हमला तेज कर दिया है। मंत्री जगन्नाथ चट्टोपाध्याय ने संकेत दिया है कि पूर्व शासन के दौरान कथित अनियमितताओं के लिए एक या अधिक विश्वविद्यालय कुलपतियों की गिरफ्तारी आश्चर्यजनक नहीं होगी। चट्टोपाध्याय ने कहा कि राज्य की तत्काल प्राथमिकता एक भ्रष्टाचार मुक्त और राजनीति मुक्त शिक्षा प्रणाली का निर्माण करना है, जिसे उन्होंने दशकों के राजनीतिक हस्तक्षेप के रूप में जिक्र किया, जो टीएमसी के 15 साल के शासनकाल के दौरान व्यापक अनियमितताओं में परिणत हुआ। उच्च शिक्षा मंत्री चट्टोपाध्याय ने समाचार चैनल को दिए एक साक्षात्कार में कहा कि आप पहले ही एक पूर्व शिक्षा मंत्री को जेल जाते देख चुके हैं। आपने अभी तक विश्वविद्यालय के कुलपतियों को जेल में नहीं देखा है।

अगर भविष्य में आप एक या दो कुलपतियों को प्रेसिडेंसी, दमदम या अलीपुर (जेलों) में देखते हैं, तो आश्चर्य की कोई बात नहीं होनी चाहिए। हालांकि मंत्री ने किसी विश्वविद्यालय या कुलपति का नाम नहीं लिया, लेकिन उनकी

आप पहले ही एक पूर्व शिक्षा मंत्री को जेल जाते देख चुके हैं। आपने अभी तक विश्वविद्यालय के कुलपतियों को जेल में नहीं देखा है। अगर भविष्य में आप एक या दो कुलपतियों को प्रेसिडेंसी, दमदम या अलीपुर (जेलों) में देखते हैं, तो आश्चर्य की कोई बात नहीं होनी चाहिए।

जगन्नाथ चट्टोपाध्याय, उच्च शिक्षा मंत्री बंगाल

टिप्पणियों को व्यापक रूप से इस संकेत के रूप में व्याख्यायित किया गया कि सरकार को उच्च शिक्षण संस्थानों में कथित अनियमितताओं की जांच को राजनीतिक अधिकारियों से परे विस्तारित करने की उम्मीद है। ये टिप्पणियां हाल के वर्षों में बंगाल के राजनीतिक परिदृश्य पर हावी रहे कई भर्ती और शिक्षा संबंधी भ्रष्टाचार मामलों की पृष्ठभूमि में आई हैं, जिनमें स्कूल नौकरियों के घोटाले में पूर्व शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी की गिरफ्तारी और नियुक्तियों और विश्वविद्यालय प्रशासन में कथित अनियमितताओं की जांच शामिल है। भाजपा सरकार के शिक्षा संबंधी रोडमैप की रूपरेखा पेश करते हुए चट्टोपाध्याय ने कहा कि भ्रष्टाचार का खात्मा करना और शैक्षणिक संस्थानों में राजनीतिक प्रभाव को समाप्त करना इसके सर्वोपरि उद्देश्य हैं। उन्होंने आरोप लगाया, 'पहली प्राथमिकता भ्रष्टाचार मुक्त शिक्षा प्रशासन और राजनीति मुक्त शिक्षा प्रणाली है। पिछले 15 वर्षों में, योग्यता की व्यवस्थित रूप से बलि दी गई और शैक्षणिक उत्कृष्टता की कीमत पर भ्रष्टाचार को बढ़ावा दिया गया।' अपने हमले को और व्यापक बनाते हुए मंत्री ने तर्क दिया कि बंगाल की शिक्षा प्रणाली का राजनीतिकरण वाम मोर्चे के 34 साल के शासनकाल के दौरान शुरू हुआ था, लेकिन उनके अनुसार, टीएमसी के शासनकाल में यह और भी बिगड़ गया है।

विदेशी नंबर से मिली धमकी एक करोड़ की मांग; जालंधर के गोराया में कारोबारी परिवार को फिर बनाया गया निशाना

जालंधर, 15 जुलाई (एजेंसियां)। जालंधर जिले के गोराया कस्बे में रंगदारी मांगने का एक और मामला सामने आने से व्यापारियों में दहशत का माहौल है। इस बार बदमाशों ने शहर के एक नामी डायमंड ज्वेलर्स को निशाना बनाते हुए विदेशी नंबर से कॉल कर एक करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी। रकम नहीं देने पर जान से मारने और गंभीर अंजाम भुगतने की धमकी दी गई। घटना के बाद पीड़ित कारोबारी ने तुरंत पुलिस से संपर्क किया, जिसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार पीड़ित ज्वेलर्स के मोबाइल पर विदेशी सीरीज के नंबर से कॉल आई। कॉल करने वाले ने खुद को एक गैंग से जुड़ा सदस्य बताते हुए सीधे एक करोड़ रुपये की मांग रखी। आरोपित ने कहा कि यदि तय रकम नहीं दी गई तो परिवार और कारोबार दोनों को गंभीर नुकसान उठाना पड़ेगा।

धमकी मिलने के बाद कारोबारी और उसके परिवार में दहशत फैल गई। घटना की सूचना मिलते ही गोराया पुलिस हरकत में आ गई। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। साथ ही साइबर और तकनीकी विशेषज्ञों की टीम को भी जांच में लगाया गया है। कॉल डिटेल, मोबाइल नंबर, इंटरनेट प्रोटोकॉल एड्रेस और अन्य इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों की गहन जांच की जा रही है।

'वह दिन दूर नहीं

जब सांस लेने के लिए ऑक्सीजन सिलेंडर लगेंगे', मैंग्रोव कटाई पर हाई कोर्ट ने जताई चिंता

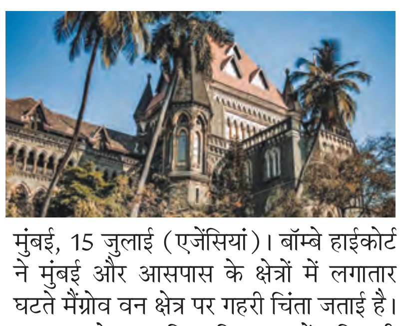

मुंबई, 15 जुलाई (एजेंसियां)। बॉम्बे हाईकोर्ट ने मुंबई और आसपास के क्षेत्रों में लगातार घटते मैंग्रोव वन क्षेत्र पर गहरी चिंता जताई है। अदालत ने कहा कि यदि शहर में हरियाली और मैंग्रोव इसी तरह कम होते रहे, तो वह दिन दूर नहीं जब लोगों को सांस लेने के लिए ऑक्सीजन सिलेंडर लेकर चलना पड़ेगा। यह टिप्पणी मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना से जुड़ी एक याचिका की सुनवाई के दौरान की गई। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश रवींद्र घुगे और न्यायमूर्ति गौतम अंखड की खंडपीठ महाराष्ट्र स्टेट इलेक्ट्रिसिटी ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड (एमएसईटीसीएल) की याचिका पर सुनवाई कर रही थी।

कंपनी ने पालघर जिले के दहानू से अंबेसारी तक मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना के लिए 132 केवी की ट्रांसमिशन लाइन बिछाने हेतु 847 मैंग्रोव पेड़ों की कटाई की अनुमति मांगी है। याचिका के अनुसार, करीब 13.06 किलोमीटर लंबी ट्रांसमिशन लाइन बिछाने के लिए 3.35 हेक्टेयर वन भूमि के उपयोग में बदलाव की आवश्यकता है, जिसमें करीब 1.97 हेक्टेयर मैंग्रोव वन क्षेत्र भी शामिल है। सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा कि, असली चिंता केवल पेड़ों की कटाई नहीं है, बल्कि यह है कि क्षतिपूर्ति के तौर पर लगाए जाने वाले पौधों की देखभाल नहीं की जाती। अदालत ने टिप्पणी की कि अक्सर पौधारोपण के बाद केवल फोटो खिंचवा ली जाती है, लेकिन यह देखने की कोई व्यवस्था नहीं होती कि पौधे जीवित भी हैं या नहीं। अदालत ने यह भी कहा कि जिस क्षेत्र में मैंग्रोव नष्ट किए जा रहे हैं, उसकी भरपाई किसी दूसरे घने वन क्षेत्र में पौधे लगाकर नहीं की जा सकती। पीठ ने कहा कि मुंबई पहले से ही हरित क्षेत्र की कमी से जूझ रहा है

और मैंग्रोव का नुकसान पर्यावरण के लिए गंभीर खतरा है। राज्य सरकार की ओर से महाधिवक्ता मिलिंद साठे ने अदालत को बताया कि सरकार प्रभावित क्षेत्र के आसपास ही क्षरित वन भूमि की पहचान कर वहां मैंग्रोव और अन्य पौधों का रोपण करेगी। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि इस प्रक्रिया में कुछ समय लगेगा। मैंग्रोव तटीय क्षेत्रों के प्राकृतिक सुरक्षा कवच माने जाते हैं।

क्या आप भी पी रहे केमिकल वाला दूध? महाराष्ट्र में 9 करोड़ से ज्यादा के नकली दूध का पर्दाफाश; आरोपी फरार

धाराशिव, 15 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के धाराशिव जिले से बड़े पैमाने पर मिलावटी दूध बेचे जाने का मामला सामने आया है। स्थानीय पुलिस और खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) ने एक संयुक्त कार्रवाई में जिले के भूम तालुका में चल रहे इस अवैध कारोबार का पर्दाफाश किया है। शुरुआती जांच में जो आंकड़े सामने आए हैं, वो चौंकाने वाले हैं। इससे पहले, मुंबई के दहिसर में छापा मारकर 470 लीटर दूध बरामद किया गया था। आरोपियों के जब्त किए गए बिक्री रजिस्टरों के विश्लेषण से पता चला है कि पिछले छह महीनों में लगभग 2,30,470 किलोग्राम निम्न गुणवत्ता वाला दूध पाउडर मिलावट के लिए इस्तेमाल किया गया।

इस भारी मात्रा के दूध पाउडर का उपयोग करके लगभग 23,04,070 लीटर सिंथेटिक (कृत्रिम) दूध तैयार किया गया, जिसकी अनुमानित कीमत 9 करोड़ 21 लाख 62 हजार 800 रुपये बताई गई है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि आरोपियों ने हर 100 लीटर शुद्ध दूध में 10 लीटर सिंथेटिक दूध मिलाया (यानी 10% की मिलावट दर)। इसी 10% अनुपात के आधार पर अधिकारी 2.3 करोड़ लीटर (2 करोड़ 30 लाख लीटर) से अधिक मिलावटी दूध भूम क्षेत्र के दूध संग्रह केंद्रों से महाराष्ट्र के विभिन्न हिस्सों में सप्लाई किए जाने का शक जता रहे हैं।

पुंछ में सुरक्षाबलों ने ध्वस्त किया आतंकी ठिकाना मौके से पीका राइफल की 225 गोलियां बरामद

जम्मू, 15 जुलाई (एजेंसियां)। नियंत्रण रेखा (एलओसी) से सटे पुंछ जिले के सावजियां सेक्टर में शाम सुरक्षाबलों ने तलाशी अभियान के दौरान एक संदिग्ध आतंकी ठिकाना ध्वस्त कर दिया। मौके से पीका राइफल की 225 गोलियां बरामद कीं। बरामदगी के बाद पूरे क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी कर दी गई है। सुरक्षा एजेंसियां इस बात की जांच कर रही हैं कि यह ठिकाना किस आतंकी संगठन द्वारा इस्तेमाल किया जा रहा था और गोलियों को कब से वहां छिपाकर रखा गया था। सूत्रों के अनुसार सेना और पुलिस की संयुक्त टीम ने खुफिया सूचना के आधार पर मंडी तहसील के सावजियां सेक्टर स्थित गढ़ंगा इलाके में सर्च ऑपरेशन शुरू किया।

अभियान के दौरान घने जंगल में एक संदिग्ध ठिकाना मिला। तलाशी लेने पर वहां से पीका राइफल की 225 गोलियां बरामद हुईं। इसके बाद सुरक्षाबलों ने ठिकाने को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया। अधिकारियों का कहना है कि बरामद गोलियों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी गई है। आसपास के क्षेत्र में तलाशी अभियान भी जारी है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वहां कहीं और हथियार, विस्फोटक या अन्य संदिग्ध सामग्री छिपी न हो। सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार एलओसी से सटे पुंछ और राजौरी के जंगलों में समय-समय पर तलाशी अभियान चलाए जाते हैं। हाल के महीनों में कई स्थानों से हथियार, गोला-बारूद और आतंकी ठिकाने बरामद होने के बाद सुरक्षा बल लगातार सतर्कता बरत रहे हैं। इस बरामदगी को भी क्षेत्र में आतंकवादी गतिविधियों पर अंकुश लगाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। पुंछ जिला जम्मू-कश्मीर के सबसे संवेदनशील सीमावर्ती इलाकों में शामिल है।

सावजियां, मेंढर, कृष्णा घाटी और बालाकोट सेक्टर नियंत्रण रेखा (एलओसी) से सटे हैं, जहां पहले घुसपैठ, आतंकियों की आवाजाही और सीमा पार से गोलाबारी की घटनाएं होती रही हैं। घने जंगल, ऊबड़-खाबड़ पहाड़ी इलाका और प्राकृतिक गुफाएं आतंकियों के लिए अस्थायी ठिकाने बनाने में सहायक मानी जाती हैं।

अमेरिका ने 7 घंटे तक ईरान पर बम बरसाए

सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया, ईरान का बहरीन, कुवैत, जॉर्डन में अमेरिकी बेस पर अटैक

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन, 15 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका ने मंगलवार रात लगातार चौथे दिन ईरान पर हमले किए। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकाम) के मुताबिक, करीब सात घंटे तक चले ऑपरेशन में होर्मुज स्ट्रेट के आसपास ईरान के मिसाइल और ड्रोन ठिकानों, नौसैनिक संसाधनों और कोस्टल डिफेंस सिस्टम को निशाना बनाया गया।

उधर, ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने दावा किया कि उसने जवाबी अभियान शुरू करते हुए बहरीन, कुवैत और जॉर्डन में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर हमले किए हैं। आईआरजीसी ने बहरीन के अमेरिकी फिफ्थ फ्लीट बेस और जॉर्डन के अजराक एयरबेस को निशाना बनाने का भी दावा किया।

इसी बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर तेहरान समझौते के लिए आगे नहीं आया, तो अगले हफ्ते बिजलीघरों और पुलों को भी निशाना बनाया जाएगा। दूसरी ओर, ईरान ने साफ कर दिया है कि वह अमेरिकी दबाव के आगे नहीं झुकेगा और होर्मुज स्ट्रेट पर अपनी रणनीति जारी रखेगा।

आईआरजीसी का व्यापारिक जहाजों पर हमला: ईरानी सेना ने होर्मुज स्ट्रेट से गुजर रहे दो व्यापारिक जहाजों पर हमला किया। इसमें 1 भारतीय शख्स की मौत हो गई जबकि 10 लोग घायल हुए। जहाज पर कुल 20 भारतीय क्रू मेंबर सवार थे।

भारत ने ईरानी राजदूत को तलब किया: भारत ने होर्मुज में जहाजों पर हुए हमलों पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। विदेश मंत्रालय ने नई दिल्ली स्थित ईरानी दूतावास के उप प्रमुख (डिप्टी चीफ ऑफ मिशन) को तलब कर भारत का कड़ा विरोध दर्ज कराया।

समंदर में भारत से जुड़े 11 जहाज फंसे: विदेश मंत्रालय ने बताया कि भारत से जुड़े 11 जहाज और 148 भारतीय नाविक फिलहाल फारस की खाड़ी में फंसे हुए हैं। ये सभी जहाज होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने का इंतजार कर रहे हैं।

ट्रम्प ने होर्मुज में 20% टैक्स का फैसला वापस लिया: ट्रम्प ने होर्मुज से गुजरने वाले जहाजों पर 20% टैक्स लगाने का अपना फैसला वापस ले लिया। उन्होंने मिडिल ईस्ट के नेताओं के साथ बातचीत के बाद यह फैसला लिया।

होर्मुज में जहाजों की आवाजाही सबसे कम: होर्मुज स्ट्रेट मंगलवार को सिर्फ 4 जहाज गुजरे। 17 जून को अमेरिका और ईरान के बीच हुए समझौता ज्ञापन (एमओयू) के बाद यह सबसे कम शिपिंग ट्रैफिक है।

ईरानी सरकारी टीवी के अनुसार, होर्मुज स्ट्रेट अभी भी बंद है। पिछले 24 घंटे में ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड्स नौसेना ने चेतावनी के तौर पर फायरिंग करने के बाद कम से कम दो जहाजों को रोक दिया।

पहले खिड़की, अब दरवाजा उखाड़कर भागे 13 बच्चे

अंबिकापुर बाल सुधार गृह में 21 दिन में दूसरी घटना, वही मास्टरमाइंड फिर साथियों को लेकर भागा

सरगुजा, 15 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर के गांधीनगर स्थित बाल सुधार गृह से फिर 13 नाबालिग बच्चे भाग निकले हैं। इससे पहले 24 जून को 11 बच्चे खिड़की तोड़कर भागे थे, जिसमें से 11 को पकड़ लिया गया था। 14 जुलाई की रात पुराने और कमजोर दरवाजे को तोड़कर फिर 13 बच्चे भाग गए। भागे गए सभी बच्चे मर्डर, रेप और लूट जैसे गंभीर मामलों के आरोपी थे। इसके बाद पुलिस ने नाकाबंदी कर रात में ही 2 बच्चों को पकड़ लिया था। अन्य 11 बच्चे अभी गिरफ्त से बाहर हैं। इसमें पहले भी भाग चुका मास्टरमाइंड लड़का भी शामिल है। हाल ही में बिलासपुर के बाल सुधार गृह में 4 नाबालिगों ने जेल शिफ्ट होने से बचने के लिए ड्यूटी पर तैनात गार्ड की गला घोंटकर बेरहमी से हत्या कर दी थी और फरार हो गए थे।

लव जिहाद का ब्रांड एंबेसडर कहने पर आमिर की सफाई

कहा– तीनों में से किसी पत्नी का धर्म नहीं बदला, बेटी और बहनों के पति हिंदू

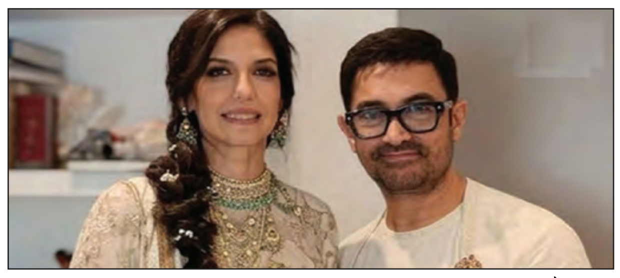

मुंबई, 15 जुलाई (एजेंसियां)। तीसरी शादी करने के बाद एक्टर आमिर खान को सोशल मीडिया पर लव जिहाद का ब्रांड एंबेसडर कहा जा रहा है। आमिर ने इन आरोपों पर सफाई दी है।

वेबसाइट रेडिफ के साथ बातचीत में आमिर ने कहा- मेरी तीनों शादियों में किसी भी पत्नी ने धर्म परिवर्तन नहीं किया, क्योंकि शादियां सिविल मैरिज थीं। तीसरी पत्नी गौरी हिंदू नहीं बल्कि ईसाई हैं। आमिर ने कहा- मेरी बेटी इरा की शादी एक हिंदू से हुई है। मेरी दोनों बहनों निखत खान और फरहत खान के पति भी हिंदू हैं। कजिन मंसूर की शादी एक ईसाई से हुई है। एक्टर आमिर खान और उनकी पार्टनर गौरी स्प्रैट ने 5 जुलाई को शादी की। दोनों ने मुंबई के पाली हिल (बांद्रा) स्थित आमिर के घर पर शादी के कागजात पर साइन किए। यह एक प्राइवेट मैरिज सेरेमनी थी, जिसमें दोनों परिवारों के लोग और कुछ बेहद करीबी दोस्त ही शामिल हुए। शादी स्पेशल मैरिज एक्ट के तहत कोर्ट मैरिज के रूप में रजिस्टर की गई।

आमिर खान की तीसरी शादी पर महाराष्ट्र सरकार के मंत्री नितेश राणे ने सवाल उठाया था- क्या आमिर खान लव जिहाद के ब्रांड एंबेसडर बन रहे हैं। महाराष्ट्र के ही मंत्री संजय शिरसाट ने कहा- यह आमिर का निजी जीवन है, लेकिन ऐसी चीजें समाज पर गलत असर डाल सकती हैं। बजरंग दल समेत कुछ संगठनों ने आमिर खान के खिलाफ प्रदर्शन किया और उनका पुतला भी फूंका। उनका आरोप था कि आमिर जानबूझकर गैर-मुस्लिम महिलाओं से शादी करते हैं। आमिर की तीसरी शादी को लेकर यूपी में फतवा जारी हुआ है। अलीगढ़ में यूपी के शाही चीफ मुफ्ती मौलाना चौधरी इफ्राहीम हुसैन ने कहा कि शरीयत के मुताबिक किसी भी मुस्लिम पुरुष के लिए ऐसी गैर-मुस्लिम महिला से शादी करना पूरी तरह गलत और नाजायज है, जो अपने पुराने धर्म पर कायम हो।

इजरायल को 3.3 अरब डॉलर की सैन्य मदद पर संकट

विरोध में इल्हान उमर, हिंदू सांसद रो खन्ना ने लाया प्रस्ताव

वॉशिंगटन, 15 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका की इकलौती मुस्लिम सांसद इल्हान उमर ने कहा है कि वह इजरायल को दी जाने वाली करीब 3.3 अरब डॉलर की सैन्य सहायता को रोकने के लिए एक संशोधन के समर्थन में वोट करेंगी। उमर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा 'यह अतार्किक है कि हम इस नरसंहारक रंगभेदी शासन को फंड करना जारी रख रहे हैं। हां पर मतदान करें।' आपको बता दें कि अमेरिकी संसद में भारतवंशी सांसद रो खन्ना और डोनाल्ड ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी के नेता थॉमस मैसी ने एक द्विपदीलय बिल पेश किया गया है। इस बिल का मकसद इजरायल को मिलने वाली 3.3 अरब डॉलर की सैन्य सहायता को रोकना है। इस बिल के संसद में आने के बाद अमेरिका की राजनीति में बवाल शुरू हो गया है। कई सांसद जहां बिल का समर्थन कर रहे हैं वहीं कई सांसद बिल का विरोध कर रहे हैं।

यह प्रस्ताव अमेरिकी संसद में देश के आगामी विदेशी अभियानों और स्टेट डिपार्टमेंट के बजट बिल में एक संशोधन के रूप में लाया गया है।

इस संशोधन का मुख्य मकसद इजरायल को हर साल मिलने वाली लगभग 3.3 बिलियन डॉलर की अमेरिकी सैन्य सहायता को पूरी तरह से बंद करना है। इसमें आयरन डोम जैसे एयर डिफेंस सिस्टम के लिए मिलने वाली राशि भी शामिल है। ये प्रस्ताव किसी एक पार्टी ने नहीं बल्कि दोनों ही पार्टियों के सांसदों ने मिलकर पेश किया है। रिपब्लिकन पार्टी के थॉमस मैसी और डेमोक्रेटिक पार्टी के रो खन्ना ने इस प्रस्ताव को तैयार किया है। रो खन्ना भारतीय मूल के डेमोक्रेटिक सांसद हैं जिन्होंने नागरिक अधिकारों और युद्ध अपराधों के खिलाफ आवाज उठाते हुए इसका समर्थन किया है।

डेमोक्रेटिक पार्टी की मुस्लिम सांसद इल्हान उमर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर घोषणा की कि वह इस प्रस्ताव के पक्ष में वोट करेंगी।

सऊदी और पाकिस्तान के 'इस्लामिक नाटो' में शामिल होगा तुर्की

खलीफा एर्दोगन ने मुनीर को दी मंजूरी

अंकारा, 15 जुलाई (एजेंसियां)। परमाणु हथियारों से लैस पाकिस्तान का इस्लामिक नाटो बनाने का सपना साकार होता दिख रहा है। सऊदी अरब के बाद अब पाकिस्तान तुर्की के साथ रणनीतिक आपसी रक्षा समझौता करने जा रहा है। पाकिस्तान के आर्मी चीफ फील्ड मार्शल असीम मुनीर तुर्की के दौरे पर पहुंचे हैं।

तुर्की पाकिस्तान और सऊदी अरब के बीच हुए रक्षा समझौते में शामिल होने के लिए अहम बातचीत कर रहा है जिससे अंकारा इस त्रिपक्षीय सुरक्षा गठबंधन में शामिल हो सकता है। आगे चलकर इसमें मिस्र को भी शामिल करने की योजना है। बताया जा रहा है कि तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन ने मुनीर से बातचीत के बाद इस सुरक्षा गठबंधन में शामिल होने के प्रस्ताव को अपनी मंजूरी दे दी है। तुर्की और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय रक्षा सहयोग और रणनीतिक भागीदारी पर बातचीत हुई। तुर्की को सऊदी और पाकिस्तान के रक्षा समझौते में बड़ा मौका दिख रहा है। तुर्की चाहता है कि वह इन दोनों देशों को हथियार, ड्रोन और फाइटर जेट बेचकर पैसा कमाए।

तुर्की ने बड़े पैमाने पर हथियार पाकिस्तान को बेचे हैं। इसमें युद्धपोत, कलिर ड्रोन, मिसाइलें शामिल हैं।

ड्रोन सुपरपावर तुर्की अपना कान फाइटर जेट भी पाकिस्तान को बेचना चाहता है। वहीं पाकिस्तान के पास पैसा नहीं है लेकिन उसकी नजर सऊदी अरब के पैसे पर है।

सऊदी अरब इस समय ईरान और उसके प्रॉक्सी हूतियों के हमले का सामना कर रहा है। सऊदी अरब ने इसी वजह से पाकिस्तान के साथ रक्षा समझौता किया है। इसके बाद 10 हजार से ज्यादा पाकिस्तानी जवान इस समय सऊदी अरब में मौजूद हैं।

फर्जी भूटानी शरणार्थी घोटाला

नेपाल में दो पूर्व मंत्रियों सहित 16 को जेल

काठमांडू, 15 जुलाई (एजेंसियां)। नेपाल की काठमांडू जिला अदालत ने फर्जी भूटानी शरणार्थी घोटाले में दो पूर्व केंद्रीय मंत्रियों समेत 16 लोगों को दोषी ठहराते हुए जेल की सजा सुनाई है। अदालत ने पूर्व उपप्रधानमंत्री एवं ऊर्जा मंत्री टोप बहादुर रायमाझी को चार साल और पूर्व गृह मंत्री बालकृष्ण खांड को दो साल की जेल की सजा सुनाई।

दोनों पर नेपाली नागरिकों को फर्जी दस्तावेजों के जरिए भूटानी शरणार्थी बताकर अमेरिका में पुनर्वास दिलाने की साजिश रचने का आरोप था। रायमाझी फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं, जबकि खांड जमानत पर बाहर हैं। दोनों पहले अपने ऊपर लगे आरोपों से इनकार कर चुके हैं। उनके वकीलों ने कहा है कि फैसले के खिलाफ ऊपरी अदालत में अपील की जाएगी।

अदालत ने गृह मंत्रालय के एक पूर्व वरिष्ठ अधिकारी और एक पूर्व भूटानी शरणार्थी नेता समेत 14 अन्य लोगों को भी दोषी ठहराते हुए चार साल तक की सजा सुनाई है। यह घोटाला 2023 में सामने आया था।

नेपाल में 1990 के दशक की शुरुआत से नेपाली मूल के करीब 1.20 लाख लोग भूटान से विस्थापित होकर पहुंचे थे। बाद में पुनर्वास कार्यक्रम के तहत लगभग 1.13 लाख शरणार्थियों को अमेरिका, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया समेत कई देशों में बसाया गया।

जॉर्जिया मेलोनी को संसद में बड़ा राजनीतिक झटका

रोम, 15 जुलाई (एजेंसियां)। इटली में चुनावी सुधार से जुड़े एक महत्वपूर्ण संशोधन को निचले सदन में गुप्त मतदान के दौरान महज एक वोट से खारिज कर दिया गया। परिणाम ने न केवल सरकार की संसदीय ताकत पर सवाल खड़े किए हैं, बल्कि सत्तारूढ़ गठबंधन के भीतर बढ़ते मतभेद भी उजागर कर दिए हैं। बुधवार शाम हुए मतदान में मेलोनी की पार्टी ब्रदर्स ऑफ इटली (FdI) के प्रस्तावित संशोधन के पक्ष में 187 और विरोध में 188 वोट पड़े। चूंकि मतदान गुप्त था, इसलिए माना जा रहा है कि सरकार के कुछ सांसदों ने भी प्रस्ताव के खिलाफ मतदान किया। जिस संशोधन को संसद ने खारिज किया, वह मतदाताओं को पार्टी सूची में अपने पसंदीदा उम्मीदवार चुनने का अधिकार देने से संबंधित था।

इसके बावजूद सरकार पूरे चुनावी सुधार विधेयक को आगे बढ़ा सकती है। 2022 से सत्ता में मौजूद मेलोनी सरकार को इससे पहले संवैधानिक सुधार पर हुए जनमत संग्रह में भी हार का सामना करना पड़ा था। अब चुनावी सुधार पर मिली यह हार अगले आम चुनाव से पहले उनके लिए एक बड़ा राजनीतिक संकेत मानी जा रही है।

महंत बोले– इंद्रावती में बाघों को मारकर 4 करोड़ कमाए

गिरफ्तार जवानों का नाम छिपाया गया, सरकार ने कहा– नियम से हुई नकटी में कार्रवाई

रायपुर, 15 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ विधानसभा के मानसून सत्र की कार्यवाही जारी है। शून्यकाल में नकटी मामले को लेकर विपक्ष ने स्थगन प्रस्ताव लाया। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि गरीब परिवारों के मकानों पर की गई कार्रवाई मानवाधिकारों का उल्लंघन है। वहीं, सरकार ने नकटी बुलडोजर कार्रवाई को संवैधानिक बताया है।

सदन में इंद्रावती टाइगर रिजर्व में बाघों के शिकार का मामला ध्यानाकर्षण के जरिए उठा। नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने मामले में गिरफ्तार आईबी जवान का नाम सार्वजनिक नहीं करने और राजनीतिक संरक्षण का आरोप लगाते हुए सरकार से जवाब मांगा।

महंत ने कहा कि 2 बाघों को मारकर 4 करोड़ रुपए कमाए गए और वन अधिकारी मुंह छिपाकर बैठे रह गए। वन मंत्री केदार कश्यप ने दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की बात कही।

नकटी मामले को लेकर विपक्ष ने स्थगन प्रस्ताव लाकर आरोप लगाया कि गरीब परिवारों के मकानों पर की गई कार्रवाई मानवाधिकारों का उल्लंघन है। कांग्रेस ने कहा कि बुलडोजर कल्चर बीजेपी शासित राज्यों में बढ़ रहा है। सरकार ने अपनी ही पार्टी के सांसद का मान नहीं रखा।

मस्क के खिलाफ आपराधिक जांच की सिफारिश

चुनाव में वोटरों को लाखों डॉलर के चेक देने का मामला

वाशिंगटन, 15 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका के विस्कॉन्सिन इलेक्शंस कमीशन ने प्रारंभिक तौर पर माना है कि अरबपति कारोबारी इलॉन मस्क ने 2025 के राज्य सुप्रीम कोर्ट चुनाव से पहले मतदाताओं को 10 लाख डॉलर के चेक देकर चुनावी रिश्वत संबंधी कानून का उल्लंघन किया हो सकता है। आयोग ने मामले को ब्राउन काउंटी के जिला अटॉर्नी के पास आपराधिक जांच के लिए भेज दिया है। अभियोजन पक्ष को अब 40 दिनों के भीतर तय करना होगा कि मस्क के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज किया जाए या नहीं।

आयोग ने पिछले सप्ताह मिली दो शिकायतों को 5-1 के बहुमत से आगे बढ़ाने का फैसला किया। प्रस्ताव में कहा गया कि मस्क ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए मतदान करने वाले लोगों को 10 लाख डॉलर देने की पेशकश की, जिससे मतदाताओं को चुनाव में हिस्सा लेने के लिए प्रेरित किया जा सके।

2025 के विस्कॉन्सिन सुप्रीम कोर्ट चुनाव में मस्क ने रिपब्लिकन समर्थित उम्मीदवार ब्रैड शिमेल के समर्थन में कम से कम 2 करोड़ डॉलर खर्च किए थे। हालांकि शिमेल को डेमोक्रेट समर्थित सुसान क्रॉफर्ड से 10 प्रतिशत अंकों के अंतर से हार मिली। यह चुनाव 10 करोड़ डॉलर से अधिक खर्च के साथ अमेरिकी इतिहास का सबसे महंगा न्यायिक चुनाव माना गया।

मस्क के खिलाफ पहले से एक अलग दीवानी मुकदमा भी लंबित है, जिसमें उन पर वोट खरीदने, अवैध लॉटरी चलाने और चुनावी कानूनों का उल्लंघन करने के आरोप लगाए गए हैं।

पेरिस के पास जंगल में भीषण आग

सीन नदी से पानी लेकर आग बुझा रहे विमान

पेरिस, 15 जुलाई (एजेंसियां)। फ्रांस की राजधानी पेरिस के दक्षिण में स्थित फॉन्टेनब्लो जंगल में लगी भीषण आग पर काबू पाने के लिए दमकल विभाग लगातार अभियान चला रहा है। आग बुझाने वाले विमान सीन नदी से पानी भरकर प्रभावित क्षेत्र में छिड़काव कर रहे हैं। अब तक सात वर्ग मील (करीब 18 वर्ग किलोमीटर) से अधिक जंगल जल चुका है।

फॉन्टेनब्लो अभियोजन कार्यालय के अनुसार, आग लगने की जांच के सिलसिले में छह लोगों को पुलिस हिरासत में लिया गया है। इनमें 19 वर्षीय एक स्वयंसेवी दमकलकर्मी भी शामिल है। फ्रांस में जंगल में जानबूझकर आग लगाने पर 1.5 लाख यूरो तक का जुर्माना और 10 वर्ष तक की जेल का प्रावधान है। यदि आग से लोगों की जान को खतरा हो या पर्यावरण को गंभीर नुकसान पहुंचने की आशंका हो, तो सजा 15 वर्ष तक हो सकती है। हालिया हीटवेव का असर पूरे यूरोप में दिखाई दे रहा है।

जून के अंत में पश्चिमी यूरोप में अत्यधिक गर्मी के दौरान 10 हजार से अधिक अतिरिक्त मौतें दर्ज की गईं, जिनमें अधिकांश बुजुर्ग थे। स्पेन में हाल ही में लगी जंगल की आग में 13 लोगों की मौत हो चुकी है और 10 लोग अब भी लापता हैं। वहीं इंग्लैंड और वेल्स में भी मई और जून की हीटवेव के दौरान 2,700 से अधिक लोगों की मौत का अनुमान है।

बुल्गारिया यूक्रेन समर्थक गठबंधन से अलग

पीएम बोले– युद्ध नहीं, कूटनीति से निकलेगा हल

बुल्गारिया, 15 जुलाई (एजेंसियां)। बुल्गारिया के प्रधानमंत्री रुमेन रादेव ने कहा है कि उनका देश यूक्रेन को लगातार सैन्य सहायता देने वाले पश्चिमी देशों के गठबंधन का हिस्सा नहीं है। फ्रांस में मंगलवार को पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि यूक्रेन संघर्ष का समाधान हथियारों की आपूर्ति बढ़ाने से नहीं, बल्कि मजबूत कूटनीतिक प्रयासों से निकाला जाना चाहिए।

रादेव ने कहा कि बुल्गारिया यूक्रेन को इस तरह की अतिरिक्त सैन्य सहायता नहीं देता क्योंकि इससे संघर्ष लंबा खिंच सकता है। उन्होंने कहा कि प्राथमिकता तनाव कम करने और बातचीत के जरिए शांति स्थापित करने की होनी चाहिए।

प्रधानमंत्री ने पिछले सप्ताह भी कहा था कि बुल्गारिया यूक्रेन को अब तक 13 सैन्य सहायता पैकेज दे चुका है और उसके पास आगे भेजने के लिए अतिरिक्त सैन्य सामग्री नहीं बची है।

रिपोर्ट के अनुसार, हालिया नाटो शिखर सम्मेलन में स्लोवाकिया, हंगरी और चेक गणराज्य सहित कुछ देशों ने अमेरिका के नेतृत्व वाले लगभग 70 अरब यूरो (करीब 80 अरब डॉलर) के नए सैन्य सहायता पैकेज में शामिल होने से इनकार कर दिया।

अमेरिका में जन्मसिद्ध नागरिकता सीमित करने रिपब्लिकन सीनेटर का ट्रम्प को समर्थन

वाशिंगटन, 15 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका में रिपब्लिकन सीनेटर जिम बैंक्स ने जन्मसिद्ध नागरिकता को सीमित करने के लिए नया विधेयक पेश किया है। प्रस्ताव में अवैध प्रवासियों को आक्रमणकारी बताते हुए उनके अमेरिका में जन्मे बच्चों को स्वतः नागरिकता देने की व्यवस्था खत्म करने की मांग की गई है। यह पहल राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की सख्त आव्रजन नीति को कानूनी आधार देने की दिशा में नया प्रयास मानी जा रही है।

राष्ट्रपति पद पर लौटने के बाद ट्रम्प ने कार्यकारी आदेश जारी कर अवैध या अस्थायी रूप से अमेरिका में रह रहे लोगों के यहां जन्म लेने वाले बच्चों की स्वतः नागरिकता समाप्त करने की कोशिश की थी। हालांकि, जून के अंत में अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने इस आदेश को असंवैधानिक करार दिया था। जिम बैंक्स ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट का फैसला अमेरिकी संप्रभुता पर अभूतपूर्व हमला है और देश की सुरक्षा के लिए अवैध प्रवासियों द्वारा आव्रजन व्यवस्था के कथित दुरुपयोग को रोकना जरूरी है। इस मुद्दे पर अन्य रिपब्लिकन सांसद भी सक्रिय हैं। टेनेसी के प्रतिनिधि एंडी ओगल्स जन्मसिद्ध नागरिकता सीमित करने के लिए अलग विधेयक पेश कर चुके हैं। वहीं, साउथ कैरोलिना के सीनेटर टिम स्कॉट ने बर्थ टूरिज्म पर रोक लगाने के लिए प्रस्ताव रखा है, ताकि विदेशी नागरिक केवल बच्चे को अमेरिकी नागरिकता दिलाने के उद्देश्य से अमेरिका न आ सकें।

यूक्रेन में ही बनेंगी फ्रांस की क्रूज मिसाइल, इंटरसेप्टर और ग्लाइड बम

कीव, 15 जुलाई (एजेंसियां)। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने सोमवार को घोषणा की कि यूक्रेन को उसकी अपनी जमीन पर मिसाइल और बम बनाने के लिए लाइसेंस दिया जाएगा। पेरिस में आयोजित 'कोएलिशन ऑफ द विलिंग' शिखर सम्मेलन में उन्होंने कहा कि इस फैसले से यूक्रेन की रक्षा उत्पादन क्षमता बढ़ेगी और हथियारों का निर्माण तेजी से हो सकेगा।

नए लाइसेंसिंग समझौतों के तहत यूक्रेन एस्टर-30 एयर डिफेंस इंटरसेप्टर, एएएसएम ग्लाइड बम और स्कैल्प -ईजी क्रूज मिसाइल का स्थानीय स्तर पर निर्माण करेगा।

मैक्रों ने यह भी बताया कि आने वाले हफ्तों में फ्रांस और इटली यूक्रेन को अतिरिक्त एयर डिफेंस बैटरियां और इंटरसेप्टर उपलब्ध कराएंगे। वहीं, 16 राफेल लड़ाकू विमान 2028-29 तक यूक्रेन को मिलने की उम्मीद है।

'कोएलिशन ऑफ द विलिंग' फ्रांस और ब्रिटेन की अगुआई वाला देशों का समूह है, जो यूक्रेन के लिए सुरक्षा गारंटी पर काम कर रहा है। रूस ने इस पहल का विरोध किया है। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने इसे युद्ध को आगे बढ़ाने वाले देशों का गठबंधन बताया। वहीं, रूसी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जाखारोवा ने आरोप लगाया कि नाटो सदस्य देश यूक्रेन को पश्चिमी सैन्य तकनीकों के परीक्षण केंद्र में बदल रहे हैं।

भगवान जगन्नाथ को क्यों लगाया जाता है 9वें दिन रसगुल्ले का भोग?

हर साल लाखों श्रद्धालु भगवान जगन्नाथ, बड़े भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के दर्शन के लिए यहां पहुंचते हैं. रथयात्रा के अंतिम दिन एक ऐसी परंपरा निभाई जाती है, जो हर श्रद्धालु को भावुक कर देती है. इस दिन भगवान जगन्नाथ को रसगुल्ले का भोग लगाया जाता है. आखिर इसके पीछे क्या कारण है और यह परंपरा कब से चली आ रही है, इसकी पडताल करती रिपोर्ट

ओडिशा के पुरी में स्थित भगवान जगन्नाथ मंदिर को सनातन धर्म के सबसे पवित्र और रहस्यमयी तीर्थों में गिना जाता है. हर साल आषाढ़ शुक्ल द्वितीया से शुरू होने वाली भगवान जगन्नाथ की विश्व प्रसिद्ध रथयात्रा को लेकर भक्तों में एक अलग ही उत्साह देखने को मिलता है. साल 2026 में यह भव्य रथयात्रा 16 जुलाई से शुरू होने जा रही है और 24 जुलाई को बहुदा यात्रा के साथ संपन्न होगी. इस 9 दिनों के उत्सव के कई रंग हैं, लेकिन रथयात्रा के आखिरी दिन एक बेहद अनूठी और मीठी परंपरा निभाई जाती है. इस दिन भगवान जगन्नाथ को विशेष रूप से रसगुल्ले का भोग लगाया जाता है. आखिर इसके पीछे क्या कहानी है और क्यों भगवान को मनाने के लिए रसगुल्ले की जरूरत पड़ती है?

क्या है नीलाद्री बीजे की परंपरा?

रथयात्रा के दौरान भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और माता सुभद्रा अपने मौसी घर यानी गुंडिचा मंदिर जाते हैं. वहां कुछ दिन प्रवास करने के बाद बहुदा यात्रा के जरिए वापस श्रीमंदिर लौटते हैं. जब भगवान जगन्नाथ मंदिर के मुख्य द्वार पर पहुंचते हैं, तब उनकी पत्नी माता लक्ष्मी उनसे नाराज हो जाती हैं. मान्यता है कि भगवान बिना उन्हें साथ लिए कई दिनों के लिए चले गए थे, इसलिए माता लक्ष्मी मंदिर का द्वार बंद कर देती हैं और तुरंत प्रवेश नहीं करने देतीं. इस पर भगवान जगन्नाथ उन्हें मनाने के लिए रसगुल्ले का भोग अर्पित करते हैं. इसके बाद माता लक्ष्मी प्रसन्न होकर मंदिर के द्वार खोल देती हैं और भगवान का फिर से स्वागत करती हैं. इसी परंपरा को नीलाद्री बीजे कहा जाता है।

9वें दिन ही क्यों चढ़ाया जाता है रसगुल्ला?

रथयात्रा की शुरुआत से लेकर भगवान के वापस श्रीमंदिर लौटने तक लगभग नौ दिन का समय पूरा होता है. अंतिम दिन जब भगवान अपने धाम लौटते हैं, तब माता लक्ष्मी को मनाने के लिए रसगुल्ले का भोग लगाया जाता है. इसलिए रथयात्रा के नौवें दिन रसगुल्ला अर्पित करने की परंपरा निभाई जाती है. यह केवल एक धार्मिक रस्म नहीं, बल्कि पति-पत्नी के प्रेम, सम्मान और रिश्तों में मनाने की सुंदर परंपरा का भी प्रतीक मानी जाती है।

रसगुल्ले की परंपरा का धार्मिक महत्व

मान्यता है कि भगवान जगन्नाथ को रसगुल्ले का भोग अर्पित करने से घर-परिवार में प्रेम, सौहार्द और खुशहाली बनी रहती है. भक्त इस दिन भगवान को रसगुल्ले का भोग लगाकर सुख-समृद्धि और परिवार की मंगलकामना करते हैं. ओडिशा में इस अवसर को बड़े उत्साह के साथ मनाया जाता है. कई स्थानों पर इसे रसगुल्ला दिवस के रूप में भी विशेष महत्व दिया जाता है. मंदिरों और घरों में भगवान को रसगुल्ले का भोग अर्पित कर प्रसाद के रूप में वितरित किया जाता है।

कल अनिरुद्ध चतुर्थी

भगवान गणेश की पूजा के लिए हर महीने दो चतुर्थी तिथियां आती हैं. कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को संकष्टी चतुर्थी और शुक्ल पक्ष की चतुर्थी को विनायक चतुर्थी कहा जाता है. आषाढ़ माह की शुक्ल पक्ष चतुर्थी का विशेष महत्व माना गया है. धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस दिन विधि-विधान से भगवान गणेश की पूजा करने से जीवन की बाधाएं दूर होती हैं और सुख-समृद्धि का आशीर्वाद मिलता है. हिंदू धर्म में गणेश जी प्रथम पूजनीय देव हैं. किसी भी शुभ काम की शुरुआत करने से पहले भगवान गणेश की पूजा की जाती है. हर महीने के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि को विनायक चतुर्थी मनाई जाती है. इस बार आषाढ़ मास की विनायक चतुर्थी बेहद खास मानी जा रही है. आषाढ़ मास के शुक्ल पक्ष की इस चतुर्थी को धार्मिक दृष्टिकोण से अनिरुद्ध चतुर्थी भी कहा जाता है. आइए जानते हैं कि इस दिन को यह विशेष नाम क्यों दिया गया है, इसका धार्मिक महत्व क्या है और पूजा का सही समय क्या रहेगा।

कब है आषाढ़ विनायक चतुर्थी 2026?

पंचांग के अनुसार, आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि का आरंभ 17 जुलाई 2026 को सुबह 6 बजकर 27 मिनट पर होगा. यह तिथि 18 जुलाई 2026 को सुबह 4 बजकर 42 मिनट पर समाप्त होगी. उदया तिथि के आधार पर आषाढ़ विनायक चतुर्थी का व्रत 17 जुलाई, शुक्रवार को रखा जाएगा।

क्यों कहा जाता है अनिरुद्ध चतुर्थी?

धार्मिक परंपराओं में आषाढ़ शुक्ल चतुर्थी को अनिरुद्ध चतुर्थी भी कहा जाता है. मान्यता है कि इस दिन भगवान गणेश की आराधना करने से भक्तों के जीवन में आने वाली रुकावटें दूर होती हैं और शुभ कामों में सफलता मिलने का मार्ग खुलता है. कुछ धार्मिक

परंपराओं में इस चतुर्थी का संबंध भगवान श्रीकृष्ण के पौत्र अनिरुद्ध के नाम से भी जोड़ा जाता है. इसी कारण कई क्षेत्रों में इसे अनिरुद्ध चतुर्थी के नाम से जाना जाता है।

विनायक चतुर्थी का धार्मिक महत्व

भगवान गणेश को प्रथम पूज्य देव माना जाता है. किसी भी शुभ काम की शुरुआत उनसे आशीर्वाद लेकर ही की जाती है. इसलिए विनायक चतुर्थी का दिन विशेष रूप से गणपति बप्पा की कृपा पाने के लिए शुभ माना जाता है.धार्मिक मान्यता है कि इस दिन व्रत रखने और पूजा करने से बुद्धि, विवेक, सफलता और समृद्धि का आशीर्वाद मिलता है. जिन लोगों के काम बार-बार अटक जाते हैं या जीवन में लगातार बाधाएं आती हैं, उनके लिए यह व्रत विशेष फलदायी माना गया है.

ऐसे करें विनायक चतुर्थी की पूजा विनायक चतुर्थी के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान करें और साफ कपड़े धारण करें. इसके बाद पूजा स्थान को अच्छी तरह साफ करके भगवान गणेश की प्रतिमा या चित्र स्थापित करें. गणेश जी को दूर्वा, लाल फूल, सिंदूर, अक्षत, चंदन और मोदक या लड्डू का भोग अर्पित करें. इसके बाद धूप और दीप जलाकर ओम गं गणपतये नमः मंत्र का जाप करें. यदि हो सके तो गणेश गणेश चालीसा का पाठ भी करें. पूजा के आखिर में भगवान गणेश की आरती करें और परिवार की सुख-समृद्धि, सफलता तथा विघ्नों से मुक्ति की प्रार्थना करें।

क्या आप भी घर में इस समय लगाते हैं पोछा?

दहलीज से लौट जाएंगी खुशियां!

वास्तु शास्त्र घर में पोछा लगाने के विशेष नियम बताया गया है। गलत समय या तरीके से पोछा लगाने से नकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है। ब्रह्म मुहूर्त या सूर्योदय का समय सबसे शुभ है, जबकि दोपहर और सूर्यास्त के बाद पोछा लगाने से बचें। पोछा हमेशा नैऋत्य कोण में रखें और गुरुवार व एकादशी को न लगाएं।

वास्तु शास्त्र जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसमें घर को लेकर कई नियम बताए गए हैं। वास्तु शास्त्र में घर में पोछा लगाने के भी कुछ विशेष नियम बताए गए हैं। वास्तु के जानकार कहते हैं कि अगर घर में गलत समय पर और अनुचित तरीके से पोछा लगाया जाता है, तो इससे नकारात्मक ऊर्जा बढ़ सकती है।

इतना ही नहीं घर में पोछा गलत दिशा में रखने पर भी नुकसान हो सकता है। कहते हैं कि गलत समय पर और अनुचित तरह

से पोछा मारने पर घर में सुख-संपन्नता कभी पांव नहीं रखती है।

दोपहर के समय न लगाएं पोछा

वास्तु शास्त्र में कहा गया है कि दोपहर के समय भूलकर भी पोछा नहीं लगाना चाहिए। मान्यता है कि दोपहर में सूर्य देव का तेज चरम पर होता है। इससे घर में आने वाली सकारात्मक ऊर्जा का पूरा लाभ नहीं मिल पाता है। इसके अलावा सूर्यास्त के समय भी घर में पोछा लगाने से मना किया जाता है। मान्यता है कि शाम के समय की गई सफाई से नकारात्मक ऊर्जा का प्रभाव बढ़ जाता है, जिससे मनासिक अशांति हो जाती है।

पोछा लगाने के लिए ये सबसे अच्छा

वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर की सफाई और पोछा लगाने के लिए ब्रह्म मुहूर्त को सबसे शुभ समय माना जाता है। इस अवधि में सफाई करने से सकारात्मक ऊर्जा का संचार बढ़ता है और घर के सदस्यों की उन्नति होती है। ब्रह्म मुहूर्त में घर की सफाई न कर सकें तो सूर्योंदय के 15 मिनट पहले या 15 मिनट बाद में भी घर की सफाई की जा सकती है। यानी पोछा लगाया जा सकता है। पोछा लगाने की शुरुआत हमेशा मुख्य द्वार से ही करनी चाहिए।

घर में पोछा रखने की दिशा

पोछे को हमेशा घर की दक्षिण-पश्चिम यानी नैऋत्य कोण में रखना सही रहता है। ऐसा करने से घर की उर्जा में संतुलन बना रहता है और परिवार में सुख-शांति बनी रहती है। वहीं ईशान कोण यानी उत्तर-पूर्व दिशा में पोछा रखने से मना किया जाता है। मान्यता है कि इससे जीवन में समस्याएं बढ़ सकती हैं। गुरुवार और एकादशी के दिन घर में पोछा न लगाने की सलाह दी जाती है।

ईर्ष्या और तुलना भी हमारे लिए लाभकारी हो सकती हैं

हर मनुष्य भीतर से कहीं ना कहीं ईर्ष्यालु होता है। ईर्ष्या की शुरुआत होती है तुलना से। तुलना शब्द तौल से बना है। जब हम तराजू के एक पलड़े में खुद को रखते हैं, दूसरे में दूसरों को और नापतौल करते हैं तो इसी को तुलना कहते हैं। तो जब जीवन में तुलना उतरे तो जिज्ञासा के साथ तुलना करना। जानने की कोशिश करना कि अगर हम पीछे हैं तो क्यों हैं, इस तुलना से हमें क्या अच्छा मिल सकता है? और अगर हम ईर्ष्या में उतर जाएं तो फिर चिंतन करना। जिसके प्रति हम ईर्ष्या पाल रहे हैं उसका तो कुछ होगा नहीं, लेकिन हमारा नुकसान यह है कि कॉर्टिसोल और एड्रेनलिन, ये दो हार्मोन ईर्ष्या से बढ़ते हैं। हमारे भीतर चिड़चिड़ापन, बेचैनी, उदासी आदि ईर्ष्या का परिणाम बन जाते हैं।

ईर्ष्या और तुलना यदि हमारे भीतर हैं तो सावधानी से इनका उपयोग किया जाए। जिस भी व्यक्ति के प्रति ईर्ष्या जागे, प्रयास करिए कि हम उसकी सराहना कैसे करें। उन बिंदुओं को ढूंढिए, जहां हम उसकी प्रशंसा कर सकते हों। उन बातों को दिमाग में उतारें, जहां हम उससे कुछ सीख सकते हों। तो यह दो बातें भी हमारे लिए लाभकारी हो सकती हैं।

जब व्यक्ति सकारात्मक सोच रखता है और मीठी वाणी बोलता है!

अच्छे विचारों और मधुर व्यवहार से हमारे व्यक्तित्व में आकर्षण आता है। जब व्यक्ति सकारात्मक सोच रखता है, मीठी वाणी बोलता है और बिना दिखावे के जीवन जीता है, तब वह सभी को अच्छा लगता है। सच्चाई, सरलता और विनम्रता व्यक्ति की सबसे बड़ी पहचान है। यदि मन में किसी के लिए गलत भावना न हो, तो स्वभाव और भी प्रभावशाली बन जाता है। इसलिए मन, वचन और कर्म में एकरूपता रखें। यही सच्चे और आकर्षक व्यक्तित्व की पहचान है।

25 तारीख से पलटेगी 3 राशियों की किस्मत

कब उदित होंगे बुध ग्रह?

ज्योतिषीय गणनाओं के अनुसार, बुध ग्रह 1 जुलाई 2026 से अस्त अवस्था में हैं. अस्त होने के कारण व्यापार, शिक्षा, संचार और निर्णय लेने से जुड़े कई मामलों में रुकावट या धीमापन महसूस किया जा सकता है. अब 25 जुलाई 2026 को बुध अपनी स्वराशि मिथुन में उदित होंगे. स्वराशि में होने के कारण बुध का प्रभाव अधिक मजबूत माना जाता है, जिससे उनके शुभ फल भी बढ़ सकते हैं।

बुध उदय का क्या रहेगा प्रभाव?

बुध के उदित होने के बाद व्यापारिक गतिविधियों में तेजी आने की संभावना मानी जाती है. रुके हुए काम गति पकड़ सकते हैं और नए अवसर सामने आ सकते हैं. विद्यार्थियों के लिए पढ़ाई में एकाग्रता बढ़ सकती है, वहीं नौकरीपेशा लोगों को नई जिम्मेदारियां या बेहतर अवसर मिल सकते हैं. जिन लोगों का काम लेखन, मीडिया, शिक्षा, बैंकिंग, मार्केटिंग, आईटी, अकाउंट्स या संचार से जुड़ा है, उन्हें भी सकारात्मक परिणाम मिलने की संभावना है।

कन्या राशि

बुध का उदय कन्या राशि के लोगों के लिए शुभ संकेत लेकर आ सकता है. करियर में आगे बढ़ने के नए अवसर मिल सकते हैं. नौकरी करने वालों को पदोन्नति या नई जिम्मेदारी मिलने की संभावना रहेगी. व्यापारियों को पुराने निवेश से लाभ मिल सकता है और नए ग्राहकों की संख्या भी बढ़ सकती है. आर्थिक स्थिति पहले से मजबूत हो सकती है. परिवार का सहयोग मिलने से आत्मविश्वास भी बढ़ेगा।

तुला राशि

तुला राशि वालों के लिए बुध का उदय भाग्य का साथ दिलाने वाला माना जा रहा है. लंबे समय से रुके हुए काम पूरे हो सकते हैं. यदि आप नया व्यापार शुरू करने की योजना बना रहे हैं तो समय अनुकूल रह सकता है. नौकरी बदलने की सोच रहे लोगों को अच्छे अवसर मिल सकते हैं. विदेश से जुड़े कार्यों में भी सफलता मिलने की संभावना है. आय के नए स्रोत बनने से आर्थिक स्थिति बेहतर हो सकती है।

कुंभ राशि

कुंभ राशि के जातकों के लिए बुध का उदय कई क्षेत्रों में लाभदायक साबित हो सकता है. व्यापार में अच्छी प्रगति देखने को मिल सकती है और नए समझौते फायदेमंद साबित हो सकते हैं. नौकरीपेशा लोगों के काम की सराहना होगी, जिससे भविष्य में पद और वेतन वृद्धि के योग बन सकते हैं. विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलने की संभावना रहेगी. आर्थिक मामलों में भी सकारात्मक बदलाव देखने को मिल सकते हैं।

किन क्षेत्रों पर रहेगा सबसे ज्यादा असर?

बुध के उदित होने का असर विशेष रूप से व्यापार, शिक्षा, संचार, बैंकिंग, लेखन, मीडिया, आईटी, मार्केटिंग और वित्तीय मामलों पर देखने को मिल सकता है. जिन लोगों का काम बातचीत, समझदारी और निर्णय क्षमता पर आधारित है, उन्हें इस अवधि में अच्छे अवसर मिल सकते हैं।

गरुड़ देव पर कब-कब एक साथ सवार होते हैं लक्ष्मी-नारायण?

सनातन धर्म में भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की पूजा सुख, समृद्धि और जीवन में संतुलन का प्रतीक मानी जाती है। भगवान विष्णु का वाहन गरुड़ है, जिन्हें पक्षीराज और वेदों का स्वरूप भी कहा जाता है। धार्मिक ग्रंथों में कई ऐसे किस्से मिलते हैं, जब भगवान विष्णु माता लक्ष्मी के साथ गरुड़ पर सवार होकर भक्तों की रक्षा, धर्म की स्थापना और संसार के कल्याण के लिए प्रकट होते हैं। आखिर लक्ष्मी-नारायण कब-कब गरुड़ पर एक साथ विराजमान होते हैं और इसके पीछे क्या पौराणिक मान्यता है।

कौन हैं गरुड़ देव?

गरुड़ देव महर्षि कश्यप और माता विनता के पुत्र माने जाते हैं। वे पक्षियों के राजा कहलाते हैं और अपनी अद्भुत शक्ति, तेज और गति के लिए प्रसिद्ध हैं। पौराणिक कथाओं के अनुसार, गरुड़ ने अपनी माता को दासता से मुक्त कराने के लिए देवताओं से अमृत कलश प्राप्त किया था। उनकी इसी वीरता, निष्ठा और समर्पण से खुश होकर भगवान विष्णु ने उन्हें अपना वाहन बनाया।

भगवान विष्णु ने गरुड़ को ही वाहन क्यों चुना?

धार्मिक मान्यता है कि गरुड़ केवल शक्ति के प्रतीक नहीं हैं, बल्कि वे ज्ञान, सत्य और धर्म के भी प्रतीक माने जाते हैं। वे हमेशा भगवान विष्णु के आदेशों का पालन करते हैं और धर्म की रक्षा के लिए तत्पर रहते हैं। इसी कारण भगवान विष्णु ने उन्हें अपना दिव्य वाहन बनाया।

गरुड़ को वेदों का स्वरूप भी कहा गया है। उनका तेज यह संदेश देता है कि ज्ञान और धर्म के मार्ग पर चलने वाला व्यक्ति हर कठिनाई को पार कर सकता है।

लक्ष्मी-नारायण कब एक साथ गरुड़ पर सवार होते हैं? धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, देवउठनी एकादशी के दिन भगवान विष्णु चार महीने की योगनिद्रा से जागते हैं। इसके बाद वे माता लक्ष्मी के साथ गरुड़ पर सवार होकर सृष्टि का भ्रमण करते हैं और अपने भक्तों को सुख-समृद्धि का आशीर्वाद देते हैं। साल 2026 में देवउठनी एकादशी 20 नवंबर को मनाई जाएगी। इसी दिन से विवाह, गृह प्रवेश और अन्य सभी मांगलिक कार्यों की शुरुआत भी हो जाती है।

जब धर्म की रक्षा के लिए निकलते हैं लक्ष्मी-नारायण पौराणिक मान्यता यह भी कहती है कि जब-जब पृथ्वी पर अधर्म, अन्याय और राक्षसी शक्तियों का प्रभाव बढ़ता है, तब भगवान विष्णु माता लक्ष्मी के साथ गरुड़ पर सवार होकर धर्म की स्थापना और भक्तों की रक्षा के लिए प्रकट होते हैं। यह केवल एक पौराणिक कथा नहीं, बल्कि यह संदेश भी देती है कि जब भी संसार में सत्य और धर्म पर संकट आता है, तब ईश्वर किसी न किसी रूप में उसकी रक्षा करते हैं।

भक्तों की पुकार पर भी आते हैं गरुड़ पर सवार

धार्मिक ग्रंथों में उल्लेख मिलता है कि जब कोई भक्त सच्चे मन से भगवान विष्णु का स्मरण करता है और संकट में उनकी शरण लेता है, तब भगवान गरुड़ पर सवार होकर उसकी रक्षा के लिए आते हैं। यही कारण है कि गरुड़ को भगवान और भक्त के बीच तेज गति से पहुंचने वाले दिव्य वाहन के रूप में भी देखा जाता है।

स्वतंत्र वार्ता

गुरुवार, 16 जुलाई - 2026

दंगों की हिंसा पर सख्त संदेश

उत्तर-पूर्वी दिल्ली दंगों के दौरान आईबी अधिकारी अंकित शर्मा की हत्या के मामले में आया अदालत का फैसला केवल एक व्यक्ति या परिवार को न्याय दिलाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भारतीय न्याय व्यवस्था, कानून के शासन और लोकतांत्रिक मूल्यों में विश्वास को मजबूत करने वाला महत्वपूर्ण निर्णय है। लगभग छह वर्ष तक चली लंबी सुनवाई के बाद अदालत ने आम आदमी पार्टी के पूर्व पार्षद ताहिर हुसैन सहित पांच आरोपियों को दोषी ठहराया। यह फैसला स्पष्ट करता है कि कानून के सामने कोई भी व्यक्ति, चाहे उसका सामाजिक या राजनीतिक प्रभाव कितना भी बड़ा क्यों न हो, जवाबदेही से बच नहीं सकता। अदालत ने उपलब्ध साक्ष्यों, प्रत्यक्षदर्शी गवाहों और जांच के आधार पर मिले सबूत पर दोष सिद्ध किया। इससे यह संदेश जाता है कि भारतीय न्याय व्यवस्था भावनाओं, राजनीतिक दबाव या जनमत के बजाय तथ्यों और प्रमाणों के आधार पर निर्णय देती है। यद्यपि न्याय मिलने में लंबा समय लगा, फिर भी यह निर्णय पीड़ित परिवार और समाज के लिए न्याय की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। हालांकि न्याय में देरी स्वयं न्याय व्यवस्था के सामने एक गंभीर चुनौती बनी हुई है, जिसे दूर करना समय की मांग है। वर्ष 2020 के दिल्ली दंगे आधुनिक भारत की सबसे दुखद घटनाओं में गिना जाता है। नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के विरोध के दौरान भड़की हिंसा में 53 लोगों की जान गई, सैकड़ों लोग घायल हुए और भारी मात्रा में सार्वजनिक एवं निजी संपत्ति नष्ट हुई थी। सांप्रदायिक तनाव, अफवाहों और राजनीतिक उकसावे ने राजधानी के सामाजिक ताने-बाने को गहरी क्षति पहुंचाई। ऐसी घटनाएं केवल जान-माल का नुकसान नहीं करतीं, बल्कि समाज में विश्वास, भाईचारे और लोकतांत्रिक मूल्यों को भी कमजोर करती हैं। इस प्रकरण ने पुलिस जांच और न्यायिक प्रक्रिया की अहम भूमिका को भी उजागर किया। दंगों की जांच को लेकर समय-समय पर पक्षपात के आरोप लगे, लेकिन अदालत ने उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर अपना निर्णय सुनाया। इससे यह स्पष्ट होता है कि निष्पक्ष, वैज्ञानिक और पारदर्शी जांच किसी भी मुकदमे की सफलता की आधारशिला होती है। भविष्य में ऐसी घटनाओं से जुड़े मामलों में जांच एजेंसियों की जवाबदेही, आधुनिक तकनीक का उपयोग तथा गवाहों की सुरक्षा को और मजबूत करना होगा, ताकि न्यायिक प्रक्रिया अधिक प्रभावी और विश्वसनीय बन सके। यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि दंगों और भीड़ की हिंसा को किसी भी परिस्थिति में स्वीकार न किया जाए। लोकतंत्र में मतभेद स्वाभाविक हैं, लेकिन उनका समाधान संविधान, संवाद और कानून के दायरे में ही संभव है। राजनीतिक दलों, प्रशासन, मीडिया और नागरिक समाज सभी की जिम्मेदारी है कि वे शांति, सामाजिक सद्भाव और जिम्मेदार व्यवहार को बढ़ावा दें तथा अफवाहों और नफरत फैलाने वाली गतिविधियों पर रोक लगाने में सक्रिय भूमिका निभाएं। अंकित शर्मा हत्याकांड का फैसला इस बात का प्रमाण है कि अंततः कानून की ही जीत होती है। बहरहाल, केवल दोषियों को सजा देना ही पर्याप्त नहीं होगा। आवश्यक है कि दंगों और सामूहिक हिंसा से जुड़े मामलों का त्वरित निपटारा हो, दोषियों को कठोरतम दंड मिले और निर्दोषों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। तभी न्याय व्यवस्था में जनता का विश्वास और लोकतंत्र की मजबूती दोनों कायम रहेंगे।

ताजमहल के साये में दफन है इतिहास का सच

सुरेश गांधी

ताजमहल... दुनिया के सात अजूबों में शामिल वह इमारत, जिसे करोड़ों लोग प्रेम का प्रतीक मानते हैं। लेकिन भारत में ताजमहल केवल एक स्मारक नहीं, बल्कि समय-समय पर उठने वाली ऐतिहासिक बहसों का भी केंद्र रहा है। कभी इसके बंद कमरों पर सवाल उठते हैं, कभी इसकी नींव पर, तो कभी इसके निर्माण से पहले वहाँ क्या था इस पर। इन तमाम बहसों के बीच एक दस्तावेज़ बार-बार सामने आता है 1896 में प्रकाशित सैयद मुहम्मद लतीफ़ की पुस्तक आगरा : हिस्टोरिकल एंड डिस्क्रिप्टिव का पृष्ठ 105। हाल के दिनों में वायरल इंटरव्यू और टीवी बहसों में भी इसी पृष्ठ का उल्लेख किया जा रहा है। आखिर इस पृष्ठ पर ऐसा क्या लिखा है, जिसने वर्षों से विवाद को जीवित रखा है? सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता हरिशंकर जैन ने कहा, हम वर्षों से यही कह रहे हैं कि इतिहास से जुड़े इस विवाद को भावनाओं से नहीं, बल्कि मूल दस्तावेज़ों के आधार पर देखा जाना चाहिए। हमने अपने पक्ष में बादशाहनामा सहित कई ऐतिहासिक स्रोतों का उल्लेख किया है। विशेष रूप से आगरा : हिस्टोरिकल एंड डिस्क्रिप्टिव के पृष्ठ 105 में बादशाहनामा के हवाले से यह उल्लेख मिलता है कि जिस स्थान पर आज ताजमहल है, वह राजा मानसिंह का महल था, जो उस समय राजा जय सिंह के अधिकार में था। हमारा कहना है कि इन ऐतिहासिक संदर्भों की निष्पक्ष और गहन जांच होनी चाहिए, ताकि तथ्य देश के सामने आ सकें।

लोकप्रिय विमर्श में अक्सर सीधे मंदिर बनाम मकबरा की बहस शुरू हो जाती है, लेकिन ऐतिहासिक दस्तावेज़ पहले एक अलग प्रश्न उठाते हैं जिस भूमि पर ताजमहल बना, वह किसकी थी? यही वह बिंदु है, जहाँ इतिहास अपेक्षाकृत स्पष्ट दिखाई देता है। लतीफ़ अपनी पुस्तक में बादशाहनामा का हवाला देते हुए लिखते हैं कि मुमताज़ महल के मकबरे के लिए चुना गया स्थान मूलतः राजा मानसिंह के महल से जुड़ा था, जो उस समय उनके पौत्र राजा जय सिंह की संपत्ति था। साथ ही उल्लेख है कि शाहजहाँ ने इसके बदले जय सिंह को दूसरी संपत्तियाँ प्रदान कीं। यही पंक्तियाँ आज भी बहस का आधार बनती हैं। यानी पहला निष्कर्ष यह निकलता है कि भूमि और उससे जुड़ी संपत्ति का संबंध आमेर (जयपुर) के राजघराने से था। लेकिन यहीं से शुरू होता है दूसरा सवाल... अगर यह भूमि और महल जय सिंह की संपत्ति थे, तो फिर उस स्थान का आगे क्या हुआ?

क्या पुरानी इमारत हटाई गई? क्या उसी का रूपांतरण हुआ? या पूरी तरह नया निर्माण हुआ? यहीं से इतिहास दो धाराओं में बँट जाता है।

मुख्यधारा के इतिहासकारों का मत है कि मुगलकाल में नदी किनारे बनी राजसी हवेलियों और बागों का अधिग्रहण कर उन्हें नए शाही निर्माणों में बदलना असामान्य नहीं था। उनके अनुसार उपलब्ध मुगलकालीन अभिलेख, स्थापत्य शैली और अन्य ऐतिहासिक स्रोत ताजमहल को शाहजहाँ द्वारा निर्मित मकबरे के रूप में प्रस्तुत करते हैं। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) भी विभिन्न मामलों में यही रुख अपनाता रहा है कि उपलब्ध पुरातात्विक साक्ष्य ताजमहल को मुगलकालीन स्मारक मानते हैं। ऐसे में बड़ा सवाल तो यही है फिर विवाद क्यों? यही वह प्रश्न है जो आज भी लाखों लोगों के मन में है। कुछ शोधकर्ता और याचिकाकर्ता कहते हैं कि यदि दस्तावेज़ में ₹राजा मानसिंह का महल₹ लिखा है, तो उस महल का इतिहास विस्तार से सामने आना चाहिए। वे मानते हैं कि इस विषय पर और शोध तथा दस्तावेजों की समीक्षा होनी चाहिए। दूसरी ओर इतिहासकार कहते हैं कि किसी स्थान पर पहले महल या हवेली होने का उल्लेख अपने-आप यह सिद्ध नहीं करता कि वह किसी विशेष धार्मिक स्थल का रूप था। ऐसे निष्कर्ष के लिए स्वतंत्र और निर्णायक पुरातात्विक साक्ष्य आवश्यक होंगे इस पूरी बहस में सबसे बड़ी चुनौती यही है कि दावा और दस्तावेज़ एक ही चीज़ नहीं होते। दस्तावेज़ यह बताते हैं कि भूमि का संबंध जय सिंह की संपत्ति से था। दावा यह कहता है कि वहाँ पहले क्या था। उपलब्ध ऐतिहासिक संदर्भों में राजा जय सिंह की संपत्ति का उल्लेख मिलता है। भूमि के बदले दूसरी संपत्ति दिए जाने का उल्लेख भी मिलता है। लेकिन उस भूमि पर आगे के सभी दावों को स्वतः स्थापित ऐतिहासिक तथ्य नहीं माना जा सकता। उन पर आज भी शोध, बहस और अलग-अलग व्याख्याएँ मौजूद हैं। ताजमहल की कहानी भी शायद यहीं से शुरू होती है एक ज़मीन से, एक दस्तावेज से और उन सवालों से, जिनके जवाब खोजने की कोशिश आज भी जारी है। वैसे भी भारत में शायद ही कोई ऐसा स्मारक हो, जिसके इतिहास पर ताजमहल जितनी बहस हुई हो। एक ओर इसे प्रेम का सबसे भव्य प्रतीक कहा जाता है, दूसरी ओर समय-समय पर यह दावा भी उठता है कि यह स्मारक किसी पूर्ववर्ती हिंदू स्थापत्य पर आधारित है। इन दावों का सबसे अधिक उल्लेख हाल के वर्षों में न्यायालयों, सार्वजनिक विमर्श और टीवी बहसों में देखने को मिला है।

इस प्रश्न का उत्तर कई इतिहासकार 'हाँ' में देते हैं लेकिन उसके साथ एक महत्वपूर्ण संदर्भ भी जोड़ते हैं। मुगलकालीन इतिहास 'बादशाहनामा' का हवाला देते हुए 1896 में प्रकाशित सैयद मुहम्मद लतीफ़ की पुस्तक आगरा : हिस्टोरिकल एंड डिस्क्रिप्टिव में उल्लेख मिलता है कि मुमताज़ महल के मकबरे के लिए चुना गया स्थान मूलतः राजा मानसिंह के महल से जुड़ा था, जो उस समय उनके पौत्र राजा जय सिंह की संपत्ति था। पुस्तक के पृष्ठ 105 पर यही उल्लेख आज भी बहस का केंद्र बना हुआ है। यहीं से पहला तथ्य सामने आता है भूमि और उससे जुड़ी संपत्ति का संबंध जयपुर राजघराने से था। यहीं से शुरू होता है दूसरा सवाल यदि यह स्थान जय सिंह की संपत्ति था, तो वहाँ पहले क्या था? यही वह बिंदु है जहाँ इतिहास और विवाद एक-दूसरे से टकराते हैं।

कुछ शोधकर्ता और याचिकाकर्ता कहते हैं कि इस प्रश्न की गहन पुनर्पड़ताल होनी चाहिए। उनका तर्क है कि उपलब्ध दस्तावेज़ों की नई दृष्टि से समीक्षा आवश्यक है। दूसरी ओर, अधिकांश पेशेवर इतिहासकार और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण का मत है कि उपलब्ध ऐतिहासिक और पुरातात्विक साक्ष्य ताजमहल को शाहजहाँ के काल में निर्मित मकबरे के रूप में ही समर्थन देते हैं।

इस पूरे विवाद में एक और दिलचस्प तथ्य सामने आता है। कुछ लेखकों ने यह प्रश्न उठाया कि बाद के कुछ विवरणों में ₹राजा मानसिंह का महल₹ की जगह ₹राजा मानसिंह की ज़मीन₹ जैसा उल्लेख क्यों मिलता है। इसी अंतर को लेकर कई वैकल्पिक व्याख्याएँ सामने आईं और बहस का दायरा बढ़ा। हालांकि, इस विषय पर इतिहासकारों में एकमत नहीं है और विभिन्न लेखक अलग-अलग निष्कर्ष प्रस्तुत करते हैं। यहाँ सबसे बड़ा सवाल यह नहीं है कि कौन-सा दावा अधिक लोकप्रिय है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या उपलब्ध दस्तावेज़ किसी एक निष्कर्ष तक निर्णायक रूप से पहुँचाते हैं?

पाकिस्तान सबसे खतरनाक और अंधकारमय मोड़ पर

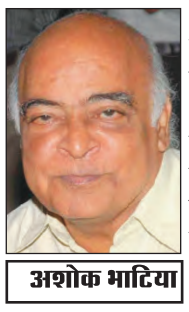

अशोक भाटिया

आज पाकिस्तान इतिहास के उस सबसे खतरनाक और अंधकारमय मोड़ पर खड़ा है, जहां से वापसी का हर रास्ता बंद दिखाई देता है। वर्ष 1971 में पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्लादेश) के अलग होने के बाद, इस्लामाबाद के सैन्य और असैन्य नेतृत्व ने इतिहास की उस भीषण त्रासदी से कोई सबक नहीं सीखा। वर्तमान में सुरक्षा, अर्थव्यवस्था, कूटनीति और आंतरिक संप्रभुता के मोर्चों पर जैसी बहुआयामी चुनौतियां एक साथ खड़ी हैं, वे यह गंभीर सवाल पैदा करती हैं कि क्या पाकिस्तान एक बार फिर टुकड़े-टुकड़े होने की कगार पर आ पहुंचा है? यह संकट केवल राजनीतिक अस्थिरता या कुछ दलों की आपसी खींचतान का नहीं है, बल्कि यह आधुनिक इतिहास में किसी राज्य (State) के बुनियादी ढांचे और उसकी वैचारिक नींव के पूरी तरह ढह जाने का सबसे जीवंत उदाहरण है।

पाकिस्तान की स्थापना जिस 'द्वि-राष्ट्र सिद्धांत' के आधार पर हुई थी, वह 1971 में ही दम तोड़ चुका था, लेकिन आज जो स्थिति है वह उससे भी कहीं अधिक भयावह है। आज संकट केवल एक हिस्से के अलग होने का नहीं, बल्कि पूरे देश के एक गृहयुद्ध की आग में झुलसकर कई स्वायत्त, हिंसक और अनियंत्रित गुटों में बंट जाने का है। जब किसी देश की सेना, न्यायपालिका, संसद और नागरिक समाज एक-दूसरे के आमने-सामने खड़े हो जाएं, तो उस राष्ट्र के मानचित्र को बदलने से कोई बाहरी ताकत नहीं रोक सकती।

किसी भी संप्रभु राष्ट्र की रीढ़ उसकी अर्थव्यवस्था होती है, और पाकिस्तान की यह रीढ़ इस समय पूरी तरह टूट चुकी है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष से बार-बार मिलने वाले 'बेलआउट पैकेज' भी देश की डूबती नैया को पार लगाने में पूरी तरह नाकाम रहे हैं। वर्तमान में पाकिस्तान पर विदेशी कर्ज लगभग $290 अरब तक पहुंच चुका है, जो उसकी सकल घरेलू उत्पाद का 70 प्रतिशत से अधिक है। इस कर्ज का ब्याज चुकाने के लिए पाकिस्तान को नया कर्ज लेना पड़ रहा है, जो उसे एक कभी न खत्म होने वाले 'डेथ ट्रैप' में धकेल चुका है।

देश के भीतर आर्थिक हालात यह हैं कि बढ़ती महंगाई ने आम नागरिकों का जीना मुहाल कर दिया है। विदेशी मुद्रा भंडार की भारी कमी के कारण जरूरी दवाओं, कच्चे माल और पेट्रोलियम पदार्थों का आयात ठप हो चुका है। ईंधन और बिजली की अभूतपूर्व किल्लत के कारण सरकार को चार दिन का कार्य सप्ताह लागू करने, बाजारों को शाम होते ही बंद करने और स्कूलों को बंद रखने जैसे आपातकालीन उपाय करने पड़े हैं।

जब कोई परमाणु संपन्न देश बुनियादी ऊर्जा, आटा और जीवन रक्षक दवाओं के लिए दुनिया के सामने कटोरा फैलाने को मजबूर हो जाए, तो उसकी संप्रभुता केवल कागजों तक सीमित रह जाती है। विश्व बैंक और अन्य वित्तीय संस्थाओं की कड़ी शर्तों ने पाकिस्तान के आम आदमी की कमर तोड़ दी है, जिससे जनता का अपनी सरकार और राज्य व्यवस्था पर से विश्वास पूरी तरह उठ चुका है। यह आर्थिक पतन ही है जो बलूचिस्तान, सिंध और खैबर पख्तूनख्वा जैसे प्रांतों में अलगाववाद की आग में घी डालने का काम कर रहा है।

सैन्य और रणनीतिक मोर्चे पर, पाकिस्तान अपनी ही भौगोलिक सीमाओं के भीतर एक भीषण, अदृश्य और बहुआयामी युद्ध लड़ रहा है। बलूचिस्तान प्रांत में अलगाववादी आंदोलन अब महज एक असंतोष नहीं, बल्कि पूरी तरह से एक संगठित गुरिल्ला युद्ध में बदल चुका है। बलूच लिबरेशन आर्मी और माजिद ब्रिगेड जैसे संगठनों ने अपनी रणनीति बदलते हुए छिटपुट हमलों की जगह पाकिस्तानी सेना के कोर मुख्यालयों और रणनीतिक ठिकानों पर सीधे और समन्वित हमले शुरू कर दिए हैं। हाल ही में सेना के ₹ऑपरेशन शबान₹ के खिलाफ बलूच विद्रोहियों की हिंसक प्रतिक्रिया ने यह साबित कर दिया है कि बलूचिस्तान के एक बड़े हिस्से पर इस्लामाबाद का प्रशासनिक नियंत्रण पूरी तरह समाप्त हो चुका है और वहां सेना केवल अपनी चौकियां बचाने के लिए संघर्ष कर रही है।

दूसरी तरफ, उत्तर-पश्चिमी सीमा पर स्थिति और भी बदतर है। डूरंड रेखा के पार से संचालित होने वाले तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान ने खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के कई जिलों में अपनी समानांतर सरकार स्थापित कर ली है। टीटीपी के लड़ाके अत्याधुनिक अमेरिकी हथियारों से लैस हैं, जो उन्हें अफगानिस्तान में मिले थे। वे पाकिस्तानी पुलिस और अर्धसैनिक बलों पर रोजाना आत्मघाती हमले कर रहे हैं।

इस परिदृश्य का सबसे खतरनाक पहलू यह है कि अब वैचारिक रूप से भिन्न होने के बावजूद बलूच अलगाववादी (जो धर्मनिरपेक्ष राष्ट्रवाद की बात करते हैं) और टीटीपी जैसे धार्मिक कट्टरपंथी संगठन पाकिस्तानी राज्य व्यवस्था के खिलाफ एक साझा मोर्चा बना रहे हैं। ये संगठन न केवल सुरक्षा बलों को निशाना बना रहे हैं, बल्कि चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे की अरबों डॉलर की परियोजनाओं और चीनी इंजीनियरों पर लगातार हमले कर रहे हैं। इसके परिणामस्वरूप चीन ने भी अब पाकिस्तान की सुरक्षा क्षमता पर भरोसा खो दिया है और वह अपनी संपत्तियों की रक्षा के लिए अपनी निजी सुरक्षा एजेंसियों या सेना को पाकिस्तान में तैनात करने का दबाव बना रहा है, जो पाकिस्तान की संप्रभुता के ताबूत में आखिरी कील साबित हो सकता है।

पाकिस्तान के इतिहास में यह पहली बार देखा जा रहा है कि वह एक साथ तीन सक्रिय और बेहद संवेदनशील अंतरराष्ट्रीय सीमाओं पर गंभीर सुरक्षा और कूटनीतिक संकट का सामना कर रहा है। कभी जिसे पाकिस्तान का सैन्य नेतृत्व अपनी 'रणनीतिक गहराई' और सुरक्षित पिछवाड़ा समझता था, आज वही अफगानिस्तान उसका सबसे बड़ा दुःस्वप्न बन चुका है। काबुल में तालिबान सरकार के आने के बाद पाकिस्तान को उम्मीद थी कि उसकी पश्चिमी सीमा सुरक्षित हो जाएगी, लेकिन इसके विपरीत डूरंड रेखा को लेकर दोनों देशों के बीच विवाद हिंसक झड़पों में बदल चुका है।

क्या हमारी थाली में ज़हर परोसा जा रहा है?

अशोक कुमार झा

भारत को सदियों से कृषि प्रधान देश कहा जाता रहा है। यहां अन्न को भगवान का स्वरूप माना जाता है और भोजन को केवल पेट भरने का साधन नहीं, बल्कि जीवन, संस्कृति और सभ्यता का आधार समझा जाता है। भारतीय परिवारों में जब भी भोजन परोसा जाता है तो उसमें केवल स्वाद नहीं होता, बल्कि मां की ममता, किसान की मेहनत और प्रकृति का आशीर्वाद भी शामिल होता है। यही कारण है कि भारतीय संस्कृति में अन्न का अपमान करना पाप माना गया है लेकिन आज यह सोचकर मन विचलित हो उठता है कि जिस भोजन को हम भगवान का प्रसाद समझकर ग्रहण करते हैं, उसी भोजन में यदि मिलावट का ज़हर घुल जाए तो फिर आम नागरिक किस पर विश्वास करे? यह प्रश्न केवल खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता का नहीं है, बल्कि करोड़ों भारतीयों के जीवन, स्वास्थ्य, आने वाली पीढ़ियों और पूरे राष्ट्र की सुरक्षा का प्रश्न है।

हाल के वर्षों में खाद्य सुरक्षा से जुड़ी विभिन्न जांचों और सरकारी कार्रवाई में जिस प्रकार खाद्य तेलों, विशेषकर सरसों के तेल, में गुणवत्ता संबंधी खामियां और मिलावट के मामले सामने आए हैं, उन्होंने देश के प्रत्येक परिवार की चिंता बढ़ा दी है। सरसों का तेल उत्तर भारत, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, ओडिशा और देश के अनेक हिस्सों में सबसे अधिक उपयोग किया जाने वाला खाद्य तेल है। करोड़ों परिवार सुबह से लेकर रात तक बनने वाले भोजन में इसी तेल का प्रयोग करते हैं। ऐसे में यदि इसी तेल की शुद्धता पर प्रश्नचिह्न लग जाए तो इसका अर्थ है कि देश की सबसे बड़ी आबादी प्रतिदिन अनजाने में अपने भोजन के साथ बीमारी भी ग्रहण कर रही है।

मिलावट कोई नई समस्या नहीं है। वर्षों से दूध, घी, मसाले, मिठाइयां, दालें और अन्य खाद्य पदार्थों में मिलावट की खबरें आती रही हैं लेकिन जब बात खाने के तेल की आती है तो स्थिति और भी गंभीर हो जाती है, क्योंकि तेल ऐसा खाद्य पदार्थ है जिसका उपयोग लगभग हर भोजन में होता है। यदि उसमें किसी भी प्रकार की अशुद्धि या मिलावट हो तो उसका प्रभाव शरीर के लगभग प्रत्येक अंग पर पड़ता है।

यही कारण है कि चिकित्सा विशेषज्ञ बार-बार चेतावनी देते रहे हैं कि मिलावटी खाद्य तेल धीरे-धीरे शरीर को अंदर से नुकसान पहुंचाता है। यह ऐसा ज़हर है जो तुरंत दिखाई नहीं देता बल्कि वर्षों तक शरीर में विषैले तत्वों को जमा करता रहता है और जब बीमारी सामने आती है तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। इसलिए इसे धीमा ज़हर या साइलेंट किलर कहा जाता है।

सबसे दुखद और चिंताजनक तथ्य यह है कि मिलावट का यह खेल किसी छोटे स्तर पर नहीं बल्कि एक संगठित आर्थिक अपराध का रूप ले चुका है। इसमें अवैध तेल निर्माता, नकली ब्रांड तैयार करने वाले गिरोह, पैकेजिंग करने वाले कारोबारी, थोक व्यापारी, परिवहन नेटवर्क और कई बार भ्रष्ट तंत्र तक की मिलीभगत की आशंका व्यक्त की जाती रही है। कुछ लोग कुछ रुपये अधिक कमाने के लालच में सस्ते और निम्न गुणवत्ता वाले तेलों को सरसों के तेल में मिलाकर बाजार में बेच देते हैं। कई बार कृत्रिम रंग, सुगंध और रसायनों का उपयोग कर उपभोक्ता को यह विश्वास दिलाया जाता है कि वह शुद्ध सरसों का तेल खरीद रहा है जबकि वास्तविकता बिल्कुल अलग होती है। यह केवल आर्थिक धोखाधड़ी नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों के स्वास्थ्य के साथ किया जा रहा सुनियोजित अपराध है। विडंबना यह है कि इस अपराध का सबसे बड़ा शिकार वही वर्ग बनता है जो पहले से आर्थिक रूप से कमजोर है। गरीब और मध्यम वर्ग का परिवार अपने सीमित बजट में सस्ता सामान खरीदने के लिए विवश होता है। वह हर बार महंगे ब्रांड या प्रयोगशाला में जांचा हुआ उत्पाद नहीं खरीद सकता। परिणामस्वरूप वही परिवार मिलावटी खाद्य पदार्थों का सबसे आसान लक्ष्य बन जाता है। एक मजदूर, किसान, रिक्शा चालक या दिहाड़ी मजदूर दिनभर मेहनत करने के बाद अपने परिवार के लिए जो भोजन लेकर आता है, वह यह सोचकर संतोष करता है कि कम से कम उसका परिवार स्वस्थ भोजन कर रहा है। लेकिन यदि उसी भोजन में मिलावट हो तो यह उसके श्रम, उसके विश्वास और उसके जीवन—तीनों के साथ अन्याय है।

यह भी विचारणीय है कि भारत जैसे विशाल लोकतंत्र में खाद्य सुरक्षा के लिए कानूनों और संस्थाओं की कोई कमी नहीं है। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) की स्थापना इसी उद्देश्य से की गई थी कि देश के प्रत्येक नागरिक तक सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण खाद्य पदार्थ पहुंच सकें।

राज्यों में खाद्य सुरक्षा अधिकारी नियुक्त हैं, नियमित जांच अभियान चलाए जाते हैं, प्रयोगशालाओं में नमूनों की जांच होती है और दोषी पाए जाने पर जुर्माना तथा कानूनी कार्रवाई का भी प्रावधान है।

इसके बावजूद यदि मिलावट का कारोबार लगातार जारी है तो यह स्पष्ट संकेत है कि कहीं न कहीं हमारी निगरानी व्यवस्था, प्रवर्तन प्रणाली और दंड प्रक्रिया में गंभीर कमियां हैं। केवल छापेमारी और जुर्माना इस समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सकते। आवश्यकता इस बात की है कि मिलावट करने वालों के खिलाफ इतनी कठोर कार्रवाई हो कि भविष्य में कोई भी व्यक्ति इस प्रकार का अपराध करने का साहस न कर सके।

न्याय की भाषा अंग्रेज़ी और पीड़ित की भाषा हिंदी

आरके जैन

सुप्रीम कोर्ट का हालिया प्रश्न क्या अंग्रेज़ी को भारत की स्वदेशी भाषा माना जा सकता है?—सिर्फ न्यायालय का सवाल नहीं, भारत की भाषाई चेतना पर दस्तक है। यह बहस अंग्रेज़ी के पक्ष-विपक्ष की नहीं, उस मानसिकता की है जिसने आज़ादी के आठ दशक बाद भी भाषा को आत्मसम्मान नहीं, हैसियत का पैमाना बना रखा है। ईस्ट इंडिया कंपनी के साथ आई अंग्रेज़ी आज विश्वविद्यालयों, न्यायालयों, प्रशासन, विज्ञान, तकनीक और कॉरपोरेट जगत की प्रमुख भाषा है। करोड़ों भारतीय इसे शिक्षा और रोज़गार का माध्यम बना चुके हैं, इसलिए इसे पूरी तरह विदेशी कहना यथार्थ से मुंह मोड़ना होगा। पर क्या लंबे उपयोग से कोई भाषा स्वदेशी हो जाती है? यदि हाँ, तो स्वदेशी का आधार इतिहास होगा, संस्कृति या सुविधा? सुप्रीम कोर्ट ने भाषा नहीं, भारतीय आत्मविश्वास का प्रश्न उठाया है। वही आत्मविश्वास जिसने कभी संस्कृत, पाली, प्राकृत, तमिल, हिंदी, बंगाली, मराठी, उड़िया, कन्नड़, तेलुगु, मलयालम, असमिया और सैकड़ों बोलियों के बल पर विश्व को ज्ञान दिया, लेकिन आज अपने ही देश में स्वयं को सिद्ध करने के लिए विदेशी भाषा का सहारा खोजता है।

इस प्रश्न का सबसे बड़ा कटघरा हमारी न्याय व्यवस्था है। संविधान के अनुच्छेद 348 के तहत सर्वोच्च न्यायालय और अधिकांश उच्च न्यायालयों की कार्यवाही व निर्णय आज भी अंग्रेज़ी में होते हैं। विडंबना यह है कि न्याय उसी नागरिक के लिए लिखा जाता है, जो उसकी भाषा नहीं समझता। स्वयं न्यायालय भी मान चुका है कि फैसलों और आदेशों का भारतीय भाषाओं में अनुवाद आवश्यक है, क्योंकि न्याय तभी सार्थक है, जब वह जनता की भाषा में पहुंचे।

फिर भी अदालतों में अंग्रेज़ी का प्रभुत्व निर्विवाद है। लोकतंत्र का सबसे महत्वपूर्ण स्तंभ यदि जनता की भाषा से दूर रहेगा, तो न्याय और नागरिक के बीच दूरी बनी रहेगी। क्या केवल वर्षों के प्रयोग से अंग्रेज़ी स्वदेशी हो जाएगी, या न्याय व्यवस्था को भारतीय भाषाओं से जोड़ना ही लोकतांत्रिक सुधार होगा? यह प्रश्न केवल भाषा का नहीं, न्याय तक समान पहुंच का है।

आज का सबसे कठोर सत्य यह है कि अंग्रेज़ी भारत में केवल भाषा नहीं, वर्गीय शक्ति का प्रतीक बन चुकी है। यही भाषा कुछ के लिए अवसरों का द्वार है, तो लाखों के लिए अदृश्य दीवार। महंगे विद्यालय, आईआईटी, आईआईएम, बहुराष्ट्रीय कंपनियां और वैश्विक संस्थाएं इसे योग्यता की पहली शर्त मानती हैं। वहीं गांव का प्रतिभाशाली विद्यार्थी, दलित-बहुजन युवा और मातृभाषा में शिक्षित लाखों छात्र क्षमता नहीं, भाषा की बाधा से पीछे छूट जाते हैं। तीन-भाषा नीति पर वर्षों से जारी बहस और दक्षिण भारत का प्रतिरोध इसी भाषाई वर्चस्व की आशंका का संकेत है। यदि अंग्रेज़ी को स्वदेशी मान लेने से यह असमानता और गहरी होती है, तो क्या हम नई गुलामी को ही वैधता नहीं दे रहे? कभी सत्ता तलवार से चलती थी, आज भाषा के प्रमाणपत्र से चलती है।

इतिहास इस बहस का सबसे ईमानदार साक्षी है। 1835 में लॉर्ड मैकॉले ने स्पष्ट लिखा था कि उसका उद्देश्य ऐसे भारतीय तैयार करना है, जो रक्त और रंग से भारतीय, लेकिन विचार, नैतिकता, रुचि और बुद्धि से अंग्रेज़ हों। यह केवल शिक्षा नीति नहीं, मानसिक उपनिवेश की योजना थी। स्वतंत्र भारत ने राजनीतिक आज़ादी तो पा ली, पर भाषाई स्वाधीनता का संघर्ष अधूरा रह गया।

समय के साथ अंग्रेज़ी का स्वरूप भी बदला है। आज हिंग्लिश, तम्लिश, बेंग्लिश जैसी मिश्रित भाषाएं बताती हैं कि भारत हर भाषा को अपना रंग दे सकता है। अंग्रेज़ी भी अब भारतीय अनुभवों से समृद्ध है। लेकिन प्रश्न यह है कि क्या यह बदलाव हमारी 22 अनुसूचित भाषाओं और सैकड़ों बोलियों की कीमत पर हो रहा है?

लेने के देने पड गए: क्या से क्या हो गया!

डॉ टी महादेव राव

सुबह सुबह दस्तक हुई तो नेता जी, जो घर पे अकेले थे, ने दरवाज़ा खोला। देखा सामने कोई मुकुट लगाके खूंखार सा बंदा खड़ा था। भाई सुबह सुबह नाटक के लिए चंदा मांगने आ गए। हम लोग खुद बड़े बड़े लोगों से चंदा लेकर चुनाव लड़ते हैं। मांगने वाले के पास आकर मांगोगे तो क्या मिलेगा? आगंतुक ने कहा मैं यमराज हूं। चंदा नहीं, मैं तुम्हें लेने आया हूं।

नेता जी ने कहा अभी मेरी उम्र ही क्या है जो मुझे ले जाओगे? अभी तो सिर्फ साठ साल का हूं। यमराज ने कहा यह गणित किसी और को पढ़ाना। तुम पूरे पछत्तर साल के हो चुके। चुनाव के समय जो झूठ लिखते हो उसे मुझे न सुनाया करो। मेरे पास सारा कुछ रिकॉर्ड है और मेरा रिकॉर्ड तुम लोग के रिकॉर्ड की तरह झूठ, फरेब और गलतियों से भरा नहीं है। तुम्हारे दिन पूरे हो गए आज अंतिम क्षणों में हो तुम।

नेताजी, जो गेरुआ धोती और कांधे पर गेरुआ गमछा डाले पूजा से आ रहे थे, ने कहा रुको मैं कपड़े बदल के आता हूं। तब तक आप चाय नाश्ते का आनंद लीजिए, कह कर अंदर गया और चाय और समोसे लाकर यमराज के सामने रख दिए। यमराज ने, अपनी सूची जो आज उसके प्राण हरण कार्यक्रम का था उसे सामने मेज पर रखा। यमराज ने कहा अब तुम्हें सजने संवरने की जरूरत क्या है? यहां से गए तो सीधे यमलोक में जाना है। बीच में कोई तुम्हें देखेगा, मिलेगा, सेल्फी लेगा या पत्रकार फोटो खींचेंगे या तुम्हारी प्रिया आकर गले लगेगी, ऐसा कुछ भी नहीं होगा। मेरी तो आदत है यमराज जी! दिन में कई बार कपड़े बदलता हूं वरना मुझे अच्छा नहीं लगता। तब तक आप अल्पाहार का आनंद लें। नेता जी ने देखा कि मस्त मगन होकर यमराज चाय नाश्ते का आनंद उठा रहे हैं तो धीरे से उसने उस सूची को वहां से उठाया और अंदर चला आया। उसने एक घटना पढ़ी थी जहां सूची में फेर बदल करने पर भी किसी विशेष व्यक्ति को यमराज ले गए थे। उसने अपने पास जो स्याही मिटाने का द्रव था उससे उसका नाम, जो सूची में पहले नंबर पर था, उसे मिटा दिया और सारे क्रमांक भी सुधार दिए। चुपचाप ले जाकर टेबल पर रख दिया।

सज धज कर जब अंदर से नेताजी आए, यमराज नाश्ता खत्म कर चुके थे। बोले चलो चलते हैं। भोले बनते हुए नेता ने कहा यह सूची क्या है यमराज जी। उन्होंने सूची को अनदेखा करते हुए कहा यह उनकी सूची है जिन-जिन को आज मुझे इस धरती से यमलोक ले जाना है। कहकर उन्होंने सूची उठाई। नेताजी ने कहा क्या मैं एक बार यह सूची देख सकता हूं। बिल्कुल कहते हुए सूची यमराज ने उसके आगे कर दी। नेताजी ने कहा इसमें तो मेरा नाम ही नहीं है फिर आप मुझे यहां से कैसे उठा सकते हैं? यमराज ने कहा उस घटना या चुटकुला जो भी था जिसे आपने पढ़ा और इसका इस्तेमाल मेरी सूची पर आपने स्याही मिटाने के द्रव से की, उसे मैं भी सुना था इसलिए मैं पहले अपने दिमाग में उसे सूची की स्कैनिंग कर लेता हूं। फिर यह जो सूची है इसको इधर-उधर लेकर घूमता हूं। नेताजी बोले जब सूची में नहीं है तो मैं कैसे जाऊं? यमराज ने कहा मैं ने आकर तुम्हें सूची नहीं दिखाई। मैं ने सीधे-सीधे कहा मेरे साथ चलना है। तुमने मुझे नाश्ता चाय कराया कपड़े बदलने चले गए और यह सारा नाटक करते-करते अब मुझसे बहस कर रहे हो? वैसे तुम चाय बहुत अच्छी बनाते हो लेकिन मुझे बनाने की कोशिश मत करो।

अगर मेरे सुरक्षा कर्मी आप पर गोलियां बरसा दे तो, कहकर नेता जी ने सुरक्षा कर्मियों को आवाज दी और कहा शूट। दोनों सुरक्षा कर्मी अपनी बंदूक से गोलियां दागने लगे। यमराज ने क्रोधित होकर दोनों सुरक्षा कर्मियों को गिरेबान से उठाकर दूसरे माले की बाल्कनी से नीचे फेंक दिया। दोनों तड़प तड़प कर मर गए। गुस्से से कहा आज तुम तीनों की मौत लिखी है। एक झन्नाटेदार झापड़ नेता जी को रसीद कर दिया। चारों खाने चित्त हो नेताजी नीचे गिर पड़े। अजी कितना सोओगे? उठो स्नान करके नाश्ता करना नहीं है? 'अच्छा तो यह सपना था' कहते हुए बालकनी से देखा। दोनों सुरक्षा कर्मी खैनी खाते खाते गपिया रहे थे।

क्या आपको भी बेड टी पीने की आदत है तो हो जायें सावधान

सुबह उठते ही बेड पर बैठकर चाय पीना आजकल कई लोगों की रोजमर्रा की आदत बन चुकी है। बहुत से लोगों को लगता है कि बेड टी के बिना उनकी सुबह शुरू ही नहीं होती और चाय उन्हें तुरंत ताजगी और ऊर्जा देती है। हालांकि, खाली पेट चाय पीने की यह आदत सेहत पर कुछ नकारात्मक प्रभाव भी डाल सकती है।

विशेषज्ञों के अनुसार, सुबह खाली पेट चाय पीने से कुछ लोगों में पाचन संबंधी परेशानियां बढ़ सकती हैं। हालांकि, हर व्यक्ति पर इसका असर अलग हो सकता है। आइए जानते हैं कि बेड टी पीने की आदत से क्या नुकसान हो सकते हैं, चाय पीने का सही समय क्या है और सुबह की शुरुआत को ज्यादा हेल्दी कैसे बनाया जा सकता है।

बेड टी पीने से क्या नुकसान हो सकते हैं?

खाली पेट एसिडिटी की समस्या बढ़ सकती है

सुबह उठते ही खाली पेट चाय पीने से कुछ लोगों में पेट में एसिड का उत्पादन बढ़ सकता है। चाय में मौजूद कैफीन पेट की अम्लीयता को प्रभावित कर सकता है, जिससे सीने में जलन, खट्टी डकार, पेट में भारीपन और गैस जैसी समस्याएं महसूस हो सकती हैं। जिन लोगों को पहले से एसिडिटी या गैस्ट्रिक की परेशानी रहती है, उनके लिए यह आदत समस्या को और बढ़ा सकती है।

पाचन तंत्र पर असर

चाय में मौजूद कैफीन और टैनिन जैसे तत्व खाली पेट लेने पर कुछ लोगों के पाचन तंत्र को प्रभावित कर सकते हैं। इससे पेट में जलन, अपच, गैस और बेचैनी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। खासकर जिन लोगों का पेट संवेदनशील होता है, उन्हें सुबह खाली पेट चाय पीने के बाद परेशानी महसूस हो सकती है।

शरीर में पोषक तत्वों के अवशोषण पर प्रभाव

चाय में मौजूद टैनिन जैसे यौगिक शरीर में कुछ पोषक तत्वों, खासकर आयरन के अवशोषण को प्रभावित कर सकते हैं। अगर कोई व्यक्ति आयरन की कमी से जूझ रहा है या उसे खून की कमी की समस्या है, तो बहुत ज्यादा चाय पीने की आदत नुकसानदायक हो सकती है। विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि चाय को मुख्य भोजन के तुरंत बाद पीने से बचना चाहिए।

मुंह की सेहत पर असर

सुबह उठते ही बिना ब्रश किए चाय पीना दांतों और मुंह की सफाई के लिए अच्छा नहीं माना जाता। रातभर मुंह में बैक्टीरिया जमा हो सकते हैं, जो चाय के साथ पेट में जा सकते हैं। इसके अलावा चाय में मौजूद तत्व दांतों पर दाग, पीलेपन और मुंह की दुर्गंध की समस्या को बढ़ा सकते हैं।

सुबह चाय पीने का सही तरीका

उठने के बाद सबसे पहले एक गिलास पानी पिएं।

खाली पेट चाय पीने के बजाय हल्का नाश्ता करने के बाद चाय लें।

ज्यादा चीनी वाली चाय से बचें।

दिन में सीमित मात्रा में ही चाय का सेवन करें।

अगर गैस, एसिडिटी या पेट की समस्या रहती है तो डॉक्टर की सलाह लें।

ध्यान रखें

कभी-कभार बेड टी पीने से हर व्यक्ति को नुकसान हो, ऐसा जरूरी नहीं है। लेकिन यदि यह रोज की आदत बन गई है और आपको पेट दर्द, एसिडिटी, गैस या अन्य समस्या महसूस होती है, तो अपनी दिनचर्या में बदलाव करना फायदेमंद हो सकता है।

बारिश में कपड़े नहीं सूख रहे? अपनाएं ये आसान ट्रिक्स

बरसात का मौसम जहां ठंडक और हरियाली लेकर आता है, वहीं कपड़े सुखाना सबसे बड़ी परेशानी बन जाता है। लगातार बारिश, धूप की कमी और हवा में बढ़ी नमी के कारण कपड़े कई-कई घंटों या कभी-कभी दो दिन तक भी नहीं सूखते। इतना ही नहीं, गीले कपड़ों में सीलन की बदबू, फफूंदी और बैक्टीरिया पनपने का खतरा भी बढ़ जाता है। ऐसे कपड़े पहनना त्वचा संबंधी समस्याओं का कारण भी बन सकता है।

अगर आपके घर में बालकनी छोटी है, धूप कम आती है या आप फ्लैट में रहते हैं, तो कपड़े जल्दी सुखाना और भी चुनौतीपूर्ण हो जाता है। हालांकि, कुछ आसान घरेलू उपाय और सही तकनीक अपनाकर आप बारिश के मौसम में भी कपड़ों को जल्दी सुखा सकते हैं। इसके लिए महंगे ड्रायर की जरूरत नहीं होती, बल्कि कपड़े धोने और सुखाने के तरीके में थोड़ा बदलाव काफी फर्क ला सकता है।

इस लेख में हम आपको ऐसे आसान और प्रभावी टिप्स बताएंगे, जिनकी मदद से आपके कपड़े जल्दी सूखेंगे, उनमें बदबू नहीं आएगी और वे लंबे समय तक साफ व फ्रेश बने रहेंगे।

कपड़ों से अतिरिक्त पानी अच्छी तरह निकालें

कपड़े धोने के बाद उनमें

जितना कम पानी रहेगा, वे उतनी जल्दी सूखेंगे।

यदि आपकी वॉशिंग मशीन में स्पिन मोड है, तो उसका उपयोग करें।

हाथ से धोए गए कपड़ों को भी अच्छी तरह निचोड़ें।

टिपः एक सूखे तौलिये में कपड़े लपेटकर हल्का दबाने से अतिरिक्त नमी जल्दी निकल जाती है।

कपड़ों के बीच पर्याप्त दूरी रखें

एक-दूसरे से चिपकाकर टांगे गए कपड़ों में हवा का प्रवाह कम होता है, जिससे वे देर से सूखते हैं।

क्या करें?

हर कपड़े के बीच थोड़ा गैप रखें।

मोटे कपड़ों के लिए मजबूत हैंगर का इस्तेमाल करें।

पंखा या एग्जॉस्ट फैन का इस्तेमाल करें

अगर धूप नहीं निकल रही है, तो कमरे में पंखा या एग्जॉस्ट फैन चलाकर हवा का अच्छा प्रवाह बनाए रखें। लगातार हवा मिलने से नमी तेजी से कम होती है।

नमी वाली जगह पर कपड़े न सुखाएं

बाथरूम या बंद कमरे में कपड़े सुखाने से वे देर से सूखते हैं और उनमें बदबू आने की संभावना बढ़ जाती है।

बेहतर विकल्प है कि खिड़की, बालकनी या ऐसी जगह जहां हवा का आवागमन अच्छा हो।

मोटे और पतले कपड़ों को अलग-अलग सुखाएं

जींस, तौलिया और कंबल जैसे मोटे कपड़े ज्यादा समय लेते हैं।

इन्हें हल्के कपड़ों से अलग सुखाएं ताकि हवा का प्रवाह बेहतर बना रहे।

बारिश में कपड़ों से बदबू रोकने के आसान उपाय

डिटर्जेंट की सही मात्रा का इस्तेमाल करें। अंतिम रिंस में थोड़ा सफेद सिरका मिलाने से कई मामलों में बदबू कम करने में मदद मिल सकती है। कपड़े पूरी तरह सूखने के बाद ही अलमारी में रखें। अलमारी में नमी सोखने वाले उत्पाद या सिलिका जेल पैक रख सकते हैं।

इन गलतियों से बचें

आधे सूखे कपड़े अलमारी में न रखें। गीले कपड़ों का ढेर न लगाएं। लगातार कई दिनों तक कपड़ों को बिना हवा के बंद जगह पर न छोड़ें। अत्यधिक गर्म आयरन सीधे बहुत गीले कपड़ों पर न करें।

इलेक्ट्रिक कार-बाइक चार्ज करते समय न करें ये गलतियां

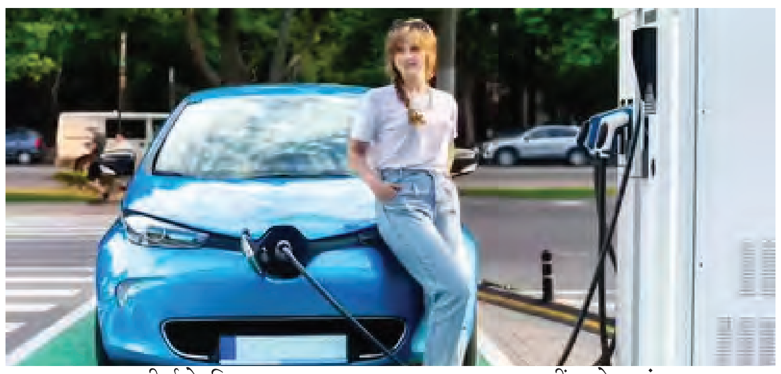

अगर आप भी ईलेक्ट्रिक बाइक या कार का इस्तेमाल करते हैं, तो आपके लिए कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी हो जाता है। वरना नोएडा के ममूरा स्थित सेक्टर-66 जैसा हादसा आपके वहां भी हो सकता है।

दरअसल, नोएडा के ममूरा स्थित सेक्टर-66 में एक इलेक्ट्रिक बाइक में स्पार्किंग होने से आग भड़कने की खबर है। इसलिए जरूरी हो जाता है कि अगर आपके पास इलेक्ट्रिक बाइक, स्कूटी या कार है, तो आपको चार्जिंग के दौरान कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए।

क्या हुआ ममूरा में?

मिली जानकारी के मुताबिक, नोएडा के मामूरा स्थित सेक्टर-66 में एक इलेक्ट्रिक बाइक में स्पार्किंग होने से आग भड़कने की खबर है

ये आग नोएडा के फेज-3 थाना क्षेत्र के मामूरा गांव में लगी है

आग इतनी भीषण थी कि तेजी से पूरे पांच मंजिला मकान में फैल गई

इससे लगभग 50 परिवार मकान के अंदर फंस गए और फायर विभाग ने तुरंत रेस्क्यू अभियान चलाया

पुलिस के मुताबिक, थाना फेस-3 क्षेत्रांतर्गत गली नं0 2 मामूरा में एक इमारत में इलेक्ट्रिक वाहन की बैटरी चार्ज पर लगे होने से उत्पन्न स्पार्क के कारण आसपास खड़े पेट्रोल वाहनों द्वारा आग पकड़ ली

ईवी चार्ज करते समय क्या गलतियां न करें?

पहली गलती

ये गलती न करें कि कार को चार्ज पर लगाकर आप कहीं चले जाएं

जहां पर चार्जिंग कर रहे हैं, वहां आप मौजूद रहें

इलेक्ट्रिक कार-बाइक चार्ज करते समय उसके अंदर न बैठें और न ही बच्चों को बैठने दें

दूसरी गलती

कई लोग घर पर गाड़ी को चार्ज करते समय एक्सटेंशन केबल या एक्सटेंशन बोर्ड का इस्तेमाल करते हैं

जबकि, कभी भी एक्सटेंशन केबल से चार्ज करने से बचना चाहिए क्योंकि इससे ज्यादा दबाव पड़ने से एक्सटेंशन केबल या बोर्ड गर्म हो सकता है और शॉर्ट सर्किट हो सकता है

तीसरी गलती

कोशिश करें कि 15ए का सॉकेट या वॉल बॉक्स लगवाकर ही ईवी कार-बाइक चार्ज करें

नॉर्मल स्विच या वायरिंग पर ईवी कार-बाइक चार्ज करने से बचें, क्योंकि ये दबाव नहीं झेल पाते हैं

अगर आप ऐसा करते हैं, तो शॉर्ट सर्किट हो सकता है

चौथी गलती

ईवी बाइक-कार को रात भर चार्ज पर लगाकर न छोड़ें

चार्जिंग का ध्यान रखें और जब चार्जिंग हो जाए, तो प्लग हटा दें और स्विच अच्छे से बंद करें

पानी वाली जगह पर चार्जिंग करने से भी बचें

पालक से लेकर भिंडी तक......बारिश में इन सब्जियों से बना लें दूरी

बारिश का मौसम जहां गर्मी से राहत देता है, वहीं यह अपने साथ कई तरह की स्वास्थ्य समस्याएं भी लेकर आता है। इस मौसम में नमी बढ़ने के कारण बैक्टीरिया, फंगस और कीटाणुओं के पनपने का खतरा ज्यादा रहता है। ऐसे में अगर खान-पान में थोड़ी भी लापरवाही बरती जाए तो पेट से जुड़ी परेशानियां, फूड इंफेक्शन और एलर्जी जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

ऐसे में खासकर सब्जियों का चुनाव करते समय सावधानी बरतना बेहद जरूरी है, क्योंकि मानसून में कुछ सब्जियों में गंदगी, कीड़े और संक्रमण का खतरा बढ़ सकता है। इसलिए जरूरी है कि आप जानें कि बारिश के मौसम में किन सब्जियों को खाने से बचना चाहिए और किन्हें अच्छी तरह साफ करके ही इस्तेमाल करना चाहिए। आइए जानते हैं मानसून में किन 10 सब्जियों से दूरी बनाना बेहतर हो सकता है।

पालक

बारिश के मौसम में पालक जैसी पत्तेदार सब्जियों में मिट्टी, छोटे कीड़े और बैक्टीरिया आसानी से छिप सकते हैं। इसलिए इसे कई बार पानी से धोकर और अच्छी तरह साफ करके ही खाना चाहिए।

मेथी

मेथी के पत्तों में मानसून के दौरान नमी के कारण गंदगी, मिट्टी और कीट लगने की संभावना बढ़ जाती है। इसे इस्तेमाल करने से पहले अच्छी तरह साफ करना और धोना जरूरी होता है।

फूलगोभी

बारिश के मौसम में फूलगोभी की परतों के बीच छोटे कीड़े और गंदगी छिप सकती है। इसे नमक वाले पानी में भिगोकर अच्छी तरह धोने के बाद ही पकाना बेहतर होता है।

परवल

बारिश के मौसम में खराब गुणवत्ता वाला परवल खाने से पाचन संबंधी समस्या हो सकती है। नमी के कारण इसमें बैक्टीरिया बढ़ने का खतरा रहता है, इसलिए ताजा और साफ परवल चुनें।

पत्तागोभी

पत्तागोभी में बारिश के दौरान नमी ज्यादा होने के कारण बैक्टीरिया और कीड़े पनप सकते हैं। हमेशा ताजी पत्तागोभी खरीदें और खराब या काली पत्तियों वाली सब्जी से बचें।

शिमला मिर्च

बारिश में शिमला मिर्च जल्दी खराब हो सकती है, खासकर अगर उसमें नरमपन या दाग दिखाई दें। हमेशा ताजी, चमकदार और बिना कटे हुए शिमला मिर्च का चुनाव करें।

मशरूम

मशरूम में प्राकृतिक रूप से नमी अधिक होती है, इसलिए बारिश के मौसम में इसके जल्दी खराब होने का खतरा बढ़ जाता है। हमेशा ताजा मशरूम लें और इसे अच्छी तरह पकाकर खाएं।

अरबी

अरबी और इसके पत्तों को सही तरीके से साफ करके और पूरी तरह पकाकर खाना चाहिए। अधपकी अरबी खाने से गले में खुजली, जलन या परेशानी हो सकती है।

बैंगन

मानसून के दिनों में बैंगन में कीड़े लगने की संभावना अधिक हो सकती है। खरीदते समय छेद, काले निशान या नरम बैंगन न लें और अच्छी तरह जांचकर ही इस्तेमाल करें।

भिंडी

बारिश के मौसम में भिंडी में नमी और चिपचिपापन बढ़ सकता है, जिससे यह जल्दी खराब हो जाती है। खरीदते समय ताजी, हरी और बिना दाग वाली भिंडी लें और धोकर पकाएं।

पेट खराब होने पर क्यों खानी चाहिए मूंग दाल?

पेट खराब होने पर डॉक्टर और घर के बड़े अक्सर मूंग दाल खाने की सलाह देते हैं लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि आखिर पेट की समस्या होने पर मूंग दाल को ही सबसे बेहतर विकल्प क्यों माना जाता है?

दरअसल, दस्त, अपच, गैस या पेट दर्द जैसी समस्याओं के दौरान शरीर को ऊर्जा और जरूरी पोषण की आवश्यकता होती है, जिसे मूंग दाल आसानी से पूरा करने में मदद कर सकती है। इसके साथ-साथ मूंग दाल कमजोर पाचन तंत्र पर अतिरिक्त दबाव नहीं डालती।

पेट खराब होने पर मूंग दाल क्यों खानी चाहिए?

आसानी से पच जाती है

मूंग दाल को सबसे हल्की दालों में से एक माना जाता है। इसमें मौजूद प्रोटीन और कार्बोहाइड्रेट शरीर द्वारा अपेक्षाकृत आसानी से पचाए जा सकते हैं। जब पेट खराब होता है, तब पाचन तंत्र पहले से ही संवेदनशील होता है। ऐसे में भारी या अधिक मसालेदार भोजन करने से समस्या बढ़ सकती है। मूंग दाल पेट पर अतिरिक्त दबाव नहीं डालती और पाचन प्रक्रिया को अपेक्षाकृत सहज बनाए रखने में मदद करती है। यही वजह है कि डॉक्टर और डाइट एक्सपर्ट भी पेट संबंधी समस्याओं के दौरान सादी मूंग दाल या मूंग दाल की खिचड़ी खाने की सलाह देते हैं।

प्रोटीन का अच्छा स्रोत

दस्त, उल्टी या लंबे समय तक पेट खराब रहने पर शरीर में कमजोरी महसूस हो सकती है। ऐसे समय में शरीर को रिकवरी के लिए प्रोटीन की जरूरत होती है। मूंग दाल पौधों से मिलने वाले प्रोटीन का अच्छा स्रोत है, जो शरीर की कोशिकाओं की मरम्मत और मांसपेशियों को ऊर्जा देने में मदद करता है। इसके साथ ही इसमें फोलेट, मैग्नीशियम, पोटैशियम और आयरन जैसे पोषक तत्व भी पाए जाते हैं, जो शरीर को आवश्यक पोषण प्रदान करते हैं। कम मसालों में बनी मूंग दाल पोषण और पाचन, दोनों के लिहाज से अच्छा विकल्प मानी जाती है।

पेट को आराम देती है

पेट खराब होने पर सादा और हल्का भोजन करना सबसे बेहतर माना जाता है। मूंग दाल की पतली दाल या मूंग दाल की खिचड़ी न केवल आसानी से पचती है,

बल्कि पेट को आराम भी पहुंचाती है। इसमें अधिक तेल और मसाले न होने के कारण पाचन तंत्र पर अतिरिक्त दबाव नहीं पड़ता। यदि इसे चावल के साथ खिचड़ी के रूप में बनाया जाए, तो यह शरीर को ऊर्जा देने के साथ-साथ आवश्यक पोषक तत्व भी उपलब्ध कराती है। यही कारण है कि बीमारी के दौरान रिकवरी डाइट में मूंग दाल को अक्सर शामिल किया जाता है।

गैस और अपच की संभावना कम

चना, राजमा, छोले या उड़द दाल जैसी कुछ दालें कई लोगों में गैस और पेट फूलने की समस्या बढ़ा सकती हैं। इसके मुकाबले मूंग दाल अपेक्षाकृत हल्की मानी जाती है और इससे गैस बनने की संभावना कम होती है, खासकर जब इसे अच्छी तरह पकाकर कम मसालों के साथ खाया जाए। पेट खराब होने के दौरान गैस और अपच की समस्या से बचना जरूरी होता है, इसलिए मूंग दाल एक बेहतर विकल्प मानी जाती है।

मूंग दाल कैसे खाएं?

सादी मूंग दाल की खिचड़ी

कम मसालों वाली पतली मूंग दाल

उबले चावल के साथ मूंग दाल

कम तेल और बिना तीखे मसालों के

इन बातों का रखें ध्यान

ज्यादा तेल और मसालों का इस्तेमाल न करें

पर्याप्त पानी और ORS लेते रहें

बाहर का खाना और तली-भुनी चीजों से बचें

अगर दस्त या उल्टी लंबे समय तक बनी रहे तो डॉक्टर से संपर्क करें

फिट रहना है तो डाइट में शामिल करें ये दो सस्ती चीजें

आज के समय में फिट और एनर्जेटिक रहने के लिए लोग महंगे सुपरफूड्स और सप्लीमेंट्स का सहारा लेते हैं, लेकिन भारतीय रसोई में मौजूद कुछ पारंपरिक खाद्य पदार्थ भी सेहत के लिए किसी सुपरफूड से कम नहीं हैं। इन्हीं में से एक है गुड़ और चना का संयोजन, जिसे लंबे समय से पौष्टिक और ऊर्जा बढ़ाने वाला आहार माना जाता है।

गुड़ में आयरन, कैल्शियम, पोटैशियम और प्राकृतिक शर्करा होती है, जबकि चना प्रोटीन, फाइबर और कई जरूरी मिनरल्स का अच्छा स्रोत है। इन दोनों का एक साथ सेवन शरीर को तुरंत ऊर्जा देने के साथ-साथ मांसपेशियों की मजबूती, बेहतर पाचन और लंबे समय तक पेट भरा रखने में भी मदद कर सकता है।

यही वजह है कि कई लोग इसे सुबह के नाश्ते या शाम के हेल्दी स्नैक के रूप में खाते हैं। आइए जानते हैं कि गुड़ और चना एक साथ खाने से शरीर को क्या-क्या फायदे मिल सकते हैं।

शरीर को तुरंत ऊर्जा मिलती है

गुड़ प्राकृतिक कार्बोहाइड्रेट का अच्छा स्रोत माना जाता है, जो शरीर को जल्दी ऊर्जा प्रदान करने में मदद कर सकता है। वहीं, भुना हुआ चना प्रोटीन और कॉम्प्लेक्स कार्बोहाइड्रेट से भरपूर होता है, जिससे ऊर्जा लंबे समय तक बनी रह सकती है। यही कारण है कि गुड़ और चना का सेवन खेतों में काम करने वाले लोग, खिलाड़ी और शारीरिक मेहनत करने वाले लोग लंबे समय से करते आ रहे हैं।

प्रोटीन और आयरन का अच्छा स्रोत

चना में पर्याप्त मात्रा में प्रोटीन पाया जाता है, जो मांसपेशियों की मरम्मत और विकास में अहम भूमिका निभाता है। दूसरी ओर, गुड़ में आयरन होता है, जो शरीर में हीमोग्लोबिन के निर्माण में योगदान देता है। संतुलित आहार के हिस्से के रूप में इन दोनों का सेवन शरीर को आवश्यक पोषक तत्व उपलब्ध कराने में मदद कर

सकता है। हालांकि, आयरन की कमी का इलाज केवल गुड़ से नहीं किया जा सकता, इसके लिए डॉक्टर की सलाह जरूरी होती है।

पाचन तंत्र को बेहतर बनाने में मदद

भुना हुआ चना फाइबर से भरपूर होता है, जो पाचन को बेहतर बनाए रखने और कब्ज की समस्या को कम करने में सहायक हो सकता है। गुड़ का सेवन भोजन के बाद सीमित मात्रा में करने की परंपरा भी रही है। पर्याप्त पानी के साथ इनका सेवन करने से पाचन तंत्र को बेहतर तरीके से काम करने में मदद मिल सकती है।

मांसपेशियों को मजबूती देने में सहायक

अगर आप नियमित रूप से व्यायाम करते हैं या शारीरिक मेहनत करते हैं, तो गुड़ और चना एक अच्छा हेल्दी स्नैक हो सकता है। चना में मौजूद प्रोटीन मांसपेशियों के रखरखाव में मदद करता है, जबकि गुड़ शरीर को तुरंत ऊर्जा देने का काम करता है। यह संयोजन वर्कआउट से पहले या बाद में सीमित मात्रा में लिया जा सकता है।

लंबे समय तक पेट भरा महसूस होता है

चना में मौजूद फाइबर और प्रोटीन पेट को लंबे समय तक भरा हुआ महसूस कराने में मदद करते हैं। इससे बार-बार भूख लगने की समस्या कम हो सकती है और अनहेल्दी स्नैक्स खाने की इच्छा भी घट सकती है। यदि इसे संतुलित मात्रा में खाया जाए, तो यह वजन प्रबंधन की योजना का भी हिस्सा बन सकता है।

गुड़ और चना खाने का सही तरीका

विशेषज्ञों के अनुसार, सुबह के नाश्ते के बाद या शाम के समय एक मुट्ठी भुना चना और 15–20 ग्राम गुड़ का सेवन किया जा सकता है। हालांकि, डायबिटीज, मोटापा या किसी अन्य स्वास्थ्य समस्या से जूझ रहे लोगों को इसे नियमित रूप से खाने से पहले डॉक्टर या डाइटिशियन की सलाह लेनी चाहिए।

राघव जुयाल संग डेटिंग की अफवाहों पर शहनाज गिल ने तोड़ी चुप्पी

हाल ही में शहनाज गिल और राघव जुयाल का एक वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुआ था, जिसके बाद दोनों के अफेयर की चर्चाएं तेज हो गई थीं। अब शहनाज ने इन अफवाहों पर अपनी प्रतिक्रिया दी है।

पर्सनल लाइफ पर बात करने से किया इनकार

एक इंटरव्यू के दौरान जब शहनाज से राघव जुयाल के साथ उनके रिश्ते को लेकर सवाल पूछा गया, तो उन्होंने अपनी निजी जिंदगी पर बात करने से साफ मना कर दिया। उन्होंने कहा, 'प्लीज मुझसे पर्सनल सवाल मत पूछिए।' शहनाज ने राघव को अपना बेहद करीबी और अच्छा दोस्त बताया। उन्होंने अफेयर की खबरों पर ध्यान न देते हुए बातचीत का रुख राघव के काम की तरफ मोड़ दिया।

फैंस से की फिल्म देखने की अपील

शहनाज ने राघव की आने वाली फिल्म 'भाई तेरा स्टार है' को सपोर्ट करने की अपील की है। उन्होंने राघव की तारीफ करते हुए कहा, राघव पहली बार किसी फिल्म में बतौर मुख्य अभिनेता नजर आने वाले हैं। उनका कोई फिल्मी बैकग्राउंड नहीं है, उन्होंने आज जो भी मुकाम हासिल किया है वह सिर्फ अपनी मेहनत और टैलेंट के दम पर किया है। इसलिए, सभी लोग सिनेमाघरों में जाकर उनकी फिल्म 'भाई तेरा स्टार है' को जरूर देखें और उन्हें पूरा सपोर्ट करें।

कब रिलीज होगी 'भाई तेरा स्टार है'

फिल्म 'भाई तेरा स्टार है' दुनिया भर के सिनेमाघरों में 30 जुलाई 2026 को रिलीज होगी। इस फिल्म का निर्देशन विवेक बी. अग्रवाल ने किया है।

यह एक कॉमेडी फिल्म है। इस फिल्म में राघव जुयाल मुख्य भूमिका (अजय सिंह) में नजर आएंगे, साथ ही संजय कपूर और निहारिका एनएम भी प्रमुख किरदारों में हैं।

'मैंने कई स्लो-मोशन जंप किए हैं', प्रियंका चोपड़ा ने की राजामौली की तारीफ; 'वाराणसी' की शूटिंग पर कही ये बात

ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा जल्द ही फिल्म 'वाराणसी' में नजर आने वाली हैं। इस फिल्म का निर्देशन एसएस राजामौली कर रहे हैं। प्रियंका ने उनकी जमकर तारीफ की है। इस फिल्म के साथ प्रियंका भारतीय सिनेमा में वापसी कर रही हैं। यह फिल्म अगले साल अप्रैल में सिनेमाघरों में रिलीज होगी। हाल ही में एक्ट्रेस ने राजामौली के साथ काम करने के अनुभव के बारे में बात की है।

प्रियंका ने की राजामौली की तारीफ

प्रियंका ने कहा 'मैं इस पर (वाराणसी) लगभग 14 महीनों से काम कर रही हूं। एसएस राजामौली फिल्में बनाने में ज्यादा समय लेने के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने मुझे इस फिल्म के लिए बुलाया और यह दुनिया भर और समय के साथ एक जबरदस्त एडवेंचर है। इसमें थोड़ा समय लगा है लेकिन मैं इसे लेकर बहुत उत्साहित हूं। मैं इसमें कई शानदार स्लो-मोशन जंप करती हूं।'

किसी के पास ऐसा विजन नहीं है

हाल ही में वैरायटी से बातचीत में प्रियंका ने कहा 'यह उन सभी फिल्मों से अलग है, जो मैंने अब तक की हैं। हम अंटार्कटिका की यात्रा करते हैं। राजामौली जो दुनिया बनाते हैं वह बहुत भव्य होती हैं। किसी के पास भी वैसा विजन नहीं है, जैसा राजामौली के पास है। इसलिए मैं भी और देखने के लिए उत्साहित हूं।'

फिल्म में डांस करना चाहती थीं प्रियंका

प्रियंका ने बताया कि फिल्म साइन करने से पहले उन्होंने निर्देशक से क्या कहा था। उन्होंने कहा 'मैंने कहा, 'सुनिए, मैं इंडियन फिल्मों में वापस आ रही हूं। मुझे एक डांस सॉन्ग करना है। मतलब आपको मुझसे डांस करवाना ही होगा।'

कब पूरी होगी शूटिंग?

राजामौली ने हाल ही में बताया कि फिल्म के मुख्य एक्शन सीन पहले ही पूरे हो चुके हैं और अक्तूबर तक शूटिंग पूरी होने की उम्मीद है। यह फिल्म अप्रैल 2027 में सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

इसमें प्रियंका चोपड़ा के साथ महेश बाबू और पृथ्वीराज सुकुमारन अहम किरदार में होंगे।

साउथ अभिनेता थलपति विजय की आगामी फिल्म 'जन नायकन' की रिलीज का इंतजार अब खत्म हुआ। फिल्म निर्माताओं ने आज सोशल मीडिया पर विजय की फिल्म 'जन नायकन' का एक खास पोस्टर साझा किया और साथ ही रिलीज डेट से पर्दा भी उठाया।

कब रिलीज होगी 'जन नायकन'

आज 'जन नायकन' के निर्माताओं ने विजय की फिल्म की रिलीज की घोषणा कर दी है। यह फिल्म 23 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस खुशखबरी से विजय के फैंस बेहद खुश हैं और साथ ही फिल्म के लिए काफी उत्साहित भी हैं।

पहले यह फिल्म 9 जनवरी को रिलीज होनी थी, लेकिन तमिलनाडु विधानसभा चुनावों और सीबीएफसी से सर्टिफिकेट ना मिलने के चलते इसकी रिलीज डेट टलती गई। बहरहाल, अब विजय तमिलनाडू के मुख्यमंत्री बन चुके हैं। अब उनकी यह फिल्म 23 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

पोस्टर में विजय का लुक

आज फिल्म 'जन नायकन' के निर्माताओं ने आखिरकार इसकी रिलीज डेट की घोषणा के साथ एक खास पोस्टर भी साझा किया है। इस पोस्टर में विजय पुलिस वर्दी में स्टाइलिश अंदाज में नजर आ रहे हैं। इस पोस्टर में विजय के हाथ में एक पुलिसकर्मी की तरह बंदूक नहीं बल्कि तलवार नजर आ रही है, जो हर किसी का ध्यान अपनी ओर खींच रही है।

'जन नायकन' की स्टार कास्ट

सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन ने 'जन नायकन' को 'A' सर्टिफिकेट दिया है। इसकी अवधि 3 घंटे 3 मिनट बताई जा रही है। 'जन नायकन' में थलपति विजय, पूजा हेगड़े, बॉबी देओल और ममिता बैजू मुख्य भूमिकाओं में हैं। इस फिल्म का निर्देशन एच. विनोथ ने किया है। यह अभिनेता के रूप में थलपति विजय की आखिरी फिल्म हो सकती है।

अनुराधा पौडवाल ने राम मंदिर डोनेशन स्कैम को लेकर की गई टिप्पणी पर दी प्रतिक्रिया

नेशनल अवॉर्ड जीतने वाली गायिका अनुराधा पौडवाल ने राम मंदिर की चोरी मामले पर दुख जताया था, ऐसा करने वालों पर काफी कुछ कहा था। साथ ही देश के विश्वगुरु बनने वाली बात पर शंका प्रकट की थी। उनकी कही इन बातों को लेकर विवाद खड़ा हो गया। जिसे लेकर अनुराधा पौडवाल ने चुप्पी तोड़ी है और सोशल मीडिया के जरिए इस पूरे मामले पर स्पष्ट तौर पर अपनी प्रतिक्रिया सामने रखी है।

गायिका ने अपनी राय देनी की आजादी पर बात की

बुधवार को साझा की गई एक इंस्टाग्राम पोस्ट में अनुराधा पौडवाल लिखती हैं, 'मेरे सभी परिवार, दोस्तों और फैंस को नमस्कार। मेरे काम के लिए आपने जो प्यार और सम्मान दिया है, मैं उसकी सराहना करती हूं। मैं भी अपने देश और उसके नेतृत्व से प्यार करती हूं और उनका सम्मान करती हूं। मैं के अलावा हर नागरिक यह समझता है कि दुनिया में आगे बढ़ने और नेतृत्व करने के लिए हमें शिक्षित होना होगा। मैं हमेशा इस बात का समर्थन करूंगी। लेकिन इस देश में हम सभी को सम्मानपूर्वक अपनी राय रखने की आजादी है।'

वह पोस्ट में आगे लिखती हैं, 'मुझे बहुत बुरा लगता है जब किसी बातचीत को संदर्भ से हटाकर सनसनीखेज बनाया जाता है। उसका गलत मतलब निकाला जाता है। मैं ऐसे वीडियो का समर्थन नहीं करती और लोगों से अनुरोध करती हूं कि वे ऐसे क्रिएटर्स को बढ़ावा न दें। कृपया ध्यान दें कि यह कोई सफाई नहीं है। लेकिन किसी को भी अपनी सुविधा के लिए बातचीत को संदर्भ से हटकर इस्तेमाल करने की इजाजत नहीं है।'

भारतीय टीम को चीयर करती हुई कृति सेनन कबीर बहिया के साथ आई नजर; रिश्ते को लेकर फैंस ने लगाई अटकलें

अभिनेत्री कृति सेनन अपनी नई फिल्म 'कॉकटेल 2' को लेकर चर्चा में हैं। इस बीच वह मंगलवार को बर्मिंघम में भारत और इंग्लैंड के बीच हुए वनडे मैच को देखने के लिए पहुंचीं। वहां उन्हें उनके कथित बॉयफ्रेंड कबीर बहिया के साथ मैच का आनंद लेते हुए देखा गया। स्टैंड्स से उनकी तस्वीरें वायरल हुईं हैं। उनके कथित रिश्ते पर फिर से चर्चा शुरू हो गई।

बर्मिंघम में साथ दिखीं कृति और कबीर

बर्मिंघम में साथ दिखने से कृति और कबीर के बारे में महीनों से चल रही अटकलों को और हवा मिली है। कबीर ने वेन्यू से कुछ तस्वीरें अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर शेयर कीं। इन तस्वीरों में वह कृति और उनके एक दोस्त के साथ स्टेडियम में पोज देते हुए नजर आए। कृति ने भी मैच की कुछ झलकियां अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर पोस्ट कीं।

फैंस ने शेयर कीं तस्वीरें

इन पोस्ट्स के सामने आने के तुरंत बाद, एजबेस्टन के स्टैंड्स से कृति की और तस्वीरें एक्स पर वायरल होने लगीं। वनडे मैच के लिए स्टेडियम में मौजूद कई क्रिकेट फैंस में कृति भी शामिल थीं, मगर कबीर के साथ उनकी मौजूदगी ऑनलाइन चर्चा का विषय बन गई।

कृति और कबीर के रिश्ते को लेकर फैली अफवाहें

कृति और कबीर के बारे में अफवाहों ने तब जोर पकड़ा जब एक्ट्रेस ने अपना 34वां जन्मदिन मनाया। तब से, उनके कथित रिश्ते को लेकर खबरें और अटकलें लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। कबीर, कृति की बहन नूपुर सेनन और सिंगर स्टेबिन बेन की शादी में भी शामिल हुए थे।

ब्रेकअप की फैली अफवाहें

हाल ही में ब्रेकअप की अफवाहें फैलने के बाद कृति की पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा और बढ़ गई थी। ये अटकलें कबीर की एक अनजान महिला के साथ वायरल हुई तस्वीर के बाद शुरू हुई थीं।

बाद में कृति ने कबीर के साथ कुछ तस्वीरें शेयर कीं, जिसे उन अफवाहों को खत्म करने के तौर पर देखा गया। आपको बता दें कि दोनों में से किसी ने भी अपने रिश्ते के स्टेटस पर सार्वजनिक रूप से कोई टिप्पणी नहीं की है।

तलाक के 12 साल बाद फिर दुल्हन बन सकती हैं जेनिफर विंगेट? आज यूके में होगी शादी ?

जेनिफर विंगेट अपनी पर्सनल लाइफ में एक नया अध्याय शुरू करने जा रही हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक एक्ट्रेस गुरुवार को यूनाइटेड किंगडम में एक प्राइवेट सेरेमनी में विलियम इश्माएल के साथ शादी करेंगी। बताया जाता है कि यह एक प्राइवेट इवेंट होगा जिसमें सिर्फ परिवार के सदस्य और करीबी दोस्त ही शामिल होंगे।

विलियम इश्माएल कर रही थीं डेट

जेनिफर विंगेट कल यानी गुरुवार को यूनाइटेड किंगडम में विलियम इश्माएल के साथ शादी करेंगे। काफी समय से जेनिफर और विलियम इश्माएल के डेटिंग की खबरें आ रही थीं।

करण सिंह ग्रोवर से अलग हुईं अभिनेत्री

जेनिफर विंगेट की पर्सनल लाइफ अक्सर चर्चा में रही है। एक्ट्रेस ने कुछ साल तक डेटिंग करने के बाद 9 अप्रैल, 2012 को अपने 'दिल मिल गए' के को-स्टार करण सिंह ग्रोवर से शादी की थी। हालांकि, उनकी शादी दो साल के अंदर ही खत्म हो गई और 2014 में वे अलग हो गए।

मोस्ट पावरफुल वुमन में स्मृति ईरानी और आलिया का नाम शामिल, जानें फॉर्च्यून इंडिया की लिस्ट में कौन है अव्वल?

अभिनेत्री ने किया करियर पर फोकस

इसके बाद से जेनिफर अपने करियर पर फोकस कर रही हैं। अपनी पर्सनल लाइफ के बारे में बात करने से काफी हद तक दूर रही हैं।

इन वर्षों में जेनिफर ने कई शो में काम किया है। इनमें 'कसौटी जिंदगी की', 'सरस्वतीचंद्र', 'बेहद', 'बेपनाह' और 'दिल मिल गए' शामिल हैं। उन्हें 'बेहद' में माया मेहरोत्रा के रोल को काफी तारीफ मिली।

जेनिफर विंगेट का वर्कफ्रंट

जेनिफर ने 'कोड एम' और 'रायसिंघानी वर्सेस रायसिंघानी' जैसे प्रोजेक्ट्स के साथ ओटीटी स्पेस में कदम रखा है। उन्होंने एक बहुमुखी कलाकार के तौर पर अपनी पहचान और मजबूत की है। वह जल्द ही परिणीति चोपड़ा के साथ 'तलाशः अ मदर्स सर्च' नाम के एक और डिजिटल प्रोजेक्ट में नजर आएंगी।

रानी मुखर्जी को मिलेगा प्रतिष्ठित मानद डॉक्टरेट सम्मान, आईएफएफएम 2026 में होंगी सम्मानित

बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री रानी मुखर्जी के लिए एक बड़ी खुशखबरी है। भारतीय सिनेमा में रानी के शानदार योगदान और सामाजिक कार्यों के लिए उन्हें मानद डॉक्टरेट की उपाधि से सम्मानित किया जाएगा। ऑस्ट्रेलिया की ला ट्रोब यूनिवर्सिटी उन्हें 'डॉक्टर ऑफ लेटर्स' की मानद डिग्री देगी।

कब और कहां मिलेगा यह सम्मान?

यह सम्मान रानी को 14 अगस्त 2026 को मेलबर्न (ऑस्ट्रेलिया) के फेडरेशन स्क्वायर में एक खास समारोह के दौरान दिया जाएगा। यह समारोह इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न 2026 का हिस्सा होगा, जो 13 से 23 अगस्त 2026 तक आयोजित किया जा रहा है।

क्यों चुना गया रानी मुखर्जी को?

रानी मुखर्जी को यह सम्मान दो मुख्य वजहों से दिया जा रहा है। रानी को यह सम्मान सिनेमा में तीन दशकों का सफर तय करने के लिए और सामाजिक कार्य के लिए दिया जाएगा।

रानी ने 'ब्लैक', 'हिचकी', 'मर्दानी' और 'मिसेज चटर्जी वर्सेस नॉर्वे' जैसी बेहतरीन फिल्मों में काम किया है। इन फिल्मों के जरिए उन्होंने महिलाओं के अधिकारों, मानसिक और सामाजिक बदलाव जैसे जरूरी मुद्दों को उठाया है। फिल्मों के अलावा, वे बच्चों की सेहत, पढ़ाई और गरीब व कमजोर वर्गों की मदद के लिए हमेशा आगे रही हैं।

सम्मान मिलने की खुशी में रानी मुखर्जी ने क्या कहा?

इस सम्मान पर खुशी जताते हुए रानी मुखर्जी ने कहा, 'ला ट्रोब यूनिवर्सिटी से यह सम्मान पाना मेरे लिए बहुत गर्व की बात है। सिनेमा मेरे जीवन का सबसे बड़ा गुरु रहा है और मुझे हमेशा से ऐसी कहानियों का हिस्सा बनने का मौका मिला, जो हिम्मत और बदलाव की बात करती हैं।'

रानी ने आगे कहा, 'मैं इस खास सम्मान को अपनी मातृभूमि भारत और दुनिया भर के अपने उन फैंस को समर्पित करती हूं, जिनके प्यार ने मुझे यहां तक पहुंचाया है।'

क्यों आग-बबूला हुईं 'जेलर 2' की अभिनेत्री अन्ना राजन? पुलिस से की दखल देने की अपील

मलयालम एक्ट्रेस अन्ना राजन ने सोशल मीडिया पर अपनी मॉर्फ्ड (बदली हुई) तस्वीरों के शेयर किए जाने पर चिंता जताई है। 'जेलर 2' की एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम पर एक ऐसे ही एडिट किए गए फोटो का स्क्रीनशॉट शेयर किया। इसे किसी और हैंडल से पोस्ट किया गया था। उन्होंने अपनी तस्वीरों के गलत इस्तेमाल की निंदा की।

नाराज हुईं अन्ना राजन

अन्ना ने इंस्टाग्राम पर यह खबर शेयर की और बताया कि उनकी एक तस्वीर को एडिट करके उसे बदनाम करने के मकसद से इस्तेमाल किया गया। उन्होंने लिखा 'इस तस्वीर को बुरी नीयत से एडिट किया गया है और मेरी बेइज्जती करने के लिए अश्लील और अपमानजनक तरीके से पोस्ट किया गया है। यह शर्मनाक, अस्वीकार्य और मेरी प्राइवेसी और सम्मान का उल्लंघन है।'

कानूनी कार्रवाई की जाएगी

उन्होंने लिखा 'मैं आधिकारिक तौर पर इंस्टाग्राम पर इस अकाउंट की रिपोर्ट कर रही हूं और कानून के तहत पुलिस में शिकायत दर्ज कराऊंगी। जो कोई भी इस एडिट किए गए कंटेंट को बनाने या शेयर करने के लिए जिम्मेदार है, उसे जवाबदेह ठहराया जाएगा। कानूनी कार्रवाई की जाएगी और मैं तब तक इस मामले को आगे बढ़ाएंगे जब तक न्याय नहीं मिल जाता।'

पुलिस से की कार्रवाई करने की गुजारिश

उन्होंने आगे लिखा 'कृपया ऐसे अपमानजनक कंटेंट का समर्थन या उसे शेयर न करें। इस अकाउंट ने मेरी एक बुरी तरह से एडिट की गई और बदनामी करने वाली तस्वीर पोस्ट की है। मैं केरल पुलिस और साइबर क्राइम से तुरंत कार्रवाई करने का अनुरोध करती हूं। मैंने सबूत सुरक्षित रख लिए हैं और मैं पुलिस में आधिकारिक शिकायत दर्ज कराऊंगी।'

अन्ना राजन का वर्कफ्रंट

अन्ना राजन मलयालम फिल्म 'अंगमाली डायरीज' से एक्टिंग की शुरुआत की थी। अब वह रजनीकांत की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'जेलर 2' से तमिल फिल्मों में डेब्यू करने की तैयारी कर रही हैं।

'वतन या कफन', पीओके में पाकिस्तानी हुकूमत के खिलाफ आर-पार की जंग

जेएएसी नेता ने अलग देश बनाने का किया ऐलान

इस्लामाबाद, 15 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में पाकिस्तानी सरकार के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया जा रहा है। जॉइंट अवामी एक्शन कमिटी (जेएएसी) के नेता सरदार अमन कश्मीरी ने एक जनसभा में एक आजाद वतन की अपनी मांग को फिर से दोहराया। मुजफ्फराबाद तक प्रस्तावित मार्च से पहले समर्थकों को संबोधित करते हुए अमन कश्मीरी ने कहा कि यह आंदोलन 'हर हाल में' जारी रहेगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि उनकी मुख्य मांग 'अपने वतन' की है।

उन्होंने कहा 'हम अपना देश चाहते हैं। हर किसी को अपनी मातृभूमि, अपने अधिकार और अपनी सरकार का हक है। हमारे अधिकार हमें सौंप दें।'

जेएएसी नेता ने यह भी दावा किया कि आंदोलन के सदस्यों को धमकियां दी गई हैं जिनमें उनकी जान के बदले इनाम की बात भी शामिल है। उन्होंने कहा

'वे हमें डराने की कोशिश करते हैं। वे कहते हैं कि हमारे सिर पर इनाम रखा गया है और वे हमें बख्शेंगे नहीं। हम अपनी जान हथेली पर रखकर यहां आए हैं।'

पीओके में पाकिस्तानी सेना के खिलाफ 'आर-पार' की लड़ाई का ऐलान

आंदोलन के समर्थकों का जिक्र करते हुए अमन कश्मीरी ने कहा कि इस मुहिम को जनता का समर्थन मिला है। उन्होंने कहा 'हमें माताओं, बच्चों और हमारी आने वाली पीढ़ियों की दुआएं हासिल हैं। यह हमारा संघर्ष है।' इसके अलावा उन्होंने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के मुख्यधारा के राजनीतिक नेताओं की भी आलोचना की और उन पर लोगों की उम्मीदों को पूरा न कर पाने का आरोप लगाया।

उन्होंने कहा 'संघर्ष आपकी किस्मत में नहीं था बल्कि चापलूसी आपकी किस्मत में लिखी थी।' उन्होंने आरोप लगाया कि स्थानीय नेताओं ने पाकिस्तान के सैन्य तंत्र से हाथ मिला रखा है।

प्रदर्शनों में परिवारों की भागीदारी का जिक्र करते हुए अमन कश्मीरी ने कहा कि रैली में बच्चों ने हाथों में जो हेडबैंड पहन रखा है वो इस आंदोलन की अपनी जमीन की मांग का प्रतीक है। उन्होंने कहा 'बच्चों ने जो बैंड बांधे हैं वे हमारी इसी मांग को दर्शाते हैं।'

जेएसी नेता ने व्यापारियों, ट्रांसपोर्टरों और अन्य समर्थकों का आंदोलन में उनके अहम योगदान के लिए धन्यवाद किया और पिछले छह हफ्तों से विरोध-प्रदर्शन जारी रखने के लिए इसमें शामिल लोगों की तारीफ की।

पीओके में क्यों प्रदर्शन हो रहा है?

आपको बता दें कि पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में विरोध प्रदर्शनों की आग बहुत तेजी से भड़की है। वहां की जनता 'जॉइंट आवामी एक्शन कमेटी' (जेएएसी) के नेतृत्व में बड़े पैमाने पर सड़कों पर उतर आई है और मुजफ्फराबाद, रावलकोट जैसे प्रमुख शहरों में हिंसक झड़पें हो रही हैं।

इस आंदोलन की सबसे बड़ी और तात्कालिक वजह पीओके विधानसभा में 12 सीटों का शरणार्थियों के लिए आरक्षित होना है। ये सीटें उन लोगों के लिए हैं जो दशकों पहले भारत-प्रशासित कश्मीर से विस्थापित होकर पाकिस्तान के अन्य हिस्सों जैसे पंजाब या सिंध में बस गए थे। पीओके के स्थानीय लोगों का आरोप है कि इन 12 सीटों के जरिए पाकिस्तान सरकार पीओके की राजनीति और सरकार में सीधा दखल देती है जिससे स्थानीय नागरिकों की राजनीतिक आवाज कमजोर हो जाती है।

हाल ही में कोर्ट ने इन सीटों को बरकरार रखने का फैसला दिया है जिसके बाद लोग भड़क उठे और इन सीटों को खत्म करने की मांग कर रहे हैं।

महादेव सट्टा, कारोबारी विकास गर्ग रायपुर कोर्ट में पेश

भूपेश बोले– सिंडिकेट में भाजपा के लोग शामिल इसलिए केंद्र सरकार ऐप बंद नहीं कर रही

रायपुर, 15 जुलाई (एजेंसियां)। महादेव ऑनलाइन सट्टा केस में आरोपी कारोबारी विकास गर्ग को रायपुर कोर्ट में पेश किया गया। 14 जुलाई को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दिल्ली से उसे गिरफ्तार किया था। दिल्ली की तीस हजारी कोर्ट ने विकास गर्ग को 24 घंटे की ट्रांजिट रिमांड पर ईडी को सौंपा, जिसके बाद कोर्ट में पेश कर कस्टोडियल रिमांड की मांग की गई। ईडी अब विकास गर्ग से महादेव बेटिंग ऐप से जुड़े कथित मनी लॉन्ड्रिंग नेटवर्क, वित्तीय लेनदेन और अन्य आरोपियों के संबंध में पूछताछ करेगी। बता दें कि पिछले दिनों ईडी ने विकास गर्ग की 940 करोड़ की प्रॉपर्टी जब्त की थी।

वहीं, पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने आरोप लगाया कि विकास गर्ग भाजपा आर्थिक प्रकोष्ठ दिल्ली इकाई के चेयरमैन हैं। उन्होंने

कहा कि महादेव सट्टा ऐप को बंद करने का अधिकार केंद्र सरकार को है, लेकिन उन्हीं के पार्टी के लोग इसमें शामिल हैं, इसलिए कोई कार्रवाई नहीं हो रही है।

भूपेश बघेल ने कहा कि पीएमओ में नवनीत सहगल, हीरेन जोशी बड़े ताकतवर अधिकारी हुआ करते थे, जिनके व्हाट्सऐप मैसेज से हेडलाइन तय होती थी। उनकी भी जांच होनी चाहिए। बघेल ने कहा कि जब हमारी सरकार थी, तब हमने लुक आउट सर्कुलर जारी करने का आग्रह किया था। आज डबल इंजन की सरकार है। ऐसा क्या कारण है कि महादेव सट्टा मामले में भारत सरकार कार्रवाई नहीं कर रही? मामले को कितना भी दबाया जाए, विकास गर्ग जैसे लोग पकड़े गए हैं। बदनाम करने के लिए मुझ पर 508 करोड़ रुपए के घपले का आरोप लगाया गया। छवि खराब कर वे निकल गए, लेकिन जब तार खुलते हैं, तब पता चलता है कि ये उन्हीं के लोग हैं। इस मामले में भाजपा कनेक्शन का आरोप लगाते हुए कांग्रेस ने निशाना साधा है। फेसबुक पेज पर कांग्रेस ने पोस्ट कर लिखा कि जिस मामले को लेकर भाजपा लंबे समय से कांग्रेस पर आरोप लगाती रही है, उसी मामले में ईडी ने दिल्ली भाजपा आर्थिक प्रकोष्ठ से जुड़े विकास गर्ग को गिरफ्तार किया है।

कार खड़ी करने के विवाद में युवक की मौत

शव रखकर 5 घंटे जाम, परिजनों ने पुलिस पर लगाया गंभीर आरोप

बदायूं, 15 जुलाई (एजेंसियां)। बदायूं में जरीफनगर थाना क्षेत्र के कादरनगर उर्फ कादरचौक में कार खड़ी करने के विवाद में घायल युवक हरिओम की मौत के बाद मंगलवार को माहौल तनावपूर्ण हो गया। पोस्टमार्टम के बाद परिजनों ने नाधा पुलिस चौकी के सामने शव रखकर करीब पांच घंटों से ज्यादा समय तक जाम लगाया और बाकी आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग पर अड़ गए। मृतक पक्ष ने पुलिस पर लाठीचार्ज और लापरवाही के आरोप लगाए, जबकि पुलिस का दावा है कि जाम की आड़ में उस पर अनर्गल दबाव बनाने की कोशिश की गई।

12-13 जुलाई की रात हरिओम दावत से घर लौट रहा था। रास्ते में कार खड़ी करने को लेकर दूसरे पक्ष से विवाद हुआ, जो देखते ही देखते मारपीट में बदल गया। हमले में हरिओम समेत तीन लोग घायल हुए। सभी को इलाज के लिए जिला अस्पताल भेजा गया, जहां उपचार के दौरान हरिओम की मौत हो गई। पुलिस ने नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया और छह आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। शेष आरोपियों की तलाश जारी है।

मंगलवार शाम पोस्टमार्टम के बाद शव गांव पहुंचा तो परिजन और ग्रामीण उसे लेकर नाधा पुलिस चौकी पहुंच गए। सड़क पर शव रखकर जाम लगा दिया गया। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि घटना के समय सूचना देने के बावजूद पुलिस समय पर नहीं पहुंची। उनका कहना है कि जाम के दौरान पुलिस ने लाठीचार्ज किया और शव को जबरन उठाकर गांव भेज दिया। परिजन चौकी पर तैनात पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई और सभी आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग करते रहे। एसपी ग्रामीण बदायूं डॉ. हृदेश कठेरिया ने बताया कि हरिओम की मौत के बाद शव गांव पहुंचने पर कुछ बाहरी जिलों से आए लोगों ने रोड जाम कर दिया। पुलिस ने उन्हें समझाने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस पर अनर्गल दबाव बनाने के उद्देश्य से प्रदर्शनकारियों ने पेट्रोल छिड़का, पुलिसकर्मियों के साथ धक्का-मुक्की की और पथराव भी किया।

पुलिस ने इस मामले में अलग से मुकदमा दर्ज कर तीन लोगों को हिरासत में लिया है। उनके अनुसार शव को सम्मानपूर्वक अंतिम संस्कार के लिए गांव भेज दिया गया। वहां एक ओर मृतक परिवार पुलिस पर लाठीचार्ज और लापरवाही का आरोप लगा रहा है, वहीं पुलिस प्रदर्शन के दौरान कानून व्यवस्था बिगाड़ने का आरोप लगा रही है। फिलहाल गांव में पुलिस बल तैनात है और शेष आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही है। पूरे घटनाक्रम की जांच जारी है।

कुख्यात के ठिकानों पर रेड, 16 लाख कैश मिले

नरेश पांडे का राइट हैंड अरेस्ट, पुलिस बोली- बड़ी डील की चल रही थी तैयारी

मोतिहारी, 15 जुलाई (एजेंसियां)। मोतिहारी पुलिस ने कुख्यात अपराधी नरेश पांडे के कई ठिकानों पर छापेमारी की है। इस दौरान 16 लाख रुपए कैश, नेपाली करेंसी, एक नोट गिनने की मशीन, एक लोडेड कट्टा और 6 जिंदा कारतूस बरामद किए गए।

पुलिस ने शराब की बोतलें, सोना-चांदी के गहने और जमीन से जुड़े दो दर्जन से अधिक दस्तावेज भी जब्त किए हैं। कार्रवाई के दौरान नरेश पांडे के राइट हैंड उज्जवल कुमार को गिरफ्तार कर लिया गया, जबकि नरेश पांडे फरार है।

कुख्यात नरेश पांडे के खिलाफ अलग-अलग थानों में हत्या, आर्म्स एक्ट समेत 18 से अधिक मामले दर्ज हैं। शुरुआती जांच में सामने आया है कि वह कई अवैध कारोबार से जुड़ा है और हथियारों की सप्लाई का भी काम करता है।

25 साल की ननद ने भाभी को मार डाला

मेरठ में बोली- सीढ़ियों से गिरीं, रातभर नींद नहीं आई तो थाने पहुंचकर जुर्म कबूला

मेरठ, 15 जुलाई (एजेंसियां)। मेरठ में पति से अवैध संबंधों के शक में ननद ने भाभी की चाकू से गोदकर हत्या कर दी। वारदात के बाद घरवालों ने फर्श पर गिरने से मौत की कहानी गढ़कर मामला छिपाने की कोशिश की। लेकिन, पछतावा होने पर ननद 2 दिन बाद खुद पुलिस के पास पहुंच गई और हत्या करने की बात कबूल कर ली।

ननद ने पुलिस को बताया, मुझे रातभर नींद नहीं आई। मेरे पति और भाभी के बीच 4 साल से संबंध थे। मैंने भाभी से पति का पीछा छोड़ने को कहा। इस पर उसने जवाब दिया कि पहले अपने पति को संभालो। इसी बात पर गुस्से में आकर मैंने रसोई से चाकू उठाया और उसके सीने पर कई बार वार कर दिए।

12 जुलाई को दोपहर करीब 3:30 बजे लिसाड़ी गेट थाना क्षेत्र के अहमदनगर में हुई इस वारदात में पुलिस ने ननद को गिरफ्तार कर हत्या में इस्तेमाल चाकू बरामद कर

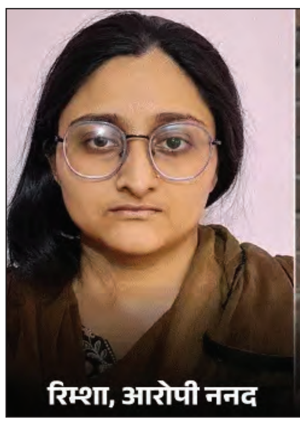

रिश्मा, आरोपी ननद

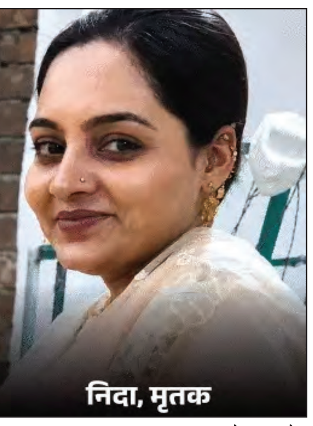

निदा, मृतक

लिया। वहीं, खुलासे के बाद मृतका के पति समेत ससुरालवाले फरार हैं।

अहमदनगर गली नंबर-2 में रहने वाले हाजी जाहिद शहर में एंपायर टेलर्स के नाम से दुकान चलाते हैं। करीब 40 साल से वह इस कारोबार से जुड़े हैं। उनके परिवार में 2 बेटे शाहवेज और शाजेब और एक बेटी रिश्मा है। सुभाष बाजार स्थित पहली दुकान पर हाजी जाहिद खुद बैठते हैं, जबकि अहमदनगर स्थित दूसरी ब्रांच शाहवेज संभालता है।

करीब 6 साल पहले शाहवेज का निकाह किदवईनगर में रहने वाली निदा उर्फ सोनी (28) से हुआ था। दोनों के 2 बच्चे हैं। वहीं, रिश्मा (25) की शादी अहमदनगर से करीब 3 किलोमीटर दूर करीमनगर में रहने वाले ओवेश से हुई है। ओवेश ऑनलाइन कपड़ों का कारोबार करता है। पड़ोसियों के मुताबिक, कपड़ों के कारोबार की वजह से ओवेश का शाहवेज के घर आना-जाना था। इसी दौरान उसकी निदा से नजदीकियां बढ़ीं। करीब 8 महीने पहले शाहवेज ने अपनी बहन रिश्मा की शादी ओवेश से करा दी। इसके बाद भी ओवेश और निदा के बीच बातचीत जारी रही। इस पर रिश्मा कई बार आपत्ति जताती थी। रिश्मा ने पुलिस को बताया कि घटना वाले दिन (रविवार को) उसने भाभी को अपने पति से बात करते देख लिया था। उसने किचन में भाभी से कहा कि उसके पति का पीछा छोड़ दे। इस पर निदा ने जवाब दिया, पहले अपने पति को संभालो, दूसरे पर आरोप बाद में लगाना। इसी बात पर दोनों के बीच कहासुनी हो गई। गुस्से में रिश्मा ने रसोई में रखा चाकू उठाया और निदा के सीने पर ताबड़तोड़ कई वार कर दिए।

महिला की जबरन छाती दबाना, सलवार उतारना, रेप की कोशिश नहीं

पटना हाईकोर्ट ने आरोपी को बरी किया, सीजेआई नाराज, कहा- जज रिसर्च करें

पटना, 15 जुलाई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने पटना हाईकोर्ट के उस फैसले पर कड़ी आपत्ति जताई, जिसमें हाईकोर्ट ने कहा था कि बंद कमरे में जबरदस्ती महिला की सीना दबाना, सलवार उतारने की कोशिश करना रेप की कोशिश नहीं है।

हाईकोर्ट ने 9 जुलाई को यह आदेश दिया और आरोपी को बरी कर दिया। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (सीजेआई) जस्टिस सूर्यकांत ने इस पर हैरानी जताई। उन्होंने कहा-जजों को संवेदनशील होना चाहिए और रिसर्च करनी चाहिए। जज कानूनी पड़ताल के बिना फैसले दिए जा रहे हैं। हम पटना हाईकोर्ट के फैसले की विस्तार से समीक्षा करके विस्तृत आदेश जारी करेंगे।

दरअसल, सुप्रीम कोर्ट 14 जुलाई को इलाहाबाद हाईकोर्ट के उस आदेश पर सुनवाई कर रहा था, जिसमें कहा गया था-

नाबालिग लड़की का स्तन पकड़ना, उसके पायजामे की डोरी तोड़ना रेप का प्रयास नहीं है। इस पर सुनवाई के दौरान एडवोकेट गुप्ता ने सुप्रीम कोर्ट के सामने पटना हाईकोर्ट के फैसले का जिक्र किया।

इसके बाद सीजेआई सूर्यकांत ने नेशनल ज्यूडिशियल एकेडमी (एनजेए) की एक्सपर्ट कमेटी की उस रिपोर्ट को भी मंजूरी दी, जिसमें यौन अपराधों से जुड़े मामलों की सुनवाई के दौरान संवेदनशीलता बनाए रखने के लिए दिशा-निर्देश तैयार किए गए हैं। बेंच ने देश की सभी अदालतों को निर्देश दिया कि वे इस गाइडलाइन का सख्ती से पालन करें।

18 साल पहले 20 जनवरी 2008 को बिहार के बांका जिले में एक स्टूडियो के मालिक के खिलाफ रेप की कोशिश की एफआईआर हुई।

युवती ने आरोप वह पिता के साथ फोटो खिंचवाने गई थी। स्टूडियो मालिक हिमांशु फोटो खींचने के बहाने अंदर ले गया और पापा को बाहर इंतजार करने को कहा।

युवती ने कहा कि अंदर जाते ही हिमांशु ने स्टूडियो का दरवाजा अंदर से बंद कर लिया। अपने कपड़े उतारे और मेरी सलवार उतारने की कोशिश की। रेप करने के इरादे से छाती दबाने लगा और जबरन छेड़छाड़ की।

2013 में बांका कोर्ट ने हिमांशु को रेप का प्रयास और बंधक बनाने का दोषी करार दिया था। 3 साल कारावास की सजा सुनाई। लोअर कोर्ट के फैसले को हिमांशु ने पटना हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। हिमांशु के वकील ने पटना हाईकोर्ट में दलील दी कि निचली अदालत का फैसला गैरकानूनी है। उन्होंने तर्क दिया कि पीड़ित पक्ष ने एफआईआर में देरी की और उचित कारण नहीं बताया।

पीड़िता के वकील ने कहा कि निचली अदालत ने गवाहों और सबूतों पर विचार करने के बाद ही फैसला दिया था। हिमांशु का अपराध बेहद गंभीर प्रकृति का है।

13 साल बाद 9 जुलाई 2026 को पटना हाईकोर्ट के जस्टिस पूर्णेंदु सिंह ने कहा- इस मामले में मेडिकल एविडेंस नहीं है।

पीपीएन कॉलेज के पूर्व अध्यक्ष ने सुसाइड किया

सिर में सटाकर गोली मारी, पत्नी लखनऊ में बेटियों के साथ अलग रहती हैं

कानपुर, 15 जुलाई (एजेंसियां)। कानपुर में पीपीएन कॉलेज के पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष ने सुसाइड कर लिया। उन्होंने लाइसेंसी बंदूक से घर के कमरे में सिर में गोली मार ली। बुधवार तड़के 5 बजे परिवार वाले उन्हें जगाने पहुंचे। कई बार दरवाजा खटखटाया, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। इसके बाद दरवाजा तोड़ा गया। अंदर खून से लथपथ शव पड़ा मिला। परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस को कमरे से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला। शुरुआती जांच में पता चला है कि आलोक सिंह (50) की पत्नी बेटियों के साथ लखनऊ में अलग रहती हैं। इसी वजह से वह तनाव में रहते थे और शराब पीने लगे थे। घटना नौबस्ता के बसंत विहार इलाके की है।

उड़ने वाली बस एथनॉल से नहीं चलेगी ना

नितिन गडकरी के बयान पर जेएमएम का तंज, ई-20 पेट्रोल का भी किया जिक्र

रांची, 15 जुलाई (एजेंसियां)। एथनॉल ब्लैंड ई-20 पेट्रोल को लेकर सोशल मीडिया पर छिड़ी 'जंग' के बीच केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने एक कार्यक्रम में बड़ा ऐलान कर दिया। नितिन गडकरी ने कहा कि वह भविष्य में ऐसी बस लाने जा रहे हैं, जो हवा में उड़ेगी। उन्होंने कहा कि बढ़ते ट्रैफिक और प्रदूषण की समस्या से निपटने के लिए आधुनिक परिवहन तकनीकों को अपनाना जरूरी है। नितिन गडकरी के इसी बयान को लेकर अब हेमंत सोरेन की पार्टी झारखंड मुक्ति मोर्चा ने तंज किया है।

झामुमो (जेएमएम) ने तंज करते हुए पूछा कि उड़ने वाली बस एथनॉल से नहीं चलेगी ना। हेमंत सोरेन की पार्टी जेएमएम

ने नितिन गडकरी के वीडियो को ट्वीट करते हुए लिखा- 'उड़ने वाली बस एथनॉल से तो नहीं चलेगी ना? वरना वह भी ई-20 वाली गाड़ियों की तरह हवा में झटका देगी।' वीडियो में दिखाई देता है कि नितिन गडकरी कहते हैं कि वह जल्द ही हवा में उड़ने वाली बस लेकर आएंगे। जैसे वह पानी में उतरने वाला हवाई जहाज लेकर आए थे।

नितिन गडकरी ने कहा, 'मैं अभी और भी नई-नई टेक्नोलॉजी लाने वाला हूं। रोपवे, केबल कार, आदि लाया हूं। अब हवा में उड़ने वाली बस भी लाने वाला हूं। पानी में उतरने वाला हवाई जहाज भी मैंने लाया था, जो समुद्र में उतरा था। मैं ऐसा मास ट्रांसपोर्ट सिस्टम तैयार करके दूंगा, जो मेरे अंडर में आता है। जिससे एक कोने से दूसरे कोने तक कब पहुंचे, ये भी पता नहीं चलेगा। ये भी शुरुआत करने की कोशिश करेंगे।'

बता दें, भारत के शहरों में बढ़ते ट्रैफिक को कम करने को लेकर नितिन गडकरी पहले भी कई बार कह चुके हैं कि वो जमीन के ऊपर चलने वाली आधुनिक परिवहन सिस्टम विकसित करेंगे। इसके तहत रोपवे, केबल कार जैसी ट्रांसपोर्ट फेसिलिटी शुरू कर सकते हैं।

बेमेतरा के पथर्रा में बनेगी प्रदेश की पहली ओपन जेल

रायपुर, 15 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ को पहली बार ओपन जेल मिलने जा रही है। सरकार ने बेमेतरा जिले के पथर्रा गांव में 200 कैदियों की क्षमता वाली ओपन जेल शुरू करने का आदेश जारी कर दिया है। ये जेल 10.20 हेक्टेयर लैंड एरिया में होगी। शुरुआत में 13 साल से अधिक सजा काट रहे कैदियों को मौका मिलेगा।

यहां अच्छे आचरण वाले कैदियों को चारदीवारी में बंद रखने के बजाय सीमित निगरानी में रहने, काम करने और समाज की मुख्यधारा से जुड़ने का मौका मिलेगा। कैदियों को 16 से अधिक रोजगार में परिपक्व बनाया जाएगा। सरकार का कहना है कि इसका उद्देश्य सिर्फ सजा देना नहीं, बल्कि कैदियों का सुधार, पुनर्वास और उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। ओपन जेल ऐसी जेल होती है, जहां कैदियों को ऊंची दीवारों और कड़ी सुरक्षा में बंद नहीं रखा जाता। यहां अच्छे आचरण वाले कैदियों को सीमित निगरानी में रहने और काम करने का मौका मिलता है।

उन्हें दिन में खेती, डेयरी, छोटे उद्योग या दूसरे काम करने की अनुमति होगी। हालांकि उन्हें जेल के नियमों का पालन करना होगा और तय समय पर वापस लौटना होगा।

ओपन जेल में शुरुआत में सिर्फ ऐसे कैदियों को रखा जाएगा, जिन्हें आजीवन कारावास की सजा मिली है। जो कम से कम 11 साल या उससे ज्यादा की सजा काट चुके हैं। जिनका जेल में रिकॉर्ड अच्छा रहा हो।

4 मंजिला बिल्डिंग में आग, 2 जिंदा जले

सीढ़ियों के सहारे 50 परिवारों को बचाया स्कूटी चार्जिंग के दौरान धमाके से आग लगी

नोएडा, 15 जुलाई (एजेंसियां)। नोएडा में बुधवार सुबह 11 बजे 4 मंजिला बिल्डिंग में आग लग गई। हादसे में 2 लोग जिंदा जल गए। एक बच्चा और एक युवती गंभीर रूप से झुलस गए। फायर ब्रिगेड ने सीढ़ियों के सहारे 50 परिवारों का रेस्क्यू किया।

पुलिस की शुरुआती जांच में पता चला है कि बिल्डिंग के बेसमेंट में इलेक्ट्रिक स्कूटी चार्ज हो रही थी। इसी दौरान उसमें धमाका हुआ और आग लग गई। देखते ही देखते आग पूरी बिल्डिंग में फैल गई। 30 से 40 बाइकें जलकर राख हो गईं।

धुआं उठता देखकर बिल्डिंग के आसपास रहने वाले सैकड़ों लोग

सड़क पर आ गए। बिल्डिंग के निचले हिस्से में फंसे लोग बाहर निकल गए, लेकिन ऊपरी मंजिलों पर रहने वाले लोग फंस गए।

सूचना पर फायर ब्रिगेड की 7 गाड़ियां मौके पर पहुंचीं, लेकिन भीड़ और संकरी गलियों के चलते वे बिल्डिंग तक नहीं पहुंच सकीं। ऐसे में गाड़ियों को सड़क पर ही खड़ा करना पड़ा। इसके बाद पाइप जोड़कर आग पर काबू पाया गया। इसमें करीब 3 घंटे लगे।

फायर ब्रिगेड कर्मियों ने जिस बिल्डिंग में आग लगी थी, उसकी छत से सामने वाली बिल्डिंग तक सीढ़ियां लगाकर पुल बनाया। फिर उसके सहारे लोगों को दूसरी बिल्डिंग में सुरक्षित पहुंचाया। पुलिस ने बिल्डिंग मालिक को हिरासत में ले लिया है। हादसे में जाने गंवाने की वाली लड़की स्नेहा श्रीवास्तव (22) बिहार की रहने वाली थी। अभी युवक की पहचान नहीं हो पाई है।

बिल्डिंग में करीब 50 कमरे थे। आग सेक्टर-66 के ममूरा इलाके में लगी। यह भीड़भाड़ वाला इलाका है। यहां बड़ी संख्या में नौकरीपेशा लोग परिवार के साथ रहते हैं।

कांग्रेस की पदयात्रा, पुलिस-प्रदर्शनकारियों के बीच धक्का-मुक्की

महिलाओं ने लगाया मारपीट का आरोप, कहा– नकटी में घर बनाकर दो, सड़क पर खाना खाया

रायपुर, 15 जुलाई (एजेंसियां)। रायपुर के नकटी गांव में बुलडोजर कार्रवाई के विरोध में कांग्रेस दीपक बैज के नेतृत्व में राजभवन तक 14 किलोमीटर की पदयात्रा कर रही है। पदयात्रा फिलहाल वीआईपी चौक पार कर राजभवन की ओर बढ़ रही है। रास्ते में कांग्रेस नेताओं, कार्यकर्ताओं और प्रभावित परिवारों ने सड़क पर बैठकर भोजन किया।

मेक इन इंडिया चौक के पास पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच धक्का-मुक्की हो गई। प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेड तोड़कर आगे बढ़ने की कोशिश की, जबकि पुलिस ने उन्हें रोकने की कोशिश की। इस दौरान मौके पर तनावपूर्ण माहौल बना हुआ है।

इस दौरान प्रभावित महिलाएं 'नकटी में ही घर बनाओ' के नारे लगाते हुए सरकार से गांव में ही पुनर्वास की मांग कर रही हैं। उन्होंने पुलिस पर मारपीट का भी आरोप लगाया। राम मंदिर के पास भी पुलिस ने बैरिकेड लगाकर भारी पुलिस बल तैनात किया है। यहीं पदयात्रा को रोका जाएगा।

इसके बाद कांग्रेस का प्रतिनिधिमंडल राज्यपाल से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपेगा। पदयात्रा में पूर्व विधायक अनिता योगेंद्र शर्मा, अनिला भेंड़िया, प्रमोद दुबे समेत बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता और प्रभावित परिवार शामिल हैं। पदयात्रा को देखते हुए श्रीराम मंदिर तिराहा से तेलीबांधा थाना तिराहा तक सर्विस रोड 5 घंटे के लिए बंद रहेगी।

नवी मुंबई एयरपोर्ट से अंतरराष्ट्रीय उड़ान की शुरुआत अबू धाबी के लिए पहली सेवा शुरू

नई दिल्ली, 15 जुलाई (एजेंसियां)। नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे ने बुधवार को अपनी अंतरराष्ट्रीय उड़ान सेवाएं शुरू कर दी हैं। एयर इंडिया एक्सप्रेस ने अबू धाबी के लिए पहली विदेशी उड़ान का संचालन किया। करीब 100 यात्रियों को लेकर यह उड़ान सुबह 2:55 बजे (आईएसटी) रवाना हुई। इसने लगभग 2.30 घंटे में संयुक्त अरब अमीरात के अबू धाबी एयरपोर्ट पर लैंडिंग की। यह उड़ान बोइंग 737 मैक्स 8 विमान से संचालित की गई। उड़ान भरने से पहले, विमान के पायलट ने इसे एक ऐतिहासिक और महत्वपूर्ण यात्रा बताया। एयर इंडिया एक्सप्रेस सप्ताह में तीन बार अबू धाबी के लिए उड़ानें संचालित करेगी। यात्री शाकिर आबिद ने अपनी पत्नी और बेटी के साथ इस पहली उड़ान में यात्रा की।

यात्री वाहनों की थोक बिक्री जून में 24.1 प्रतिशत बढ़कर 3.88 लाख यूनिट्स के पार

नई दिल्ली, 15 जुलाई (एजेंसियां)। भारत में यात्री वाहनों की थोक बिक्री (कंपनियों द्वारा डीलर्स को बिक्री) जून में सालाना आधार पर 24.1 प्रतिशत बढ़कर 3,88,144 यूनिट्स रही है।

इससे पिछले वर्ष समान अवधि में यह आंकड़ा 3,12,851 यूनिट्स था। यह जानकारी इंडस्ट्री बॉडी सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) की ओर से बुधवार को जारी डेटा में दी गई। सियाम के डेटा के मुताबिक, यात्री वाहनों में यूटिलिटी व्हीकल (यूवी) सेगमेंट लगातार बढ़ रहा है और जून में इसकी सालाना वृद्धि दर 19.9 प्रतिशत रही और वॉल्यूम 2,17,228 यूनिट्स रही। यात्री गाड़ियों की बिक्री सालाना आधार पर 15.7 प्रतिशत बढ़कर 98,610 यूनिट्स हो गई है। वैन की बिक्री सालाना आधार पर 9.5 प्रतिशत बढ़कर 10,230 यूनिट्स पर पहुंच गई है। दोपहिया वाहन श्रेणी ने भी मजबूत रफ्तार बनाए रखी। जून में कंपनियों की ओर से डीलरों को भेजे गए दोपहिया वाहनों की संख्या 18.6 प्रतिशत बढ़कर 18,51,400 यूनिट्स हो गई, जबकि पिछले वर्ष इसी महीने यह आंकड़ा 15,61,283 यूनिट्स पर था।

दोपहिया वाहनों में स्कूटर सबसे तेजी से बढ़ने वाली श्रेणी रही। इसकी घरेलू बिक्री 39.1 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 7,44,823 यूनिट्स पर पहुंच गई। वहीं, मोटरसाइकिल की बिक्री 6.4 प्रतिशत बढ़कर 10,56,422 यूनिट्स हो गई, जबकि मोपेड की बिक्री कम आधार के चलते 50.4 प्रतिशत बढ़कर 50,155 यूनिट्स हो गई है। तिपहिया वाहनों की डीलरों को बिक्री सालाना आधार पर 26.1 प्रतिशत बढ़कर 77,951 यूनिट्स हो गई है।

यूके की व्हिस्की, कारें और ब्यूटी प्रोडक्ट्स सस्ते मिलेंगे

भारत-यूके के बीच फ्री ट्रेड एग्रीमेंट आज से लागू, जानें किन चीजों के दाम बदलेंगे

नई दिल्ली, 15 जुलाई (एजेंसियां)। भारत में यूके की कारें, व्हिस्की, कपड़े और फुटवियर आज से सस्ते मिलेंगे। आज से भारत-यूके के बीच फ्री ट्रेड एग्रीमेंट लागू हो गया है। यानी अब भारत के 99% सामानों को यूके में जीरो टैरिफ पर निर्यात किया जाएगा। वहीं यूके के 99% सामान 3% एवरेज टैरिफ पर आयात होंगे।

इससे 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार दोगुना होकर 120 बिलियन डॉलर तक पहुंचने की संभावना है। करीब 3 साल में 14 राउंड की बातचीत के बाद 24 जुलाई 2025 को वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल और ब्रिटिश व्यापार मंत्री जोनाथन रेनॉल्ड्स ने पीएम नरेंद्र मोदी और ब्रिटिश पीएम कीर स्टार्मर की मौजूदगी में इस समझौते पर साइन किए थे।

ब्रिटिश हाई कमिश्नर ने कहा- 'ऐतिहासिक पल'

इस व्यापार समझौते के लागू होने से पहले भारत में यूके की हाई कमिश्नर लिंडी कैमरन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'उल्टी गिनती शुरू हो गई है! यूके और भारत इस बात पर सहमत हैं कि फ्री ट्रेड एग्रीमेंट 15 जुलाई से लागू हो जाएगा। यह आधुनिक यूके-भारत पार्टनरशिप के लिए ऐतिहासिक पल है। यह दोनों अर्थव्यवस्थाओं के लिए ग्रोथ के नए युग की शुरुआत करेगा।'

यूके से आयात होने वाले सामानों पर औसत टैरिफ 15% से घटकर 3% होगा। 85% सामान 10 साल में पूरी तरह टैरिफ-मुक्त होंगे।

इससे कई चीजें सस्ती होंगी

व्हिस्की और जिन : यूके से आयात होने वाली स्कॉच व्हिस्की और जिन पर भारत का टैरिफ 150% से घटकर 75% हो जाएगा। बाद में समझौते के दसवें साल तक इसे घटाकर 40% कर दिया जाएगा। उदाहरण- 5000 रुपए की स्कॉच बॉटल 3500 रुपए में मिलेगी।

लग्जरी कारें: यूके की कारों (जैसे जगुआर लैंड रोवर, रोल्स रॉयस) पर टैरिफ 100% से कोटा सिस्टम के तहत 10% तक आ जाएगा। इससे ये कारें 20-30% सस्ती हो सकती हैं। खाद्य और पेय पदार्थः यूके से आयात होने वाले सैल्मन, लैंब, चॉकलेट, बिस्किट और सॉफ्ट ड्रिंक्स पर टैरिफ कम होगा। इससे ये उत्पाद सस्ते होंगे।

कॉस्मेटिक्स और मेडिकल डिवाइसः यूके के कॉस्मेटिक्स, मेडिकल उपकरण और एयरोस्पेस पार्ट्स पर कम टैरिफ से ये सामान सस्ते होंगे। टैरिफ 15% से घटकर 3% पर आ जाएगा।

फैशन और कपड़ेः ब्रिटेन से आने वाले ब्रांडेड कपड़े, फैशन प्रोडक्ट्स और होमवेयर भी सस्ते होंगे। वहीं फर्नीचर, इलेक्ट्रॉनिक्स भी कम कीमत पर मिलेंगे।

भारत 70 प्रतिशत से अधिक टेक्सटाइल वेस्ट कर रहा दोबारा इस्तेमाल

नई दिल्ली, 15 जुलाई (एजेंसियां)। भारत के कुल टेक्सटाइल वेस्ट (कपड़े के कचरे) का 70 प्रतिशत से अधिक हिस्सा अभी सर्कुलर इकॉनमी के तहत रिकवर किया जाता है और उसे रीसाइक्लिंग, अपसाइक्लिंग, डाउनसाइक्लिंग या दोबारा इस्तेमाल के लिए भेजा जाता है। यह जानकारी सरकार की ओर से जारी फैक्टशीट में रविवार को दी गई। सर्कुलर इकॉनमी एक ऐसी आर्थिक व्यवस्था है जिसमें मटीरियल और संसाधनों का दोबारा इस्तेमाल और रीसाइकिल किया जाता है और उन्हें लंबे समय तक इस्तेमाल में रखा जाता है। इससे कचरा और उत्सर्जन कम करने में मदद मिलती है और साथ ही उत्पादन का अधिक टिकाऊ तरीका अपनाया जाता है। इसका मुख्य सिद्धांत इनपुट के इस्तेमाल में चक्र की तरह निरंतरता बनाए रखना है।

टेक्सटाइल सेक्टर में, सप्लाई चेन के बुरे असर को कम करने के लिए सस्टेनेबिलिटी और चक्र की तरह निरंतरता जरूरी हैं। मौजूदा मटीरियल को उनके मूल ढांचे में बदलाव किए बिना दोबारा इस्तेमाल किया जाता है। इससे ऊर्जा, केमिकल और पानी का इस्तेमाल कम होता है और पर्यावरण पर पड़ने वाला असर भी घटता है। हर साल प्रबंध किए जाने वाले 7.8 मिलियन टन टेक्सटाइल कचरे में से 90 प्रतिशत से ज्यादा घरेलू प्री-कंज्यूमर और पोस्ट-कंज्यूमर कचरे से आता है। फैक्टशीट के अनुसार, रिकवरी खास तौर पर प्री-कंज्यूमर स्टेज पर मजबूत है, जहां लगभग 95 प्रतिशत टेक्सटाइल कचरा इकट्ठा किया जाता है और स्थापित वैल्यू-चेन नेटवर्क के जरिए दोबारा इस्तेमाल किया जाता है।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन	मे	मिथुन	03-44 बजे
चंद्र	कर्क	मे	कर्क	05-56 बजे
मंगल	वृष	मे	सिंह	08-09 बजे
बुध	मिथुन	मे	कन्या	10-16 बजे
गुरु	कर्क	मे	तुला	12-21 बजे
शुक्र	सिंह	मे	वृश्चिक	14-30 बजे
शनि	मीन	मे	धनु	16-44 बजे
राहु	कुंभ	मे	मकर	18-50 बजे
केतु	सिंह	मे	कुंभ	20-41 बजे
			मीन	22-20 बजे
			मेष	23-56 बजे
			वृष	01-40 बजे

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- **2083**
शक संवत् -**1948,** सूर्य दक्षिणायने /उत्तर , ऋतु- वर्षा
महावीर निर्वाण संवत् -**2551 ,** राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - **432000**
भोग्य कलि वर्ष. - **426873**
कलियुग संवत् - **5127** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - **1972949127**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - **1955885127**
सूर्योदय **05-53**
सूर्यास्त **18 -50**
दिशाशूल - दक्षिण - जीरा खाकर घर से निकले
मास - आषाढ़ शुक्ल पक्ष गुरुवार **16 July 2026**
तिथि - द्वितीया **08-53** तक उपरान्त तृतीया
नक्षत्र - आश्लेषा **19-52** रात्रि तक उप मघा
योग - सिद्धि **01-22** रात्रि तक उप व्यतिपात
करण - कौलव **08-53** तक उप तैतिल

विशेष: आश्लेषा नक्षत्र शांति
जगन्नाथ रथयात्रा कर्क मे सूर्य

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखाये व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 13-59 से 15-38 तक

श्री पंचागुल्लि ज्योतिष केन्द्र अतापुर Ph 9247132654

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ	05-53 - 07-29	शुभ	अमृत	18-50 - 20-15	शुभ
रोग	07-29 - 09-07	अशुभ	चंचल	20-15 - 21-38	शुभ
उत्पात	09-07 - 10-45	अशुभ	रोग	20-38 - 23-00	अशुभ
चंचल	10-45 - 12-22	शुभ	काल	23-00 - 00-22	अशुभ
लाभ	12-22 - 13-59	शुभ	लाभ	00-22 - 01-45	शुभ
अमृत	13-59 - 15-38	शुभ	उत्पात	01-45 - 03-07	अशुभ
काल	15-38 - 17-15	अशुभ	शुभ.	03-07 - 04-29	शुभ
शुभ	17-15 - 18-50	शुभ	अमृत	04-29 - 05-53	शुभ

ईरान पर अमेरिका का बड़ा आर्थिक प्रहार

तेल निर्यात नेटवर्क से जुड़े 50 से अधिक ठिकाने बैन

नई दिल्ली, 15 जुलाई (एजेंसियां)। वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव के बीच अमेरिका ने ईरान के खिलाफ अपने आर्थिक हमलों को और तेज कर दिया है। अमेरिकी वित्त विभाग के 'ऑफिस ऑफ फॉरेन एसेट्स कंट्रोल' (ओएफएसी) ने ईरान के अवैध तेल परिवहन और प्रतिबंधों को दरकिनार करने वाले एक बड़े नेटवर्क पर कड़ा प्रहार किया है।

इस कार्रवाई के तहत ईरान के ऊर्जा क्षेत्र के दिग्गज मोहम्मद हुसैन शमखानी के नियंत्रण वाले समुद्री व्यापार नेटवर्क से जुड़े 50 से अधिक लोगों, कंपनियों और जहाजों को प्रतिबंधित सूची (ब्लैकलिस्ट) में डाल दिया गया है। होर्मुज जलडमरूमध्य में व्यापारिक जहाजों पर हाल ही में हुए हमलों और बढ़ते तनाव के बीच अमेरिका का यह कदम वैश्विक ऊर्जा बाजार और समुद्री सुरक्षा के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

अमेरिकी वित्त विभाग द्वारा घोषित इन दंडात्मक उपायों में मुख्य रूप से मोहम्मद हुसैन शमखानी के व्यापक समुद्री व्यापार तंत्र को निशाना बनाया गया है। छह लोगों को ब्लैकलिस्ट किया गया है, जिनमें असगर अधिली देहकोर्डी और बेहजाद मोघदास जैसे प्रमुख नाम शामिल हैं। 24 कॉरपोरेट कंपनियों और 20 समुद्री जहाजों पर भी कड़े प्रतिबंध लगाए गए हैं। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, ये सभी आरोपी वित्तीय ब्रोकरों, लॉजिस्टिक्स ऑपरेशंस, समुद्री प्रबंधकों और विदेशों में स्थित शेल कंपनियों के एक बेहद जटिल नेटवर्क के जरिए व्यापारिक प्रतिबंधों को बाईपास कर रहे थे।

'भगवान से भी नहीं लगेगा' कहने के दिन गए

बीएसएनएल 19 हजार जगहों पर खड़े करेगी एडवांस मोबाइल टावर

नई दिल्ली, 15 जुलाई (एजेंसियां)। बीएसएनएल के लिए एक जमाने में कहावत प्रचलित थी- भगवान से भी नहीं लगेगा। तब नेटवर्क समस्या बहुत होती थी।

कॉल ड्रॉप हो जाती थीं। लेकिन अब सरकारी कंपनी का कायाकल्प हो रहा है। पिछले साल देश में अपनी 4G मोबाइल सेवाओं को लॉन्च करने के बाद बीएसएनएल ने और एक बड़ा कदम उठाया है।उसने टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और सरकारी कंपनी आईटीआई लिमिटेड को 4G नेटवर्क इक्विपमेंट सप्लाई करने का एक और बड़ा ऑर्डर दिया है। यह ऑर्डर दो चरणों में 13,785 और 5,314 नई जगहों यानी कुल 19097 जगहों के लिए दिया गया है,

जहां 4G टावर लगाए जाएंगे। यह सरकारी टेलीकॉम कंपनी द्वारा मॉर्डन और नेक्स्ट-जेनरेशन तकनीक को अपनाने की दिशा में उठाया गया बड़ा कदम है। कंपनी दूर-दराज के इलाकों में नए 4G टावर लगाकर अपने 4G नेटवर्क को और भी मजबूत करेगी।

असम से लेकर दिल्ली तक लगेंगे मोबाइल टावर

ईटीटेलिकॉम की रिपोर्ट (रिफर.) के अनुसार, बीएसएनएल का कहना है कि उसने अपने एक नए फेज 'IX. 2 ऐड-ऑन प्रोजेक्ट' के तहत नॉर्थ-ईस्ट (उत्तर-पूर्व) यानी असम के इलाकों से लेकर साउथ जोन (जिसमें दिल्ली क्षेत्र भी शामिल है) में 4G नेटवर्क चालू करने के लिए एक परचेस ऑर्डर (पीओ) दे दिया है। इस ऑर्डर के तहत चुनी गई कंपनी इन इलाकों में 4G टावर लगाने की प्लानिंग से लेकर उन्हें पूरी तरह चालू करने तक का सारा काम करेगी। इस नए ऑर्डर से पहले कंपनी ने 4G सैचुरेशन प्रोग्राम के तहत 7,100 जगहों के ऑर्डर दिए थे।

पिछले साल देश में लॉन्च हुआ था सरकारी 4G

बीएसएनएल ने पिछले साल देश में अपनी 4G मोबाइल सेवाओं का रोलआउट किया था। तब करीब 98 हजार मोबाइल टावरों के साथ इसकी शुरुआत हुई थी। अब नए टावर लगाए जाने से देश में बीएसएनएल का 4जी नेटवर्क और भी मजबूत होगा। इस नेटवर्क की खास बात है कि भविष्य में जब बीएसएनएल को 5जी सेवाएं लॉन्च करनी होंगी तो उसे सभी उपकरणों को नहीं बदलना होगा। इसी नेटवर्क को 5जी में अपग्रेड किया जा सकता है।

'फेड का सबसे बड़ा लक्ष्य एआई के उछाल के बीच महंगाई पर लगाम'

बोले केंद्रीय बैंक के प्रमुख केविन वॉर्श

नई दिल्ली, 15 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिकी फेडरल रिजर्व के अध्यक्ष केविन वॉर्श ने महंगाई से लड़ने को केंद्रीय बैंक की सबसे बड़ी चुनौती बताया है। उन्होंने कहा कि मौद्रिक नीति को सही करना उनका प्राथमिक उद्देश्य है। वॉर्श ने हाल ही में एक कांग्रेस समिति के समक्ष अपनी गवाही में यह बात कही। वॉर्श ने साफ किया कि फेड लगातार ऊंची महंगाई को बर्दाश्त नहीं करेगा। सभी सदस्य मूल्य स्थिरता बहाल करने के लिए दृढ़ प्रतिबद्धता साझा करते हैं। अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने अपनी जून बैठक में संघीय कोष दर को 3.5-3.75 फीसदी पर बनाए रखा था। महंगाई कई वर्षों से फेड के लिए एक बड़ी चिंता रही है। कच्चे तेल की ऊंची कीमतों ने पेट्रोल की कीमतें बढ़ा दी हैं। मुख्य आंकड़े कई वर्षों से फेड के 2 फीसदी के आरामदायक स्तर से ऊपर बने हुए हैं। वॉर्श ने इसे नीचे लाने का संकल्प लिया है। वॉर्श ने अपने बयानों में हाल के एआई निर्माण और उभरते तकनीकी क्षेत्र में भारी निवेश पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि अर्थव्यवस्था की सबसे खास विशेषता कारोबार निवेश है। इसकी तेज गति डेटा केंद्रों के निर्माण और एआई-संबंधित उपकरणों व सॉफ्टवेयर की भारी मांग को दर्शाती है।

सेंसेक्स 130 अंक चढ़कर 77185 पर बंद

निफ्टी में 26 अंक की बढ़त रही

मुंबई, 15 जुलाई (एजेंसियां)। शेयर बाजार में आज यानी 15 जुलाई को बढ़त रही। सेंसेक्स 130 अंक चढ़कर 77,185 पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 26 अंक की तेजी रही, ये 24,079 पर बंद हुआ। एनर्जी और सीमेंट से जुड़े शेयर्स में ज्यादा खरीदारी रही। वहीं मेटल और IT शेयर्स में ज्यादा बिकवाली रही। कच्चे तेल की कीमत आज 1% चढ़कर दोबारा 85 डॉलर के पार पहुंच गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने हाल ही में कहा था कि ईरान के साथ हुआ समझौता अब खत्म हो चुका है। इसके बाद से कच्चे तेल के दामों में तेजी है।

सोना 112 रुपये घटकर 1.42 लाख रुपये पर आया

चांदी 416 रुपये बढ़कर 2.20 लाख रुपये किलो पर पहुंची

नई दिल्ली, 15 जुलाई (एजेंसियां)। सोने के दाम में आज यानी 15 जुलाई को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के मुताबिक, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 112 रुपए घटकर 1.42 लाख रुपए पर आ गया है। वहीं एक किलो चांदी 416 रुपए बढ़कर 2.20 लाख रुपए पर पहुंच गई है।

सोना इस साल 9 हजार रुपये महंगा हुआ

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 9 हजार रुपए महंगा हुआ है। 31 दिसंबर 2025 को 10g सोना 1.33 लाख रुपए के ऊपर था, जो अब 1.42 लाख रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, चांदी की कीमत में 10 हजार रुपए की गिरावट है।

चांदी 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब 2.20 लाख रुपए पर है। इस दौरान 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑलटाइम हाई भी बनाया था।

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)
आज आपके विचार उलझे और बिखरे हुए से हैं । आप एक साथ बहुत सारी बातों के बारे में सोच रहे हैं । इसका परिणाम यह होगा की आज कोई भी काम पूरा नही कर पायेंगे ।ध्यान को केन्द्रित रखने की जरुरत है । थोडा सा मानसिक अभ्यास करें और दूसरों से सलाह ना लें क्योंकि अलग-अलग सलाह से आप और भी उलझते जायेंगे ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
वृषभ आप आज रियल एस्टेट से जुडा कोई लाभकारी लेनदेन पूरा करने वाले हैं ।सकारात्मक सोच आपकी शक्ति है और आपको इसका लाभ उठाना है ,आपका कोई करीबी भी आपको इसके लिए प्रोत्साहित करेगा । आप आध्यात्मिक विकास के साथ साथ जीवन की भौतिक खुशियों का भी आनंद ले पायेंगे । नयी सोच से समृद्धि हासिल होगी ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह,)
पुरानी और बेकार चीजों को जीवन से हटा देने का समय है । आप किसी पिछली स्थिति से महज किसी अहसान की भावना या मजबूरी के चलते चिपके हुए हैं जो अब आपको कतई पसंद नही है । आपको इसमें से बाहर आ पाना मुश्किल लग रहा था ,लेकिन आज आप इस स्थिति से बाहर आने के लायक मानसिक शक्ति जुटा पायेंगे ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
ग्रहों की स्थिति कुछ ऐसी बन रही है की आपको सुधार करने एवं स्वस्थ होने का विशेष अवसर मिलने वाला है । आप भूतकाल में की हुई अपनी किसी गलती को स्वीकार कर लेंगे और सामने वाले को संतुष्ट करने में कामयाब रहेंगे । ऐसा करके आप अपने दिल से काफी बड़ा बोझ उतार पायेंगे ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
आपको आज बहुत सारी चीजों से जुड़े अपने वादों को निभाना है । अपनी सामजिक,वित्तीय तथा निजी जिम्मेदारियों को निभाने के लिए तैयार रहें । आपके परिजनों ,दोस्तों और सहकर्मियों ,सभी को आपसे मदद की अपेक्षा रहेगी और आप इस दबाव को सह पाने में बिलकुल समर्थ हैं । आज अपने शब्दों और कामों,दोनों ही तरीको से लोगों की मदद करेंगे ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आज आप सामान्य से अधिक भावनात्मक हैं ,दूसरे इसका फायदा उठा सकते हैं । कार्यस्थल पर कार्य का दबाव रहेगा,जिससे थकान का अनुभव करेंगे । कुछ कार्य सहकर्मियों को दे दें या कल के लिए बचा रखें । काम थोडा भले ही करें लेकिन गुणवत्ता बनाये रखें । आज किसी ख़ास व्यक्ति के साथ स्वादिष्ट भोजन का लुत्फ़ उठा सकते हैं ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
आज का दिन आपके लिए बहुत व्यस्त रहेगा ,या तो आपके पास मेहमान आयेंगे या आप किसी यात्रा पर जा सकते हैं । इसी समय आप अपने घर का नवीकरण ,नया घर खरीदने या दूसरी जगह शिफ्ट होने के बारे में भी सोच सकते हैं । हालाँकि आप पूरा दिन बहुत व्यस्त रहेंगे,फिर भी आप दिन का हरेक पल आनंद लेंगे ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
आपकी जीवन में कोई ऐसी स्थति आने वाली है जब आपको सीधे ,तुरंत और अति सक्रिय रहकर फैसले लेने होंगे । यह स्थिति देखने में बहुत मुश्किल लग सकती है परन्तु आप इसे आसानी से संभाल पायेंगे । आपको बस दृढ़ता पूर्वक डटे रहना है । लेकिन चिंता ना करें,एक बार जब यह समस्या ख़तम हो जायेगी तो लोग इसे सुलझाने में आपकी भूमिका की भी प्रशंसा करेंगे ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
मेहनत से कांम करें और जमकर आनंद उठायें । आज आप पुरे दिन इसी सिद्धांत पर चलेंगे और यह उपयुक्त भी है । दिन की शुरुआत सामान्य होगी लेकिन अंत दोस्तों और परिवार के साथ जश्न से होगा । आपकी लोगों को हंसाने की क्षमता और खुशमिजाज स्वभाव बड़ी पार्टी की मेजबानी के लिए भी उपयुक्त है ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आपकी अपने पिछले समय में से किसी पुराने व्यक्ति से मिलने की सम्भावना है और यह व्यक्ति आपके भविष्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा । सहायता करने और लेने में अपने पूर्वाग्रहों को आड़े ना आने दें ,इससे आपकी प्रगति के नए रास्ते खुल सकते हैं । अब कोई भी बदलाव नयी सफलता ही लाएगा ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
आप दृढ निश्चय वाले इंसान हैं और आप एक बार कोई काम शुरू कर दें तो पूरी मेहनत से उसे पूरा करते हैं। आप औरों के कहने पर नही जाते, आप वह भी करने की क्षमता रखते हैं जो दुसरे कभी नही कर सकते ,इसीलिए आप उनसे आगे हैं । अपना यह नजरिया हमेशा बनाये रखें तो आप उन मंजिलों पर भी पहुँच सकते हैं जो दुसरे सोच भी नही सकते ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
आप अपनी बढ़ी हुई जिम्मेदारियों से परेशान हैं,लेकिन अभी आपको कोई राहत मिलती दिखाई नही दे रही । सबसे अच्छा यही है की आप शिकायत करना छोड़कर अपने कामों को पूरा करें । जितनी जल्दी पूरा करेंगे ,उतनी ही जल्दी बोझ कम होता जाएगा । लेकिन इसका अर्थ यह भी नही है कि आपको इसे लापरवाही से पूरा करना है।

पं महेशचन्द्र शर्मा फोन : 9167555710

हरेला पर्व पर 'श्री धन्वंतरि धाम हर्बल वर्ल्ड हिमालय' का शुभारंभ

हरिद्वार, 15 जुलाई (एजेंसियां)। हरेला पर्व पर देश के एकमात्र हर्बल वर्ल्ड श्री धन्वंतरि धाम हर्बल वर्ल्ड हिमालय में उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पौधरोपण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

उन्होंने कहा कि श्री धन्वंतरि धाम हर्बल वर्ल्ड हिमालय आयुर्वेद के जनक और आरोग्य के शाश्वत प्रतीक भगवान धन्वंतरि के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। इस अवसर पर स्वामी रामदेव ने कहा कि यह इकाई हर्बल जगत में दुनिया का पहला जीवंत उद्यान होगी जहाँ विविध भौगोलिक क्षेत्रों से पौधे एकत्रित किए जाएँगे। आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि इस धाम में 9 चिकित्सा पद्धतियाँ और विश्व की लगभग 964 चिकित्सा विद्याएँ को समाहित किया गया है।

हर्बल वर्ल्ड हिमालय एक ऐतिहासिक पहल तथा अतीत व भविष्य के बीच एक सेतु है।

कार्यक्रम में स्वामी रामदेव ने कहा कि श्री धन्वंतरि धाम हर्बल वर्ल्ड हिमालय आचार्य बालकृष्ण की दूरगामी सोच तथा अखण्ड-प्रचण्ड प्रयास का परिणाम है।

स्वामी जी ने कहा कि हर्बल वर्ल्ड हिमालय केवल वनस्पतियों का केंद्र नहीं है। यह वैश्विक स्वास्थ्य और पर्यावरणीय चेतना का एक आंदोलन है। इस अवसर पर आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि इस हर्बल वर्ल्ड में वनस्पति विज्ञान आधारित 9 चिकित्सा पद्धतियों-आयुर्वेद, सिद्धा, यूनानी, चाइनीज़, जैपनीज़, कोरियन, मिश्र, ग्रीक तथा तिब्बतियन के साथ-साथ विश्व की लगभग 964 चिकित्सा विद्याओं को समाहित किया गया है।

उन्होंने बताया कि लगभग 200 एकड़ से अधिक भू-भाग में फैले इस हर्बल वर्ल्ड में जड़ी-बूटियों व फलों के उद्यान तथा नॉलिज पार्क स्थापित किए जा रहे हैं।

अफसर चला रहे सरकार, जनप्रतिनिधियों की नहीं हो रही सुनवाई : सचिन पायलट

उदयपुर, 15 जुलाई (एजेंसियां)। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव सचिन पायलट ने उदयपुर दौरे के दौरान राजस्थान की भजनलाल सरकार और केंद्र की मोदी सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश में सरकार जनप्रतिनिधियों के बजाय अधिकारियों के भरोसे चल रही है। साथ ही उन्होंने पेपर लीक, कानून-व्यवस्था, स्वास्थ्य, शिक्षा और स्थानीय निकाय चुनाव जैसे कई मुद्दों पर भी राज्य सरकार को घेरा।

उदयपुर के देबारी स्थित जिंक स्मेल्टर में पत्रकारों से बातचीत के दौरान सचिन पायलट ने कहा कि राजस्थान में मंत्री, सांसद और विधायक तक अपनी बात प्रभावी ढंग से नहीं रख पा रहे हैं। उनके अनुसार सरकार पूरी तरह अधिकारियों के भरोसे संचालित हो रही है, जिससे जनप्रतिनिधियों की भूमिका और जवाबदेही प्रभावित हुई है। पायलट ने कहा कि पेपर लीक और परीक्षा परिणामों में गड़बड़ियों ने लाखों युवाओं के भविष्य को प्रभावित किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार रोजगार उपलब्ध कराने में विफल रही है और शिक्षा व्यवस्था लगातार सवालों के घेरे में है।

स्वास्थ्य सेवाओं और कानून-व्यवस्था का मुद्दा उठाते हुए पायलट ने गर्भवती महिलाओं की मौत, स्कूलों की छत गिरने की घटनाओं, बढ़ते अपराध और महिलाओं के खिलाफ अपराधों का उल्लेख किया। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार इन मामलों में जवाबदेही तय करने में असफल रही है।

पंचायत, नगर निकाय और छात्रसंघ चुनाव समय पर नहीं कराए जाने को लेकर भी उन्होंने सरकार की आलोचना की। पायलट का आरोप था कि सरकार जनता के असंतोष का सामना करने से बचने के लिए चुनाव टाल रही है।

केंद्र सरकार पर हमला बोलते हुए उन्होंने संसद की कार्यवाही, परिसीमन, अयोध्या राम मंदिर ट्रस्ट से जुड़े कथित विवाद और ईंधन नीति जैसे मुद्दों पर सवाल उठाए। उन्होंने दावा किया कि किसान, युवा और आम जनता बदलाव चाहती है तथा कांग्रेस आगामी चुनावों में मजबूती के साथ जनता के बीच जाएगी।

'दुश्मनी जमकर करो पर एक खिड़की खुली रखो'

वसुंधरा राजे ने नए विधायकों को दी बड़ी नसीहत

जयपुर, 15 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा में आयोजित पूर्व और वर्तमान विधायकों के ऐतिहासिक समागम में पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे का एक अलग ही अंदाज देखने को मिला। कार्यक्रम के दूसरे सत्र में मुख्य वक्ता के तौर पर बोलते हुए वसुंधरा राजे ने न केवल सदन की गरिमा और इसके 75 वर्षों के गौरवशाली इतिहास को याद किया, बल्कि वर्तमान पीढ़ी के राजनेताओं को राजनीति की मर्यादाओं का पाठ भी पढ़ाया। पंजाब के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया की मौजूदगी में हुए इस समागम में राजे के भाषण और उनके चुटीले अंदाज की खूब चर्चा हो रही है।

सदन को संबोधित करते हुए वसुंधरा राजे ने बेहद बेबाकी से अपनी बात रखी। उन्होंने राजनेताओं के बीच बढ़ती तल्खी पर गहरा प्रहार करते हुए एक खूबसूरत नसीहत दी। उन्होंने कहा, 'दुश्मनी जमकर करो लेकिन एक खिड़की खुली रखो, ताकि जब कभी हम दोस्त हो जाएं तो शर्मिंदा न होना पड़े।' राजे ने जोर देकर कहा कि इंसानियत का दायरा राजनीति की लकीरों से कहीं बड़ा होना चाहिए। वैचारिक मतभेद अपनी जगह हैं, लेकिन हाउस के बाहर नेताओं को एक-दूसरे से खुलकर बात करनी चाहिए और आपसी सम्मान बनाए रखना चाहिए।

वसुंधरा राजे ने सदन के भीतर हो रहे हंगामों और अमर्यादित आचरण पर खुलकर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि आज सदन में भाषा का स्तर लगातार गिर रहा है। पहले और आज के विधायकों की कार्यशैली की तुलना करते हुए उन्होंने कहा जब पहले विधायक पढ़कर तैयारी के साथ आते थे, तो उन्हें सुनने के लिए पूरा हाउस भरा रहता था। नए सदस्य उन्हें ध्यान से सुनते थे, लेकिन आज के नए विधायक बिना पढ़े ही सदन में आ जाते हैं। राजे ने याद दिलाया कि राजस्थान विधानसभा कोई साधारण सदन नहीं है। उन्होंने भैरों सिंह शेखावत सरकार की 'अंत्योदय योजना' और अपनी सरकार के दौरान शुरू की गई 'भामाशाह स्वास्थ्य योजना' जैसी क्रांतिकारी पहलों का जिक्र किया, जिसने आज देश भर के स्वास्थ्य मॉडल की दिशा बदल दी। प्रदेश के प्रति अपना गहरा लगाव जाहिर करते हुए राजे ने कहा, राजस्थान के विकास के लिए हमारा कतरा-कतरा भी देना पड़े, तो वह भी कम होगा।' अपने भाषण के अंत में उन्होंने शायराना अंदाज में कहा 'आपके हाथों से गुलाब की महक आएगी जरूर, किसी की राहों से कांटे हटाकर तो देखो।

पुलिस महकमे में बड़ा बदलाव, 18 आईपीएस अधिकारियों के तबादले, कई जिलों में बदले अफसर

जयपुर, 15 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान सरकार ने मंगलवार देर रात भारतीय पुलिस सेवा अधिकारियों के तबादलों की सूची जारी करते हुए पुलिस महकमे में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया। कार्मिक विभाग के आदेश के अनुसार 18 आईपीएस अधिकारियों का तत्काल प्रभाव से स्थानांतरण एवं पदस्थापन किया गया है। इस फेरबदल में डीजी, आईजी, पुलिस आयुक्त और एसपी स्तर के अधिकारियों को नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।

सबसे अहम बदलाव में आईपीएस अनिल पालीवाल को महानिदेशक एवं कमाण्डेन्ट जनरल, गृह रक्षा नियुक्त किया गया है, जबकि आईपीएस मालिनी अग्रवाल को महानिदेशक पुलिस (यातायात) बनाया गया है। आईपीएस शरत कविराज को आईजी, अपराध शाखा की जिम्मेदारी सौंपी गई है, जबकि आईपीएस अंशुमन भोमिया को पुलिस आयुक्त, जोधपुर नियुक्त किया गया है।

इसके अलावा आईपीएस राजेंद्र सिंह को आईजी, सतर्कता, जयपुर, आईपीएस डॉ. रवि को आईजी, अजमेर रेंज, आईपीएस कैलाश चंद बिश्नोई को आईजी, आयोजना, आधुनिकीकरण एवं कल्याण तथा आईपीएस डॉ. प्रीति चंद्रा को आईजी, भरतपुर रेंज बनाया गया है।

अन्य प्रमुख बदलावों में आईपीएस प्रदीप मोहन शर्मा को अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (यातायात एवं प्रशासन), जयपुर पुलिस आयुक्तालय, आईपीएस राजेश कुमार कांवट को पुलिस अधीक्षक, बालोतरा तथा आईपीएस नरेंद्र सिंह मीणा को कमाण्डेन्ट, 10वीं बटालियन आरएसी, बीकानेर नियुक्त किया गया है।

कार्मिक विभाग ने सभी अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से नवीन पदस्थापन पर कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए हैं।

विधानसभा के अमृत महोत्सव में सजा लोकतंत्र का महाकुंभ

एक मंच पर नजर आए वर्तमान और पूर्व विधायक

जयपुर, 15 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा के 75वें वर्ष के अमृत महोत्सव का शुभारंभ बुधवार को वर्तमान और पूर्व विधायकों के ऐतिहासिक समागम के साथ हुआ। विधानसभा परिसर में आयोजित इस विशेष समारोह में प्रदेश की लोकतांत्रिक यात्रा के 75 वर्षों की उपलब्धियों, संसदीय परंपराओं और विधायी विकास को याद किया गया। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी की अगुवाई में आयोजित कार्यक्रम में वर्तमान और पूर्व विधायक एक मंच पर नजर आए।

समारोह का शुभारंभ लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने किया। इस अवसर पर राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, राष्ट्रमंडल संसदीय संघ के सचिव संदीप शर्मा सहित कई जनप्रतिनिधि और गणमान्य अतिथि मौजूद रहे। कार्यक्रम के समापन सत्र में उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे।

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि राजस्थान विधानसभा के 75 वर्ष लोकतांत्रिक मूल्यों, जनभागीदारी और संवैधानिक परंपराओं की सशक्त यात्रा के प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि देश की पहली विधानसभा के रूप में राजस्थान विधानसभा ने अपने 75वें वर्ष पर अमृत महोत्सव आयोजित कर एक नई परंपरा की शुरुआत की है। अमृत महोत्सव में प्रदेशभर से पहुंचे पूर्व विधायकों के स्वागत और आतिथ्य के लिए विशेष व्यवस्थाएं की गईं। वरिष्ठ एवं वयोवृद्ध पूर्व विधायकों के आवास, आवागमन और चिकित्सा सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा गया। विधानसभा भवन को आकर्षक रोशनी से सजाया गया, जबकि जयपुर शहर में अतिथियों के स्वागत के लिए विशेष होर्डिंग भी लगाए गए।

महोत्सव के तहत आयोजित दो विशेष सत्रों में राजस्थान विधानसभा के 75 वर्षों के दौरान पारित 24 महत्वपूर्ण कानूनों पर विस्तृत चर्चा हुई। इन सत्रों में 16 वर्तमान और पूर्व अनुभवी विधायकों ने अपने विचार साझा किए। उन्होंने प्रदेश की विधायी यात्रा, संसदीय परंपराओं, लोकतांत्रिक मूल्यों और बदलते समय में विधानसभा की भूमिका पर अपने अनुभव प्रस्तुत किए। राजस्थान विधानसभा सचिवालय के अनुसार यह आयोजन केवल एक औपचारिक समारोह नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण प्रयास है। वर्तमान और पूर्व जनप्रतिनिधियों की एक साथ मौजूदगी ने इस अमृत महोत्सव को ऐतिहासिक और यादगार बना दिया।

नीट छात्रा ने की खुदकुशी, पेपर खराब होने के चलते टेंशन में थी; जांच में जुटी पुलिस

अलवर, 15 जुलाई (एजेंसियां)। बहरोड़ के इंदिरा कॉलोनी में 19 वर्षीय छात्रा कामाक्षी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलने पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई करते हुए शव का पोस्टमार्टम कराया और मर्ग दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस ने बताया कि इंदिरा कॉलोनी निवासी जगदीश प्रसाद की रिपोर्ट के अनुसार मंगलवार दोपहर करीब 1:30 बजे कामाक्षी की मां, जो एक सरकारी शिक्षिका हैं, स्कूल से घर लौटीं। घर पहुंचने पर उन्होंने अपनी बेटी कामाक्षी को कमरे में फंदे से लटका हुआ देखा। उन्होंने तुरंत अपने पति जगदीश प्रसाद को सूचना दी। जिसके बाद पिता तत्काल मौके पर पहुंचे और कामाक्षी को उपचार के लिए बहरोड़ के निजी अस्पताल लेकर गए,जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। परिजनों ने पुलिस को बताया कि कामाक्षी ने हाल ही में नीट परीक्षा दी थी। परीक्षा अपेक्षा के अनुरूप नहीं होने की चिंता के चलते वह पिछले कुछ समय से मानसिक तनाव में थी। कामाक्षी तीन भाई-बहनों में सबसे बड़ी थी। उसके पिता निजी शिक्षक हैं। परिवार के अनुसार उसका सपना डॉक्टर बनने का था और इसी उद्देश्य से उसने नीट परीक्षा की तैयारी कर परीक्षा दी थी। पुलिस का कहना है कि मामले के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने एक्स पर लिखा कि बहरोड़ की होनहार बेटी, नीट की छात्रा कामाक्षी के सुसाइड का समाचार अत्यंत दुःखद एवं दुर्भाग्यपूर्ण है।

आयकर विभाग का बड़ा एक्शन! जमीन की रजिस्ट्रियों की खंगाली जा रही फाइलें, संदेह में कई बड़े सौदे

जैसलमेर, 15 जुलाई (एजेंसियां)। भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा से सटे सामरिक महत्व वाले जैसलमेर जिले में मंगलवार को आयकर विभाग ने भूमि रजिस्ट्रियों से जुड़े मामलों की व्यापक जांच शुरू की। उदयपुर और जैसलमेर आयकर विभाग के अधिकारियों की संयुक्त टीम ने अचानक जिला मुख्यालय स्थित सब-रजिस्ट्रार कार्यालय पहुंचकर वर्ष 2024 और 2025 के भूमि पंजीयन रिकॉर्ड की जांच शुरू कर दी। कार्रवाई के दौरान कार्यालय में उपलब्ध रजिस्ट्रियों, वित्तीय दस्तावेजों और संबंधित अभिलेखों का बारीकी से सत्यापन किया गया। करीब आठ सदस्यीय टीम ने कार्यालय पहुंचते ही आवश्यक रिकॉर्ड परीक्षण के लिए अलग करवाए और विभिन्न रजिस्ट्रियों से जुड़े दस्तावेजों का मिलान शुरू किया। जांच के दौरान अधिकारियों ने कई फाइलों और अभिलेखों की विस्तार से पड़ताल की। विभाग यह पता लगाने का प्रयास कर रहा है कि भूमि खरीद-फरोख्त के दौरान आयकर अधिनियम और अन्य वित्तीय नियमों का पालन किया गया था या नहीं।

सूत्रों के अनुसार जांच का प्रमुख फोकस उन भूमि सौदों पर है, जिनमें निर्धारित नियमों के अनुरूप पैन कार्ड का उपयोग नहीं किया गया या दस्तावेजों में गलत अथवा भ्रामक जानकारी दर्ज कराई गई। ऐसे मामलों में प्रत्येक प्रविष्टि का मिलान किया जा रहा है। टीम यह भी जांच रही है कि कहीं वास्तविक खरीद मूल्य छिपाकर कम कीमत दर्शाने या अन्य तरीकों से वित्तीय जानकारी को प्रभावित करने का प्रयास तो नहीं किया गया।

आयकर विभाग की संयुक्त टीम विशेष रूप से वर्ष 2024 और 2025 में हुई भूमि रजिस्ट्रियों के रिकॉर्ड पर ध्यान केंद्रित किए हुए है। बताया जा रहा है कि अधिकारी इन वर्षों में हुए बड़े और संदिग्ध लेनदेन से जुड़े दस्तावेजों का अलग-अलग परीक्षण कर रहे हैं। आवश्यकता पड़ने पर संबंधित पक्षों से भी जानकारी ली जा सकती है। जानकारी के अनुसार जांच टीम जैसलमेर में दो दिन तक रुककर रिकॉर्ड का परीक्षण करेगी। इस दौरान दस्तावेजों का सत्यापन, रजिस्ट्रियों का मिलान और वित्तीय लेनदेन से जुड़े तथ्यों का विश्लेषण किया जाएगा। यदि जांच में किसी प्रकार की अनियमितता सामने आती है, तो संबंधित मामलों में आगे कानूनी और विभागीय कार्रवाई की जा सकती है। सीमावर्ती क्षेत्र होने के कारण जैसलमेर में बड़े भूमि सौदों पर पहले से विभिन्न एजेंसियों की नजर रहती है। आयकर विभाग यह भी जांच कर रहा है कि कहीं जमीन खरीद-फरोख्त के माध्यम से अघोषित धन का उपयोग तो नहीं किया गया। विभाग संदिग्ध लेनदेन की पूरी वित्तीय श्रृंखला, धन के स्रोत और भुगतान के तरीके का सत्यापन कर रहा है।

प्रसूता की मौत पर फूटा परिजनों का गुस्सा

पीबीएम अस्पताल की मोर्चरी के बाहर धरना

बीकानेर, 15 जुलाई (एजेंसियां)। बीकानेर के पीबीएम अस्पताल में सिजेरियन डिलीवरी के बाद एक और प्रसूता की इलाज के दौरान मौत हो गई। प्रसूता की मौत के बाद परिजनों का गुस्सा फूट पड़ा। परिजन बुधवार सुबह से ही मोर्चरी के बाहर धरने पर बैठे हुए है। धरने पर बैठे लोगों ने चेतावनी दी है कि जब तक कमला को न्याय नहीं मिलेगा, धरना जारी रहेगा।

युवा नेता रामनिवास कूकणा की अगुवाई में धरने के दौरान दोषी चिकित्सकों पर कार्रवाई के साथ-साथ सक्षम मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम कराए जाने की मांग उठाई गई। साथ ही कमला के परिजनों को आर्थिक सहायता प्रदान करने की मांग की। मृतका के पति ने इलाज में लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि डॉक्टरों ने उन्हें सही जानकारी नहीं दी और पुलिस शव जबरन ले गई।

पति मेघराज ने बताया कि कमला करीब एक महीने से आईसीयू में भर्ती थी। करीब 15 दिन पहले उसे वेंटिलेटर पर रखा गया था और पांच दिन पहले आईसीयू में ही ट्रेकियोस्टोमी की गई थी। मंगलवार को उसके गले से काफी खून बह रहा था। दोपहर करीब 12:30 बजे पैकिंग खोलने की बात कहकर उसे ऑपरेशन थिएटर ले जाया गया। करीब एक घंटे बाद वापस आईसीयू लाया गया और शाम करीब सवा चार बजे मौत की सूचना दी गई।

सड़क हादसा, एक ही बाइक पर सवार 3 युवकों की मौत

भीलवाड़ा, 15 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के भीलवाड़ा जिले में देर रात हुए भीषण सड़क हादसे तीन युवकों की मौत हो गई। हादसा बीके सरेरी पुलिया के निकट मंगलवार देर रात हुआ। तीनों युवक भीलवाड़ा स्थित शुभम कैट्स कंपनी में कार्य करने के बाद पालड़ी की ओर लौट रहे थे। हादसे की सूचना मिलते ही आसींद थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शवों को सरकारी अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है। पुलिस के अनुसार निजाम (32) निवासी गेनौली बिरादपुर, बीस छपरा, शिवनगर (बिहार) तथा पालड़ी निवासी एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि बृजेश सहनी (29) निवासी पानापुर नियार काटी (बिहार) गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे एंबुलेंस की मदद से तत्काल भीलवाड़ा के महात्मा गांधी चिकित्सालय ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया। तीनों युवक देर रात करीब 2:30 बजे एक ही बाइक पर पालड़ी लौट रहे थे।

तकनीकी खराबी या शॉर्ट सर्किट?

धू-धू कर जलीं दो निजी बसें जलकर खाक, समय रहते टला बड़ा हादसा

चित्तौड़गढ़, 15 जुलाई (एजेंसियां)। जिले के रावतभाटा में देर रात उस समय हड़कंप मच गया, जब परमाणु बिजलीघर से आगे एकलिंगपुरा मार्ग पर जंगल क्षेत्र में खड़ी दो निजी बसों में अचानक भीषण आग लग गई। कुछ ही मिनटों में आग ने दोनों बसों को अपनी चपेट में ले लिया और वे पूरी तरह जलकर खाक हो गईं। राहत की बात यह रही कि घटना के समय दोनों बसों में कोई यात्री सवार नहीं था, जिससे बड़ा हादसा टल गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार आधी रात को आग की ऊंची-ऊंची लपटें दूर-दूर तक दिखाई देने लगीं, जिससे आसपास के क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। साथ ही परमाणु बिजलीघर और नगर पालिका की तीन दमकल गाड़ियों को भी घटनास्थल पर भेजा गया।

दमकल कर्मियों ने करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक दोनों बसें पूरी तरह जल चुकी थीं। चूंकि घटना जंगल क्षेत्र में हुई थी, इसलिए आग के आसपास के वन क्षेत्र में बढ़ने की आशंका भी पैदा हो गई थी। हालांकि दमकलकर्मियों की तत्परता से आग को समय रहते नियंत्रित कर लिया गया।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार दोनों बसों को चालक राधेश्याम और बालू मरम्मत के लिए मध्यप्रदेश के मंदसौर ले जा रहे थे। रास्ते में एक बस में तकनीकी खराबी आने की सूचना मिली। इसी दौरान अचानक उसमें आग लग गई और देखते ही देखते पास में खड़ी दूसरी बस भी आग की चपेट में आ गई। घटना के बाद दोनों चालक मौके से चले गए। फिलहाल पुलिस आग लगने के कारणों की जांच कर रही है। प्रारंभिक तौर पर तकनीकी खराबी या शॉर्ट सर्किट की आशंका जताई जा रही है।

वीडीओ मैडम ने कहा-पति को देना रिश्वत के 25000 रुपए

एसीबी कार्रवाई की भनक लगते ही राशि लेने से किया इंकार, मामला दर्ज

कोटा, 15 जुलाई (एजेंसियां)। एसीबी कोटा ने रिश्वत मांगने के बाद कार्रवाई की भनक लगने पर घूस नहीं लेने के मामले में केशवरायपाटन पंचायत समिति की ग्राम पंचायत भीया की ग्राम विकास अधिकारी (वीडीओ) सोनम नेहरा के खिलाफ जांच के बाद मामला दर्ज कर लिया है। एसीबी कोटा को संवेदक और साथी ने 5 मई को दी शिकायत में बताया कि 26 अगस्त 2025 को उसने ग्राम पंचायत भीया में स्वच्छ भारत मिशन के तहत कचरा संग्रहण, सड़क-नाली और सामुदायिक भवन की सफाई का ठेका लिया था। ठेका पूरा होने पर दिसंबर में तीनों सफाई कार्यों के लिए 63,000, 50,137 और 51,111 रुपए के 3 बिल वीडीओ को पास करने के लिए दिए, लेकिन उनका भुगतान नहीं किया। भीया वीडीओ नेहरा ने बिलों का भुगतान करने की ऐवज में 25 हजार रुपए रिश्वत की मांग की। इस पर एसीबी ने शिकायत का सत्यापन किया तो मामला सही मिला। मामले की जांच बूंदी एसीबी के डीएसपी नीरज गुप्ता करेंगे। 7 मई 2026 को एसीबी के तत्कालीन एडिशनल एसपी मुकुल शर्मा की अगुवाई में सोनम नेहरा को ट्रैप करने टीम पहुंची और सह-परिवादी को नेहरा के पास कार्यालय में भेजा। इस पर वीडीओ नेहरा ने ऑफिस में संबंधित रजिस्टर न होने की बात कहते हुए रिश्वत की राशि उसके किराए के मकान पर जाकर उसके पति को देने को कहा। सह-परिवादी जब उसके पति को रिश्वत देने वहां पहुंचा तो सोनम के पति ने रिश्वत की राशि लेने से मना कर दिया इधर सोनम भी कार्यालय से चली गई। दरअसल एसीबी टीम ने 7 मई को केशवरायपाटन क्षेत्र में दो अलग-अलग ट्रैप कार्रवाई की थीं। पहली कार्रवाई में सखावदा ग्राम पंचायत के ग्राम विकास अधिकारी सतवीर सिंह को 25 हजार रुपए की रिश्वत लेते ट्रैप किया था।

लेफ्टिनेंट कर्नल के सरकारी आवास में चोरी

टीवी से लेकर गैस चूल्हा और बर्तन तक ले गए चोर

जोधपुर, 15 जुलाई (एजेंसियां)। चोरों के हौसले इतने बुलंद हो गए कि सैन्य अधिकारियों को भी नहीं बख्श रहे हैं। जेएसआई एन्क्लेव में सेना के एक लेफ्टिनेंट कर्नल के सरकारी आवास में ताला तोड़कर लाखों रुपए के सोने-चांदी के आभूषण और नकदी चोरी करने का मामला सामने आया है। घटना के समय सैन्य अधिकारी परिवार सहित छुट्टी पर महाराष्ट्र गए हुए थे। सूचना मिलने पर सेना पुलिस व महामंदिर थाना पुलिस ने मौके का निरीक्षण कर जांच शुरू कर दी है। महामंदिर थाना पुलिस को दी रिपोर्ट के अनुसार, 12 कॉर्प्स डेंटल यूनिट में कार्यरत लेफ्टिनेंट कर्नल आठवले रवि प्रकाश गत 26 जून से परिवार सहित अपने पैतृक निवास पाचौरा जिला जलगांव, महाराष्ट्र गए हुए थे। गत 11 जुलाई की सुबह करीब 9.51 बजे यूनिट के स्टॉफ नायक मनीष ने फोन कर बताया कि सरकारी आवास का मुख्य दरवाजा खुला है और ताला टूटा हुआ है। इसके बाद वीडियो कॉल पर पूरे घर का सामान बिखरा हुआ दिखाई दिया, जिससे चोरी की पुष्टि हुई। लेफ्टिनेंट कर्नल आठवले रवि प्रकाश ने बताया कि घटना की जानकारी तत्काल यूनिट के कमांडिंग ऑफिसर तथा सेना पुलिस कंट्रोल रूम को दी गई। इसके बाद वे परिवार सहित 12 जुलाई को जोधपुर पहुंचे और सेना पुलिस तथा महामंदिर थाना पुलिस के साथ घर का निरीक्षण किया। प्रारंभिक तौर पर सामने आया कि घर से सोने के कई कीमती आभूषण चोरी हो गए। इनमें करीब 219.12 ग्राम सोने के आभूषण और 53 हजार रुपए की नकदी प्रमुख है। एक ओर भारतीय सेना का जवान जम्मू-कश्मीर के गुलमर्ग में देश की सरहद की सुरक्षा में तैनात है। वहीं, दूसरी ओर जोधपुर में उसके आशियाने को चोरों ने निशाने पर ले लिया। बदमाशों ने बंद पड़े मकान में इत्मीनान से घुसकर केवल कीमती सामान ही नहीं, बल्कि दीवारों में लगी पूरी बिजली की वायरिंग तक उखाड़ ले गए। जब परिजन कई दिन बाद मकान पहुंचे तो अंदर का नजारा देख उनके होश उड़ गए। मामला राजीव गांधी नगर थाना क्षेत्र की रामदेव कॉलोनी, मारुति नगर का है।

प्रेमी ने विवाहित प्रेमिका को मारकर जंगलों में फेंका था शव, शक था-दूसरे व्यक्ति से दोस्ती हो गई

प्रेमी जगदीश और मृतका मंजू

भीलवाड़ा, 15 जुलाई (एजेंसियां)। कहते हैं कि प्यार का आधार अटूट विश्वास होता है, लेकिन जब इसी विश्वास में शक का जहर घुल जाए तो अंजाम खौफनाक होता है, इसकी बानगी शंभूगढ़ थाना क्षेत्र में देखने को मिली। जिस शख्स को 30 साल की मंजू देवी ने अपना माना, उसी के हाथों के गमछे ने उसकी सांसों की डोर को हमेशा के लिए तोड़ दिया। आपसी विवाद और संदेह की आग में जल रहे प्रेमी ने न सिर्फ अपनी प्रेमिका की बेरहमी से जान ली बल्कि उसके वजूद को मिटाने के लिए शव को जंगल में फेंक दिया। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज होने के महज कुछ ही घंटों के भीतर मंगलवार को हत्या की गुत्थी सुलझाते हुए प्रेमी को गिरफ्तार कर लिया। भीलवाड़ा जिले के दौलतपुरा की ढाणी निवासी मंजू देवी रेगर गत 9 जुलाई को लापता हो गई। घर से निकली मंजू के वापस नहीं लौटने पर मृतका के पति सुखालाल रेगर ने गुमशुदगी का मामला शम्भूगढ़ थाने में दर्ज कराया। परिजन सुरक्षित वापसी की दुआएं मांग रहे थे लेकिन सोमवार को रानीखेड़ा के जंगल में मंजू का शव मिला। उसका गला घोंटा हुआ था। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव की पहचान कर परिजनों को सूचना दी। थाना प्रभारी रोहिताश्व यादव ने बताया कि मृतका मंजू और आरोपी नई आबादी बरसनी निवासी जगदीश बैरवा के बीच लंबे समय से प्रेम प्रसंग चल रहा था लेकिन बीते कुछ दिनों से इस रिश्ते पर शक का साया मंडराने लगा था। आरोपी जगदीश को संदेह था कि मंजू की किसी अन्य व्यक्ति से दोस्ती हो गई है। इसी बात को लेकर दोनों के बीच अक्सर तीखी नोकझोंक होती थी।

ग्राउंड वॉटर ऑफिसर और डेटा एंट्री ऑपरेटर 20,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए एसीबी के शिकंजे में

हैदराबाद, 15 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना एंटी-करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने बुधवार को सूर्यापेट के डिस्ट्रिक्ट ग्राउंड वॉटर ऑफिसर और एक आउटसोर्स डेटा एंट्री ऑपरेटर को बोरवेल ड्रिलिंग रिग चलाने की इजाज़त देने के बदले 20,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए पकड़ा।

एसीबी के अनुसार, डिस्ट्रिक्ट ग्राउंड वॉटर ऑफिसर मेगावत बालू ने कथित तौर पर आउटसोर्स डेटा एंट्री ऑपरेटर कोसानोजु वेंकटेश्वरलू के ज़रिए रिश्वत की मांग की थी। यह रिश्वत शिकायतकर्ता के बोरवेल ड्रिलिंग रिग को मंज़ूरी देने और बिना वजह जुर्माना न लगाने या उपकरण ज़ब्त न करने के बदले मांगी गई थी।

यह जाल नलगोंडा रेंज के एसीबी अधिकारियों ने बिछाया था। उन्होंने ग्राउंड वॉटर ऑफिसर के कहने पर डेटा एंट्री ऑपरेटर के पास से 20,000 रुपये की रिश्वत की रकम बरामद की।

एसीबी ने कहा कि आरोपियों ने गलत तरीके से और बेईमानी से अनुचित लाभ उठाने की कोशिश करके अपने आधिकारिक पद का दुरुपयोग किया। दोनों अधिकारियों को न्यायिक रिमांड के लिए नामपल्ली में एसपीई और एसीबी मामलों के लिए I अतिरिक्त विशेष न्यायाधीश के सामने पेश किया गया। सुरक्षा कारणों से शिकायतकर्ता की पहचान गुप्त रखी गई है। आगे की जांच चल रही है।

दक्षिण तट रेलवे
विशाखापट्टणम
हमें X@SCoRailway पर फालो करें।
Website: www.scor.indianrailways.gov.in

निविदा सूचना संख्याः वीएसकेपी-टीआरएस-आरटी-04-2026-27

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, एसआर.डीईई/टीआरएस/वीएसकेपी द्वारा तत्संबंधित निविदा सं. वीएसकेपी-टीआरएस-आरटी-04-2026-27, बंद करने की तिथि/समय 05-08-2026 के 15.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित है। बोलीदाता अपने मूल/संशोधित बोलियों को तत्संबंधित बंद करने की तिथि एवं समय तक ही प्रस्तुत कर सकते हैं। इस निविदा के प्रति मैन्युएल आफर्स अमान्य हैं एवं किसी भी मैन्युएल आफर्स की प्राप्ति पर उसे नजरअंदाज किया जायेगा।

तत्संबंधित स्थान सहित कार्य विवरणः आपातकालीन ब्रेक एप्लीकेशन के दौरान बीपी ट्रेन पाइप से कोयला (कोल)/धूल के कणों (डस्ट पार्टिकल्स) को कलेक्ट करने के लिए, तीन फेज लोकोमोटिव्ज (डब्ल्यूपी-7 & डब्ल्यूजी-9) में ट्रैप चेम्बर का फिटमेन्ट कार्य। निविदा मूल्य रु.11,14,606.55, अग्रधन रु.22,300.00, निविदा प्रपत्र मूल्य रु.2,360.00, कार्यालय का पताः वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता (टीआरएस), इलेक्ट्रिक लोको शेड, दक्षिण तट रेलवे, एनएडी पोस्ट, विशाखापत्तनम-530009, कार्य पूरा करने की अवधिः एक वर्ष (12 महिने), बोली या बिड्डिंग प्रणालीः एकल पैकेट प्रणाली (ई-टेन्डरिंग), निविदा बंद करने की तिथि & समयः 05-08-2026 के 15.00 बजे, **वेबसाइट** **विवरणः** https://www.ireps.gov.in

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता (टीआरएस)/विशाखापत्तनम

संख्याः एससीओआर/युएसएफडी/26-27/ई-टेंडर/02, दि.13/07/2026

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, दक्षिण तट रेलवे, आभियांत्रिकी विभाग, विशाखापत्तनम द्वारा निम्न कार्यों हेतु आवश्यक योग्यता मानदंड को, पूरा करने वाले निविदाकार (निविदाकारों) से **वेबसाइटः**https://www.ireps.gov.in पर ई-बिड्स या ई-बोलियां आमंत्रित हैं।

(ए) निविदा सं.-एससीओआर-एचक्यू-इएनजीजी-डब्ल्यू-यूएसएफडी262702, दि.10-07-2026, कार्य विवरणः एससीओआर के बीजेडए, जीएनटी & जीटीएल डिवीजनों में आरडीएसओ अनुमोदित पाउट वेल्ड टेस्टर का उपयोग करते हुए फ्लैशबट्ट वेल्ड्स की युएसएफडी टेस्टिंग या परीक्षण।

कार्य की अनुमानित लागत रु.2070.03 लाख, कार्य पूरा करने की अवधिः 24 (चौबीस) महिने, अग्रधन रु.41,40,100.00, निविदा बंद करने की तिथि व समयः 05-08-2026 के 15.00 बजे

(बी) निविदाकारों द्वारा योग्यता से संबंधित, जैसा कि बोली दस्तावेज में निर्धारित नुसार, सभी दस्तावेजों को प्रस्तुत करना चाहिए, अन्यथा उनके (निविदाकार) आफर्स या प्रस्तावों को सरसरी तौर पर अस्वीकार किया जायेगा।

(सी) रु.10 (दस) करोड मूल्य से कम कार्यो के लिए जेवी/एमओयुज स्वीकार नहीं किये जाएंगे।

(डी) इस ई-निविदाओं के प्रति डाक/कोरियर/फैक्स द्वारा प्रेषित या व्यक्तिगत रूप में प्रस्तुत मैन्युएल आफर्स को स्वीकार नहीं किया जायेगा, बशर्ते यह (आफर्स) फर्म के लेटरहेड पर लिखित होकर समय पर प्राप्त किए हुए क्यों न हो। ऐसे सभी मैन्युएल आफर्स को अवैध करार देकर, उसपर कतई विचार किए बिना सरसरी तौर पर अस्वीकार किया जायेगा।

(इ) निविदाकारों/बोलीदाताओं के पास अवश्य रुप से क्लास-III डिजीटल सिग्नीचर सर्टिफिकेट होना चाहिए तथा उन्हें अनिवार्य तौर पर (आईआरईपीएस) पोर्टल पर पंजीकृत होना चाहिए। केवल पंजीकृत निविदाकार (टेंडर्स)/बोलीदाता (बिड्डर्स) ही ई-टेन्डरिंग में भाग ले सकते हैं। तत्संबंधित निर्देशानुसार, ई-टेन्डरिंग में भाग लेने के दौरान सभी समुचित दस्तावेजों को अपलोड किया जाना चाहिए।

टिप्पणीः भावी निविदाकारों को सलाह दी जाती है कि, इस निविदा के प्रति जारी कोई भी परिवर्तनों/शुद्धिपत्रों को, निविदा बंद करने की तिथि से लेकर दस दिनों के पहले, निम्न वेबसाइट पर जाएं या रिविजिट करें। **वेबसाइटः**https://www.ireps.gov.in

उप मुख्य अभियंता, ट्रैक, विशाखापत्तनम

सूचना संख्याः ईटी-एसआरडीएमइ-वीएसकेपी-005-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, डीआरएम (एमइसीएच), दक्षिण तट रेलवे, विशाखापत्तनम द्वारा निम्न कार्यों हेतु दो पैकेट प्रणाली में निविदाकारों से **वेबसाइटः**https://www.ireps.gov.in पर ई-बोलियां आमंत्रित हैं।

1 कार्य विवरणः 21 महिनों की अवधि के लिए, वीजेडएम, सीएचइ & एनडब्ल्यूपी रेलवे कालोनियों के लिए क्लीनींग & हाउसकीपींग का ठेका।

कार्य का अनुमानित मूल्य रु.61,31,386.71, निविदा दस्तावेज मूल्य रु.5,900.00, जमा किया जानेवाला अग्रधन रु.1,22,600.00, कार्य पूरा करने की अवधिः 21 (इक्कीस) महिने, निविदा बंद करने की तिथि&समयः10-08-2026 के15.00 बजे

इस ई-निविदाओं के प्रति डाक/कोरियर/फैक्स द्वारा प्रेषित या व्यक्तिगत रूप में प्रस्तुत मैन्युएल आफर्स को स्वीकार नहीं किया जायेगा, बशर्ते यह (आफर्स) फर्म के लेटरहेड पर लिखित होकर समय पर प्राप्त किए हुए क्यों न हो। ऐसे सभी मैन्युएल आफर्स को अवैध करार देकर, उसपर कतई विचार किए बिना सरसरी तौर पर अस्वीकार किया जायेगा।

उपरोक्त ई-निविदा की ई-निविदा दस्तावेजों सहित **संपूर्ण जानकारी वेबसाइटः** https://www.ireps.gov.in **पर उपलब्ध है।**

टिप्पणीः भावी निविदाकारों को सलाह दी जाती है कि, इस निविदा के प्रति जारी कोई भी परिवर्तनों/शुद्धिपत्रों को, निविदा बंद करने की तिथि से लेकर दस दिनों के पहले, निम्न वेबसाइट पर जाएं या रिविजिट करें। **वेबसाइटः**https://www.ireps.gov.in

-वरिष्ठ विभागीय यांत्रिक अभियंता, विशाखापत्तनम

SCoRA076

निविदा नियम शर्तें/अधिक जानकारी तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइटः https://www.ireps.gov.in देखें।

आज जगन्नाथ रथ यात्रा के लिए ट्रैफिक डायवर्जन

हैदराबाद, 15 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद ट्रैफिक पुलिस ने श्री जगन्नाथ रथ यात्रा के दो जुलूसों को देखते हुए 16 जुलाई को ट्रैफिक डायवर्जन और रूट से जुड़े नियमों की घोषणा की है।

इस्कॉन एबिड्स द्वारा आयोजित मुख्य जुलूस सुबह 11 बजे एनटीआर स्टेडियम, इंदिरा पार्क से शुरू होगा। यह आरटीसी एक्स रोड्स, नारायणगुडा, हिमायत नगर, लिबर्टी, बशीरबाग, एबिड्स और एमजे मार्केट से होते हुए शाम करीब 5 बजे नामपल्ली एग्जीबिशन ग्राउंड्स पर खत्म होगा।

दूसरी रथ यात्रा जगन्नाथ मंदिर, रोड नंबर 12, बंजारा हिल्स से दोपहर 12 बजे से रात 8 बजे के बीच निकाली जाएगी। इस दौरान रोड नंबर 12, जुबली हिल्स, फिल्म नगर और शेखपेट के आसपास ट्रैफिक डायवर्जन रहेगा।

गाड़ी चलाने वालों को सलाह दी जाती है कि वे वैकल्पिक रास्तों का इस्तेमाल करें और जुलूस वाले रास्तों पर ट्रैफिक जाम की उम्मीद रखें।

पीएम मोदी नए सिरे से बने हाई-टेक सिटी रेलवे स्टेशन का उद्घाटन कल करेंगे

हैदराबाद, 15 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत 26 करोड़ रुपये की लागत से हाई-टेक सिटी रेलवे स्टेशन को यात्रियों के लिए विश्व स्तरीय सुविधाओं के साथ फिर से तैयार किया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 17 जुलाई को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए इसका उद्घाटन करेंगे।

अपग्रेड किए गए स्टेशन में अब 12 मीटर चौड़ा फुट ओवर ब्रिज, लिफ्ट, एस्केलेटर, स्टेशन का आधुनिक बाहरी हिस्सा, नया पोर्टिको, यात्रियों के लिए आसान साइनबोर्ड और बेहतर यात्री सुविधाएं हैं।

साउथ सेंट्रल रेलवे के अधिकारियों ने हाई-टेक सिटी रेलवे स्टेशन पर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि स्टेशन को हैदराबाद के तेजी से बढ़ते आईटी कॉरिडोर को बेहतर यात्री सुविधा और आसान कनेक्टिविटी के साथ सपोर्ट करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह रीडेवलपमेंट एक बड़ी पहल का हिस्सा है, जिसके तहत तेलंगाना में 40 रेलवे स्टेशनों को 2,000 करोड़ रुपये से ज़्यादा के निवेश से आधुनिक बनाया जा रहा है। इनमें से बेगमपेट, वारंगल और करीमनगर स्टेशनों का उद्घाटन पहले ही हो चुका है। सिकंदराबाद डिवीजन के एडिशनल डिविजनल रेलवे मैनेजर/इंफ्रास्ट्रक्चर, के. मुथ्याला नायडू; साउथ सेंट्रल रेलवे के चीफ पब्लिक रिलेशंस ऑफिसर, ए. श्रीधर; सीनियर डिविजनल कमर्शियल मैनेजर के. शिवा हर्षा और अन्य सीनियर अधिकारी मौजूद थे।

केके माहेश्वरी ने एफटीसीसीआई के प्रेसिडेंट का पद संभाला

हैदराबाद, 15 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। कृष्णा कुमार (केके) माहेश्वरी को फेडरेशन ऑफ तेलंगाना चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री का प्रेसिडेंट चुना गया है, जबकि श्रीनिवास गरिमेला को सीनियर वाइस प्रेसिडेंट चुना गया है। माहेश्वरी, आर रवि कुमार की जगह लेंगे और एक साल के कार्यकाल के लिए 109 साल पुराने इस इंडस्ट्री संगठन का नेतृत्व करेंगे। एक अनुभवी उद्यमी और सीआईएल सिक्योरिटीज लिमिटेड के सीएमडी के तौर पर, उन्हें फाइनेंशियल सेक्टर में चार दशकों से ज़्यादा का अनुभव है। गरिमेला, जो एक उद्योगपति और ऑटोमेशन एक्सपर्ट हैं, एक दशक से ज़्यादा समय से एफटीसीसीआई से जुड़े हुए हैं।

बीजेपी के पूर्व कॉर्पोरेटर (जाम बाग) राकेश जायसवाल ने तोप खाना इलाके के स्थानीय लोगों की शिकायत पर संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए और अपनी व्यक्तिगत देखरेख में काम पूरा करवाया। अवसर पर संदीप जैन, राम उपाध्याय, विवेक, जीएचएमसी मैनेजर मुरली और इमरान मौजूद थे।

केबीआर पार्क में इच्छापूर्ति गणेश जी की पूजा प्रवीण कुमार अग्रवाल, संतोष बाई, सेसैया, राजेंद्र अग्रवाल, सुरेंद्र अग्रवाल, गोपाल बलदवा, पी.सी. जैन, अजय अग्रवाल, डॉ. राधा कृष्ण, सुरेश अग्रवाल, सीए मानसाराम अग्रवाल, पीएसआर मूर्ति, प्रमोद कुमार सरायवाला, विजय कुमार थुम्बी, आदिनारायण, राहुल सिंघल, विनोद टिकमानी, विजय रेड्डी, विजय लक्ष्मी, संध्या अग्रवाल, दुर्गा देवी, संतोष बाई अग्रवाल, पूजा अग्रवाल एवं अन्य।

विश्व जागृति मिशन का गुरू पूर्णिमा महोत्सव 19 को

हैदराबाद, 15 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। विश्व जागृति मिशन, हैदराबाद मंडल के तत्वावधान में संत सुधांशु महाराज द्वारा संस्थापित अमृतधाम आश्रम, मंचिरेउला ग्राम, नारसिंगी में गुरू पूर्णिमा महोत्सव रविवार, 19 जुलाई को सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक मनाया जाएगा । दोपहर 1 बजे से भंडारा-महाप्रसाद का आयोजन होगा ।

मिडिया प्रभारी राजकुमार दायमा द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार गुरु पूर्णिमा 29 जुलाई को है । अवसर पर शिष्यो को गुरुदेव से आशीर्वाद प्राप्त करनें का सुनहरा अवसर प्राप्त होता है । इस दिन शिष्य अपने सद्गुरुदेव के पास आध्यात्मिक क्षेत्र में उन्नति प्राप्त करनें का आशीर्वाद प्राप्त करता है ।

सुधांशु महाराज और ध्यान गुरू डा. अर्चिका दीदी के सान्निध्य में महोत्सव का मुख्य कार्यक्रम नई दिल्ली स्थित आनंदधाम आश्रम बक्करवाला में 25 जुलाई से ऑनलाइन और ऑफलाइन शुभारंभ होगा । इसके तहत 25 जुलाई से 28 जुलाई शाम के सत्र में गुरू गीता पर विशेष सारगर्भित उपदेश प्रवचन रहेगा । 26 और 27 जुलाई को गुरू कृपा साधना और 28 जुलाई को दिव्य शक्तिपात क्रिया कराई जाएगी । 29 जुलाई को मुख्य गुरू-पूर्णिमा-महोत्सव का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा । इस महत्वपूर्ण महोत्सव में हैदराबाद मण्डल के सैकडों गुरूभक्त कार्यक्रम में सम्मिलित होने राजु भागचंदानी के नेतृत्व में नई दिल्ली जाएंगे । मिशन के राष्ट्रीय प्रधान प्रेमसिंह राठौर और हैदराबाद मण्डल के महामंत्री अशोक कुमार अग्रवाल ने समस्त गुरूभक्त श्रध्दालुओं से इस महोत्सव में ज्यादा से ज्यादा संख्या में भाग लेने की अपील की है।

सीएम रेवंत आईटी ग्रोथ को बर्बाद कर रहे हैं: श्रवण

हैदराबाद, 15 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस एमएलसी श्रवण दासोजू ने बुधवार को कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी पर आरोप लगाया कि वे 'अक्षम शासन' के कारण हैदराबाद की ग्लोबल आईटी हब के तौर पर बनी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुँचा रहे हैं और निवेश को दूर भगा रहे हैं। यहाँ एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए, श्रवण ने दावा किया कि बीआरएस सरकार के कार्यकाल में तेलंगाना का आईटी एक्सपोर्ट 2013-14 में 57,258 करोड़ से बढ़कर 2.68 लाख करोड़ हो गया, जबकि पूर्व आईटी मंत्री केटी रामाराव के नेतृत्व में आईटी सेक्टर में नौकरियां बढ़कर 9.46 लाख हो गईं। उन्होंने आरोप लगाया कि मौजूदा कांग्रेस सरकार इस रफ़्तार को बनाए रखने में नाकाम रही है और सरकारी आंकड़ों का हवाला देते हुए दावा किया कि आईटी नौकरियों में कमी आई है।

उन्होंनेआरोप लगाया कि कॉग्निजेंट आईटी फर्म ने हैदराबाद से विशाखापत्तनम तक प्रस्तावित निवेश और 20,000 तक नौकरियां स्थानांतरित कर दी हैं, और इस बात पर सवाल उठाया कि क्या कांग्रेस सरकार बड़े निवेशकों को बनाए रखने में सक्षम है। उन्होंने आगे दावा किया कि कॉर्निंग ग्लास , प्रीमियर एनर्जीज़ और केन्स टेक्नोलॉजी जैसी कंपनियां तेलंगाना से बाहर चली गई हैं।

श्रवण ने हैदराबाद के आईटी कॉरिडोर की नागरिक सुविधाओं की स्थिति की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि निर्माण कार्य का मलबा और कचरा शहर की छवि खराब कर रहे हैं। उन्होंने सरकार पर एआई के कारण नौकरियों पर पड़ने वाले असर से निपटने के लिए कोई स्पष्ट रणनीति न होने और सरकारी भर्ती व बेरोजगारी भत्ते से जुड़े वादों को पूरा न करने का भी आरोप लगाया।

मीडिया से ज़मीनी हकीकत की जांच करने का आग्रह करते हुए, उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार तेलंगाना के आईटी इकोसिस्टम को कमजोर कर रही है और असहमति की आवाज़ को दबा रही है।

महिला चोर गिरफ्तार, 3.24 लाख रुपये के सोने के आभूषण बरामद

हैदराबाद, 15 जुलाई(स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद रेलवे पुलिस (जीआरपी) और रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) की संयुक्त टीम ने रेलवे स्टेशन पर चोरी की वारदातों को अंजाम देने वाली एक आदतन महिला अपराधी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 27 ग्राम सोने के आभूषण, जिनकी अनुमानित कीमत 3.24 लाख रुपये है, बरामद किए हैं। गिरफ्तार महिला की पहचान शीला (64), निवासी मौला अली, हैदराबाद के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार वह पहले भी वर्ष 2019 में चोरी के मामले में गिरफ्तार होकर जेल जा चुकी है। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी ने 12 नवंबर 2025 को सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-7 पर एक महिला यात्री के सोने के आभूषण और नकदी चोरी की थी। इसके बाद 1 जुलाई 2026 को भी उसने एक अन्य महिला यात्री के आभूषण और नकदी चुरा ली। चोरी की नकदी उसने निजी खर्चों में खर्च कर दी, जबकि कुछ सोने के आभूषण अज्ञात लोगों को बेच दिए और शेष अपने पास छिपाकर रखे थे। बुधवार को आरोपी एक बार फिर सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन पर चोरी की नीयत से पहुंची, जहां संदेह के आधार पर जीआरपी और आरपीएफ की टीम ने उसे पकड़ लिया। पूछताछ में उसने दोनों चोरी की वारदातों को स्वीकार कर लिया। उसके कब्जे से 27 ग्राम सोने के आभूषण बरामद किए गए। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।रेलवे पुलिस अधीक्षक वाई. साई शेखर के निर्देशन में थाना प्रभारी बी. साईश्वर गौड़, जीआरपी की अपराध शाखा और आरपीएफ की टीम ने संयुक्त कार्रवाई को अंजाम दिया। रेलवे एवं सड़क सुरक्षा के आईजी के. रमेश नायडू (आईपीएस) ने सफल कार्रवाई करने वाली टीम की सराहना करते हुए उन्हें पुरस्कृत करने की घोषणा की।

सरकार अपने स्कूलों को कॉर्पोरेट संस्थानों के बराबर विकसित करेगी: श्रीधर बाबू

हैदराबाद, 15 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। आईटी और उद्योग मंत्री डी. श्रीधर बाबू ने कहा कि तेलंगाना सरकार राज्य में सरकारी स्कूलों को कॉर्पोरेट शिक्षण संस्थानों के बराबर विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है। बुधवार को मेडचल-मलकजगिरी जिले के अलवाल में जेडपी गर्ल्स हाई स्कूल में 'फाउंडेशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स' साइंस सेंटर का उद्घाटन करने के बाद श्रीधर बाबू ने कहा कि सरकार शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा क्षेत्रों को प्राथमिकता दे रही है और साथ ही छात्रों में वैज्ञानिक सोच और रचनात्मकता को बढ़ावा दे रही है।

उन्होंने कहा कि राज्य एक ऐसा इकोसिस्टम बना रहा है जो इनोवेशन को बढ़ावा दे और युवाओं को उनके विचारों को ऐसे उत्पादों में बदलने में मदद करे जिनका समाज में उपयोग हो सके। उन्होंने कहा कि टी हब, टी वर्क्स और बी-हब जैसे संस्थान इनोवेटर्स को सहायता प्रदान कर रहे हैं।

इनोवेशन और कौशल के बढ़ते महत्व पर जोर देते हुए, मंत्री ने छात्रों से आग्रह किया कि वे सवाल पूछकर, खोजबीन करके और वास्तविक जीवन की समस्याओं का समाधान ढूंढकर वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करें। श्रीधर बाबू ने 'फाउंडेशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स' से राज्य भर के सरकारी स्कूलों में इसी तरह के साइंस सेंटर स्थापित करने की अपील की और इस पहल के लिए सरकार के समर्थन का आश्वासन दिया। इस कार्यक्रम में सांसद इटेला राजेंद्र और विजयेन्द्र प्रसाद, एफडीआर के महासचिव जयप्रकाश नारायण और अन्य लोग शामिल हुए।

इन्वेस्टमेंट आकर्षित करने के लिए सरकार इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ावा दे रही है: रेवंत

हैदराबाद, 15 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। 'तेलंगाना राइजिंग' को 'अजेय' बताते हुए, मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने कहा कि राज्य सरकार राज्य में और अधिक इन्वेस्टमेंट आकर्षित करने के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर में सुधार कर रही है।

बुधवार को महबूबनगर जिले के डिविटिपल्ली में अमारा राजा गीगा कॉरिडोर में अमारा राजा कंपनी की ईवी सेल मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी का उद्घाटन करने के बाद मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार पिछली सरकारों - चंद्रबाबू नायडू (1994-2004), वाई.एस. राजशेखर रेड्डी (2004-2014) और 2014 से दिसंबर 2023 तक रही सरकार - द्वारा शुरू की गई नीतियों को आगे बढ़ा रही है।

रेवंत रेड्डी ने कहा, हम पिछली सरकारों की बेहतरीन कार्यप्रणालियों और नीतियों को अपना रहे हैं क्योंकि सरकार 'पॉलिसी पैरालिसिस' (नीतिगत गतिरोध) का शिकार नहीं होना चाहती। हमारी सरकार ने 'तेलंगाना राइजिंग 2047' पहल के तहत मुख्य रूप से उद्योग, पर्यटन और स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए कई नीतियां शुरू की हैं। चूंकि तेलंगाना में उद्योग स्थापित करने के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर महत्वपूर्ण है, इसलिए सरकार पारदर्शी नीतियां बनाकर आगे बढ़ रही है। यह घोषणा करते हुए कि राज्य सरकार पड़ोसी राज्य के साथ बातचीत कर रही है, रेवंत रेड्डी ने कहा कि वे जल्द ही महबूबनगर जिले के लोगों के साथ अच्छी खबर साझा करेंगे।

उन्होंने कहा, पलामुरु-रंगारेड्डी लिफ्ट इरिगेशन स्कीम के लिए 90 टीएमसी पानी और डिंडी प्रोजेक्ट के लिए 30 टीएमसी पानी के आवंटन को लेकर बातचीत पहले से ही चल रही है। हम उद्योगों के लिए अनुकूल माहौल बनाएंगे और जिले में रोजगार के अवसर पैदा करेंगे।

मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि जिन किसानों ने अमारा राजा कंपनी को अपनी जमीन दी है, उन्हें नई ईवी सेल मैन्युफैक्चरिंग यूनिट में नौकरी दी जानी चाहिए। उन्होंने चीन, जापान, जर्मनी और कोरिया से प्रेरणा लेने के लिए अमारा राजा कंपनी की तारीफ़ की और कहा कि यह गर्व की बात है कि अमारा राजा ईवी सेक्टर में चीन को टक्कर दे रही है। उन्होंने कहा, दिविटिपल्ली में अमारा राजा की यूनिट में कुल 700 कर्मचारी काम कर रहे हैं, जिनमें से 400 महिलाएं हैं; यह महिला सशक्तिकरण का एक बड़ा उदाहरण है।

बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन के ख़तरे पर गंभीर चिंता जताते हुए रेवंत रेड्डी ने कहा कि अल नीनो के असर से बारिश कम हो रही है, जिससे किसानों को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है।

उन्होंने कहा, कोविड-19 महामारी के बाद से जलवायु में काफ़ी बदलाव आए हैं। प्रदूषण कम करने की ज़रूरत है और प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए इलेक्ट्रिक वाहन बहुत ज़रूरी हैं।

ब्रिक्स श्रम मंत्रियों ने हैदराबाद घोषणा को अपनाया, 'ब्रिक्स कनेक्ट' लॉन्च किया

हैदराबाद, 15 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। ब्रिक्स श्रम और रोजगार मंत्रियों ने बुधवार को हैदराबाद घोषणा को अपनाया और ब्रिक्स कनेक्ट लॉन्च किया। यह एक नया प्लेटफॉर्म है जिसका मकसद भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता के तहत श्रम सुधारों, सामाजिक सुरक्षा, कौशल विकास और डिजिटल रोजगार पर सहयोग को मजबूत करना है।

मंत्रिस्तरीय बैठक को संबोधित करते हुए, केंद्रीय श्रम और रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया ने कहा कि भारत की अध्यक्षता लचीलेपन, नवाचार, सहयोग और स्थिरता के लिए निर्माण थीम पर आधारित थी, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से प्रेरित होकर लोगों को केंद्र में रखने वाला दृष्टिकोण अपनाया गया।

भारत के श्रम सुधारों पर प्रकाश डालते हुए, मंडाविया ने कहा कि देश ने 29 श्रम कानूनों को चार श्रम संहिताओं में मिला दिया है और ई-श्रम पोर्टल के माध्यम से सामाजिक सुरक्षा का विस्तार किया है, जिसमें अब 317 मिलियन से अधिक असंगठित क्षेत्र के श्रमिक शामिल हैं। उन्होंने यह भी बताया कि भारत में 2,100 से अधिक ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर हैं, जिनमें 2.35 मिलियन पेशेवर काम करते हैं।

बैठक में चार प्राथमिकता वाले क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करते हुए एक संयुक्त घोषणा को अपनाया गया - सामाजिक सुरक्षा का विस्तार, कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना, कौशल और रोजगार क्षमता को बढ़ाना, और गिग और प्लेटफॉर्म श्रमिकों सहित सभी श्रमिकों के लिए डिजिटल तकनीकों का लाभ उठाना।

एक बड़ा नतीजा ब्रिक्स कनेक्ट का लॉन्च था, जो भारत की अगुवाई वाली एक पहल है। इसका मकसद श्रम बाजार की जानकारी, भविष्य के कौशल, डिजिटल रोजगार सेवाओं और सामाजिक सुरक्षा सुधारों पर ब्रिक्स देशों के बीच तकनीकी सहयोग, ज्ञान साझा करने और क्षमता निर्माण को सुविधाजनक बनाना है।

बैठक में अपने वीडियो संदेश में, अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन के महानिदेशक गिल्बर्ट एफ. होंगबो ने ब्रिक्स एजेंडा के केंद्र में श्रम और रोजगार को रखने के लिए भारत के नेतृत्व की सराहना की। महानिदेशक ने भारत के मजबूत सामाजिक सुरक्षा इकोसिस्टम की भी तारीफ की, जिसमें पिछले दशक में तेजी से विस्तार हुआ है।

महाप्रबंधक ने सीताफलमंडी-लालागुड़ा नई कॉर्ड लाइन का किया निरीक्षण

हैदराबाद, 15 जुलाई(स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव ने बुधवार को नव निर्मित एवं हाल ही में शुरू की गई सीताफलमंडी-लालागुड़ा कॉर्ड लाइन का विस्तृत निरीक्षण किया। इस दौरान हैदराबाद मंडल के मंडल रेल प्रबंधक संतोष कुमार वर्मा सहित मुख्यालय और मंडल के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। महाप्रबंधक ने सीताफलमंडी स्टेशन से निरीक्षण शुरू किया।

उन्होंने स्टेशन परिसर, स्वच्छता, प्रतीक्षालय, टिकट काउंटर, प्लेटफॉर्म, यात्री सुविधाओं, स्टेशन मास्टर कक्ष, सिग्नलिंग प्रणाली और सुरक्षा उपकरणों का जायजा लिया। इसके बाद उन्होंने नई कॉर्ड लाइन पर ट्रॉली से निरीक्षण करते हुए ट्रैक, प्वाइंट और क्रॉसिंग का परीक्षण किया। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि लगभग 3 किलोमीटर लंबी यह नई कॉर्ड लाइन सिकंदराबाद स्टेशन को बाईपास करते हुए सिकंदराबाद-काजीपेट मुख्य मार्ग को सिकंदराबाद-दोन मार्ग से जोड़ती है। परियोजना के तहत पांच छोटे पुल बनाए गए हैं, जिनमें अलुगड्डा बावी रोड अंडर ब्रिज प्रमुख है। पूरे सेक्शन में अत्याधुनिक स्वचालित सिग्नलिंग प्रणाली स्थापित की गई है। नई लाइन के शुरू होने से काजीपेट से काचीगुड़ा जाने वाली ट्रेनों को अब मौला अली और मलकाजगिरि होकर लगभग 15 किलोमीटर का अतिरिक्त चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा। अब ट्रेनें लालागुड़ा के रास्ते सीधे काचीगुड़ा पहुंच सकेंगी। इससे लगभग 12 किलोमीटर की दूरी और करीब 20 मिनट का यात्रा समय बचेगा। निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक ने लालागुड़ा स्टेशन का भी दौरा किया तथा वहां की सिग्नलिंग और सुरक्षा व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर स्टेशन मास्टर के साथ परिचालन संबंधी विषयों पर चर्चा की।

ब्राउ को पांच नए कोर्स के लिए यूजीसी की मंज़ूरी

हैदराबाद, 15 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। डॉ. बी.आर. अंबेडकर ओपन यूनिवर्सिटी (ब्राउ) को यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन (यूजीसी) से पांच नए एकेडमिक प्रोग्राम शुरू करने की मंज़ूरी मिल गई है। इससे शिक्षा, सोशल वर्क और भूगोल के क्षेत्र में यूनिवर्सिटी की पेशकशों का विस्तार होगा।

नए मंज़ूर किए गए प्रोग्राम में एमए एजुकेशन, (स्कूल एडमिनिस्ट्रेशन), मास्टर ऑफ़ सोशल वर्क, एमएससी भूगोल और नया किया गया बीएड. (स्पेशल एजुकेशन) प्रोग्राम शामिल हैं।

वाइस-चांसलर प्रो. घंटा चक्रपाणि ने कहा कि शिक्षा प्रोग्राम से नौकरी कर रहे शिक्षकों को अपनी योग्यता बढ़ाने और शैक्षिक नेतृत्व को मज़बूत करने में मदद मिलेगी।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

बुमराह इंग्लैंड में सबसे ज्यादा वनडे विकेट लेने वाले भारतीय

बर्मिंघम, 15 जुलाई (एजेंसियां)। भारत ने पहले वनडे में इंग्लैंड को 6 विकेट से हरा दिया। बर्मिंघम के एजबेस्टन स्टेडियम में जसप्रीत बुमराह ने वनडे में अपने 150 विकेट पूरे किए। इसके साथ ही वह इंग्लैंड में सबसे ज्यादा वनडे विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज बन गए।

मैच के दौरान कई दिलचस्प नजारे भी देखने को मिले। इंग्लैंड की पारी में जोस बटलर का कैच लेने की कोशिश में शुभमन गिल और गुरनूर बरार आपस में टकरा गए। वहीं, भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी भी मैच देखने पहुंचे। स्टैंड्स में उनका एक नन्हें फैन के साथ बैठकर पॉपकॉर्न खाते हुए वीडियो वायरल हो गया।

बुमराह इंग्लैंड में सबसे ज्यादा वनडे विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज बन गए हैं। उन्होंने बर्मिंघम में एक विकेट लिया। इसके साथ ही इंग्लैंड में उनके 31 विकेट हो गए हैं। उन्होंने रवींद्र जडेजा का रिकॉर्ड तोड़ा। जडेजा ने 30 विकेट लिए हैं।

बुमराह वनडे में सबसे कम गेंद पर 150 विकेट लेने वाले तीसरे भारतीय बने। उन्होंने 4605 गेंदों में 150 विकेट पूरे किए। पहले स्थान पर मोहम्मद शमी है। उन्होंने 4070 गेंद में 150 विकेट लिए थे। कुलदीप यादव 4513 गेंद के साथ दूसरे स्थान पर हैं।

डॉसन वनडे में पहली फिफ्टी लगाने वाले दूसरे सबसे उम्रदराज इंग्लिश खिलाड़ी बन गए। उन्होंने 36 साल 135 दिन की उम्र में 68 रन की पारी खेली। इंग्लैंड के लिए सबसे ज्यादा उम्र में पहली फिफ्टी लगाने का रिकॉर्ड ज्योफ्री बॉयकॉट के नाम है। उन्होंने 38 साल 245 दिन की उम्र में ऐसा किया था।

धोनी मैच देखने बर्मिंघम पहुंचे। इस दौरान उनके पास बैठे एक छोटे बच्चे ने उन्हें पॉपकॉर्न ऑफर किया। धोनी ने मना नहीं किया और पॉपकॉर्न खाया। हालांकि फिर बच्चे को इशारा किया की मेरा पेट भरा है, आप खाओ।

17वें ओवर में प्रसिद्ध कृष्णा की गेंद पर जोस बटलर कैच आउट हुए। ओवर की पहली गेंद पर बटलर ने लेग साइड में शॉट खेला, लेकिन गेंद ने बैट का टॉप एज लिया। कैच पकड़ने के लिए मिड-ऑफ से शुभमन गिल और मिड-ऑन से गुरनूर बरार दौड़े। इस दौरान दोनों की टक्कर हो गई। हालांकि बरार ने कैच पकड़ लिया और किसी को चोट भी नहीं लगी।

शिवम दुबे ने पारी के 20वें ओवर में अपनी ही गेंद पर कैच छोड़ दिया। ओवर की तीसरी गेंद पर रूट ड्राइव शॉट खेलने में जल्दबाजी कर गए। गेंद सीधे दुबे के पास गई। उन्होंने कैच पकड़ने की कोशिश की, लेकिन गेंद उनके हाथ से लगकर नीचे गिर गई। तब रूट 7 रन बनाकर खेल रहे थे। इसके बाद उन्होंने 76 रन की पारी खेली।

गुरनूर बरार 47वें ओवर के बाद परेशानी में नजर आए। उन्हें 48वें ओवर में गेंदबाजी करनी थी। बरार गेंद हाथ में लेकर दौड़े, लेकिन तकलीफ के कारण रन-अप के बीच में ही रुक गए। उन्हें पैर के काफ में परेशानी थी। इसके बाद फिजियो मैदान पर आए। जांच के बाद बरार को मैदान से बाहर जाना पड़ा। उनकी जगह अक्षर पटेल ने यह ओवर डाला।

अक्षर पटेल ने 48वें ओवर में ही इंग्लैंड को ऑलआउट कर दिया। उन्होंने 3 गेंद के अंदर आदिल राशिद और जोश टंग को आउट किया। अक्षर ने तीसरी गेंद पर आदिल राशिद को केएल राहुल के हाथों स्टंप आउट कराया। फिर पांचवीं गेंद पर जोश टंग को क्लीन बोल्ड कर दिया। इसके साथ ही इंग्लैंड 258 रन पर ऑलआउट हो गई।

पारी के 26वें ओवर में कप्तान शुभमन गिल को पैर में परेशानी के बाद मैदान से बाहर जाना पड़ा। दरअसल 23वें ओवर के बाद भी उन्हें पैरों में थोड़ दिक्कत हुई थी। तब फीजियो ने आकर उन्हें चेक किया। थोड़ी स्ट्रेचिंग के बाद उन्होंने बैटिंग जारी रखी। हालांकि 26वें ओवर में चौथी गेंद खेलने के बाद उन्हें फिर परेशानी हुई। इसके बाद उन्होंने पवेलियन लौटने का फैसला किया।

सुंदर ने 46वें ओवर की दूसरी गेंद पर छक्का लगाकर भारत को जीत दिलाई। इसके साथ ही उनकी फिफ्टी भी पूरी हुई। आदिल राशिद ने स्लॉट में गेंद डाली, जिसे सुंदर ने लॉन्ग-ऑन के ऊपर से छक्का जड़ दिया।

पहले वनडे में जीत के बावजूद 2 खिलाड़ी होंगे टीम इंडिया से बाहर!

गौतम गंभीर को मजबूरी में लेना पड़ सकता है फैसला

शुभमन गिल, गौतम गंभीर

लंदन, 15 जुलाई (एजेंसियां)। भारत और इंग्लैंड के बीच बर्मिंघम में पहला वनडे मैच खेला गया. इस मैच में टीम इंडिया ने गेंद और बल्ले से बवाल मचाया. 6 विकेट से भारत ने जीत दर्ज की. टी20आई सीरीज में 4-0 से हार के बाद आखिर वनडे में टीम इंडिया को जीत मिली. यह भारत की इंग्लैंड दौरे पर पहली जीत है और अब फैंस यह मानकर चल रहे हैं कि दूसरे वनडे में टीम इंडिया की प्लेइंग 11 में कोई बदलाव नहीं होगा. हालांकि, गौतम गंभीर को मजबूरन दो बदलाव करने पड़ सकते हैं.

गुरनूर बरार ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले वनडे मैच में 2 विकेट झटके. हालांकि, बरार 48वां ओवर डालते हुए चोटिल हो गए थे, जिस वजह से उन्हें मैदान से बाहर जाना पड़ा. उनकी जगह अक्षर पटेल ओवर फेंकने आए. बरार की फिटनेस को लेकर टीम इंडिया कोई जोखिम नहीं लेना चाहेगी. इसी वजह से उन्हें दूसरे वनडे में आराम दिया जा सकता है.

शुभमन गिल को पहले वनडे में बल्लेबाजी करते हुए हैमस्ट्रिंग में कुछ समस्या हुई. इसी वजह से वो 80 रन बनाकर रिटायर हो गए और पवेलियन लौट गए. गिल इसके बाद दोबारा बल्लेबाजी करने नहीं आए. उनकी चोट कितनी गहरी है, यह अब तक पता नहीं चला है. गौतम गंभीर उन्हें एक मैच के लिए आराम दे सकते हैं.

शुभमन गिल टीम इंडिया के कप्तान हैं लेकिन अगर उन्हें गौतम गंभीर एवं टीम मैनेजमेंट द्वारा आराम दिया जाता है, तो उनकी जगह श्रेयस अय्यर कप्तानी कर सकते हैं. वो टीम इंडिया के उपकप्तान हैं और उन्हें कप्तानी का अनुभव भी है.

शुभमन गिल नहीं खेले, तो प्लेइंग 11 में ईशान किशन की एंट्री हो सकती है. किशन ओपनिंग करते हुए नजर आ सकते हैं. गुरनूर बरार की जगह प्रिंस यादव या अर्शदीप सिंह को खेलने का मौका मिल सकता है.

स्पेन 16 साल बाद फुटबॉल वर्ल्डकप फाइनल में

फ्रांस को 2-0 से हराया; ओयारजाबाल ने पेनल्टी पर गोल किया

पेड्रो पोरो ने गोल करके स्पेन को बढ़त दिलाई

डलास, 15 जुलाई (एजेंसियां)। स्पेन 16 साल बाद फुटबॉल वर्ल्ड कप के फाइनल में पहुंच गया है। टीम ने पहले सेमीफाइनल में फ्रांस को 2-0 से हराकर दूसरी बार फाइनल में जगह बनाई। डलास स्टेडियम में मिकेल ओयारजाबाल ने 22वें मिनट में पेनल्टी पर पहला गोल किया। इसके बाद 58वें मिनट में पेड्रो पोरो ने गोल दागकर स्पेन की जीत पक्की कर दी।

स्पेन 2010 के बाद फाइनल खेलेगा। तब टीम ने फाइनल में नीदरलैंड को 1-0 से हराकर अपना इकलौता वर्ल्ड कप जीता था। वहीं, फ्रांस 2018 और 2022 के बाद लगातार तीसरी बार वर्ल्ड कप फाइनल में पहुंचने से रह गया।

स्पेन को 22वें मिनट में पेनल्टी मिली। फ्रांस के डिफेंडर लुकास डिग्ने ने बॉक्स के अंदर लामिन यमाल पर फाउल कर दिया। इसके बाद रेफरी ने पेनल्टी दे दी। मिकेल ओयारजाबाल ने गेंद को गोलपोस्ट के दाएं कोने में भेज दिया। इसके साथ ही स्पेन ने 1-0 की बढ़त बना ली। यह ओयारजाबाल का टूर्नामेंट में पांचवां गोल रहा।

दूसरे हाफ में फ्रांस बराबरी की कोशिश करता रहा, लेकिन 58वें मिनट में पेड्रो पोरो ने दानी ओल्मो के शानदार पास पर गोल कर स्पेन की बढ़त 2-0 कर दी। इसके बाद स्पेन ने गेंद पर नियंत्रण बनाए रखा और फ्रांस को कोई बड़ा मौका नहीं दिया।

पूरे टूर्नामेंट में शानदार फॉर्म में रहे किलियन एम्बाप्पे इस मुकाबले में स्पेन की मजबूत डिफेंस के सामने असर नहीं छोड़ सके। उन्हें कई बार ऑफसाइड मिला और दूसरे हाफ में येलो कार्ड भी मिला। फ्रांस 2018 और 2022 के बाद लगातार तीसरी बार वर्ल्ड कप फाइनल खेलने का मौका गंवा बैठा।

फिडे चेस वर्ल्ड कप: सबसे बड़े टूर्नामेंट का फॉर्मेट बदला

प्राइज मनी 22% बढ़ी, खिलाड़ियों की संख्या बढ़कर 224 हुई

पेरिस, 15 जुलाई (एजेंसियां)। दुनिया के सबसे बड़े शतरंज टूर्नामेंट फिडे वर्ल्ड कप का फॉर्मेट अगले साल से पूरी तरह बदल जाएगा। अब शुरुआत से नॉकआउट मैच नहीं होंगे। पहले सभी खिलाड़ी स्विस लीग खेलेंगे। उसके बाद सिर्फ टॉप-16 खिलाड़ी नॉकआउट में पहुंचेंगे। इससे खिलाड़ियों को ज्यादा मैच खेलने का मौका मिलेगा। जानिए क्या हैं अहम बदलाव

अब तक फिडे वर्ल्ड कप पूरी तरह नॉकआउट फॉर्मेट में खेला जाता था। 2027 से इसकी शुरुआत स्विस सिस्टम से होगी। ओपन वर्ग में 224 और महिला वर्ग में 128 खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। ओपन के खिलाड़ियों को 56-56 के 4 ग्रुप में बांटा जाएगा। हर खिलाड़ी 9 राउंड खेलेगा। इसके बाद हर ग्रुप के टॉप-4 खिलाड़ी नॉकआउट के राउंड ऑफ-16 में पहुंचेंगे। महिला वर्ग में दो ग्रुप होंगे और हर ग्रुप से 8 खिलाड़ी आगे बढ़ेंगी।

पहले वर्ल्ड कप करीब चार हफ्ते तक चलता था। कई खिलाड़ी पहले ही दो मैच हारकर बाहर हो जाते थे, जबकि कुछ खिलाड़ियों को लगभग एक महीने तक खेलना पड़ता था। फिडे का मानना है कि इतना लंबा टूर्नामेंट खिलाड़ियों और आयोजकों दोनों के लिए मुश्किल हो गया था। नए फॉर्मेट से प्रतियोगिता करीब एक हफ्ते छोटी हो जाएगी और सभी खिलाड़ियों को कम से कम 9 मुकाबले खेलने का मौका मिलेगा।

स्विस चरण में फास्ट क्लासिकल टाइम कंट्रोल रहेगा। हर खिलाड़ी को पूरे मुकाबले के लिए 45 मिनट मिलेंगे और हर चाल पर 30 सेकंड का अतिरिक्त समय मिलेगा। स्विस चरण सिर्फ पांच दिन में पूरा होगा, जिसमें चार दिन डबल राउंड होंगे। इसके बाद राउंड ऑफ-16 से वही पुराना नॉकआउट फॉर्मेट रहेगा, जिसमें दो क्लासिकल गेम होंगे। बराबरी रहने पर रैपिड और ब्लिट्ज टाईब्रेक से विजेता तय होगा।

ओपन वर्ग में खिलाड़ियों की संख्या 206 से बढ़ाकर 224 और महिला वर्ग में 107 से बढ़ाकर 128 कर दी गई है। कुल इनामी राशि भी बढ़ाकर करीब 32 करोड़ रुपए कर दी गई है, जो पहले 26 करोड़ रुपए हुआ करती थी। इसमें ओपन वर्ग के लिए लगभग 22 करोड़ और महिला वर्ग के लिए 10 करोड़ होंगे। हालांकि दोनों वर्गों में विजेता की पुरस्कार राशि पहले की तरह क्रमशः करीब 1.15 करोड़ और 48.1 लाख रुपए ही रहेगी।

सीएसके का अगला कोच कौन? धोनी कर सकते हैं फैसला

चेन्नई, 15 जुलाई (एजेंसियां)। चेन्नई सुपर किंग्स के अगले कोच का चुनाव अगर एमएस धोनी करते दिखें तो हैरान मत होइएगा. क्योंकि ऐसी खबर है कि सीएसके में वो बड़ी जिम्मेदारी निभाने को तैयार हैं. मतलब उनका कद अब और बढ़ने वाला है. रेवस्पोर्ट्ज़ ने सूत्रों के हवाले से अपनी रिपोर्ट धोनी के चेन्नई सुपर किंग्स का मेंटॉर बनाए जाने और उनके अगले कोच पर फैसला करने की बात कही है. सीएसके में स्टीफन फ्लेमिंग के हटने के बाद कोच का पद खाली है.

हालांकि, सीएसके के साथ स्टीफन फ्लेमिंग के 18 साल के कोचिंग के कार्यकाल का अंत भी धोनी की सहमति से हुआ, इस बारे में फिलहाल कोई जानकारी नहीं है. लेकिन, सीएसके से जुड़े लोगों ने रेवस्पोर्ट्ज़ को बताया कि धोनी फ्रेंचाइजी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं और वो ही अगले कोच का भी चुनाव कर सकते हैं. रिपोर्ट में कहा गया कि 5 आईपीएल खिताब जीतने वाली सीएसके. नए कोच के चुनाव में वक्त ले सकती है. मगर उसके लिए परफेक्ट कौन रहेगा, उस पर अंतिम मुहर धोनी ही लगाते दिख सकते हैं.

धोनी अभी भी खिलाड़ी के तौर पर सीएसके का हिस्सा हैं. सीएसगके ने 4 करोड़ रुपये में आईपीएल 2025 के मेगा ऑक्शन में उन्हे रिटेन किया था. धोनी को अनकैप्ड प्लेयर की कैटेगरी में रखा गया था क्योंकि धोनी को इंटरनेशनल क्रिकेट से रिटायर हुए 5 साल से अधिक हो चुके थे.

2026 के आईपीएल में धोनी ने अपनी इंजरी के चलते एक भी मुकाबला नहीं खेला था. 2027 में वो खेलेंगे या नहीं, ये फैसला पूरी तरह से धोनी का होगा. अगर सीएसके के पूर्व कप्तान धोनी खिलाड़ी के तौर पर नहीं आना चाहते तो आईपीएल 2027 में फ्रेंचाइजी उन्हें मेंटॉर बना सकती है. सूत्रों के मुताबिक ये भी कहा जा रहा है कि बिना किसी आधिकारिक पद के धोनी को क्रिकेट से जुड़े मामलों की कमान सौंपी जा सकती है.

एशियन गेम्स से पहले ग्लासगो में होगी असली परीक्षा

भारतीय धावकों ने बताया क्यों कठिन है पदक जीतना

नई दिल्ली, 15 जुलाई (एजेंसियां)। भारत के शीर्ष 400 मीटर धावकों का मानना है कि आगामी कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में पदक जीतना इस साल होने वाले एशियन गेम्स की तुलना में अधिक कठिन होगा। उनका कहना है कि ग्लासगो में मिलने वाली कड़ी प्रतिस्पर्धा एशियन गेम्स से पहले खुद को परखने का बेहतरीन अवसर साबित होगी। 23 जुलाई से शुरू हो रहे कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत 32 सदस्यीय एथलेटिक्स टीम उतारेगा। इसके लगभग दो महीने बाद एशियन गेम्स का आयोजन होगा। पुरुष 400 मीटर और मिश्रित 4x400 मीटर रिले में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले विशाल थेन्नारासु कयालविझी ने कहा कि ग्लासगो में ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड जैसे मजबूत देशों के धावकों की मौजूदगी भारतीय एथलीटों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करेगी। उन्होंने कहा, 'कॉमनवेल्थ गेम्स कठिन है, लेकिन अगर हम अच्छी तैयारी करें तो पदक जीतना संभव है। कोई भी बड़ा टूर्नामेंट आसान नहीं होता, चाहे वह एशियन गेम्स हो या कॉमनवेल्थ गेम्स। मेरे लिए यह खुद को साबित करने का बड़ा मौका है और मैं वहां अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करूंगा।

22 वर्षीय विशाल फिलहाल सरकार की ओर से प्रायोजित 45 दिन के अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर के लिए पोलैंड के स्पाला रवाना हुए हैं। 60 सदस्यीय भारतीय दल में 41 खिलाड़ी और 19 कोच व सपोर्ट स्टाफ शामिल हैं। विशाल ने कहा कि ग्लासगो में उनका पहला लक्ष्य दोनों स्पर्धाओं में अपना पर्सनल बेस्ट टाइम हासिल करना होगा। भारतीय धावक जय कुमार ने भी माना कि कॉमनवेल्थ गेम्स एशियन गेम्स की तुलना में ज्यादा कठिन प्रतियोगिता होगी, हालांकि इस साल उनका मुख्य लक्ष्य एशियन गेम्स में अच्छा प्रदर्शन करना है। उन्होंने कहा, 'इस साल मेरा मुख्य लक्ष्य एशियन गेम्स है। इंटर-स्टेट और फेडरेशन कप मेरे लिए महत्वपूर्ण प्रतियोगिताएं थीं और वहां मेरा प्रदर्शन अच्छा रहा।

असुंता लकड़ा के प्रताड़ना के आरोपों पर हॉकी इंडिया को जांच के निर्देश

नई दिल्ली, 15 जुलाई (एजेंसियां)। पूर्व भारतीय कप्तान असुंता लकड़ा के प्रताड़ना और धमकी के आरोपों के बाद खेल मंत्रालय एक्शन में है।

मंत्रालय ने हॉकी इंडिया को मामले की तुरंत जांच करने और रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए हैं। असुंता ने महासचिव भोला नाथ सिंह पर दोषियों को बचाने और आवाज उठाने पर डराने-धमकाने का आरोप लगाया है।

दरअसल रांची के एक एकेडमी के कोच सुधीर गोला पर लगे यौन उत्पीड़न आरोप के बाद असुंता को निशाना बनाया जा रहा है।

असुंता के साथ झारखंड की 31 महिला खिलाड़ियों ने भी लिखित शिकायत दर्ज कराई है। मामला हॉकी इंडिया की आंतरिक शिकायत समिति को सौंपा गया है।

आईसीसी ने बदला वनडे और टी-20 वर्ल्ड कप का फॉर्मेट

वनडे वर्ल्ड कप में सुपर 7, टी-20 में सुपर 10 स्टेज, क्वालिफिकेशन सिस्टम भी नया

खेल डेस्क, 15 जुलाई (एजेंसियां)। आईसीसी ने मेंस वनडे और टी-20 वर्ल्ड कप के फॉर्मेट में बदलावों को मंजूरी दे दी है। वनडे वर्ल्ड कप में 14 टीमों के साथ नया थ्री-स्टेज फॉर्मेट लागू होगा, जिसमें पहली बार 'सुपर 7' राउंड टूर्नामेंट का मुख्य आकर्षण होगा।

वहीं, टी-20 वर्ल्ड कप में 'सुपर 8' की जगह 'सुपर 10' स्टेज खेली जाएगी और सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए नए एलिमिनेटर मुकाबले भी जोड़े गए हैं। इसके अलावा, 2028 टी-20 वर्ल्ड कप के लिए नया क्वालिफिकेशन स्ट्रक्चर बनाया गया है। एडिनबर्ग में हुई आईसीसी की वार्षिक आम बैठक के बाद बुधवार को नए स्ट्रक्चर की आधिकारिक घोषणा की गई। वनडे वर्ल्ड कप में भाग लेने वाली टीमों की संख्या 14 ही रहेगी, लेकिन इसके फॉर्मेट को थ्री-स्टेज में बदल दिया गया है। नए फॉर्मेट में सबसे पहले 'सुपर सीरीज' खेली जाएगी। इसमें रैंकिंग की आखिरी तीन टीमें (12, 13 और 14) राउंड-रॉबिन फॉर्मेट में आमने-सामने होंगी और टॉप टीम दूसरे राउंड में पहुंचेगी।

दूसरे राउंड में 6-6 टीमों के दो ग्रुप होंगे, जिनमें कुल 30 मैच खेले जाएंगे। दोनों ग्रुप की टॉप-3 टीमें और दोनों ग्रुप को मिलाकर अगली बेस्ट (सातवीं) टीम तीसरे राउंड यानी 'सुपर 7' में पहुंचेगी। सुपर 7 में सभी सात टीमें आपस में राउंड-रॉबिन फॉर्मेट में कुल 21 मैच खेलेंगी। इसके बाद टॉप-4 टीमें सेमीफाइनल (1 बनाम 4 और 2 बनाम 3) में पहुंचेंगी, जबकि विजेता टीमें फाइनल खेलेंगी।

पुराने फॉर्मेट में 7-7 टीमों के दो ग्रुप होते थे, जिनमें कुल 42 मैच खेले जाते थे। दोनों ग्रुप की टॉप-3 टीमें सुपर सिक्स में पहुंचती थीं। सुपर सिक्स में 3-3 टीमों के दो ग्रुप बनते थे, जहां कुल 9 मैच खेले जाते थे। इसके बाद दोनों ग्रुप की टॉप-2 टीमें सेमीफाइनल और फिर फाइनल में पहुंचती थीं।

टी-20 वर्ल्ड कप के नए फॉर्मेट में ग्रुप स्टेज में 4-4 टीमों के पांच ग्रुप होंगे, जिनमें कुल 30 मैच खेले जाएंगे। हर ग्रुप से टॉप-2 टीमें अगले दौर में पहुंचेंगी, जिससे कुल 10 टीमें 'सुपर 10' स्टेज में खेलेंगी।

भारत मौजूदा टी-20 वर्ल्ड कप चैंपियन है

सुपर 10 में 5-5 टीमों के दो ग्रुप होंगे और कुल 20 मैच खेले जाएंगे। दोनों ग्रुप की टॉप टीम सीधे सेमीफाइनल में पहुंचेगी। बाकी दो स्थानों के लिए एलिमिनेटर मुकाबले होंगे, जिसमें एक ग्रुप की दूसरे स्थान की टीम का सामना दूसरे ग्रुप की तीसरे स्थान की टीम से होगा। दोनों एलिमिनेटर के विजेता सेमीफाइनल में पहुंचेंगे और इसके बाद फाइनल खेला जाएगा।

पुराने फॉर्मेट में ग्रुप स्टेज में 5-5 टीमों के चार ग्रुप होते थे, जिनमें कुल 40 मैच खेले जाते थे। हर ग्रुप की टॉप-2 टीमें सुपर 8 में पहुंचती थीं। इसके बाद 4-4 टीमों के दो ग्रुप बनते थे, जिनमें 12 मैच खेले जाते थे। दोनों ग्रुप की टॉप-2 टीमें सीधे सेमीफाइनल और फिर फाइनल में पहुंचती थीं। आईसीसी ने 2028 मेंस टी-20 वर्ल्ड कप के लिए नया क्वालिफिकेशन सिस्टम तय किया है। स्कॉटलैंड को सीधे यूरोप रीजनल फाइनल में जगह मिलेगी। वहीं, 2026 टी-20 वर्ल्ड कप खेलने वाली जो टीमें सीधे क्वालिफाई नहीं कर पाई हैं, वे ग्लोबल क्वालिफायर में खेलेंगी। बाकी आठ टीमें रीजनल क्वालिफायर से आएंगी। इसके बाद हर रीजन की टॉप टीम और ओवरऑल रैंकिंग के आधार पर अगली तीन सर्वश्रेष्ठ टीमें 2028 टी-20 वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाई करेंगी।

बुमराह मुंबई इंडियंस के कप्तान बन सकते हैं

पंड्या को दूसरी टीम से बदलने की संभावना

अगले हफ्ते रिव्यू मीटिंग में फैसला

मुंबई, 15 जुलाई (एजेंसियां)। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह मुंबई इंडियंस के अगले कप्तान बन सकते हैं। हार्दिक पंड्या और टीम में शामिल एक पूर्व भारतीय कप्तान ट्रेड हो सकते हैं। हेड कोच महेला जयवर्धने समेत कोचिंग स्टाफ में भी बदलाव हो सकता है। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, इन सभी मुद्दों पर अंतिम फैसला अगले हफ्ते इंग्लैंड में होने वाली रीव्यू मीटिंग में लिया जा सकता है। बैठक में अंबानी परिवार और फ्रेंचाइजी के वरिष्ठ अधिकारी शामिल होंगे। पिछले 5 सीजन में मुंबई का प्रदर्शन खराब रहा है। टीम पिछले सीजन में 4 मैच जीतकर 8 अंकों के साथ 9वें स्थान पर रही थी। मुंबई इंडियंस ने अपना पिछला आईपीेल टाइटल 2020 में रोहित शर्मा की कप्तानी में जीता था। फाइनल में दिल्ली को 5 विकेट से हराया था। फ्रेंचाइजी ने 27 नवंबर 2023 को हार्दिक पंड्या को ट्रेड करके अपने साथ जोड़ा और फिर कप्तान बनाया था। लेकिन पंड्या की कप्तानी में टीम का प्रदर्शन नहीं सुधरा। ड्रेसिंग रूम में अनबन की स्थिति बनी और कुछ रिपोर्ट्स में गुटबाजी की बातें भी सामने आईं। हालांकि, इस पर टीम या मैनेजमेंट ने कुछ नहीं कहा। ड्रेसिंग रूम में अनबन और लगातार बदलती रणनीतियों का असर टीम के प्रदर्शन पर पड़ा। हार्दिक पंड्या की कप्तानी में मुंबई ने 39 मैच खेले हैं, लेकिन 15 में ही जीत हासिल की है। मुंबई इंडियंस 2027 सीजन के लिए स्थायी कप्तान बनाना चाहती है। टीम अस्थायी या कामचलाऊ कप्तान के साथ आगे नहीं बढ़ना चाहती। कप्तानी की रेस में जसप्रीत बुमराह सबसे आगे हैं। पिछले तीन सीजन में उनका प्रदर्शन लगातार अच्छा रहा है। बुमराह ने आईपीएल 2026 में हार्दिक और सूर्या की गैरमौजूदगी में पंजाब किंग्स के खिलाफ टीम की कमान संभाली है। उस समय उन्होंने कहा था, 'मैंने कभी नहीं सोचा था कि मुंबई इंडियंस की कप्तानी करने से पहले मैं भारतीय टेस्ट टीम का कप्तान बन जाऊंगा।'

ब्रायडन कार्स इंग्लैंड वनडे टीम में शामिल

लंदन, 15 जुलाई (एजेंसियां)। बॉलिंग ऑलराउंडर ब्रायडन कार्स की इंग्लैंड की वनडे टीम में वापसी हुई है। उन्हें भारत के खिलाफ चल रही 3 वनडे मैचों की सीरीज के आखिरी 2 मुकाबलों के लिए स्क्वाड में शामिल किया गया है। वह आईपीएल 2026 के दौरान लगी चोट के कारण टीम से बाहर थे।

कार्स ने हाल ही में डरहम के लिए विटैलिटी ब्लास्ट मैच खेलकर अपनी फिटनेस साबित की है। सीरीज के आखिरी दो मुकाबले 16 जुलाई को कार्डिफ और 19 जुलाई को लॉर्ड्स में खेले जाएंगे।

तेलंगाना को ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था बनाएंगे: रेवंत रेड्डी

अमेज़न डेटा सेंटर से फ्यूचर सिटी को मिलेगी नई उड़ान

हैदराबाद, 15 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने कहा कि अमेज़न डेटा सेंटर की आधारशिला तेलंगाना की महत्वाकांक्षी फ्यूचर सिटी परियोजना के लिए मील का पत्थर साबित होगी। इससे राज्य में बड़े निवेश, उद्योगों की स्थापना और रोजगार सृजन को नई गति मिलेगी।अमेज़न डेटा सेंटर के शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का लक्ष्य फ्यूचर सिटी को दुनिया के सबसे आधुनिक शहरों में शामिल करना है।

इसी उद्देश्य से दिसंबर 2025 में 'तेलंगाना राइजिंग ग्लोबल समिट' का आयोजन किया गया था, जिसमें 108 देशों से तीन हजार से अधिक कॉरपोरेट प्रतिनिधियों ने भाग लिया और फॉर्च्यून-500 कंपनियों को निवेश के लिए आमंत्रित किया गया।उन्होंने कहा कि 'तेलंगाना राइजिंग-2047' विज़न के तहत वर्ष 2034 तक राज्य को एक ट्रिलियन डॉलर और वर्ष 2047 तक तीन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाना लक्ष्य है। साथ ही विकसित भारत-2047 के तहत राष्ट्रीय सकल घरेलू

उत्पाद (जीडीपी) में तेलंगाना की हिस्सेदारी वर्तमान 5 प्रतिशत से बढ़ाकर 10 प्रतिशत करने की योजना बनाई गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए निवेश और रोजगार सृजन सबसे महत्वपूर्ण हैं।

सरकार उद्योगों को आवश्यक भूमि, आधारभूत संरचना, सभी सुविधाएं और त्वरित अनुमतियां उपलब्ध कराने के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने अमेज़न से वर्ष 2034 तक राज्य में एक लाख करोड़ रुपये का निवेश करने का आग्रह किया। रेवंत रेड्डी ने बताया कि उद्योगों की स्थापना से जुड़े सभी मुद्दों की हर महीने समीक्षा की जाती है और अमेज़न के निवेश से संबंधित मामलों की भी नियमित विशेष समीक्षा बैठक आयोजित की जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार ने 'तेलंगाना राइजिंग' नीति के तहत उद्योग, पर्यटन, ऊर्जा, स्वास्थ्य और खेल सहित विभिन्न क्षेत्रों के लिए अलग-अलग नीतियां तैयार की हैं। युवाओं को रोजगार योग्य बनाने के लिए यंग इंडिया स्किल यूनिवर्सिटी की स्थापना भी की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अमेज़न जैसी वैश्विक कंपनियों के निवेश से अन्य उद्योगों और कंपनियों को भी तेलंगाना में आने के लिए प्रोत्साहन मिलेगा।

उन्होंने कहा कि हैदराबाद पहले ही आईटी, फार्मा उद्योग, आउटर रिंग रोड और अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के कारण वैश्विक पहचान बना चुका है।उन्होंने बताया कि आउटर रिंग रोड के भीतर लगभग 1.34 करोड़ लोग रहते हैं। इसलिए रोजगार के साथ-साथ हैदराबाद को प्रदूषण मुक्त शहर बनाने पर सरकार विशेष ध्यान दे रही है।

इसके लिए पुराने उद्योगों के स्थानांतरण, मूसी नदी के पुनर्जीवन और मेट्रो रेल नेटवर्क के विस्तार पर काम किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार सार्वजनिक परिवहन को पर्यावरण अनुकूल बनाने के लिए बड़े पैमाने पर कदम उठा रही है। इलेक्ट्रिक वाहनों के पंजीकरण पर कर पूरी तरह समाप्त कर दिया गया है। इस निर्णय से सरकार को प्रतिवर्ष लगभग 1,500 करोड़ रुपये के राजस्व का नुकसान होगा, फिर भी प्रदूषण मुक्त हैदराबाद के लक्ष्य को प्राथमिकता दी गई है।

साथ ही डीजल चालित ऑटो रिक्शों को रेट्रोफिटिंग के माध्यम से इलेक्ट्रिक वाहनों में बदलने की दिशा में भी कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य को क्योर, प्योर और रेयर क्षेत्रों में विभाजित कर समग्र विकास की रणनीति अपनाई गई है। मुख्यमंत्री ने क्षेत्र के किसानों की सराहना करते हुए कहा कि रीजनल रिंग रोड और रेडियल सड़कों के लिए भूमि देने वाले किसानों का योगदान हमेशा याद रखा जाएगा। रेवंत रेड्डी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि भूमि देने वाले किसानों की छोटी-बड़ी समस्याओं का समाधान किया जाए, उन्हें उचित मुआवजा दिया जाए और जिन परिवारों ने भूमि खोई है, उन्हें रोजगार के अवसर भी उपलब्ध कराए जाएं। उन्होंने मंत्री श्रीधर बाबू और पूर्व विधायक के. लक्ष्मा रेड्डी को आंदोलन कर रहे किसानों से बातचीत कर समाधान निकालने के निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री ने अंत में अमेज़न से तेलंगाना में अपने निवेश और गतिविधियों का और अधिक विस्तार करने का आग्रह किया।

वारंगल के ममनूर हवाई अड्डे का पुनरुद्धार पीएम की प्रतिबद्धता का परिणाम: राव

हैदराबाद, 15 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने कहा कि वारंगल के ऐतिहासिक ममनूर हवाई अड्डे का पुनरुद्धार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दृढ़ इच्छाशक्ति और केंद्र सरकार के निरंतर प्रयासों से संभव हो सका है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस और तत्कालीन संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) सरकार वर्षों तक इस परियोजना को आगे बढ़ाने में विफल रही। बुधवार को नामपल्ली स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में रामचंदर राव ने कहा कि ममनूर हवाई अड्डा देश के सबसे पुराने हवाई अड्डों में से एक है, जिसकी स्थापना स्वतंत्रता से पहले हुई थी। ऐतिहासिक महत्व होने के बावजूद यह कई दशकों तक बंद पड़ा रहा। उन्होंने बताया कि हवाई अड्डे के पुनरुद्धार में सबसे बड़ी बाधा हैदराबाद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा रियायत समझौते की धारा 5.2 के तहत 150 किलोमीटर की विशेष सीमा थी। केंद्र सरकार के लगातार प्रयासों से इस शर्त में एकमुश्त छूट के लिए अनापत्ति प्रमाण-पत्र (एनओसी) प्राप्त किया गया, जिससे ममनूर हवाई अड्डे के विकास और संचालन का मार्ग प्रशस्त हुआ। रामचंदर राव ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की उड़ान (उड़े देश का आम नागरिक) योजना के माध्यम से देश में क्षेत्रीय हवाई संपर्क को नई गति मिली है और आम लोगों के लिए हवाई यात्रा सुलभ हुई है।उन्होंने बताया कि सितंबर 2021 में तत्कालीन केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर राज्य में

विमानन अवसंरचना से जुड़े लंबित मामलों के शीघ्र समाधान का आग्रह किया था। उस पत्र में वारंगल हवाई अड्डे को जल्द चालू करने का भी विशेष उल्लेख किया गया था।भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि जिस प्रकार केंद्र सरकार ने तेलंगाना और सिंगरेणी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) के हित में ताडीचेरला-द्वितीय कोयला ब्लॉक सीधे आवंटित किया, उसी प्रकार वारंगल हवाई अड्डे के पुनरुद्धार के लिए भी पूरा सहयोग दिया है।उन्होंने आरोप लगाया कि वर्ष 2011 में यूपीए सरकार ने वारंगल सहित 13 हवाई अड्डों के विकास की घोषणा तो की, लेकिन उन्हें चालू नहीं करा सकी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में इनमें से सात हवाई अड्डे अब संचालित हो चुके हैं। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए रामचंदर राव ने कहा कि यदि कांग्रेस वास्तव में वारंगल हवाई अड्डे को लेकर गंभीर होती, तो यूपीए शासन के दौरान ही सभी बाधाओं को दूर कर परियोजना को पूरा कर देती। उन्होंने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से राजनीतिक श्रेय लेने के बजाय भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया में तेजी लाने का आग्रह करते हुए कहा कि केंद्र सरकार हरसंभव सहयोग देने के लिए तैयार है। आवश्यक भूमि उपलब्ध होते ही वारंगल हवाई अड्डे का विकास तेजी से आगे बढ़ेगा और क्षेत्र के लोगों का लंबे समय से लंबित सपना साकार होगा।रामचंदर राव ने कहा कि केंद्र सरकार तेलंगाना के समग्र विकास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और वारंगल हवाई अड्डे का पुनरुद्धार इसी प्रतिबद्धता का एक महत्वपूर्ण उदाहरण है।

फर्जी नंबर प्लेट लगाने वालों पर हैदराबाद ट्रैफिक पुलिस की सख्ती

एक सप्ताह में पांच आपराधिक मामले दर्ज

हैदराबाद, 15 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। नागरिकों से लगातार मिल रही शिकायतों के बाद हैदराबाद ट्रैफिक पुलिस ने फर्जी, छेड़छाड़ की गई अथवा अनधिकृत वाहन पंजीकरण (नंबर) प्लेटों के खिलाफ विशेष अभियान शुरू किया है।

ट्रैफिक पुलिस ने स्पष्ट किया है कि ऐसे कृत्य मोटर वाहन अधिनियम और अन्य संबंधित कानूनों का गंभीर उल्लंघन हैं। अभियान के तहत पिछले एक सप्ताह में फर्जी नंबर प्लेट का उपयोग कर वाहन की पहचान छिपाने, ट्रैफिक नियमों से बचने और कानून का उल्लंघन करने वाले लोगों के खिलाफ पांच आपराधिक मामले दर्ज किए गए हैं। कार्रवाई के दौरान कई वाहनों की पहचान कर उन्हें जब्त भी किया गया।

ये मामले जुबली हिल्स, मलकपेट, बेगमबाजार, आबिड्स और काचीगुड़ा थाना क्षेत्रों में दर्ज किए गए हैं। हैदराबाद ट्रैफिक पुलिस ने कहा है कि केवल सरकार द्वारा अनुमोदित हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट (एचएसआरपी) ही वैध हैं। नंबर प्लेट में किसी भी प्रकार की छेड़छाड़, अंकों को बदलना, अस्थायी स्टिकर लगाना या डिजाइन में बदलाव करना पूरी तरह अवैध है। संयुक्त पुलिस आयुक्त (यातायात) डी. जोएल डेविस, आईपीएस ने कहा कि हैदराबाद ट्रैफिक पुलिस फर्जी नंबर प्लेट के मामलों में 'जीरो टॉलरेंस' नीति अपनाए हुए है। ऐसे मामलों में वाहन मालिकों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी, जिसमें आपराधिक मुकदमा दर्ज करने के साथ वाहन को तत्काल जब्त किया जाएगा।

उन्होंने वाहन मालिकों से निर्धारित नंबर प्लेट मानकों और यातायात नियमों का पालन करने की अपील करते हुए कहा कि सार्वजनिक सुरक्षा, कानून व्यवस्था और अपराध नियंत्रण के लिए इस तरह के विशेष अभियान शहरभर में लगातार और सख्ती से जारी रहेंगे।

फल विक्रेता पर दुष्कर्म का आरोप

पीड़िता की शिकायत पर आरोपी गिरफ्तार

हैदराबाद, 15 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। केपीएचबी क्षेत्र में एक नाबालिग छात्रा से दुष्कर्म के आरोप में उत्तर प्रदेश के 28 वर्षीय फल विक्रेता को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान रेहान के रूप में हुई है। उसके खिलाफ पॉक्सो अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है।

पुलिस के अनुसार, आरोपी पीड़िता के घर के सामने फल बेचता था। आरोप है कि वह कई महीनों तक सातवीं कक्षा की छात्रा को चॉकलेट और बिस्कुट देने का बहाना बनाकर अपने घर बुलाता रहा और उसके साथ यौन उत्पीड़न करता था। साथ ही वह छात्रा को किसी से कुछ भी बताने पर धमकी भी देता था।

धमकियों के कारण डरी-सहमी छात्रा लंबे समय तक चुप रही। हाल ही में जब आरोपी ने कथित तौर पर उसे फिर से परेशान करना शुरू किया, तब उसने पूरी घटना अपने माता-पिता को बताई।

इसके बाद परिजनों ने केपीएचबी पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने तत्काल मामला दर्ज कर आरोपी रेहान को गिरफ्तार कर लिया। मामले की जांच जारी है।

नजरबंदी के बीच भूख हड़ताल शुरू

विकास कार्य पूरे करने की मांग

हैदराबाद, 15 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। निज़ामाबाद जिले के बल्कोंडा से विधायक एवं पूर्व मंत्री वेमुला प्रशांत रेड्डी ने भीमगल में लंबित विकास कार्यों को पूरा कराने की मांग को लेकर बुधवार को अपने वेलपुर स्थित आवास पर एक दिवसीय भूख हड़ताल शुरू कर दी। इससे पहले पुलिस ने उन्हें घर से बाहर निकलने से रोकते हुए नजरबंद कर दिया।

पुलिस ने बुधवार सुबह उनके आवास के बाहर सुरक्षा बढ़ा दी और बाहर जाने की अनुमति नहीं दी। साथ ही बल्कोंडा क्षेत्र के कई बीआरएस नेताओं और कार्यकर्ताओं को हिरासत में लेकर विभिन्न पुलिस थानों में भेज दिया। बीआरएस ने आरोप लगाया कि सरकार ने शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन को रोकने के लिए यह कार्रवाई की है। प्रशांत रेड्डी ने कहा कि पुलिस की कार्रवाई से उनका आंदोलन नहीं रुकेगा। उन्होंने सरकार से भीमगल में 100 बिस्तरों वाले अस्पताल, आरटीसी डिपो, सब्जी एवं मांस बाजार, सीसी सड़कों समेत अन्य लंबित विकास कार्यों को पूरा करने की समयसीमा घोषित करने की मांग की।

वहीं, बीआरएसएलपी के उपनेता टी. हरीश राव ने भी पुलिस कार्रवाई की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि सरकार लोकतांत्रिक तरीके से किए जा रहे शांतिपूर्ण विरोध को दबाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने सरकार से विपक्ष के खिलाफ की जा रही ऐसी कार्रवाई वापस लेने और जनता की समस्याओं के समाधान पर ध्यान देने की मांग की।

टैंकर खाई में गिरा चालक की मौत

नियंत्रण खोने से हुआ दर्दनाक हादसा

हैदराबाद, 15 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। कोठागुडेम जिले के मुलकलापल्ली मंडल स्थित पुसुगुडेम के पास पलोंचा-दम्मापेट मार्ग पर सड़क हादसे में राख से भरे टैंकर के चालक की मौत हो गई। मृतक की पहचान उत्तर प्रदेश निवासी मनोज कुमार के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, सूर्यापेट की ओर जा रहा राख का टैंकर अचानक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खाई में जा गिरा। हादसा इतना भीषण था कि चालक मनोज कुमार की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई की। स्थानीय पुलिस ने मामला दर्ज कर दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

मुख्यमंत्री के नाम पर निर्वाचन विभाग का स्पष्टीकरण

दोहरे मतदाता पंजीकरण से किया इनकार

हैदराबाद, 15 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के कथित दोहरे मतदाता पंजीकरण को लेकर उठे विवाद के बीच नागरकुर्नूल के जिला निर्वाचन अधिकारी (डीईओ) हेमंत केशव पटेल ने स्पष्ट किया है कि अचमपेट विधानसभा क्षेत्र या पूरे नागरकुर्नूल जिले में मुख्यमंत्री के नाम पर कोई मतदाता पंजीकरण मौजूद नहीं है।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि जिले में दोहरे मतदाता पंजीकरण का कोई मामला नहीं पाया गया है। उन्होंने बताया कि जब जिले में मुख्यमंत्री का मतदाता पंजीकरण ही नहीं है, तो विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान उनके नाम का कोई गणना प्रपत्र न तो छापा गया और न ही वितरित किया गया। उन्होंने लोगों से अफवाहों पर विश्वास न करने और उन्हें न फैलाने की अपील की।

यह विवाद तब सामने आया जब मतदाता सूची में मुख्यमंत्री का नाम कोडंगल और अचमपेट विधानसभा क्षेत्रों की सूची में एक ही ईपीआईसी नंबर के साथ दिखाई देने की चर्चा हुई। इसके बाद तेलंगाना सरकार के आधिकारिक 'फैक्ट चेक' मंच ने भी इस संबंध में एक स्पष्टीकरण

जारी किया था, जिसे बाद में हटा लिया गया।

सरकारी पक्ष के अनुसार, चुनावी प्रक्रिया के तहत इस विसंगति को विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के दौरान ठीक किया जा रहा है। साथ ही बताया गया कि मुख्यमंत्री के परिवार ने कोडंगल विधानसभा क्षेत्र में मतदाता पंजीकरण बनाए रखने तथा दूसरी प्रविष्टि हटाने का अनुरोध चुनाव अधिकारियों से किया है।

वाकिटी श्रीहरि मुदिराज आज सुनेंगे जनता की समस्याएं

हैदराबाद, 15 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) की ओर से आयोजित साप्ताहिक 'प्रजा से मुखामुखी' कार्यक्रम के तहत गुरुवार, 16 जुलाई को राज्य के पशुपालन, डेयरी विकास, मत्स्य, खेल एवं युवा सेवाएं मंत्री वाकिटी श्रीहरि मुदिराज जनता की समस्याएं सुनेंगे। टीपीसीसी द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार, कार्यक्रम का उद्देश्य सरकार और जनता के बीच सीधा संवाद स्थापित कर लोगों की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करना है।

कार्यक्रम के दौरान मंत्री नागरिकों से व्यक्तिगत एवं सार्वजनिक हित से जुड़े ज्ञापन और आवेदन स्वीकार करेंगे तथा संबंधित अधिकारियों से चर्चा कर उनके समाधान के लिए आवश्यक कार्रवाई करेंगे। यह कार्यक्रम 16 जुलाई (गुरुवार) को इंदिरा भवन, गांधी भवन, हैदराबाद में सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक आयोजित किया जाएगा। टीपीसीसी ने आम जनता से अपील की है कि वे अपनी समस्याओं से संबंधित सभी आवश्यक दस्तावेजों के साथ कार्यक्रम में उपस्थित होकर इस अवसर का लाभ उठाएं। कार्यक्रम की निगरानी की जिम्मेदारी टीपीसीसी के उपाध्यक्ष संगिशेट्टी जगदीश्वर राव (प्रभारी) तथा गाल रेड्डी (संयोजक) को सौंपी गई है।

मिलावटी दूध बनाने वाले गिरोह का भंडाफोड़

150 लीटर नकली दूध किया जब्त

हैदराबाद, 15 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मेडक जिले के नरसपुर मंडल स्थित रेड्डीपल्ली गांव के बाहरी इलाके में टास्कफोर्स पुलिस ने बुधवार सुबह मिलावटी दूध बनाने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ किया। छापेमारी के दौरान पुलिस ने 150 लीटर मिलावटी दूध, दूध पाउडर और दूध तैयार करने में इस्तेमाल होने वाले विभिन्न रसायन बरामद किए।

पुलिस के अनुसार, यह अवैध इकाई शिवन्नागरी सुधाकर गौड़ के स्वामित्व में संचालित की जा रही थी। यहां तैयार किया गया मिलावटी दूध हैदराबाद और मेडक जिले के विभिन्न क्षेत्रों में सप्लाई किया जाता था।

टास्कफोर्स ने मामले में आवश्यक सामग्री जब्त कर पुलिस के हवाले कर दी है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधीक्षक डी.वी. श्रीनिवास राव ने बताया कि मामले में विस्तृत जानकारी और आरोपियों के तौर-तरीकों का खुलासा बुधवार शाम आयोजित प्रेस वार्ता में किया जाएगा।

पूर्व मंत्री के अंतिम दर्शन पर विवाद

बेटी को शव छूने से रोका गया

अमरावती, 15 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के पूर्व मंत्री एवं कापू नेता मुद्रगदा पद्मनाभम के अंतिम दर्शन के दौरान बुधवार को पूर्वी गोदावरी जिले के किरलाम्पुडी स्थित उनके आवास पर तनाव की स्थिति बन गई। परिवार के सदस्यों और समर्थकों ने उनकी बेटी बरलापुडी क्रांति को पार्थिव शरीर के पास जाने और उसे छूने से रोक दिया, जिससे कुछ देर तक अफरा-तफरी का माहौल रहा।

बताया गया कि 2024 के विधानसभा चुनाव के दौरान जन सेना प्रमुख पवन कल्याण का समर्थन करने को लेकर मुद्रगदा पद्मनाभम और उनकी बेटी के बीच मतभेद हो गए थे। परिवार का कहना है कि दिवंगत नेता ने अपनी अंतिम इच्छा में बेटी को अंतिम संस्कार में शामिल नहीं करने की बात कही थी।

बुधवार सुबह जब क्रांति अपने समर्थकों के साथ किरलाम्पुडी पहुंचने निकलीं तो पुलिस ने उन्हें रास्ते में रोक दिया। बाद में समर्थकों के बिना जाने की अनुमति दी गई। पुलिस सुरक्षा के बीच वह घर पहुंचीं, लेकिन वहां मौजूद परिजनों और समर्थकों ने उनका विरोध किया। धक्का-मुक्की के बीच उन्हें कुछ समय के लिए पार्थिव शरीर के पास जाने दिया गया, हालांकि उन्हें शव को छूने की अनुमति नहीं मिली।

इस बीच, आंध्र प्रदेश सरकार ने पूर्व मंत्री का अंतिम संस्कार राजकीय सम्मान के साथ कराने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू और उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण के बीच चर्चा के बाद यह फैसला लिया गया। सरकार ने अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी कर दिए हैं।

स्वास्थ्य योजना पर सरकार को घेरा

बीआरएस ने वादाखिलाफी का लगाया आरोप

हैदराबाद, 15 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के उपनेता एवं पूर्व मंत्री टी. हरीश राव ने कांग्रेस सरकार पर कर्मचारी स्वास्थ्य योजना (ईएचएस) लागू करने में देरी का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि सरकारी कर्मचारियों, शिक्षकों और पेंशनभोगियों के वेतन व पेंशन से दो महीने से प्रीमियम की कटौती की जा रही है, लेकिन अब तक स्वास्थ्य कार्ड जारी नहीं किए गए और योजना भी शुरू नहीं हुई है।

बुधवार को जारी बयान में हरीश राव ने कहा कि सरकार ने पहले 2 जून और बाद में 15 जुलाई से योजना लागू करने का आश्वासन दिया था, लेकिन अभी तक इसे शुरू नहीं किया गया। उन्होंने मांग

की कि कर्मचारियों को तुरंत स्वास्थ्य कार्ड दिए जाएं और योजना लागू होने तक काटी गई राशि वापस की जाए।

उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार ने चुनावी घोषणापत्र में किए गए कई वादे अब तक पूरे नहीं किए हैं। उनके अनुसार, वेतन संशोधन आयोग (पीआरसी), लंबित महंगाई भत्ते, अंशदायी पेंशन योजना (सीपीएस) समाप्त करने और पेंशन बकाया के मामलों में भी सरकार ने कर्मचारियों को निराश किया है।

हरीश राव ने दावा किया कि पिछली बीआरएस सरकार ने कर्मचारियों के हित में कई फैसले लिए थे और कैशलेस चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई थी। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि कर्मचारियों से जुड़े वादे जल्द पूरे नहीं किए गए तो बीआरएस राज्यभर में आंदोलन शुरू करेगी।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.